# वार्षिक विवरण

# 2022-2023

## गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय) हरिद्वार

(यू.जी.सी. एक्ट 1956 के सेक्शन 3 के अन्तर्गत समविश्वविद्यालय)

# संपादक मंडल

- प्रो सुनील कुमार, कुलसचिव
- प्रो विवेक कुमार, निदेशक आई.क्यू.ए.सी.
- प्रो देवेन्द्र कुमार गुप्ता , वित्ताधिकारी

# गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय) के अधिकारी

अधिकारी :

| | | |
|---|---|---|
| १. | डॉ सत्यपाल सिंह | कुलाधिपति |
| २. | प्रो सोमदेव शतान्शु | कुलपति |
| ३. | प्रो सुनील कुमार | कुलसचिव |
| ४. | प्रो देवेन्द्र कुमार गुप्ता | वित्ताधिकारी |
| 5. | प्रो डी एस मलिक | मुख्य सतर्कता अधिकारी |
| ६. | प्रो विवेक कुमार | निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ |

**समन्यवक :**

| | | |
|---|---|---|
| **१.** | प्रो श्यामलता जुयाल | समन्वयक, कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार |
| २. | प्रो रेनू शुक्ला | समन्वयक, कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून |

**संकायाध्यक्ष :**

| | | |
|---|---|---|
| १. | प्रो ब्रह्मदेव | संकायाध्यक्ष, प्राच्य विद्या संकाय |
| २. | प्रो अम्बुज कुमार शर्मा | संकायाध्यक्ष, मानविकी संकाय |
| ३. | प्रो एल पी पुरोहित | संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय |
| ४. | प्रो डी.एस. मलिक | संकायाध्यक्ष, जीव विज्ञान संकाय |
| 5. | डॉ पंकज मदान | संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं प्रोद्योगिकी संकाय |
| **6.** | प्रो विनोद कुमार सिंह | संकायाध्यक्ष, प्रबंध अध्ययन संकाय |
| ७. | प्रो आर सी दुबे | संकायाध्यक्ष, आयुर्विज्ञान एवं स्वास्थ्य संकाय |
| ८. | प्रो सुरेन्द्र कुमार | संकायाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा एवं योग संकाय |
| ९. | प्रो विनय कुमार | संकायाध्यक्ष, शिक्षा एवं प्रशिक्षण संकाय |

**अन्य पदाधिकारीगण :**

| | | |
|---|---|---|
| १. | प्रो आर सी दुबे | संकायाध्यक्ष, शोध |
| २. | प्रो अम्बुज कुमार शर्मा | संकायाध्यक्ष, सांस्कृतिक मामले |
| ३. | प्रो नवनीत | संकायाध्यक्ष, शिक्षा |
| ४. | प्रो डी एस मलिक | संकायाध्यक्ष, ग्रीन ऑडिट |
| 5. | प्रो एल पी पुरोहित | निदेशक, प्रवेश प्रक्रिया |
| ६. | प्रो राकेश कुमार | परीक्षा नियंत्रक |
| ७. | प्रो देवेन्द्र कुमार गुप्ता | संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण |
| ८. | डॉ अजय कुमार मलिक | चीफ प्रोक्टर |
| ९. | डॉ अजेन्द्र कुमार | उप कुलसचिव |
| १०. | श्री राजेश कुमार पाण्डेय | उप कुलसचिव |
| ११. | डॉ पंकज कौशिक | जनसंपर्क अधिकारी |

**कुलपति की कलम से .....✍**

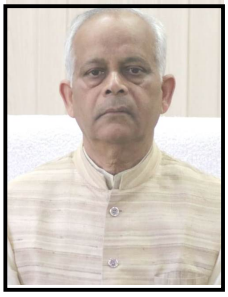

परम पावन गंगा के तट पर तपःपूत आचार्य मुंशीराम जी (स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज) ने आज से १२१ वर्ष पूर्व ०४ मार्च, १९०२ को वैदिक मूल्यों के प्रचार - प्रसार एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए वैदिक ज्ञान विज्ञान के साथ-साथ आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा जाति आदि के भेदभाव से ऊपर उठकर देने के लिये तथा मैकॉले की शिक्षानीति के विरोध में गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार की स्थापना की थी। सम्पूर्ण मानवजाति के मंगल के लिये भारतीय प्राचीन शिक्षापद्धति की पुनः स्थापना करना उनका ध्येय था।

गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय ने बिना सरकारी सहायता के लगभग छः दशक तक की अपनी यात्रा जब पूर्ण की तब देश, समाज, शैक्षिक इत्यादि क्षेत्रों में इसकी अद्वितीय गुणवत्ता, सेवाओं को देखते हुए भारत सरकार द्वारा सन् १९६२ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सेक्शन-३ के तहत शत-प्रतिशत अनुदान सहित गुरुकुल काँगड़ी को मानद विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। तब से लेकर ६१ वर्ष की इस लम्बी यात्रा में इस समविश्वविद्यालय ने वटवृक्ष का रूप धारण किया है और राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वैदिक शिक्षा व्यवस्था के प्रसार, वैज्ञानिक अनुसन्धान, मानवीय मूल्यों एवं वैदिक शिक्षादर्शन के आधार पर आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण कर अपनी शीतल छाया का अनुभव करवाया है।

समविश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग अपने-अपने शैक्षिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं तथा वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुसार प्रगतिशील हैं। विभागों द्वारा स्नातक, स्नातकोत्तर, पी-एच०डी०, डी०लिट० पाठ्यक्रमों के साथ-साथ डिप्लोमा, पी०जी० डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का भी संचालन छात्रों की सुविधा हेतु किया जा रहा है। वर्तमान में समविश्वविद्यालय के मुख्य परिसर के साथ नारी शिक्षा के उत्थान हेतु गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति के अनुरूप कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार एवं कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून में अलग से शिक्षण एवं शोध का कार्य किया जा रहा है।

गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय में लगभग ७००० छात्र/छात्राएँ नौ आकादमिक संकायों के अन्तर्गत अध्ययन कर रहे हैं। जहाँ सामान्य शिक्षा के साथ साथ पञ्चमहायज्ञ और भारतीय ज्ञानपरम्परा के पाठ्यक्रमों तथा दैनिक यज्ञ के कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण करने का प्रयास मुख्य रहता है। राष्ट्रीयता, समरसता आदि की भावना विकसित करना तथा विद्यार्थियों के अन्दर प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा एवं संस्कृति के प्रति प्रेम, अनुराग एवं निष्ठा उत्पन्न करना विश्वविद्यालय का अन्यतम उद्देश्य है। प्रेम, सेवा, समर्पण, सन्तोष, नैतिकता, आध्यात्मिकता आदि उच्च आदर्शयुक्त गुणों की शिक्षा छात्रों को प्रदान की जाती है, जिससे नैतिकता, सच्चरित्रता आदि गुण सम्पन्न स्नातक एक सुखी, सम्पन्न एवं ज्ञानयुक्त समाज एवं राष्ट्र बनाने में समर्थ हो सके, ऐसा यहाँ के आचार्यों का प्रयास रहता है। विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान-विज्ञान का पाठ्यक्रम तथा नैतिक मूल्यों की स्थापना हेतु पञ्चमहायज्ञ का पाठ्यक्रम अनिवार्य है। विज्ञान विषयक सभी पाठ्यक्रमों में वैदिक ज्ञान-विज्ञान के प्रसारार्थ विषयानुरूप वैदिक भौतिकी, वैदिक रसायन, वैदिक गणित आदि विषय सम्मिलित किये गये हैं। वर्तमान में

आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं लेखन आदि का संवर्धन करने हेतु प्राचीन एवं आधुनिक ज्ञान का समन्वय करते हुए विश्वविद्यालय प्रगति पथ पर अग्रसर है।

विश्वविद्यालय द्वारा गत शैक्षिक सत्र में विभिन्न पेटेण्ट पञ्जीकृत किए गए हैं तथा विश्वविद्यालय के विद्वान् प्राध्यापकों के द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात यू०जी०सी० केयर में वर्गीकृत शोध-पत्रिकाओं में लगभग ८७० से अधिक शोधपत्रों का प्रकाशन हुआ है। भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित एजेन्सी यथा-SAP, DST, FIST आदि योजनाओं के माध्यम से विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को शोध परियोजनाओं हेतु अनुदान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में अध्ययनार्थ आईसीटी सुविधा युक्त क्लासरूम, 01 GBPS गति की इण्टरनेट सेवा, वाई-फाई कैम्पस की सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट शोध हेतु रिसर्च प्रमोशन पॉलिसी तथा सीड मनी की व्यवस्था है। छात्रों के शारीरिक, बौद्धिक एवं आत्मिक उन्नति के लिए बृहत् स्तर पर खेलकूद मैदान एवं योग की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

सम्पूर्ण मानवीय गुणों से ओतप्रोत, प्राच्य एवं आधुनिकतम ज्ञान-विज्ञान से सम्पन्न, समाज, राष्ट्र एवं विश्वमानवता की सेवा के लिये समर्पित स्नातकों के निर्माण करने के अपने महान् लक्ष्य को लेकर विश्वविद्यालय सतत अग्रसर है। भारत की वर्तमान नई शिक्षा नीति-२०२० (NEP-2020) भी इन्हीं महान् उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास है। हर्ष का विषय है कि समविश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० के अनुसार अपेक्षित परिवर्तन कर इसे लागू कर दिया है। गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय के लिये यह गर्व एवं गौरव की बात है कि अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी ने शिक्षा के जिन महान् आदर्शों को स्थापित किया था, उसे आज हम आत्मसात् करने के लिये सन्नद्ध हो रहे हैं। विश्व इस स्वस्ति पन्था का अनुगमन करे, इन्हीं कामनाओं के साथ।

**प्रो० सोमदेव शतांशु**
कुलपति
गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

## कुलसचिव की कलम से .....✍

भारतीय वैदिक प्राचीन संस्कृति व शिक्षा के पुरोधा अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानंद महाराज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में पल्लवित गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय लगाया गया पौधा आज एक वट वृक्ष का रूप ले चुका है | एक शताब्दी पूर्व से अधिक समय स्थापित किए गए स्वामी श्रद्धानंद जी के शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों व उनकी प्राचीन भारतीय वैदिक शिक्षा प्रणाली को देश के युवाओं में अंकुरित करने की दिशा में यह संस्थान आज भी निरंतर अग्रसर है| शिक्षा के क्षेत्र में अपने 121 वर्ष के लंबे सफर में इस समविश्वविद्यालय में शिक्षा क्षेत्र के साथ-साथ आध्यात्मिक, सामाजिक, राजनैतिक, अनुसंधान, पत्रकारिता व साहित्य के क्षेत्र में विश्व पटल पर ख्याति प्राप्त विद्वान दिये है, जिन्होने देश ही नहीं दुनिया का अपने-अपने क्षेत्र में मार्गदर्शन किया है |

गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय द्वारा भारतीय वैदिक संस्कृति व शिक्षा तथा देश के स्वतन्त्रता आंदोलन में किए गए अद्वितीय योगदान को देखते हुये भारत सरकार द्वारा सन 1962 में इसे मानद विश्वविद्यालय (Deemed to be University) का दर्जा प्रदान किया गया | समविश्वविद्यालय के महत्व व राष्ट्रीय सेवा के क्षेत्र में योगदान को देखते हुये देश के विभिन्न शिक्षाविदों व राष्ट्रीय नेताओं ने दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग कर छात्रों का मार्गदर्शन किया| वर्तमान में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, प्रबंधन मंडल व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशन में समविश्वविद्यालय अनवरत प्रगति के पथ पर अग्रसर है |

सत्र २०२१-२२ की वार्षिक रिपोर्ट संकलित की जा रही हैं, जिसमे विभाग और अनुभाग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रेषित की जा रही है | मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय) स्वामी श्रद्धानंद जी के बताये हुए मार्ग पर अनवरत ऊचाईयों को शिक्षा और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है | विश्वविद्यालय बदलते शैक्षिक परिदृश्य के अनुरूप विकसित और अनुकूलित हुआ है, जो पारंपरिक और आधुनिक पाठ्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला की पेशकश करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हम बड़े पैमाने पर अपने छात्रों और समाज की गतिशील जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। वर्ष २०२१-२२ में विशेष रूप से समविश्वविद्यालय में अनुसंधान के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किये है विश्वविद्यालय में उद्योग भागीदारों के साथ मूल्यवान समझौता ज्ञापनों का निर्माण हुआ है, और छात्रों के लिए प्लेसमेंट के अवसरों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। ये उपलब्धियाँ हमारे संकाय, विभागीय कर्मचारियों और छात्रों के अटूट समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

समविश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर निम्न विभाग कार्यरत है :

**स्थापना अनुभाग :**

कुलसचिव कार्यालय के निर्देशन में स्थापना अनुभाग-I द्वारा समविश्वविद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की रिक्तियों की सूचना, स्थापना अनुभाग- II को नियुक्ति करने हेतु प्रस्तुत करना एवं तत्पश्चात् प्रक्रिया सम्पन्न होने के पश्चात् कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र जारी कर उन्हें चयनित पद के सापेक्ष स्थापित करना। स्थापित हो जाने के पश्चात् कर्मचारियों की व्यक्तिगत पत्रावली, सर्विस बुक का रख-रखाव, अवकाशों (अर्जित अवकाश इत्यादि) का विवरण रखना, अपडेटेशन करना, उन्हे देय प्रमोशन, CAS प्रौन्नति, एम0ए0सी0पी0, वार्षिक वेतन-वृद्धि, वेतन एवं देय अन्य लाभ एल0टी0सी0, संतान शिक्षा भत्ता, चिकित्सा-प्रतिपूर्ति बिलों के भुगतान के साथ ही पी0एफ0, एन0पी0एस0 से सम्बन्धित कार्य अग्रिम कार्यवाही हेतु लेखा-अनुभाग में प्रस्तुत करना, अनुभाग से सम्बन्धित आर0टी0आई0 का कार्य भी किया जाता है। सेवा पूर्ण करने के उपरान्त सेवानिवृत्ति लाभों की गणना कर भुगतान की प्रक्रिया के साथ-साथ सम्बन्धित सेवानिवृत्त शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के पेंशन/परिवार पेंशन इत्यादि का कार्य भी पूर्ण किया जाता है।

स्थापना अनुभाग- II द्वारा समस्त कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रमोशन इत्यादि के कार्य सम्पन्न किये जाते हैं। आई0टी0 सैल द्वारा स्थापना अनुभाग, परीक्षा अनुभाग, मूल्यांकन अनुभाग से सम्बन्धित कार्य वेतन, परीक्षा, रिजल्ट सम्बन्धी समस्त कार्यों के ऑटोमेशन का कार्य किया जाता है।

**लेखा अनुभाग :**

समविश्वविद्यालय में लेखा अनुभाग विशेष अनुभागों में से एक है | इस अनुभाग में सम्पूर्ण विश्वविद्यालय का लेखा जोखा संकलित रहता है | लेखा अनुभाग के द्वारा समय समय पर वित्तीय कार्यों का ऑडिट सरकारी एजेंसियों से कराया जाता है | इस अनुभाग का संचालन प्रो देवेंद्र कुमार गुप्ता, वित्ताधिकारी के निर्देश में किया जा रहा है |

**शिक्षा अनुभाग :**

समविश्वविद्यालय में शिक्षा अनुभाग विश्वविद्यालय शुरू होने के समय से ही संचालित है| समविश्वविद्यालय का यह अनुभाग महत्वपूर्ण है इस अनुभाग द्वारा समय-समय पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों से संबन्धित शिक्षा पटल (Academic Council), शोध उपाधि समिति, शिक्षा समिति का कार्य बाह्य शिक्षाविदों के द्वारा कराया जाता है | अनुभाग में समविश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया संबन्धित कार्य, माइग्रेशन, प्रोविज़नल डिग्री, शोध संबन्धित कार्यों का निष्पादन किया जाता है | इसके साथ ही अनुभाग में समविश्वविद्यालय के संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने छात्र एवं छात्राओं का नामांकन किया जाता है | समविश्वविद्यालय में समय-समय पर होने वाले दीक्षांत समारोह पर वितरित किए जाने वाली उपाधियाँ/स्वर्ण पदक व अन्य डिप्लोमा व प्रमाण पत्रों का विवरण अनुभाग द्वारा तैयार किया जाता है |

**परीक्षा अनुभाग :**

समविश्वविद्यालय में परीक्षा अनुभाग समविश्वविद्यालय के संचालित पाठ्यक्रमों की परीक्षा संबन्धित कार्य नियत समय पर सम्पन्न कराया जाता है | इस अनुभाग के सम्पूर्ण ज़िम्मेदारी डॉ कृष्ण कुमार द्वारा निभाई जा रही है |

**मूल्यांकन अनुभाग :**

समविश्वविद्यालय में परीक्षा (मूल्यांकन) अनुभाग अपने शुरुआत दौर से ही महत्वपूर्ण प्रतिष्ठा बनाए हुये है| समय-समय पर मूल्यांकन में नई-नई तकनीकों का समावेश किया जा रहा है| अनुभाग में सी बी सी एस 2015 से कार्यवाही शुरू की गई है इस कार्यवाही का क्रियान्वयन बेहद तरीके से किया जा रहा है| समविश्वविद्यालय में परीक्षा अनुभाग (मूल्यांकन) समविश्वविद्यालय के संचालित पाठ्यक्रमों की परीक्षा का मूल्यांकन समय से सम्पन्न कर परीक्षा परिणामों की समय से घोषणा करना |

**शोध प्रकोष्ठ :**

समविश्वविद्यालय में शोध प्रकोष्ठ की स्थापना वर्ष 2021 में की गई थी, स्थापना का मूल उद्देश्य यह था कि शोध की प्रक्रिया का सही रूप में संचालन होना| इस उद्देश्य को कामयाब करने के लिए शिक्षा अनुभाग के साथ शोध क्रियाकलापों को जोड़ना था| शिक्षा अनुभाग में शोध विज्ञापन से लेकर जमा होने का कार्य किया जाता है इसी परिप्रेक्ष्य में शोध प्रबंधों को मूल्यांकित करने के लिए यह प्रक्रिया अनवरत जारी है | पिछले 2 सालों में शोध प्रकोष्ठ द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए गए है| शोधार्थियों के शोध कार्यों का शीघ्र शोध मूल्यांकन कर मौखिकी करने की कार्यवाही सफलतापूर्वक की जा रही है | इस तरह से शोध प्रकोष्ठ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सफल हो रहा है | इस प्रकोष्ठ का संचालन मुख्य रूप से प्रमोद कुमार, प्रभारी के रूप में कर रहे है |

**आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ :**

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ समविश्वविद्यालय में संचालित है| समविश्वविद्यालय में प्रत्येक वर्ष का लेखा जोखा संकलित कर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली व एनआईआरएफ व अन्य कमेटियों को प्रेषित किया जाता है | प्रकोष्ठ के द्वारा समविश्वविद्यालय स्तर पर समय समय पर बैठकों का आयोजन किया जाता है|

बैठक में प्रकोष्ठ के निदेशक द्वारा प्राध्यापकों को निर्देशित किया जाता है कि समविश्वविद्यालय की रेंकिंग में बढ़ोत्तरी करनी है तो शोध और प्रसार कार्यक्रमों को जनस्तर पर सुचारू रूप से शुरू करना होगा | प्रकोष्ठ के द्वारा पंचवर्षीय समयान्तराल में नेक की टीम के द्वारा विश्वविद्यालय में शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध और प्रसार कार्यक्रमों की जांच पड़ताल कराई जाती है जिससे नेक संस्था द्वारा समविश्वविद्यालय को ग्रेड मिलता है जिससे समविश्वविद्यालय की गुणवत्ता आँकी जाती है |

**कारपोरेट अफेयर्स एवं आउटरिच सेल :**

समविश्वविद्यालय में कारपोरेट अफेयर्स एवं अटरिच सेल स्थापित है| इस सेल द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र एवं छात्राओं के लिए प्रतिष्ठित कंपनियों से संपर्क कर केम्पस साक्षात्कार की व्यवस्था की जाती है| अतः सेल का कार्य केवल विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र/छात्राओं को प्रतिष्ठानों में नियुक्ति हेतु साक्षात्कार की व्यवस्था करना है | इस सेल का संचालन डॉ राजुल भारद्वाज द्वारा किया जा रहा है |

**अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ :**

प्रकोष्ठ समविश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक वर्ग हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा पोषित रेमेडियल कोचिंग के लिए छात्र/छात्राओं को मार्गदर्शन उपलब्ध करा रहा है | इस प्रकोष्ठ का निर्देशन उपकुलसचिव श्री राजेश पांडेय द्वारा किया जा रहा है|

**उद्यान अनुभाग :**

समविश्वविद्यालय में पेड़ पौधों के रख-रखाव उद्यान अनुभाग द्वारा किया जाता है | इस अनुभाग का संचालन डॉ गंधर्व सेन द्वारा किया जा रहा है |

**विधि एवं सतर्कता प्रकोष्ठ :**

समविश्वविद्यालय में विधि एवं सतर्कता प्रकोष्ठ स्थापित है इस प्रकोष्ठ के माध्यम से समविश्वविद्यालय की विधि प्रक्रिया लागू है | समविश्वविद्यालय में विधिक मामले में सुझाव और समाधान के मार्ग को अपनाया जाता है | विधि एवं सतर्कता प्रकोष्ठ समविश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को न्याय प्रक्रिया में सहयोग करने में कारगर सिद्ध हो रहे है |

**जनसूचना प्रकोष्ठ :**

समविश्वविद्यालय में जनसूचना प्रकोष्ठ संचालित है| इस प्रकोष्ठ के माध्यम से समविश्वविद्यालय में अलग-अलग विभागों में सूचना अधिनियम के पत्रोत्तर प्रेषित किए जाते है| प्रकोष्ठ के द्वारा सूचना का आदान-प्रदान भी कुलसचिव कार्यालय के माध्यम से किया जाता है|

**सुरक्षा अनुभाग :**

समविश्वविद्यालय में सुरक्षा अनुभाग है| इस अनुभाग के द्वारा समविश्वविद्यालय में सुरक्षा के कार्य किए जाते है जिससे समविश्वविद्यालय में किसी तरह की अप्रिय घटना ना हो सके |

**संपदा अनुभाग :**

समविश्वविद्यालय में संपदा अनुभाग द्वारा पूरी संपत्ति का ब्योरा रखा जाता है | समय-समय पर संपदा संबंधी कार्यवाही का लेखा जोखा संपदा अनुभाग के पास संकलित रहता है | संपदा संबंधी कागजात संपदा अनुभाग में संकलित रहते है जिसका समय-समय पर कुलसचिव द्वारा अवलोकन भी किया जाता है|

**प्रो० सुनील कुमार**
कुलसचिव
गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

# अनुक्रमणिका


| क्र0सं0 | विवरण | पृ0सं0 |
|---|---|---|
| 1. | विश्वविद्यालय के बारे में | 1 |
| 2. | लेखा अनुभाग | 2 |
| 3. | नियोजन प्रकोष्ठ | 3 |
| 4. | अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ | 4 |
| 5. | जनसंपर्क अनुभाग | 5 |
| 6. | केन्द्रीय पुस्तकालय | 6-9 |
| 7. | राष्ट्रीय कैडेट कोर | 10-15 |
| 8. | राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ | 16-18 |
| 9. | **जीव विज्ञान संकाय** | |
| | वनस्पति विज्ञान एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग | 19-36 |
| | जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग | 37-56 |
| 10. | **विज्ञान संकाय** | |
| | गणित एवं सांख्यिकी विभाग | 57-64 |
| | भौतिकी विभाग | 65-70 |
| | रसायन विभाग | 71-75 |
| | कंप्यूटर विज्ञान विभाग | 76-87 |
| 11. | **प्रबंधन संकाय** | |
| | प्रबंधन अध्ययन विभाग | 88-101 |
| 12. | **इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय** | |
| | कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग विभाग | 102-106 |
| | इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग | 107-113 |
| | मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग | 114-121 |
| | इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग | 122-125 |
| | अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग | 126-130 |
| 13. | **योग एवं शारीरिक शिक्षा संकाय** | |
| | शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग | 131-134 |
| | योग विज्ञान एवं स्वास्थ्य विभाग | 135-136 |
| 14. | **चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य संकाय** | |
| | भेषज विज्ञान विभाग | 137-142 |
| 15. | **मानविकी संकाय** | |
| | हिन्दी विभाग | 143-148 |
| | अंग्रेजी विभाग | 149-158 |

| | | |
|---|---|---|
| | मनोविज्ञान विभाग | 159-173 |
| | संगीत विभाग | 174-175 |
| | चित्रकला विभाग | 176 |
| | अर्थशास्त्र विभाग | 177-178 |
| 16. | **प्राच्य विद्या संकाय** | |
| | संस्कृत विभाग | 179-185 |
| | ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्म-कांड | 186 |
| | श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान | 187-189 |
| | वेद विभाग | 190 |
| | दर्शन विभाग | 191-199 |
| | प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग | 200-205 |
| 17. | **शिक्षा एवं प्रशिक्षण संकाय** | |
| | आजीवन शिक्षा विभाग | 206-207 |
| | स्वामी श्रद्धानंद स्वास्थ्य केंद्र | 208 |
| 18. | **शिक्षण और गैर-शिक्षण सूची** | 209-218 |
| 19. | **राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अवकाश सूची** | 219-220 |

# गायत्री मन्त्र

ओ३म् भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्॥

## कुल–गीत

(लेखक–श्री बुद्धदेव विद्यालंकार)

प्राणों से हमको प्यारा 'कुल' हो सदा हमारा॥

विष देने वालों के भी, बन्धन कटाने वाले।
मुनियों का जन्म–दाता, कुल हो सदा हमारा॥

कट जाय सिर न झुकना, यह मन्त्र जपने वाले।
वीरों का जन्म–दाता, कुल हो सदा हमारा॥

स्वाधीन्य–दीक्षितों पर, सब कुछ बहाने वाले।
धनियों का जन्म–दाता, कुल हो सदा हमारा॥

निज जन्म–भूमि भारत, को क्लेश से छुड़ाकर॥
गौरव बढ़ाने वाला, कुल हो सदा हमारा॥

तन–मन सभी न्यौछावर, कर वेद का संदेशा।
जग में ले जाने वाला, कुल हो सदा हमारा॥

हिम–शैल तुल्य ऊँचा, भागीरथी सा पावन॥
भटकों का मार्गदर्शक, दुखियों का हो सहारा॥

आजन्म ब्रह्मचारी, ज्योति जगा गया है।
अनुरूप पुत्र उसका, कुल हो सदा हमारा॥

## कुल–वन्दना

(लेखक–श्री वागीश्वर विद्यालंकार)

जय जय जननि! कुलदेवी, तुझको बार–बार प्रणाम है।
यह मंजु अञ्जलि प्रेममय, अर्पित तुझे अभिराम है॥

महिमा हिमालय की शिखायें गा रहीं तेरी स्वयं।
भागीरथी की बीचियों में, स्पष्ट तेरा नाम है॥

हम देखते तुझमें सदा, नव प्रेम का उल्लास है।
हमको मधुरतम गोद ही तेरी परम विश्राम है॥

तेरे विशद आकाश की, स्वाधीनता में हम पले।
स्वर्गीयता मिश्रित जहाँ उज्ज्वल उषा का धाम है॥

तेरे वनों की स्तब्धता में दिव्य कोई राग है।
सब ओर से मानो बरसता, पुण्य का परिणाम है॥

तूने हृदय मोती पिरो कर, प्रेम के दृढ़ सूत्र में।
अनुपम बनाई यह हमारी, चारु मुक्तादाम है॥

तू ही बजाती वीणा वह, जिसके कि हम सब तार हैं।
जो तार सारे एक स्वर हों, कह रहे अविराम है॥

हम हैं सदा तेरे, हमारी तू हृदय वर वासिनी।
सम्बन्ध यह तेरा हमारा, नित्य है निष्काम है॥

# आर्य समाज के नियम

१. सब सत्यविद्या और जो पदार्थ विद्या से जाने जाते हैं, उन सबका आदिमूल परमेश्वर है।

२. ईश्वर सच्चिदानन्दस्वरूप, निराकार, सर्वशक्तिमान, न्यायकारी, दयालु, अजन्मा, अनंत, निर्विकार, अनादि, अनुपम, सर्वाधार, सर्वेश्वर, सर्वव्यापक, सर्वांतर्यामी, अजर, अमर, अभय, नित्य, पवित्र और सृष्टिकर्ता है, उसी की उपासना करने योग्य है।

३. वेद सब सत्यविद्याओं का पुस्तक है। वेद का पढ़ना–पढ़ाना और सुनना–सुनाना सब आर्यों का परम धर्म है।

४. सत्य के ग्रहण करने और असत्य के छोडने में सर्वदा उद्यत रहना चाहिए।

५. सब काम धर्मानुसार, अर्थात सत्य और असत्य को विचार करके करने चाहिए।

६. संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है, अर्थात शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति करना।

७. सबसे प्रीतिपूर्वक, धर्मानुसार, यथायोग्य वर्तना चाहिये।

८. अविद्या का नाश और विद्या की वृद्धि करनी चाहिये।

९. प्रत्येक को अपनी ही उन्नति से संतुष्ट न रहना चाहिये, किंतु सब की उन्नति में अपनी उन्नति समझनी चाहिये।

१०. सब मनुष्यों को सामाजिक, सर्वहितकारी, नियम पालने में परतंत्र रहना चाहिये और प्रत्येक हितकारी नियम पालने में स्वतंत्र रहना चाहिए।

****

## || शांति पाठ ||

ॐ द्यौ: शान्तिरन्तरिक्षँ शान्ति:, पृथ्वी शान्तिराप: शान्तिरोषधय: शान्ति: ।
वनस्पतय: शान्तिर्विश्वे देवा: शान्तिर्ब्रह्म शान्ति:, सर्वँ शान्ति:, शान्तिरेव शान्ति:, सा मा शान्तिरेधि ॥
॥ ॐ शान्ति: शान्ति: शान्ति: ॥

**मन्त्र अर्थ -** द्युलोक शान्तिदायक हों, अन्तरिक्ष लोक शान्तिदायक हों, पृथ्वीलोक शान्तिदायक हों। जल, औषधियाँ और वनस्पतियाँ शान्तिदायक हों। सभी देवता, सृष्टि की सभी शक्तियाँ शान्तिदायक हों। ब्रह्म अर्थात महान परमेश्वर हमें शान्ति प्रदान करने वाले हों। उनका दिया हुआ ज्ञान, वेद शान्ति देने वाले हों। सम्पूर्ण चराचर जगत शान्ति पूर्ण हों अर्थात सब जगह शान्ति ही शान्ति हो। ऐसी शान्ति मुझे प्राप्त हो और वह सदा बढ़ती ही रहे। अभिप्राय यह है कि सृष्टि का कण-कण हमें शान्ति प्रदान करने वाला हो। समस्त पर्यावरण ही सुखद व शान्तिप्रद हो।

# विश्वविद्यालय के बारे में

अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने सन् 1902 में गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय) की स्थापना की थी। भारत में लार्ड मैकाले द्वारा प्रतिपादित अंग्रेजी माध्यम की पाश्चात्य शिक्षा नीति के स्थान पर राष्ट्रीय विकल्प के रूप में राष्ट्रभाषा हिन्दी के माध्यम से वैदिक साहित्य, भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के साथ-साथ आधुनिक विषयों की उच्च शिक्षा के अध्ययन-अध्यापन तथा अनुसंधान के लिए यह विश्वविद्यालय स्थापित किया गया था।

आर्यसमाज अपने स्थापना के समय से ही स्त्री शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु सन् 1923 में स्व0 आचार्य श्री रामदेव जी ने कन्या गुरुकुल महाविद्यालय देहरादून की स्थापना की थी तथा इसी परिप्रेक्ष्य में 1993 में कन्या गुरुकुल महाविद्यालय हरिद्वार की स्थापना स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए की गई। इस विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य जाति और छुआ-छूत के भेदभाव के बिना गुरु-शिष्य परम्परा के अन्तर्गत् अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के मध्य निरन्तर घनिष्ट सम्बन्ध स्थापित कर छात्र-छात्राओं को प्राचीन एवं आधुनिक विषयों की शिक्षा देकर उनका मानसिक और शारीरिक विकास कर चरित्रवान आदर्श नागरिक बनाना है। विश्वविद्यालय हरिद्वार रेलवे स्टेशन से लगभग 5 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है।

जून 1962 में भारत सरकार ने इस शिक्षण संस्था के राष्ट्रीय स्वरूप तथा शिक्षा के क्षेत्र में इसके अप्रतिम योगदान को दृष्टि में रखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक्ट 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत ''डीम्ड यूनिवर्सिटी'' की मान्यता प्रदान की और विज्ञान एवं कला विषयों में स्नातक तथा वैदिक साहित्य, संस्कृत साहित्य, दर्शन, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी, मनोविज्ञान, गणित तथा प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विषयों में स्नातकोत्तर अध्ययन की व्यवस्था की गई। उपयफ्क्त विषयों के अतिरिक्त वर्तमान में विश्वविद्यालय में भौतिकी, रसायन विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान, अभियांत्रिकी, आयुर्विज्ञान, योग विज्ञान, प्रबन्धन व शारीरिक शिक्षा इत्यादि के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्थापित स्वायत्तशासी संस्थान विश्वविद्यालय तीसरी बार 'राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्' (NAAC) द्वारा मूल्यांकित एवं प्रत्यायनित किया गया है। विश्वविद्यालय की सभी उपाधियां भारत सरकार/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्य हैं।

## गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय

गुरुकुल काँगड़ी, हरिद्वार - 249404 (उत्तराखंड)
(समेकित)
(यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत समविश्वविद्यालय)
दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष का आर्थिक चिट्ठा
**हिन्दी रूपान्तरित प्रारूप**

*(रकम रुपये में)*

| निधियों का स्रोत | अनुसूची | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|---|
| संग्रह/पूंजी निधि | 1 | 1,02,34,62,592 | 94,00,78,635 |
| नामांकित/निर्दिष्ट/बंदोबस्ती निधियाँ | 2 | 12,79,77,344 | 12,99,75,727 |
| चालू देनदारियाँ और प्रावधान | 3 | 12,28,39,663 | 11,21,29,563 |
| **योग** | | **1,27,42,79,599** | **1,18,21,83,926** |
| **निधियों के उपयोग** | **अनुसूची** | **2022-23** | **2021-22** |
| स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अचल सम्पत्तियाँ) | 4 | 71,47,91,189 | 69,95,65,504 |
| निर्दिष्ट/बंदोबस्ती निधियों के निवेश | 5 | 21,78,36,814 | 8,59,97,362 |
| निवेश – अन्य | 6 | 6,78,386 | 6,73,393 |
| चालू परिसम्पत्तियाँ | 7 | 29,05,70,403 | 29,31,40,188 |
| ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि | 8 | 5,04,02,807 | 10,28,07,479 |
| **योग** | | **1,27,42,79,599** | **1,18,21,83,926** |
| महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ | 23 | | |
| आकस्मिक देनदारियाँ और खातों पर टिप्पणियाँ | 24 | | |

(प्रोफेसर देवेन्द्र कुमार गुप्ता )
(वित्ताधिकारी)

(प्रोफेसर सुनील कुमार )
(कुलसचिव)

(प्रोफेसर सोमदेव शतान्शु)
(कुलपति)

दिनांक: 30.08.2023
स्थान : हरिद्वार

## गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय

गुरुकुल काँगड़ी, हरिद्वार - 249404 (उत्तराखंड)
(समेकित)
(यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत समविश्वविद्यालय)
दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय व्यय का खाता
**हिन्दी रूपान्तरित प्रारूप**

(रकम रुपये में)

| विवरण | अनुसूची | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|---|
| **आय :** | | | |
| शैक्षिक प्राप्तियाँ | 9 | 22,83,30,042 | 19,57,99,950 |
| अनुदान/दान ( अचल (अपरिवर्तनीय) अनुदान और प्राप्त सहायताएँ) | 10 | 52,99,87,811 | 55,51,37,448 |
| निवेशों से प्राप्त आय | 11 | - | - |
| अर्जित ब्याज | 12 | 90,17,527 | 84,09,959 |
| अन्य आय | 13 | 68,06,833 | 1,50,65,368 |
| पूर्व अवधि आय | 14 | 3,25,14,947 | 1,30,35,580 |
| **कुल (क)** | | 80,66,57,159 | 78,74,48,306 |
| **व्यय :** | | | |
| कर्मचारियों को भुगतान एवं सुविधाएँ (स्थापना व्यय) | 15 | 63,31,31,700 | 66,01,94,721 |
| शैक्षिक व्यय | 16 | 85,23,947 | 38,57,872 |
| प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय | 17 | 4,40,82,829 | 3,22,59,563 |
| परिवहन व्यय | 18 | 24,20,431 | 13,35,695 |
| मरम्मत एवं अनुरक्षण | 19 | 1,57,22,685 | 1,76,47,848 |
| वित्त लागतें | 20 | 11,084 | 11,368 |
| अवमूल्यन हास | 4A | 2,07,20,122 | 1,83,27,116 |
| अन्य व्यय | 21 | - | 51,71,932 |
| पूर्व अवधि व्यय | 22 | - | 4,81,625 |
| **कुल (ख)** | | 72,46,12,798 | 73,92,87,740 |
| **शेष राशि व्यय से अधिक आय है (क-ख)** | | **8,20,44,361** | **4,81,60,565** |
| निर्दिष्ट निधि से/में स्थानांतरण | | | |
| भवन निधि | | | |
| अन्य (निर्दिष्ट करें) | | | |
| **शेष राशि का अधिशेष/(घाटा) पूंजीगत निधि में ले जाया गया** | | **8,20,44,361** | **4,81,60,565** |
| महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ | 23 | | |
| आकस्मिक देनदारियाँ और खातों पर टिप्पणियाँ | 24 | | |

(प्रोफेसर देवेन्द्र कुमार गुप्ता )
(वित्ताधिकारी)

(प्रोफेसर सुनील कुमार )
(कुलसचिव)

(प्रोफेसर सोमदेव शतान्शु)
(कुलपति)

दिनांक: 30.08.2023
स्थान : हरिद्वार

# नियोजन प्रकोष्ठ
## (Placement Cell)

प्लेसमेंट रिकार्ड – 2022–2023

| 2022-2023 | | | | |
|---|---|---|---|---|
| क्र0सं0 | ब्रांच | कुल कितनी संस्थायें प्लेसमेंट के लिए आई। | कुल कितने विद्यार्थी उपस्थित हुए | कुल कितने विद्यार्थी गुरूकुल से चयनित हुए। |
| 1 | एम0सी0ए0 | 40 | 55 | 38 |
| 2 | बी0टैक0 (सी0एस0ई0/ई0सी0ई0/ई0ई0/एम0ई0) | 85 | 170 | 147 |
| 3 | एम0बी0ए0 | 65 | 35 | 26 |
| 4 | एम0एस–सी0 (रसायन/माइक्रोबायोलॉजी/पर्यावरण/गणित/भौतिकी) | 20 | 105 | 63 |
| 5 | बी0बी0ए0 | 28 | 22 | 5 |
| 6 | बी0फार्मा0/ डी0फार्मा0 | 11 | 40 | 40 |
| 7 | बी0पीएड0/ बी0पीएस0 | 6 | 3 | 2 |
| 8 | एम0ए0 (मनोविज्ञान) | 4 | 2 | 1 |
| | योग | **259** | **432** | **322** |

13/12/23

डॉ राजुल भारद्वाज
ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट ऑफिसर
कॉरपोरेट अफेयर्स एण्ड आउटरिच प्रकोष्ठ
गरूकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार।

# अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ का उद्देश्य विश्वविद्यालय में भारतीय समाज के पिछड़े समूहों पर विशेष ध्यान देने के साथ सभी के लिए समानता, गरिमा, मानवाधिकार और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना है अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ भारत सरकार/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर जारी आरक्षण नीतियों/दिशानिर्देशों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विश्वविद्यालय को उपाय सुझाने के साथ-साथ मौजूदा आरक्षण नीतियों की निगरानी और मूल्यांकन के माध्यम से विश्व विद्यालय में एक जन-केंद्रित और अनुकूल वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

**अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ (2022-23) की कुछ प्रमुख गतिविधियां**

• डॉ. जशपाल सिंह को एससी-एसटी सेल का संपर्क पदाधिकारी नियुक्त किया गया.

• एससी-एसटी सेल ने विश्वविद्यालय के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों का श्रेणी/लिंग/स्तर-वार डेटा बेस तैयार किया और उसे आवश्यकताओं के अनुसार यूजीसी, एमएचआरडी और अन्य एजेंसियों को भेजा गया।

• बैकलॉग पदों के संबंध में समय-समय पर जारी यूजीसी दिशानिर्देशों के आलोक में विश्वविद्यालय में पड़े बैकलॉग पदों को भरने का मामला एससी-एसटी सेल की सलाहकार समिति के संज्ञान में लाया गया था. विश्व विद्यालय प्रशासन ने इसे तत्काल लिया. बैकलॉग गैर-शिक्षण पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए और इस प्रकार। इन बैकलॉग पदों को भर दिया गया।

• एससी-एसटी सेल और विभिन्न डीन/अधिकारियों के संयुक्त प्रयासों से भारत के अन्य राज्यों को उनके संबंधित राज्यों के सामाजिक कल्याण विभागों/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग आदि से छात्रवृत्ति प्राप्त करने में सहायता और मार्गदर्शन किया गया।

• उत्तर प्रदेश से संबंधित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/सामान्य छात्रों के लिए छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया को संबंधित सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर संशोधित/उन्नत किया गया था, नए दिशानिर्देश/आवेदन/शपथ पत्र प्रारूप/रसीद प्रारूप आदि जारी किए गए थे।

• एससी-एसटी सेल ने प्रवेश में निर्धारित आरक्षण के कार्यान्वयन के लिए अत्यधिक सावधानी बरती और इसलिए एससी-एसटी सेल के अनुरोध पर, विश्वविद्यालय ने प्रत्येक प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में आरक्षित वर्ग से संबंधित एक प्रतिनिधि को नियुक्त किया, इसी तरह, भर्तियाँ। प्रशासन द्वारा चयन बोर्ड में आरक्षित वर्ग के सदस्य का प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित किया गया।

• विभिन्न सरकारी एजेंसियां समय-समय पर विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले परीक्षा में उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों की श्रेणीवार जानकारी मांगती रहती हैं। वहां, सलाहकार समिति (एससी-एसटी सेल) द्वारा परीक्षा गजट (परिणाम) में अन्य विवरणों के साथ छात्रों की श्रेणी को शामिल करना आवश्यक बना दिया गया था और विश्वविद्यालय के मूल्यांकन विभाग को तदनुसार सूचित किया गया था।

# जनसम्पर्क अनुभाग

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की पूर्ति के लिए जनसम्पर्क विभाग अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा के साथ अपने दायित्वों का निवर्हन कर रहा है। विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधियों को जन मानस के बीच प्रभावी रूप से प्रचार-प्रसार करने का महत्वपूर्ण कार्य जनसम्पर्क विभाग द्वारा सम्पन्न किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, शोध अनुसंधान से प्राप्त निष्कर्षों, विभिन्न पुरस्कृत क्रियाकलापों, खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को जनसम्पर्क विभाग द्वारा जन-जन तक प्रचारित-प्रसारित किया जाता है। विभाग मीडिया कर्मियों से संवाद स्थापित कर विश्वविद्यालय की गतिविधियों का प्रचार-प्रसार का निर्वाह करता है। जनसंपर्क विभाग विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में विद्यार्थियों अथवा अन्य किसी नागरिक द्वारा मांगी गयी सामान्य सूचनाओं का आदान-प्रदान करता है। विभाग में समाचार पत्रों में प्रकाशित प्रतिलिपि (कटिंग) एवं न्यूज चैनलों में प्रशासित समाचारों की वीडियों विभाग में संग्रहालय में संरक्षित करने काम किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशाला, सेमीनार और सामाजिक सरोकार से जुड़े आयोजन हुए।

# विश्वविद्यालय (केंद्रीय) पुस्तकालय

प्रोफेसर प्रभारी : प्रोफेसर देवेन्द्र कुमार गुप्ता

सूचना वैज्ञानिक : डॉ.अनिल कुमार धीमान

पेशेवर सहायक : डॉ. सचिन कुमार कौशिक

सहायक (कार्यालय) :श्री रमेश चंद

अर्ध व्यावसायिक सहायक : 04

लाइब्रेरी अटेंडेंट/एमटीएस : 06 (03 स्थायी)

गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय), हरिद्वार का केंद्रीय पुस्तकालय 1902 में विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ अस्तित्व में हैं। कांगड़ी गांव में बाढ़ की तबाही के बाद 1926 में इसे वर्तमान भवन में स्थानांतरित कर दिया गया था जहां स्वामी श्रद्धानद जी द्वारा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। केंद्रीय पुस्तकालय में 8000 जिल्दवाली पत्रिकाओं के साथ विभिन्न विषयों पर लगभग 1,50,000 पुस्तकें उपलब्ध हैं। शिक्षक, अनुसंधान विद्वान और स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्र वर्ष भर पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। लगभग 23,000 उपयोगकर्ता प्रति वर्ष पुस्तकों का उपयोग करते हैं। हाल ही में 2019-20 सत्र से SC/ST छात्रों के लिए बुक बैंक की सुविधा भी शुरू की गई है। इसके अलावा, दृष्टिबाधित छात्रों के लिए एक अलग अनुभाग है।

इसके अलावा, पुस्तकालय ने अनुसंधान उद्देश्यों के लिए मुद्रित रूप में लगभग 32 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की भी सदस्यता ली है, साथ ही आर्य साहित्य पर 18 पत्रिकाओं, भारतीय ज्ञान और परंपरा (साहित्य, धर्म, दर्शन और संस्कृति) पर दुर्लभ पुस्तकें और पांडुलिपियां संदर्भ अनुभाग में संरक्षित हैं। 2019 के दौरान 367 ई-पुस्तकें भी खरीदी गईं। इसके अलावा, इन्फ्लिबनेट गांधीनगर (गुजरात) की पहल ई-शोधसिंधु के माध्यम से, कुछ ग्रंथ सूची डेटाबेस के साथ 6000+ ई-जर्नल लाइब्रेरी में उपलब्ध हैं। ई-पुस्तकें और ई-जर्नल दोनों पुस्तकालय के पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के लिए रिमोट एक्सेस के लिए भी उपलब्ध हैं।

22 दिसंबर, 2022 को श्रद्धानंद रिपॉजिटरी का उद्घाटन भी किया गया जिसमें लगभग 200 पुस्तकें पीडीफ फॉर्मेट में उपलब्ध हैं।

## व्यक्तिगत योगदान

## डॉ.अनिल कुमार धीमान : सूचना वैज्ञानिक

### 1) प्रकाशित पत्र/लेख

1. धीमान, ए.के. और एच. रहमान (2022)। वनस्पतिशास्त्री क्या उद्धृत करते हैं? इंडियन जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 16 (3): 173-83। (ISSN-0973-9548) ।
2. धीमान, ए.के. (2022)। टेरिडोलॉजिस्ट के प्रकाशन पैटर्न: इंडिना फर्न जर्नल पर आधारित एक ग्रंथ सूची अध्ययन। लाइब्रेरी प्रोग्रेस, 42 (2): 439-447.(आईएसएसएन: 0970-1052)।
3. धीमान, ए.के. और कुलदीप कुमार (2022)। सोशल साइट्स पर कर्मचारियों के व्यवहार की मांगी जा रही जानकारी। प्रोफेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 12 (2)। (आईएसएसएन: 0976-7274)।
4. धीमान, ए.के. और कौशिक, एस.के. (2023)। क्षमता निर्माण कार्यक्रम और इन्फ्लिबनेट की भूमिका। सलेक चंद, आनंद झा और राम सिंह बैरवा संपादित : अकादमिक पुस्तकालयों में ज्ञान संगठन। जे.एस.टी. प्रकाशन, दिल्ली। पृ. 173-178. (आईएसबीएन 978939407356)।

5. रानी, यशोदा और धीमान, ए.के. (2023)। ग्रन्थालयों में कृतिम बुद्धिमता का अनुप्रयोग। ग्रन्थालय विज्ञान, 54 (1): 76-83. (आईएसएसएन: 0973-3914)।
6. धीमान, ए.के. (2023)। डिजिटल पुस्तकों की महत्ता व वर्तमान समय में उपयोगिता। रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल एंड लाइफ साइंसेज, 38: 146-155। (आईएसएसएन: 0973-3914)
7. धीमान, ए.के. (2023)। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और लाइब्रेरियनशिप में उभरती चुनौतियाँ। इंडियन जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन लाइब्रेरी एंड सोसाइटी, 36, 1-2 (2023): 112-124। (आईएसएसएन: 0971-4286)।

### 2) सम्मेलन/संगोष्ठियों में प्रस्तुत किये गये पेपर

- 25-26 नवंबर 2022 के दौरान एम्स में आयोजित "डिजिटल स्पेस का उपयोग: "एक भारत एक सदस्यता" पहल और मेडिकल लाइब्रेरी के परिप्रेक्ष्य" पर एफएचएसएलए के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में "मेडिकल छात्रों के लिए अनुसंधान सहायता सेवाएं" शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 20-21 जनवरी 2023 के दौरान सीडीएसी, नवी मुंबई में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय-KOAL-2023 में "क्षमता निर्माण कार्यक्रम और इन्फ्लिबनेट की भूमिका" शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 30.6.23 से 01.7.23 के दौरान डीआईटी, देहरादून में आयोजित दो राष्ट्रीय सम्मेलन में "साइबर एथिक्स: साइब्रेरियन के बीच प्रमुख चुनौती" शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया गया।
- एक आमंत्रित पेपर 24-26 फरवरी 2023 के दौरान दून लाइब्रेरी, देहरादून में आयोजित सीजीएलए के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए और दूसरा 15-16 मार्च 2023 के दौरान डीएसवीवी, हरिद्वार में प्रस्तुत गया।

### 3) एफडीपी/अल्पकालिक पाठ्यक्रम

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रशिक्षण “Cloud Technology for Library Professionals” | 07-09 सितंबर, 2022 | इन्फ्लिबनेट, गांधीनगर (गुजरात) | 03 दिन |

### 4) मेरी देखरेख में प्रदान की गई पीएचडी उपाधि

- संजीव कुमार (रजि. नं. SVU15010082) को उनके विषय "बिजनौर जनपद के महाविद्यालयों में पुस्तकों के संग्रह एवं सेवाओं की प्रगति का अध्ययन" पर पीएचडी से सम्मानित किया गया है। उनका वाइवा 23.7.2022 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- विनोद कुमार (रजि. नं. SVU14020019) को उनके विषय "श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय और जम्मू विश्वविद्यालय में पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की पढ़ने की आदतें: एक तुलनात्मक अध्ययन" पर पीएचडी से सम्मानित किया गया है। 25.3.23 को उनका वाइवा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

### 5) पुरस्कार

एनिकडोट पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली द्वारा 12 अगस्त 2022 को "नेशनल लाइब्रेरियन डे" के शुभ अवसर पर ऑनलाइन "इंडियन लाइब्रेरियन प्राइड अवार्ड (आईपीए) 2022" से सम्मानित किया गया।

## 2. डॉ. सचिन कुमार कौशिक : प्रोफेशनल सहायक

### (1) पेपर प्रकाशित

- धीमान, ए.के. और कौशिक, एस.के. (2022)। नए ग्रंथ सूची संकेतक. केशव में, सलेक चंद, बी.टी. संपत कुमार और आनंद ए. झा (संपादक): डिजिटल परिवर्तन और स्मार्ट लाइब्रेरी विकसित करने की ओर बढ़ना: लाइब्रेरी को शैक्षिक/संस्थागत भंडार के रूप में बदलना। डीपीएस पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। पीपी. 39-54. (आईएसबीएन: 9789391870560)।

- धीमान, ए.के. और कौशिक, एस.के. (2023)। क्षमता निर्माण कार्यक्रम और इन्फ्लिबनेट की भूमिका। सलेक चंद, आनंद झा और राम सिंह बैरवा संपादित: अकादमिक पुस्तकालयों में ज्ञान संगठन। जे.एस.टी. प्रकाशन, दिल्ली। पृ. 173-178. (आईएसबीएन 978939407356)।

**(2) सम्मेलन/सेमिनार में भाग लिया/पेपर प्रस्तुत किया गया**

- जनवरी 2023 में CDAC, मुंबई में आयोजित IKOAL-2023 में पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 22 सितंबर 2022 को आईआईटी, रूड़की में "अनुसंधान और नवाचार के लिए सूचना प्रणाली और सेवाएं" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार में भाग लिया।

## 2. श्री संजय पारे : सेमी प्रोफेशनल सहायक

देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज (हरिद्वार) में 15-16 मार्च 2023 को आयोजित "लाइब्रेरी प्रणाली पर आईसीटी का प्रभाव" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया गया।

## 3. श्री समीर : सेमी प्रोफेशनल सहायक

- 22 सितंबर 2022 को आईआईटी, रूड़की में "अनुसंधान और नवाचार के लिए सूचना प्रणाली और सेवाएं" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार में भाग लिया।
- देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज (हरिद्वार) में 15-16 मार्च 2023 को आयोजित "लाइब्रेरी प्रणाली पर आईसीटी का प्रभाव" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया गया।

**4. अन्य**

**श्री रमेश चंद**, सहायक; **श्री संजय**, सेमी-प्रोफेशनल असिस्टेंट; **श्री आनंद बल्लभ जोशी**, सेमी-प्रोफेशनल असिस्टेंट और **कुलदीप चंद रतूड़ी** ने कॉमटेक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, द्वारा प्रदान किया गया 30 जनवरी से 11 फरवरी 2023 तक 02 सप्ताह का ऑनलाइन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

**5. श्री कुलदीप चंद रतूड़ी** ने 22 सितंबर 2022 को आईआईटी, रूड़की में "अनुसंधान और नवाचार के लिए सूचना प्रणाली और सेवाएं" विषय पर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में भी भाग लिया।

## पुस्तकालय दिवस मनाया गया

12 अगस्त 2022 को केंद्रीय पुस्तकालय में डॉ. रंगनाथन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. रूपकिशोर शास्त्री, कुलपति; डॉ. सुनील कुमार, रजिस्ट्रार और प्रो. वी.के. सिंह, वित्त अधिकारी मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि थे। केन्द्रीय पुस्तकालय के प्रोफेसर प्रभारी प्रो. दिनेशचन्द्र शास्त्री ने अपने विचार व्यक्त किये। केंद्रीय पुस्तकालय के सूचना वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार धीमान ने माइक का संचालन किया और भारत में पुस्तकालय पेशे के उत्थान में डॉ. रंगनाथन के योगदान के बारे में जानकारी दी।

# एनसीसी का इतिहास

## एनसीसी के बारे में

राष्ट्रीय कैडेट कोर भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह स्वैच्छिक आधार पर स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए खुला है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एक त्रि.सेवा संगठन है, जिसमें सेनाए नौसेना और वायु सेना शामिल हैं, जो देश के युवाओं को अनुशासित और देशभक्त नागरिकों के रूप में तैयार करने में लगा हुआ है। भारत में राष्ट्रीय कैडेट कोर एक स्वैच्छिक संगठन है जो पूरे भारत में हाई स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करता है। कैडेटों को छोटे हथियारों और परेड में बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों और कैडेटों पर अपना पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद सक्रिय सैन्य सेवा के लिए कोई दायित्व नहीं होता है, लेकिन कोर में उपलब्धियों के आधार पर चयन के दौरान उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तुलना में प्राथमिकता दी जाती है।

## एनसीसी का इतिहास

एनसीसी की शुरुआत सबसे पहले 1666 में जर्मनी में हुई थी। भारत में एनसीसी का गठन 1948 के राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिनियम के तहत किया गया था। इसकी स्थापना 15 जुलाई 1948 को हुई थी। एनसीसी की उत्पत्ति का पता यूनिवर्सिटी कोर से लगाया जा सकता हैए जिसे भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत बनाया गया था। सेना की कमी को पूरा करना उद्देश्यण् 1920 में, जब भारतीय प्रादेशिक अधिनियम पारित किया गया, तो यूनिवर्सिटी कोर को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर (UTC) द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया। इसका उद्देश्य यूटीसी की स्थिति को बढ़ाना और इसे युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बनाना था। यूटीसी अधिकारियों और कैडेटों ने सेना की तरह कपड़े पहने। यह सशस्त्र बलों के भारतीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसे यूओटीसी के रूप में पुनः नामित किया गया था, इसलिए राष्ट्रीय कैडेट कोर को यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर (यूओटीसी)का उत्तराधिकारी माना जा सकता है, जिसे 1942 में ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित किया गया था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, यूओटीसी कभी भी इसके सामने नहीं आया। अंग्रेजों द्वारा निर्धारित उम्मीदें, इससे यह विचार आया कि कुछ बेहतर योजनाएं बनाई जानी चाहिए, जो शांति के दौरान भी अधिक युवाओं को बेहतर तरीके से प्रशिक्षित कर सकें। पंडित एच.एन. कुंजरू की अध्यक्षता वाली एक समिति ने राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों और कॉलेजों में एक कैडेट संगठन स्थापित करने की सिफारिश की। राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिनियम को गवर्नर जनरल ने स्वीकार कर लिया और 15 जुलाई 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर अस्तित्व में आया।

1949 में स्कूल और कॉलेज जाने वाली लड़कियों को समान अवसर देने के लिए गर्ल्स डिवीजन की स्थापना की गई। एनसीसी को 1950 में एक अंतर.सेवा छवि दी गई थी जब एयर विंग को जोड़ा गया था, उसके बाद 1952 में नेवल विंग को शामिल किया गया था। उसी वर्ष, एनसीसी पाठ्यक्रम को एनसीसी पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में सामुदायिक विकास, सामाजिक सेवा गतिविधियों को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया था। स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू के आदेश पर जिन्होंने एनसीसी के विकास में गहरी रुचि ली। 1962 के भारत चीन युद्ध के बाद, राष्ट्र की आवश्यकता को पूरा करने के लिए 1963 में एनसीसी प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया था। 1968 में कोर को फिर से स्वैच्छिक बना दिया गया था।

1965 के भारत पाकिस्तान युद्ध और 1971 के बांग्लादेश पाकिस्तान युद्ध के दौरान एनसीसी कैडेट रक्षा की दूसरी पंक्ति थे। उन्होंने आयुध कारखानों की सहायता के लिए शिविर का आयोजन किया मोर्चे पर हथियार और गोला.बारूद की आपूर्ति की और दुश्मन पैराट्रूपर्स को पकड़ने के लिए गश्ती दल के रूप में भी इस्तेमाल किया गया। एनसीसी कैडेटों ने नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया और बचाव कार्यों और यातायात नियंत्रण में सक्रिय रूप से भाग लिया।

1965 और 1971 के युद्धों के बाद एनसीसी पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया। एनसीसी पाठ्यक्रम केवल रक्षा की दूसरी पंक्ति होने के बजाय नेतृत्व की गुणवत्ता और अधिकारी जैसे गुणों को विकसित करने पर अधिक जोर देता है। एनसीसी कैडेटों को मिलने वाले सैन्य प्रशिक्षण को कम कर दिया गया और समाज सेवा और युवा प्रबंधन जैसे अन्य क्षेत्रों को अधिक महत्व दिया गया।

**संगठन**

मुख्यालय स्तर पर एनसीसी का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के एक महानिदेशक द्वारा किया जाता है। उन्हें दो स्टार रैंक (मेजर.जनरल, रियर एडमिरल या एयर वाइस मार्शल) के दो अतिरिक्त महानिदेशकों (ए और बी) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। पांच ब्रिगेडियर स्तर के अधिकारी और अन्य सिविल अधिकारी भी उनकी सहायता करते हैं। मुख्यालय दिल्ली में स्थित है। राज्यों की राजधानियों में 17 निदेशालय स्थित हैं जिनका नेतृत्व तीनों सेनाओं के ब्रिगेडियर रैंक के एक अधिकारी द्वारा किया जाता है। राज्य के आकार और राज्यों में एनसीसी की वृद्धि के आधार पर निदेशालयों के अधीन 14 समूह मुख्यालय हैं जिनके माध्यम से वे राज्य में संगठन की कमान और नियंत्रण का प्रयोग करते हैं। प्रत्येक समूह का नेतृत्व कर्नल या समकक्ष रैंक का एक अधिकारी करता है जिसे ग्रुप कमांडर कहा जाता है। प्रत्येक एनसीसी समूह मुख्यालय 5.7 इकाइयों (बीएनएस) को नियंत्रित करता है जिसकी कमान लेफ्टिनेंट कर्नल या समकक्ष के पास होती है। प्रत्येक बटालियन में कंपनियां शामिल होती हैं जिनकी कमान लेफ्टिनेंट से लेकर मेजर रैंक के एसोसिएट एनसीसी अधिकारी (एएनओ) के पास होती है। देश में कुल मिलाकर 95 ग्रुप मुख्यालय हैं जो 667 आर्मी विंग यूनिट्स (तकनीकी और गर्ल्स यूनिट सहित) 60 नेवल विंग यूनिट्स और 61 एयर स्क्वाड्रन के नेटवर्क पर नियंत्रण रखते हैं। दो प्रशिक्षण प्रतिष्ठान हैं जिनके नाम हैं ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल ,कैम्पटी (नागपुर, महाराष्ट्र) और महिला ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल, ग्वालियर।

इस वर्ष 1/31 यू.के. कंपनी एन.सी.सी. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के 160 कैडेटों ने कैप्टन (डॉ) आर. भूटियानी की देख रेख में विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

1. इस वर्ष लगभग 85 कैडेटों ने 31 यू. के. बटालियन द्वारा आयोजित विभिन्न शिविरों में भाग लिया।
2. शिविरों के दौरान 31 यू. के. बटालियन द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विभिन्न कैडेटों ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जीते।
3. कैडेटों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया।
4. कैडेटों ने गुरुकुल कांगड़ी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया।
5. कैडेटों ने स्वेच्छा से हरिद्वार के गंगाघाटों की सफाई में भाग लिया।
6. इस वर्ष लगभग 43 कैडेटों ने सी-सर्टिफिकेट परीक्षा दी और लगभग 45 कैडेटों ने बी-सर्टिफिकेट परीक्षा दी।
7. इस वर्ष विश्वविद्यालय के विभिन्न कैडेटों को सेना, नौसेना और वायुसेना के विभिन्न विंगों में शामिल किया गया है।

# वर्ष 2022 .23 के लिए जी.के.वी. की एनसीसी इकाई द्वारा की गई सभी गतिविधियों का सारांश।

एनसीसी का मतलब राष्ट्रीय कैडेट कोर है जो विभिन्न विंग सेना, नौसेना और वायुसेना के लिए स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसका उद्देश्य छात्रों को अनुशासित और देशभक्त नागरिकों के रूप में तैयार करना है। एनसीसी कैडेटों को माउंटेन ट्रेक और अभियान ,ट्रैकिंग, पैरासेलिंग, सेलिंग, स्कूबाडाइविंग, नेतृत्व कौशल सहित कई साहसिक गतिविधियों में भाग लेने और अपने चरित्र गुणों को बढ़ाने का अवसर दिया जाता है। विभिन्न एनसीसी शिविर आयोजित किए जाते हैं जैसे संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर; सीएटीसी, बेसिक लीडरशिपकैंप; बीएलसी, एडवांस्ड लीडर शिपकैंप; एएलसी. हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान दार्जिलिंग में पाठ्यक्रम, पैराट्रूपर्सकैंप; पीटीसी, राष्ट्रीय एकता शिविर; एनआईसी, आर्मी अटैचमेंट, गणतंत्र दिवस कैंप; आरडीसीद्, हाइकिंग और ट्रैकिंग कैंप, थल सैनिक कैंप; टीएससी। एनसीसी का मुख्य फोकस कैडेटों की आत्मामें अनुशासन पैदा करने के अलावा रैंकों के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और राष्ट्र के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए सशस्त्र बलों के लिए भावी अधिकारी तैयार करना है। राष्ट्रीय कैडेट कोर अपनी तरह का एकमात्र संगठन है जो देश के 15 लाख से अधिक युवाओं को नेतृत्व, अनुशासन, एकता, साहसिक, सैन्य, शारीरिक और सामुदायिक विकास प्रशिक्षण प्रदान करता है।

## थल सैनिक कैंप (टीएससी)

टीएससी हर साल शरद ऋतु के अंतमें दिल्ली में आयोजित होने वाला 12 दिनों का शिविर है, जिसमें सभी 17 निदेशालयों (प्रत्येक निदेशालय से 30+3 कैडेटों का चयन किया जाता है) चयन प्रक्रिया द्वारा प्रत्येक 10 मेंसे 3 प्री.टी.एस.सी शिविर सप्ताह के अंतरालमें 12 दिन आयोजित किए जाते हैं। चयनित कैडेटों को निम्नलिखित प्रतियोगिताओं में अपने संबंधित निदेशालयों का प्रतिनिधित्व करने के लिए टीएससी भेजा जाता है।
इस प्रतिष्ठित शिविर में जी.के.वी. के हमारे 5 कैडेट **एस.यू.ओ. वरदानशाह, यू.ओ. मयंक वर्मा, सी.डी.टी. नितिन पुंडीर,सी.पी.एल. तनुज पांडे, सीपीएलअमृत सिंह कुशवाह** का चयन किया गया।

# दौड़ ईवेंट

अक्टूबर माह में एक दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें जी.के.वी. के एन.सी.सी. कैडेटोंने पूरे मनोयोग से भाग लिया था। यह कार्यक्रम नमामि गंगे महासंघ द्वारा आयोजित किया गया था नमामि गंगे

कार्यक्रम, एक एकीकृत संरक्षण मिशन है, जिसे केंद्र सरकार द्वारा श्फ्लैग शिप प्रोग्राम के रूप में अनुमोदित किया गया है।

चूंकि यह सभी प्रतिभागियों के लिए खुला कार्यक्रम है, इसलिए लगभग 15,000 लोगों ने भाग लिया और उनमें से केवल शीर्ष 20 लड़कों और शीर्ष 5 लड़कियों को विजेता का स्थान मिला, बाकी को फिनिशर के रूप में नामित किया गया। हमारे 3 कैडेट 15,000 प्रतिभागियों के बीच शीर्ष 20 में रहे, वे थे **यू.ओ. मोहित सिंह गुसाईं, एल.सी.पी. एल आदित्यसैनी, सी.डी.टी.संदीपराय।**

## कैडेट्स बैच का नया नामांकन (2022-25)

एनसीसी एक युवा संगठन है।जो छात्रभारत के नागरिक हैं वे अपने स्कूल और कॉलेज में एनसीसी में शामिल हो सकतेहैं।

किसी को पता होना चाहिए कि एन.सी.सी. रक्षाबलों या नीसेना, नौसेना, वायु सेना के समकक्ष नहीं है, लेकिन इसे रक्षा की दूसरी पंक्ति के रूप में नामित किया गया है।

चूंकि एन.सी.सी. का आदर्श वाक्य एकता और अनुशासन है, इसका उद्देश्य छात्रों को जीवन कौशल, एकता का महत्व, अनुशासन और महत्वपूर्ण नैतिकता और मूल्य सिखाना है।

जी.के.वी. कॉलेज ने 15 अक्टूबर को अपनी भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली।

# रैंक समारोह

31 यू.के. बटालियन एन.सी.सी., हरिद्वार का रैंक समारोह 13 दिसंबर को आयोजित किया गया. इस अवसर पर कॉलेज के कुलपति मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में उन्होंने राष्ट्र निर्माण में एन.सी.सी. की भूमिका पर प्रकाश डाला उन्होंने कैडेटों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उन्हें रक्षाबलों में अपना करियर चुनने के लिए प्रेरित किया।

ए.एन.ओ. कैप्टन डॉ. राकेश भूटियानी ने भी रैंकधारकों और अन्य कै डेटों से समाज के सम्मान और कल्याण के लिए अत्यंत समर्पण के साथ काम करने का आग्रह किया।

## गणतंत्र दिवस समारोह 2023

यह दिन हमारे विश्वविद्यालय में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय भवन को फूलों के गमलों और राष्ट्रीय झंडों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। हम खुशी से मगन थे। लाउड स्पीकर लगे हुए थे हर कोई बहुत देश भक्ति और खुशी महसूस कर रहा था क्योंकि यह हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात थी। आख़िर कार

इसी दिन भारत का संविधान लागू हुआ और हमारा देश एक गणतंत्र बनगया। हम 1/31 यू.के.कंपनी एन.सी.सी. हरिद्वार के कैडेट्स को पूरे आयोजन की निगरानी का जिम्मा दिया गया था।गणतंत्र दिवस समारोह के लिए एन.सी.सी कैडेट ने विशेष अभ्यास किया। मेहमानों के लिए पायलटिंग, कमांडिंग तैयारी, बैंडसेट अभ्यास और वरिष्ठ नागरिकों की रिपोर्टिंग गणतंत्र दिवस की तैयारी के रूप में एन.सी.सी करियर द्वारा की जाने वाली प्रथाएं हैं। गैर एन.सी.सी छात्रों के लिए शिक्षण ध्यान सहजता से खड़ा करना एन.सी.सी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। समय का प्रबंधन करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और देश भक्ति दिखाना एन.सी.सी कैडेट्स द्वारा किया जाता है।

## आर डी सी कैंप 2023

आर.डी.सी. 01 से 29 जनवरी तक गैरीसन परेड ग्राउंड, दिल्ली कैंट में आयोजित किया जाता है। 17 निदेशालयों से 1850 चयनित एन.सी.सी. कैडेट शिविर में भाग लेते हैं। शिविर का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा किया जाता है और 28 जनवरी को प्रधानमंत्री की रैली के साथ समाप्त होता है। शिविर के दौरान रक्षामंत्री, कैबिनेटमंत्री, दिल्ली के मुख्यमंत्री, तीन सेवा प्रमुखों और विभिन्न राज्य मंत्रियों, वीआईपी की यात्रा का भी आयोजन किया जाता है। आर.डी.सी के दौरान, प्रधानमंत्री बैनर के पुरस्कार के लिए चैंपियन निदेशालय का निर्णय लेने के लिए 17 एन.सी.सी निदेशालयों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। राष्ट्रीय एकता जागरूकता प्रस्तुति, ड्रिल, लाइन और ध्वजक्षेत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम यानी; समूहगीत, समूह नृत्य और बैले,, प्रत्येक में सीनियर डिवीजन (लड़के) और सीनियर विंग (लड़कियां) के सर्वश्रेष्ठ कैडेट जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतियोगिताओं में उत्सुकता से प्रतिस्पर्धा की जाती है। सेना, नौसेना और वायु अनुशासन और जूनियर विंग से सर्वश्रेष्ठ कै डेट लड़के और लड़कियां। आरडीसी के दौरान एयरोमॉडलिंग और शिपमॉडलिंग भी आयोजित की जाती है।

इस शिविर में हमारे तीन **कैडेटयू. ओ. विशाल मिश्रा, यू.ओ. दीप चौधरी, यू.ओ. दीपांशु जोशी** का चयन हुआ और उन्होंने इस प्रतिष्ठित शिविर में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व किया।

### फिटइंडियाकेलिएचलरहाकार्यक्रम

आजादी के 75 साल पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत्सव के मौके पर पूर्व एन.एस.जी कमांडो कृष्ण बधवार ने दिल्ली से हरिद्वार तक 750 किलोमीटर की दौड़ लगाई, सेना मेडल से सम्मानित और विश्व रिकार्ड धारक कर्नल ने मेरठ के क्रांतिस्थल और शहीद स्मारक से होते हुए सीतापुर तक लगातार दौड़ लगाई। उन्होंने कहा कि यह दौड़ प्रत्येक भारतीय को हमारे देश की संस्कृति के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों पर गर्व कराने के लिए है।

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेटों ने हरिद्वार से 10 किमी पहले उनका स्वागत किया और कर्नल के साथ 10 कि.मी. आगे तक चलते रहे। सभी एन.सी.सी कैडेट और 31 यू.के. कंपनी पी.आई. स्टाफने हाथ में भारतीय ध्वज लेकर कर्नल के साथ फोटो खिंचवाई।

## साइकिलिंगकार्यक्रम

एन.सी.सी. कैडेटों ने 29 मार्च को आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में एक साइकिल रैली निकाली, जो देश की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए केंद्र द्वारा दिया गया आह्वान है।

एन.सी.सी. ग्रुप कमांडर ने देहरादून स्थित एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय में रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल रैली में करीब 75 कैडेट्स ने हिस्सा लिया, उन्होंने चिल्ला रोड के माध्यम से देहरादून से हरिद्वार तक लगभग 75 किमी की यात्रा की।

जी.के.वी.के 10 एन.सी.सी. कैडेटों ने 29 मार्च को साइकिल रैली में भाग लिया और खुद को आजादी का अमृत महोत्सव थीम के साथ साइकिल रैली का हिस्सा बनाया।

## दीक्षांत समारोह

गृहमंत्री अमित शाह हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के 113 वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उनके साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी थे। मंत्री ने विश्वविद्यालय के उत्तीर्ण छात्रों को उनकी डिग्री पूरी होने और उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों पर डिग्री और पदक प्रदान किए।

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेटों ने उनका स्वागत किया।

## स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत या स्वच्छ भारत अभियान (अभियान स्वच्छ भारत) भारत सरकार द्वारा देश की सड़कों, सड़कों और बुनियादी ढांचे को साफ करने के लिए 4041 वैधानिक कस्बों को कवर करने वाला एक राष्ट्रीय स्तर काअभियान है।

हरिद्वारमेंइसअभियानकानेतृत्वजी.के.वी.एन.सी.सी. कैडेट्सनेकिया।

## जी.20 शिखर सम्मेलन कार्यशाला

जी.20या 20 का समूह एक अंतर सरकारी मंच है जिसमें 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था से संबंधित प्रमुख मुद्दों जैसे अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता जलवायु परिवर्तन शमन और सतत विकास को संबोधित करने के लिए काम करता है।

जी.के.वी .एन.सी.सी कैडेटों ने भाग लिया और शिखर सम्मेलन पर अपने विचार साझा किए।

# राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ

## गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार

## वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23

**राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ का परिचय-**

गुरुकुल काँगड़ी (समविश्विद्यालय) हरिद्वार के एन.एस.एस. प्रकोष्ठ में पाँच इकाईयाँ संचालित हैं, यह युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय, भारत सरकार का कार्यक्रम है। एन.एस.एस. प्रकोष्ठ के कार्यक्रम समन्वयक तथा एक इकाई के कार्यों का सम्पादन डॉ. मौहरसिंह मीना निर्वहन कर रहे हैं। कार्यक्रम अधिकारी के रूप में डॉ. भारत वेदालंकार, डा. संगीता तथा डॉ. विवेक आर्य हैं। एक इकाई पतञ्जलि विश्वविद्यालय को अब कार्यरत है, जिसकी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाली गौड़ हैं। प्रकोष्ठ की पाँच इकाईयों में 500 स्वयंसेवी नामांकित हैं। प्रकोष्ठ को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं शिक्षेकत्तर सदस्यों तथा प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है।

एन.एस.एस. गतिविधियों के सुचारु संचालन हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। स्वयंसेवियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। इस योजना का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में विश्वविद्यालय के छात्रों की सहभागिता और उन्हें देश के आदर्श नागरिक बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। स्वयंसेवियों को अपने कार्यक्रमों में एन.एस.एस. बैज पहनना अनिवार्य होता है। प्रकोष्ठ भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को कम से कम 240 घण्टे नियमित गतिविधियों शेष और दो साल की अवधि मे एक विशेष शिविर पूरा करने पर प्रमाण पत्र दिया जाता है |

**एन.एस.एस. का आदर्श वाक्य-**

राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य है- 'मैं नहीं परन्तु आप'। यह लोकतान्त्रिक जीवन के सार को अभिव्यकत करता है और निःस्वार्थ सेवा की आवश्यकता को बनाए रखता है । दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण की सराहना करता है और साथी मनुष्यों के लिए विचार दिखाने के लिए भी मार्ग प्रशस्त करता है। यह रेखांकित करता है कि एक व्यक्ति का कल्याण अन्ततः समाज के कल्याण पर निर्भर है। इसीलिए, यह एन.एस. एस. के अपने दैनदिन कार्यक्रमों में इस आदर्श वाक्य का प्रदर्शन करने का लक्ष्य होना चाहिए।

**एन.एस.एस. प्रतीक चिह्न**

राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतीक उड़ीसा में स्थित कोणार्क सूर्य मन्दिर के 'रथ' पहिया पर आधारित है। सूर्य मन्दिर के ये विशाल पहिये सृजन, संरक्षण और गतिशीलता के चक्र को चित्रित करते हैं। पहिया जीवन के प्रगतिशील चक्र को दर्शाता है। यह निरन्तरता के साथ-साथ सामाजिक परिवर्त्तन और उत्थान के लिए एन.एस.एस. के निरन्तर प्रयासों का तात्पर्य है।

**एन.एस.एस. बैज**

एन.एस.एस. प्रतीक एन.एस.एस. बैज पर उभरा हुआ है। प्रतीक में कोणार्क सूर्य मन्दिर के पहिए में स्थित आठ बार हैं, जो दिन के 24 घण्टों का प्रतिनिधित्व करती हैं। यह बैज पहनने वालों को 24 घण्टों समाज और देश की सेवा के लिए याद दिलाता है। बैज में लाल रंग इंगित करता है कि एन.एस.एस. स्वयंसेवक सदैव ऊर्जा से भरे

हुए हैं .यानी जीवन्त, सक्रिय, ऊर्जावान और उच्च भावना से ओतप्रोत हैं। नौसेना का नीला रंग ब्रह्माण्ड को इंगित करता है, जिसमें से एन.एस.एस. एक छोटा सा हिस्सा है, जो मानव जाति के कल्याण के लिए अपने हिस्से का योगदान करने के लिए तैयार हैं।

**एन.एस.एस. दिवस**

एन.एस.एस. को औपचारिक रूप से 24 सितम्बर, 1969 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जन्म शताब्दी वर्ष में विधिवत् प्रारम्भ किया गया था। इसलिए, प्रत्येक वर्ष 24 सितम्बर को एन.एस.एस. दिवस के रूप में मनाया जाता है।

**राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की वार्षिक गतिविधियों का विवरण**

राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयाँ विश्वविद्यालय परिसर, हरिद्वार जिले के समीपवर्त्ती गांवों और सामाजिक गतिविधियों में निरन्तर जागरुक कार्यक्रम संचालित कर रही हैं। यह अभिविन्यास, व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण कार्यक्रम, सफाई अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता इत्यादि के रूप में एक वर्ष में नियमित गतिविधियों या कार्यक्रम आयोजित करती हैं। एक इकाई के पचास प्रतिशत छात्र एक वर्ष में किसी गोद लिए हुए गांव में आयोजित विशेष शिविरों में भाग लेते हैं। प्रकोष्ठ विभिन्न कार्यक्रमों जैसे अभिमुखी कार्यक्रम, स्वच्छ भारत अभियान, रक्तदान शिविर, भारतीय छात्र संसद, स्वच्छता जागरूकता पर विशेष शिविर, छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला, विभिन्न भाषण, निबन्ध प्रतियोगिताओं आदि पर कार्यशाला आदि आयोजित करता है।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों की पूर्ति एवं सुचारु संचालन के लिए सन् 2019 में Empanelled Training Institution (ETI) स्थापना की गयी। इस वर्ष कौशल विकास हेतु उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न संस्थानों के कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए चार Orientation Training Programme आयोजित किए गये।

# जीव विज्ञान संकाय

## वनस्पति एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

**1. प्रकाशन**

**(ए) पत्रिकाओं में शोध/समीक्षा पत्र/पुस्तकों में अध्याय: 59**

**(बी) पुस्तकें: 04**

**2. सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/वेबिनार (पेपर प्रस्तुत): 09**

**3. विशेष वार्ता/व्याख्यान/रेडियो/टीवी वार्ता: 09**

**4. पुरस्कार/सरकारी या सामाजिक पुरस्कार: 01**

**5. विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण/कार्यशाला: 08**

**6. विदेशी/भारतीय विश्वविद्यालयों आदि के साथ समझौता ज्ञापन: 01**

**7. अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम/सूचना.**

**(ए): अनुसंधान परियोजनाएं: 05**

**(बी): संकाय सदस्य की उपलब्धियां: 26**

**1. प्रकाशन**

**(ए) पत्रिकाओं में शोध/समीक्षा पत्र/किताबों में अध्याय**

**प्रो आरसी दुबे**

1. कुमार, पी., दुबे, आर.सी., और राय, ए.के. (2022)। पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने वाला और *एंटेरोबैक्टर* एसपी का विरोध करने वाला। गढ़वाल के सामान्य बीन राइजोस्फीयर से EPR4 हिमालयन मृदा-जनित रोगज़नक़ *स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम को रोकता है* । *प्लांट साइंस टुडे* , *9* (4), 837-843। डीओआई: https://doi.org/10.14719/pst.1662
2. हाजरा , एम., और दुबे, आर.सी.(2022)। एचसीवी के एनएस3-4ए प्रोटीज से जुड़े दवा प्रतिरोध के गहन आणविक स्तर तंत्र को समझने के लिए सिलिको अध्ययन में अंतःविषय। *जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स* , 1-20. https://doi.org/10.1080/07391102.2022.2113823
3. राजपूत, के., दुबे, आर.सी., और कुमार, ए. (2022)। बकरी और भेड़ के दूध से अलग किए गए *एंटरोकोकस फ़ेशियम* GMB24 और *एंटरोकोकस हिरा* SMB16 में प्रोबायोटिक क्षमता और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुण । *माइक्रोबायोलॉजी के अभिलेखागार* , *204* (10), 619. https://doi.org/10.1007/s00203-022-03217-w
4. कुमार, एन., और दुबे, आर.सी.(2022)। पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने वाले एंडोफाइटिक बैक्टीरिया *बैसिलस ऑस्ट्रेलिमारिस* BlR41 और *एंटरोबैक्टर कोबेई BlR45 औषधीय पौधे बैरलेरिया* की वृद्धि को बढ़ाते हैं *ल्यूपुलिना* लिंड्ल . *जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी* , *16* (4)।

5. कुमार, एन., और दुबे, आर.सी.(2022)। *बार्लेरिया से एंटरोबैक्टर रोगेनकेम्पि BLRS02* की जीवाणुरोधी और समय-मार दक्षता का इन विट्रो अध्ययन *ल्यूपुलिना* लिंड्ल .*पर्यावरण, औषध विज्ञान और जीवन विज्ञान बुलेटिन* , 11(12), 1-8।
6. शुक्ला, एस., दुबे, आर.सी., और चौधरी, जे. (2022)। नवजात स्वास्थ्य पर मानव दूध का सिनबायोटिक प्रभाव: सिम्फनी में प्रोबायोटिक प्रारंभिक माइक्रोफ्लोरा और प्रीबायोटिक ओलिगोसेकेराइड। *माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी: पारिस्थितिक स्थिरता और अनुसंधान में भूमिका* , 43-58। https://doi.org/10.1002/9781119834489.ch3
7. प्रधान, एस., नौटियाल, वी., और दुबे, आर.सी.(2022)। तपेदिक उत्पन्न करने वाले *माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के* विरुद्ध यज्ञ में उपयोग की जाने वाली आहुति सामग्री के कुछ सक्रिय अवयवों की आणविक डॉकिंग । *सब्जियाँ* , 1-9. https://doi.org/10.1007/s42535-022-00522-z
8. सिंह, आर.पी., श्रीवास्तव, ए.के., यांग, वाई.जे, मनचंदा, जी., कुमार, ए., येरपुडे , एसटी, ... और दुबे, आर.सी.(2023)। न्यूक्लिक एसिड नैनोटेक्नोलॉजी: रुझान, अवसर और चुनौतियाँ। *वर्तमान फार्मास्युटिकल जैव प्रौद्योगिकी* , *24* (1), 50-60। https://doi.org/10.2174/1389201023666220520103325
9. हाजरा , एम., और दुबे, आर.सी.(2023)। मल्टीलेवल इन सिलिको दृष्टिकोण का उपयोग करके *बैसिलस एन्थ्रेसीस* से अद्वितीय हिस्टिडीन कीनेस BA2291 की जीटीपी वरीयता के लिए आणविक आधार को उजागर करना । *जर्नल ऑफ ड्रग डिजाइनिंग एंड बायोइनफॉरमैटिक्स।* 1(1), 15-25. https://doi.org/10.00000/jddb
10. भट्टाचार्य, एस., जंगारे , वी., हाजरा , एम., पांडे, एन.के., मुखर्जी, ए., धनखड़ , के., दुबे, आर.सी... और हाजरा , एस. (2023)। फ्रांसिसेला से क्लास ए β-लैक्टामेज़ का लक्षण वर्णन टुलारेन्सिस (एफटीयू-1) एएमआर को समझने की दिशा में एक अद्वितीय उपवर्ग से संबंधित है। *एसीएस बायो और मेड केम एयू*, *3* (2), 174-188। https://doi.org/10.1021/acsbiomedchemau.2c00044
11. नौटियाल , वी., प्रधान, एस., और दुबे, आर.सी.(2023)। सिलिको आणविक डॉकिंग विश्लेषण और गोमूत्र की एडीएमई भविष्यवाणी में कुछ जीवाणु प्रोटीन के खिलाफ 1-हेनिकोसानॉल प्राप्त हुआ। *सब्जियाँ* , 1-7. https://doi.org/10.1007/s42535-023-00587-4

**प्रो नवनीत**

1. शर्मा,एम., बिथेल, एन. और शर्मा, एम. 2022। भारत के उत्तराखंड के हरिद्वार क्षेत्र में पशुधन के इलाज के लिए उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधों का नृवंश विज्ञान अध्ययन। वर्तमान वनस्पति विज्ञान. 13:53-63.
2. सिंह, आर., सागर, एन. ए. और कुमार, एन. 2022। *इपोमियाकार्नियाजै*क के जलीय पत्तों के अर्क का उपयोग कर के सिल्वर नैनोकणों (एजीएनपी) का बायो इंस्पायर्ड ग्रीन फैब्रिकेशन। एकाधिक दवा प्रतिरोध एमटीसीसी जीवाणु उपभेदों से निपटने के लिए। औषधीय रसायन विज्ञान रिपोर्ट के यूरोपीय जर्नल. 6, 100066

3. राजपूत, एम. और बिथेल, एन. 2022। *हाइडनोकार्पसलॉरिफोलिया* (डेन्स्ट) स्लीमरकेएथिलएसीटेट बीज निकालने की एंटी ऑक्सीडेंट, एंटीबायो फिल्म और कैंसर विरोधी गतिविधियों का फाइटोकेमिकल लक्षण वर्णन और मूल्यांकन। 3 बायोटेक.12:215
4. चौधरी. ई, नवनीत और सिंह, एन. 2022. ट्रोपिकन अमेरिकी जड़ी बूटी की बहु-उपयोगिता क्षमता का अवलोकन : *एग्रेटमहॉस्टोनियनम*मिल। जर्नल ऑफ इंडियन बॉटनिकल सोसायटी. 102(2) :113-122.
5. अरोरा, वी., सिंह, जे. बी., बिथेल, एन., उपाध्याय, के. एस. और सिंह, आर. 2022। *सोलनममेलॉन्गेना*लिन के पौधे के विकास व्यवहार पर उत्तेजित अम्लीय वर्षा का प्रभाव। और *विग्नाअनगुइक्यूलेट* एसएसपी.सिलिंड्रिका (एल.) वालप । पर्यावरण, विकास और स्थिरता, 1-29. https://doi.org/10.1007/s10668-022-02726-4
6. शर्मा,पी., नवनीतऔरकौशल, ए. 2022। घाव भरने की दिशा में हरे नैनो कणों का निर्माण, और दवा वितरण दृष्टिकोण में इसका अनुप्रयोग। यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनलकेमिस्ट्रीरिपोर्ट 6: 100088।
7. कुमार,एस., नवनीत और कुमार,एस. 2023। गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालयविश्वविद्यालय) हरिद्वार, उत्तराखंड, भारत की पादप विविधता और नृवंश विज्ञान संबंधी महत्वपूर्ण पौधे। वैदिकवागज्योतिह 11 (20): 168-186.
8. पाठक,वी.एम. और नवनीत.2023. माइक्रोप्लास्टिक्स( एलडीपीई) बायोडिग्रेडेशन के लिए जीवाणु उपभेदों का शोषण। रसायन मंडल। 316:137845
9. शर्मा,पी., कुमार,एस.औरबिथेल ,एन. 2023। *एनागैलिसअर्वेन्सिस*इथेनॉलिकअर्क और उनके जीवाणुरोधी गुणों द्वारा जिंक ऑक्साइड नैनो कणों का हरित निर्माण। पर्यावरण संरक्षण जर्नल.1-4 https://doi.org/10.36953/ECJ.23592586
10. शर्मा,एम., प्रभात, नवनीतऔरशर्मा,एम. 2022। हरिद्वार, उत्तराखंड के शिवालिक रेंज में औषधीय पौधों की जैवविविधता और संरक्षण। में: पारिस्थिति की तंत्र और पर्यावरण प्रदूषण। डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस (पी) लिमिटेड नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-88854-97-9, पीपी. 182-198।
11. गौतम,एस.एस., नवनीत, बाबू,एन.,औरसोनी,आर. 2022. राइजोस्फेरिकमाइक्रोबियलकम्युनिकेशन। इन: पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी: उन्नत अनुसंधान और बहुविषयक अनुप्रयोग। बेंथमसाइंस पब्लिशर्स, शारजाह, यूएई, आईएसबीएन: 978-1-68108-959-1, पीपी 41-46।
12. सिंह, ए., गौतम, ए., सिंह,बी.औरनवनीत 2022। श्वसनरोगों और संबंधित जैविक कार्यों के खिलाफ औषधीय पौधों और उनके सक्रिय फाइटो केमिकल घटकों के एंटीवायरल प्रभाव। इन: कोरोनावायरसड्रग डिस्कवरी, एल्सेवियरइंक.आईएसबीएन : 978-0-323-95574- 4.पीपी 23-54।
13. सिंह, ए., पटवा,एन., मेहता,एन., गौतम, ए., मिशा,पी., ज़ोल्बिन,एम.एम., जोशी,के.,औरबिथेल,एन.। 2022। कैंसर प्रबंधन के लिए नैनोमेडिसिन और पौधे आधारित

बायोजेनिक नैनो कणों (एनपी) के निहितार्थ और भविष्य के दृष्टिकोण। इन: हैंडबुक ऑफरिसर्च ऑन एडवांस्ड फाइटोकेमिकल्स एंडप्लांट बेस्ड ड्रग डिस्कवरी। आईजीआईग्लोबलयूएसए। आईएसबीएन: 978-1-668-45129-8, पीपी. 414-431।

14. सिंह,आर., पांडे, ए., सागर,एन. ए.,औरकुमार,एन. 2022. सूक्ष्मजीवों द्वारा अपशिष्ट जल से डाई हटाने की प्रौद्योगिकियों में प्रगति। इन: पर्यावरणीय प्रदूषकों के बायोरेमेडिएशन के लिए सह क्रियात्मक दृष्टिकोण :हालिया प्रगति और चुनौतियाँ, एल्सेवियरइंक. आईएसबीएन: 918-6-020-00003-8, पीपी. 185-197।
15. सिंह, ए., सिंह,बी.,औरनवनीत. 2023. कैंसर देखभाल और रोकथाम में बायोएक्टिव यौगिक। में; आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल और औषधि खोज में न्यूट्रीजेनोमिक्स की भूमिका। एल्सेवियरइंक. आईएसबीएन: 978-0-12-824412-8 पीपी 439-468।
16. सिंह, ए., सिंह,बी.,औरनवनीत. 2023. मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों में औषधीय पौधों और उनके बायो एक्टिवयौगिकों की भूमिका। इन: आधुनिक हेल्थ केयर और ड्रग डिस्कवरी में न्यूट्रीजेनोमिक्स की भूमिका, एल्सेवियरइंक। आईएसबीएन: 978-0-12-824412-8, पीपी 469-515, पीपी। 469-515।
17. पांडे. ए., कुमार,एस., नवनीत, कुमार,एस., राजपूत,एम., सिंह,एम., पांडे,सी.,औरभारद्वाज,एन. 2023। बायो रेमेडिएशन में माइक्रोबियल एंजाइमों की भूमिका: उभरते अवसर और सीमाएं। इन: माइक्रोबियल इनोकुलेंट्स: हालिया प्रगति और अनुप्रयोग। एल्सेवियरइंक. आईएसबीएन: 978-0-323-99043-1 पीपी: 277-300 ।

**प्रो मुकेश कुमार**

1. सैनी, डी.के. और **कुमार, एम.**(2022)। औद्योगिक नगर गजरौला में सड़क किनारे विक्रेताओं के श्वसन स्वास्थ्य की स्थिति में मौसमी बदलाव । *प्रदूषण अनुसंधान , 41* , 1106-1111
2. त्यागी, वाई. एवं **कुमार,एम.** (2022)। ट्राइकोडर्मा *विराइड की लागत प्रभावी सामूहिक खेती के तरीके* । *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज* , 9(2), 930-938।
3. ऐरेन, ए., आराधना, और कुमार, एम. (2022)। *बोएरहवियाडिफ्यूसा* के औषधीय गुण , पीपी. 93-105 ***इन***: शर्मा एमके, शर्मा एमके और कुमार एस. (एड्स.), *उत्तर भारतीय जड़ी-बूटियों के औषधीय गुण* , एसआर वैज्ञानिक प्रकाशन, आगरा। आईएसबीएन: 978-981-19-9569-9
4. धीमान, एस., माहेश्वरी, डी.के., और कुमार, एम. (2023)। पौधों की बीमारियों के कुशल जैव नियंत्रण के लिए लाभकारी माइक्रोबियल मिश्रण: बाधाएँ और सफलता। स्प्रिंगरबरलॉग इंडिया लिमिटेड, दिल्ली। https://doi.org/10.1007/978-981-19-9570-5_2

**डॉ हरीश चंद्र**

1. गुप्ता,के.के., शर्मा,के.के., हरीश चन्द्र.2023 . व्यावसायिक रूप से उपलब्ध उच्च घनत्व पॉलीथीन (एचडीपीई) के क्षरण में गाय के मल से जुड़े बैसिलस सेरेस स्ट्रेन सीजीके5 का उपयोग । माइक्रोबायोलॉजी में पुरालेख. 205:101

2. दीपा देवी, गुप्ता, के.के., शर्मा, के.के., हरीश चंद्र। 2023. स्वदेशी स्ट्रेन अल्कालिजेन्स फ़ैकैलिस ISJ128 के अनुप्रयोग के माध्यम से कम घनत्व वाली पॉलीथीन (एलडीपीई) का बायोडिग्रेडेशन। पर्यावरण. जियोकेम स्वास्थ्य। डीओआई : 10.1007/एस10653-023-01590-जेड।
3. गुप्ता, के.के., शर्मा, के.के., हरीश चंद्र., पंवर, एच., भारद्वाज, एन., अल्टवाइजरी, एनए., अल्सफौक, एए., डलामिनी, जेड., अफजल, ओ., अल्तामिमी, ए.एस., खान, एस., और मिश्रा, एपी. (2022)। स्तन कैंसर विरोधी अणु के रूप में ज़ैंथोहुमोल की भविष्यवाणी करने के लिए एकीकृत जैव सूचना विज्ञान दृष्टिकोण : PI3K और AKT काइनेज मार्ग का संकेत देने वाली कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करना। *ऑन्कोलॉजी में फ्रंटियर्स , 12* । https://doi.org/10.3389/fonc.2022.950835
4. एन वर्मा, टीएस चुंडावत , हरीश चंद्र, दीप्ति वाया.2023. TiO2-GO नैनोकम्पोजिट द्वारा कार्सिनोजेनिक रंगों का एक कुशल समय रिडक्टिव फोटोकैटलिटिक क्षरण। सामग्री अनुसंधान बुलेटिन। 58
5. भारद्वाज, एन., चौहान, पी., चंद्रा, एच. औरअन्य। पॉलीडिस्पर्स्ड एसिड-फंक्शनल एकल-दीवार वाले कार्बन नैनोट्यूब ने इंटीग्रिन-एसोसिएटेड प्रोटीन (सीडी47) और बेसिगिन (सीडी147) अभिव्यक्ति को प्रेरित किया और चूहों में एरिथ्रोइड कोशिकाओं में एंटीऑक्सीडेंट जीन अभिव्यक्ति को संशोधित किया। *बायोनैनोविज्ञान ।* (2023)।https://doi.org/10.1007/s12668-023-01071-8
6. गुप्ता, के.के., शर्मा, केके.., चंद्रा, एच। गाय के गोबर से अलग किए गए . *माइक्रोकॉकस ल्यूटस* स्ट्रेन **CGK112** ने उच्चनिर्माण क्षमता -के प्रति कुशल बायोफिल्म (एचडीपीई) घनत्व पॉलीथीन- और गिरावट क्षमता का प्रदर्शन किया, माइक्रोबायोलॉजी के अभिलेखागार, वॉल्यूम **204, 2022,** पीपी.**402**
7. गुप्ता, केके, चंद्रा, एच., सागर, के., शर्मा, केके, और देवी, डी) .**2023)**। गाय के मल से जीवाणु तनाव के माध्यम से उच्च घनत्व पॉलीथीन का क्षरण। (एचडीपीई) *बायोकैटलिसिस और कृषि जैव प्रौद्योगिकी* **,** ***48*** **, 102646. https://doi.org/10.1016/j.bcab.2023.102646**
8. मीना, जे., चंद्रा, एच., वारकर, एस.जी. कैबोक्सिमिथाइलसेलुलोज इमली कर्नेल गम/ जेएनओ-बायोकम्पोसाइट : एक एंटीफंगल और खतरनाक धातु हटाने वाले एजेंट के रूप में। इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम के लिए नई सामग्री का जर्नल। 25(2):57-64
9. चंद्रा, एच., पी. कुमारी, अर्चना. यादव, एस. यादव, 2022. अध्याय 5 - हरित जैवसंश्लेषित धात्विक नैनोकण और भविष्य के जैव चिकित्सा अनुप्रयोग, संपादक: उमा शंकर, चौधरी मुस्तनसर हुसैन, मनविरी रानी, माइक्रो और नैनो टेक्नोलॉजीज में, औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए ग्रीन नैनोमटेरियल्स, एल्सेवियर, 2022, पेज 93-105, आईएसबीएन 9780128232965, https://doi.org/10.1016/B978-0-12-823296-5.00005-8।

**डॉ कार्तिकेय कुमार गुप्ता**

1. गुप्ता, केके, शर्मा, केके, चंद्रा, एच., पंवार, एच., भारद्वाज, एन., अल्टवाइजरी ,एन.ए, ... औरमिश्रा, ए.पी. (2022)। स्तन कैंसर विरोधी अणु के रूप में ज़ैंथोहुमोल की भविष्यवाणी करने के लिए एकीकृत जैव सूचना विज्ञान दृष्टिकोण : PI3K और AKT काइनेजमार्ग का संकेत देने वाली कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करना। **ऑन्कोलॉजीमेंफ्रंटियर्स**, 12, 950835।
2. गुप्ता, के.के., चंद्रा, एच., सागर, के., शर्मा, के.के., औरदेवी, डी. (2023)। गायकेमलसे बैक्टीरिया के तनाव के माध्यम से उच्च घनत्व पॉलीथीन (एचडीपीई) का क्षरण । **बायोकैटलिसिसऔरकृषिजैवप्रौद्योगिकी** , 48, 102646।
3. गुप्ता, के.के., शर्मा, के.के., औरचंद्रा, एच. (2023)।व्यावसायिकरूपसेउपलब्धउच्चघनत्वपॉलीथीन (एचडीपीई) केक्षरणमेंगायकेमलसेजुड़े*बैसिलससेरेसस्ट्रेन सीजीके5* काउपयोग । माइक्रोबायोलॉजीकेअभिलेखागार , 205(3), 101।
4. देवी, डी., गुप्ता, के.के., चंद्रा, एच., शर्मा, के.के., सागर, के., मोरी, ई., ... औरमिश्रा, ए.पी.,*अल्कालिजेन्स* के अनुप्रयोग के माध्यम से कम घनत्व वाली पॉलीथीन (एलडीपीई) काबायोडिग्रेडेशन*फ़ेकेलिस*ISJ128. **पर्यावरणभू-रसायनऔरस्वास्थ्य**।
   https://doi.org/10.1007/s10653-023-01590-z

**डॉसंदीपकुमार**

1. कुमार, एस., बनर्जी, सी. औरविश्नोई,वी.के. (2023) फ्यूजेरियम-विल्ट का जैविक नियंत्रण और से सममइंडिकमसीवी की गुणवत्ता में सुधार। एसटी-1 फ्लोरोसेंटस्यूडोमोनास का उपयोग कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण जर्नल. दोई: https://doi.org/10.36953/ECJ.23732614 ; आईएसएसएननंबर 0972-3099। वेब ऑफ साइंस सूचीबद्ध
2. कुमार, एस., नवनीत,औरएस. कुमार (2023) गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालयविश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखंड, भारत की पादप विविधता और औषधीय रूप से महत्वपूर्ण पौधे। वैदिक वागज्योतिखंड. 11 नंबर 20. 168-186.आईएसएसएननंबर 2277-4351 यूजीसी देखभाल सूचीबद्ध: 453
3. बलियान ,एन., धीमान, एस., धीमान , एस., विश्नोई, वी.के., कुमार, एस., औरमाहेश्वरी, डी.के. (2022)। फसल सुरक्षा में जीवाणु रोधी एजेंट के रूप में बैक्टीरियोफेज कॉकटेल। पर्यावरणीय स्थिरता। https://doi.org/10.1007/s42398-022-00237-6 आईएसएसएन :2523-8922

**समीक्षालेख/अध्याय/लोकप्रियलेख:**

**1.** कुमार, एस., विश्नोई, वी.के., कुमार, पी. औरदुबे, आर.सी. (2023) सर्वाइवल ऑफ *मैक्रोफोमिना* पौधे के ऊतकों और मिट्टी में *फेज़ियोलिना* । इन: *मैक्रोफोमिनाफेसोलिना*इकोबायोलॉजी, पैथोलॉजी और प्रबंधन। (संपादक कुमार, पी. औरदुबे, आरसी) एकेडमिकप्रेस, एल्सेवियर, 125 लंदन वॉल, लंदन ईसी2वाई 5एएस, यूनाइटेड किंगडम, पीपी 205-2018। आईएसबीएन: 978-0-443-15443-0

2. पांडे, ए., कुमार, एस., नवनीत., कुमार,एस**.,** राजपूत, एम., सिंह, एम., पांडे, सी., औरभारद्वाज ,एन. (2023) बायोरेमेडिएशन में माइक्रोबियल एंजाइमों की भूमिका: उभरते अवसर और सीमाएँ. इन: एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी में विकास, माइक्रोबियल इनोकुलेंट्स की हालिया प्रगति और अनुप्रयोग। (संपादकशरमा, वीके, कुमार, ए., पसारिनी, एमआरजेड, परमार, एस. औरसिंह, वीके) अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर, 125 लंदन वॉल, लंदन ईसी2वाई 5एएस, यूनाइटेड किंगडम पीपी। 277-296. आईएसबीएन 978-0-323-99043-1

3. माहेश्वरी, डी.के., कुमार, एस., कुमार, पी., कुमार, एस. और धीमान , एस. (2023) टिकाऊ फसल विकास के लिए माइक्रोबियल कंसोर्टियम बनाम उत्तम रासायनिक उर्वरकों का प्रभाव। इन: *सस्टेनेबल एग्रोबायोलॉजी: माइक्रोबियल कंसोर्टिया का डिजाइन और विकास।* सिंगापुर, (सं. माहेश्वरी, डी.के. औरधीमान ,एस.) **स्प्रिंगर**नेचर सिंगापुर। पीपी. 319-337. आईएसबीएन978**-**9811995699

4. कटियार ,पी., कुमार**,** एस**.** औरअरोरा, एन. (2022) नाइट्रोजन स्थिरीकरण बैक्टीरिया और अनाज फसलों की परस्पर क्रिया: एक महत्वपूर्ण आयाम। *में:* नाइट्रोजन फिक्सिंग बैक्टीरिया: गैर-फलियां की सतत वृद्धि (एड. माहेश्वरी, डी. के**., डोभाल** , **आर**.औरधीमान ,एस.) स्प्रिंगर, हीडलबर्ग, जर्मनी, पीपी। 169-194. आईएसबीएन978-981-19-9569-9

**डॉ. विनीतकुमारविश्नोई**

1. कुमार, एस., बनर्जी, सी. औरविश्नोईवी.के. ( 2023 ) *फ्यूजेरियम -विल्ट* का जैविक नियंत्रण और से सममइंडिकमसीवी की गुणवत्ता में सुधार। एसटी-1 फ्लोरोसेंट*स्यूडोमोनास का उपयोग कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण जर्नल.* दोई: https://doi.org/10.36953/ECJ.23732614 ;आईएसएसएननंबर 0972-3099। वेब ऑफ साइंस सूचीबद्ध

2. कांत, आर., शुक्ला, ए., शुक्ला, आर.के., विश्नोई वी.के.और बाबू, एन.(2022) एक प्रयोगात्मक आड़ू (प्रूनस पर्सिका एल. बत्श ) की पत्तियों से निकाले गए फाइटोकेमिकल डेरिवेटिव की रोगाणुरोधी संपत्ति का आकलन , *रसायन विज्ञान के रसायन जे.* http://doi.org/10.31788/RJC.2022.1536684 आईएसएसएन: 0974-1496 स्कोपस अनुक्रमित

3. बलियान, एन., धीमान, एस., विश्नोई, वी.के., कुमार, एस., औरमाहेश्वरी, डी.के.( 2022 )। फसल सुरक्षा में जीवाणु रोधी एजेंट के रूप में बैक्टीरियो फेज कॉकटेल। पर्यावरणीय स्थिरता। https://doi.org/10.1007/s42398-022-00237-6

a. *आईएसएसएन* : 2523-8922 समकक्ष की समीक्षा हो जाना

**समीक्षालेख/अध्याय/लोकप्रियलेख:**

1. **कुमार**, **एस** ., **विश्नोई** , **वी.के**. , **कुमार**, **पी**. **औरदुबे**, **आर.सी**. (2023) **सर्वाइवलऑफ*मैक्रोफोमिना*पौधेकेऊतकोंऔरमिट्टीमें*फेज़ियोलिना* । इन: ***मैक्रोफोमिनाफेसोलिना*इकोबायोलॉजी ,पैथोलॉजीऔरप्रबंधन। (संपादककुमार**, **पी**. **औरदुबे**, **आरसी**) **एकेडमिकप्रेस**, **एल्सेवियर**, **125 लंदन वॉल, लंदन ईसी2वाई 5एएस, यूनाइटेड किंगडम, पीपी 205**-2018। **आईएसबीएन: 978-0-443-15443-0**

**डॉ चिरंजीब बनर्जी**

1. **एन. कुमार, सी. बनर्जी, जे.एस. चांग, पी. शुक्ला।, *जैव ईंधन और उच्च मूल्य वाले उत्पादों की पीढ़ी की संभावना के रूप में सूक्ष्म शैवाल के माध्यम से अपशिष्ट जल का मूल्यांकन* ।जे. साफ़. प्रोड.**, **खंड 362**, **अगस्त 2022, 132114 (** https://doi.org/10.1016/j.jclepro.2022.132114**)**
2. एस. कुमार, सी. बनर्जी, और वी.के. विश्नोई, , फ्यूजेरियम-विल्ट का जैविक नियंत्रण और सेसमम इंडिकम सीवी की गुणवत्ता में सुधार। एसटी-1 फ्लोरोसेंट स्यूडोमोनास का उपयोग कर रहा है। पर्यावरण. संरक्षण करें . जे. खंड 24, जून 2023, पीपी 364-372

**किताबअध्याय**

1. एन. कुमार, एस. कर, ए. श्रीवास्तव, सी. बनर्जी, पी. शुक्ला; शैवाल जीनोमिक्स उपकरण: तकनीकी अद्यतन और प्रगति, पीपी 67-81। लिंक: https://www.sciencedirect.com/science/article/abs/pii/B9780323953320000089

***1. (बी) पुस्तकें प्रकाशित***

**प्रो आरसी दुबे**

1. दुबे, आर.सी. और माहेश्वरी, डी.के. (2023)। प्रैक्टिकल माइक्रोबायोलॉजी (5 संस्करण) । एस. चंद एंड कंपनी, लिमिटेड, राम नगर, नई दिल्ली 110055 (भारत)। आईएसबीएन: 9789355017451.
2. कुमार, पी., और दुबे, आर.सी. (संस्करण)। (2023)। *मैक्रोफोमिना फेज़ियोलिना* : इकोबायोलॉजी , पैथोलॉजी और प्रबंधन। एल्सेवियर। यूएसए (प्रेस में)। आईएसबीएन: 9780443154430.

**प्रो नवनीत**

1. कुमार, एम., कुमार, एस. और नवनीत (2023)। अनुसन्धान प्रकाशन : विश्वस्नीयता , मूल एवं नैतिकता (हिन्दी में), नालन्दा प्रकाशन , दिल्ली। [आईएसबीएन: 978-93-91018-10-8]

**प्रो मुकेश कुमार**

1. कुमार, एम., कुमार, एस. और नवनीत (2023)। अनुसन्धान प्रकाशन : विश्वस्नीयता , मूल एवं नैतिकता (हिन्दी में), नालन्दा प्रकाशन , दिल्ली। [आईएसबीएन: 978-93-91018-10-8]

*2. सेमिनार/सम्मेलन/वेबिनार/कार्यशाला (पेपर प्रस्तुत)*

**प्रो मुकेश कुमार**

1. 7-8 दिसंबर, 2022 को "पॉलीहर्बल फेमिनिन हाइजीन वॉश: मूल अवधारणा, लाभ और चुनौतियां" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य: वैश्विक मुद्दे" में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।
2. भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, हरिद्वार द्वारा आयोजित "सभी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एनसीएसटीए)" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "वुल्वोवाजाइनल पैथोजेन के खिलाफ व्यावसायिक रूप से उपलब्ध फेमिनिन हाइजीन वॉश की जीवाणुरोधी और सूजन-रोधी क्षमता का आकलन" विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया गया। 19 मार्च 2023 को.

**डॉ संदीप कुमार**

1. जीव विज्ञान संकाय, गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित " *एसकॉर्डिफोलिया और इसकी जीवाणुरोधी गतिविधियों* का फाइटो केमिकल विश्लेषण" पर पेपर प्रस्तुत किया गया। हरिद्वार, उत्तराखंड, उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद, पंतनगर द्वारा प्रायोजित।
2. 7-8 दिसंबर, 2022 कोआयोजित "पर्यावरणऔरमानवस्वास्थ्य: वैश्विकमुद्दे" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया। " खाद्य जनित रोगज़न *क्रस्टैफिलोकोकस ऑरियस के खिलाफ फाइटोएक्स्ट्रैक्ट की* जैव प्रभाव शीलता" वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड
3. पेपर प्रस्तुत किया गया और सत्र की अध्यक्षता की गईऔर 14 *16 अक्टूबर, 2022 को जलवायु परिवर्तन: जैवविविधता, अनुकूलन और शमन पर "*बाकोपामोननेरी* की जीवाणु रोधी गतिविधि का मूल्यांकन" विषय पर आयोजित "एक्सएलवी ऑल इंडिया बॉटनिकल कॉन्फ्रेंस ऑफ द इंडियन बॉटनिकल सोसाइटी" में भाग लिया। (एल.) *स्टैफिलोकोकस ऑरियस के खिलाफ पेनेल"*वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित।

**डॉ चिरंजीब बनर्जी**

**1.** *क्लोरेला* एसपी के बीच आईटीएस-2 सीबीसी आधारित परिसीमन। और *माइक्रेक्टेनियम* एसपी। 10-12 फरवरी, 2023 तक स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, बीएचयू, वाराणसी में **जैव प्रौद्योगिकी में नए क्षितिज की खोज (ईएनबी-**2023) **पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन** में प्रस्तुत किया गया।

**2. हरे सूक्ष्म शैवाल को अंतरिक्ष भोजन के रूप में पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया: वनस्पति विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, जीके (डीयू) में 7-8 दिसंबर2022 तक वैश्विक मुद्दा**

**डॉ विनीत कुमार विश्नोई**

1. 27-29 **मार्च**, 2023 **को आयोजित वैदिक माइक्रोबायोलॉजी बनाम आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया गया। जीव विज्ञान संकाय**, **गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित " *एस. कॉर्डिफोलिया और इसकी जीवाणु रोधी गतिविधियों का फाइटो केमिकल विश्लेषण" पर पेपर प्रस्तुत किया गया।* ,हरिद्वार**, **उत्तराखंड**, **उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद**, **पंतनगर द्वारा प्रायोजित।**
2. 7-8 **दिसंबर**, 2022 **को आयोजित "पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य**: **वैश्विक मुद्दे" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया। वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग**, **गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड यूनिवर्सिटी**, **हरिद्वार**, **उत्तराखंड "पर्यावरण स्थिरता में पीजीपीआर" पर पेपर प्रस्तुत किया गया।**

***3. विशेषवार्ता/व्याख्यान/रेडियो/टीवीवार्ता*:**

**प्रो नवनीत**

1. 2/12/2022 कोसीसीएसविश्वविद्यालय, मेरठ में जीवन विज्ञान में आणविक उपकरण और तकनीकों पर दो दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में "हमारे दैनिक जीवन में औषधीय पौधों का उपयोग" पर एक व्याख्यान दिया।

2. 31/12/2022 को सीसीएस यूनिवर्सिटी, मेरठ में 'प्लांट टैक्सोनॉमी: ऑर्थोडॉक्सबनाममॉडर्नअप्रोच' पर 'साइंस एकेडमिक्स' रिफ्रेशर कोर्स में "औषधीय पौधे" पर व्याख्यान दिया।
3. 28/02/2023 को फोनिक्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, रूड़की, हरिद्वार में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "औषधीय पौधे और इसकी उपयोगिता" पर व्याख्यान दिया।
4. हरिद्वार द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर (14/3/23 से 20/4/23) में "इम्यूनोमॉड्यूलेटरी हर्बल फॉर्मूलेशन" पर व्याख्यान दिया।
5. 19/5/2023 को कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र में बायोटेक्नोलॉजिकल तकनीक उत्सव बायोक्रोमो में "इम्यूनिटीबूस्टिंग हर्बल ड्रग्स" पर व्याख्यान दिया।

**प्रो मुकेश कुमार**

1. ग्रामीण " विषय पर व्याख्यान दिया 17 वीं उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2023 के दौरान , 10 से 12 फरवरी , 2023 को यूकॉस्ट, देहरादून में पारंपरिक ज्ञान प्रणाली ।
2. 5-6 सितंबर, 2022 को गुरुकुल परिसर उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, हरिद्वार (यूके) में "गंगा नदी बेसिन के औषधीय पौधे और भारतीय चिकित्सा प्रणाली में उनका चिकित्सीय महत्व" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अध्यक्ष" के रूप में भाग लिया। .
3. 27-29 मार्च, 2023 को जीवन विज्ञान संकाय, वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय विश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा आयोजित वैदिक माइक्रोबायोलॉजी बनाम आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी पर एक 'आमंत्रित वार्ता' राष्ट्रीय सम्मेलन दिया।
4. घोघर (मुरादाबाद) में "सूक्ष्मजीवों का विकास, विविधता और आर्थिक महत्व" विषय पर व्याख्यान दिया।

**4.पुरस्कार/सरकारी या सामाजिक पुरस्कार: 01**

**प्रो आरसी दुबे**

1. माइक्रोबायोलॉजिकल अनुसंधान और शिक्षा में उनके अपार योगदान के बदले, माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी, भारत ने 20 अप्रैल 2023 को प्रोफेसर आरसी दुबे को "लाइफटाइममाइक्रोबायोलॉजिस्ट डिवोशन अवार्ड" से सम्मानित किया।

**5. विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण/कार्यशाला**

1. वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय विश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा 19 से 21 नवंबर, 2022 को "आत्मनिर्भर छात्र" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
2. "पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य: वैश्विक मुद्दा" पर 7-8 दिसंबर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
3. ⁵सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस समारोह
4. ¹दिसंबर 2022 को विश्व एड्स दिवस समारोह ।
5. हरेला त्यौहार 18 जुलाई 2022 को मनाया गया।
6. 27 नवम्बर, 2022 को विज्ञान धाम एवं वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का भ्रमण आयोजित ।
7. 20 अप्रैल, 2023 को लाइफ टाइम माइक्रोबायोलॉजी डिवोशन अवार्ड के लिए प्रोफेसर आरसी दुबे का अभिनंदन

8. एमएससी के लिए गुरुकुल फार्मेसी, हरिद्वार का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। 5 दिसंबर 2022 को छात्र।

**6 . विदेशी/भारतीय विश्वविद्यालयों आदि के साथ समझौता ज्ञापन: 01**

1. गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय विश्वविद्यालय, हरिद्वार और सुश्री प्रभा इंडस्ट्रीज ब्रह्म) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। 15-11-2022 को विहार , कनखल।

**7. अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम/जानकारी।**

| का नामयोजना/परियोजना/ | नाम की पीआई/सह-पीआई | फंडिंग एजेंसी का नाम | प्रकार | विभाग | वर्ष | अनुदान (लाख में) | अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बायोफिल्म, फॉर्मिंगकयनोबैक्टेरिअइन हेरिटेज ऑफ़ उत्तराखंड. | प्रोफेसर मुकेश कुमार (पीआई) & डॉ चिरंजीब बनर्जी (सह-पीआई) | यूकोस्ट | सरकार | विभागवनस्पति विज्ञानएवं सूक्ष्म जीव विज्ञान | 2022-23 | 8.01 | 2 साल |
| फानइफेक्टिवस्ट्रेटेजीफॉरअलगालबायोमासहार्वेस्टिंगथ्रू फंक्शनलिज़्डबीओपोलीमेर | डॉ चिरंजीब बनर्जी (पीआई) | डीएसटी-SERB | सरकार | विभागवनस्पति विज्ञानएवं सूक्ष्म जीव विज्ञान | 2022-23 | 28.59 | 2 साल |
| बिओप्रोस्पेक्टिंगऑफ़पिकरोढ़ीजाकुर्रूआरॉयलएक्सऐंठथ्रूमेटाबोलोमिक्सऑफ़एंडोफिट्स. | डॉ. हरीश चंद्र (पीआई) | यूजीसी | सरकार | विभागवनस्पति विज्ञानएवं | 2022-23 | 10.0 | 2 साल |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सूक्ष्म जीव विज्ञान | | | |
| "बिवेफ्फिसैयऑफ़सर्टेनबायोएक्टिवकंपोनेंट्सऑफ़सिदा कर्डिफोलीअल. एंडबाकोपामोंनिएरी (ल.) पेनलअगेंस्टफूडबोर्नेबैक्टीरिया" | डॉ. संदीप कुमार (पीआई) | यूकोस्ट | सरकार | विभागवनस्पति विज्ञानएवं सूक्ष्म जीव विज्ञान | 2022-23 | 5.97 | 2 साल |
| थीमेटिक, थेराप्यूटिकएंडडिस्टिंगुइशदेसिग्नेडहर्बलगार्डनऑफ़नेशनल/स्टेटइम्पोर्टेस. | डॉ. संदीप कुमार (सह-पीआई) | राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) | सरकार | विभागवनस्पति विज्ञानएवं सूक्ष्म जीव विज्ञान | 2022-23 | 21.60 | 5 साल |

**(ए): अनुसंधान परियोजनाएं (चालू)**

**(बी:एफ संकाय सदस्यों की उपलब्धियां :(**

**प्रो आरसी दुबे**

1. प्रो. आरसी दुबे को 20 अप्रैल, 2023 को लाइफ टाइम माइक्रोबायोलॉजी डिवोशन अवार्ड के लिए

**प्रो नवनीत**

1. गुरुकुल कांगड़ी (डीयू), हरिद्वार में पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य: वैश्विक मुद्दे विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (7-8 दिसंबर, 2022) में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
2. गुरुकुल कांगड़ी (डीयू), हरिद्वार में वैदिक माइक्रोबायोलॉजी बनाम आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन (27-29, मार्च, 2023) में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
3. मेरे निर्देशन में शोध छात्र के रूप में कार्यरत मुनीत शर्मा ने अपनी पीएचडी थीसिस जमा कर दी है।
4. 2022-23 के लिए माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी, भारत के राज्य अध्यक्ष ।
5. 19 से 21 नवंबर, 2022 को वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय विश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा आयोजित "आत्मनिर्भर छात्र" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

**प्रो मुकेश कुमार**

**1.** मेरे निर्देशन में शोध छात्र के रूप में कार्यरत अंशुमान गुप्ता ने अपनी पीएच.डी. जमा की है। निर्णय के लिए एमजेपी रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली को थीसिस।

**2.** पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य: वैश्विक मुद्दे" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

3. माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा अनुसंधान विद्वानों के लिए एएमपीटेक 2023 एक्सपो और थेमिस मेडिकेयर लिमिटेड द्वारा अध्ययन यात्रा का आयोजन किया गया।
4. माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा अनुसंधान विद्वानों के लिए पुनिया भूमि, हरिद्वार, उत्तराखंड में अध्ययन यात्रा का आयोजन किया गया।
5. वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालयविश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखंडद्वारा 19 से 21 नवंबर, 2022 को "आत्मनिर्भरछात्र" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

**कार्तिकेयकुमारगुप्ता**

1. संकायाध्यक्ष द्वारा आयोजित जीव विज्ञान पर यूजीसी प्रायोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर 23 जुलाई, 2022 से 05 अगस्त, 2022 तक।

**डॉ। हरीश चंद्र**

1. **जीवन विज्ञान संकाय, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय विश्वविद्यालय), हरिद्वार (दिनांक 27-29, मार्च 2023) द्वारा वैदिक माइक्रोबायोलॉजी बनाम आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी पर आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन में अध्यक्ष।**
2. भंगीरा ( *पेरिला फ्रूटसेन्स)* की जड़ और फूल के अर्क में मधुमेह विरोधी क्षमता । *आविष्कारक- अजय सिंह,* अरुणेश कुमार दीक्षित, राजेंद्र प्रसाद, हरीश चंद्र, आवेदन संख्या 202211028892 स्थिति: प्रकाशित।
3. *एंटरोकोकस फ़ेकैलिस* MTCC439.निधि वर्मा पर $TiO_2$ और ZnO /GO नैनोमटेरियल की रोगाणुरोधी गतिविधि प्रस्तुत करने की एक विधि। दीप्ति वया, तेजपाल. हरिश्चंद्र. आवेदन संख्या 202111034048 स्थिति: दाखिल
4. पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य वैश्विक मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजन समिति के सदस्य (दिनांक: 7-8, दिसंबर 2022)।

**डॉ। संदीप कुमार**

1. 19-21 नवंबर, 2022 को वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड में आयोजित आत्मनिर्भर छात्रों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
2. अस्थिर घटकों के संग्रह के लिए भस्मक *आविष्कारक* -संदीप कुमार स्थिति: प्रकाशित।

**डॉ। विनीत कुमार विश्नोई**

1. फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (FIP-16), HRDC कौमाऊं यूनिवर्सिटी नैनीताल, उत्तराखंड, 24 फरवरी से 28 मार्च, 2023।
2. आयोजन सचिव और 27-29 मार्च, 2023 को आयोजित वैदिक माइक्रोबायोलॉजी बनाम आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। जीवन विज्ञान संकाय, गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड द्वारा आयोजित "एस कॉर्डिफोलिया और इसकी जीवाणुरोधी गतिविधियों का फाइटोकेमिकल विश्लेषण" पर पेपर प्रस्तुत किया गया। उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद, पंतनगर द्वारा प्रायोजित विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड ।

3. 7-8 दिसंबर, 2022 को आयोजित "पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य: वैश्विक मुद्दे" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया और भाग लिया गया। वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड यूनिवर्सिटी, हरिद्वार, "पर्यावरण स्थिरता में पीजीपीआर " पर पेपर प्रस्तुत किया गया। उत्तराखंड
4. 19-21 नवंबर, 2022 को वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड में आयोजित आत्मनिर्भर छात्रों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

**डॉ चिरंजीब बनर्जी**

**1.** फरवरी, 2023 से 28 मार्च 2023 तक कुमाऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल से ऑनलाइन मोड में एफआईपी-16 में भाग लिया ।
2. नवंबर 2022 तक वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, जी. के. (डीयू) द्वारा आयोजित आत्मनिर्भर छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
3. मार्च2023 तक जीवन विज्ञान संकाय, जी. के. (डीयू) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "वैदिक माइक्रोबायोलॉजी बनाम आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी" में आयोजन समिति के समन्वयक के रूप में कार्य करें।
4. 7-8 दिसंबर 2022 तक वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, जी. के. (डीयू) में पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य: वैश्विक मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में।

# सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
## कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार

कन्या गुरूकुल परिसर हरिद्वार में सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की स्थापना 1993 वर्ष में हुयी थी। एम0एस–सी सुक्ष्मजीव 1993, पी0एच0–डी0 2001 सुक्ष्मजीव विज्ञान और बी0एस–सी0 वनस्पति 2023 वर्षो में शुरू किये गये है।

वर्तमान में विभाग में प्रभारी के रूप मे डा0 वरिंदर विर्क और संकाय सदस्य डा0 कल्पना सागर कार्यरत है। विभाग वर्तमान में विभाग में पी0एच0–डी0 में 04, एम0एस0सी0 104 और बी0एस0–सी0 38 छात्राऐं शिक्षा ग्रहण कर रही है। विभाग के पास स्नातक और स्नातकोत्तर और शिक्षण के साथ – साथ अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट आधुनिक प्रयोशाला है। विभाग शिक्षा व अनुसंधान कार्य के क्षेत्र मे कई गुना प्रगति कर रहा है।

**प्रभारी -** डा0 वरिन्दर विर्क

**प्रध्यापक सदस्य** 1. डा0 कल्पना सागर

**कार्यक्रम अयोजन**

- सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग कन्या गुरूकुल परिसर हरिद्वार में 20/02/23 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का अयोजन किया ।
- सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग कन्या गुरूकुल परिसर हरिद्वार में 17/09/22 को माइक्रोआइर्गनिज्म दिवस पर रंगोली प्रतियोगिता का अयोजन किया ।

**वेबिनार**

- सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग कन्या गुरूकुल परिसर हरिद्वार में 17/09/22 को एक दिवसीय वेबिनार माइक्रोआइर्गनिज्म दिवस का अयोजन किया ।
- कन्या गुरूकुल परिसर के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में विभागीय स्तर पर अंतराष्ट्रीय माइक्रोओर्गनिजम दिवस दिंनाक 17/09/2022 को ऑन लाइन माध्यम से एक दिवसीय वेबिनार व माइक्रोओर्गनिजम की थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्रभारी डा0 वरिन्दर विर्क ने किया। अंतराष्ट्रीय माइक्रोओर्गनिजम दिवस पर अतिथी वक्ता मे डा0 भव्या त्रिवेदी असिस्टेंट प्रोफेसर माया ग्रूप कॉलेज देहरादून, डा0 रूची गौतम असिस्टेंट प्रोफेसर डी0ए0वी0 कॉलेज पंजाब यूनिवर्सिटी चडीगढ़ और डा0 आशीष यादव डारेक्टर एवं सीइओ अकार बायोटेक्नोलोजिस लखनऊ ने ऑन लाइन माध्यम से व्याख्यान दिया सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की एम0एस.सी0 की छात्राओं को माइक्रोओर्गनिजम दिवस के बारे मे और सूक्ष्मजीवो के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम मे प्रथम व द्वितीय वर्ष की 104 छात्राओं ने भाग लिया।

**अतिथि व्याख्यान**

कन्या गुरूकुल परिसर के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में एम0एस.सी0 की छात्राओ के लिए समय – समय पर अतिथी व्याख्यान का आयोजन किया गया। निम्न संस्थानो से अतिथी वक्ता के रूप में विभाग मे आये।

- **डा0 दीपांशु राणा सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी, देहरादून उत्तराखंड। दिनांक 24/09/2022 को आमंत्रित किया गया है उन्होंने 2 विषय पर व्याख्यान दिया**

- **पतंजलि आचार्यकुलम हरिद्वार उत्तराखंड के योगा विभाग की छात्रा सैजल अरोड़ा ने 15/10/2022 को** सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की **एम0एस–सी0 की छात्राओ को योग आसन से संबधित जानकारी दी और छात्राओ को योग आसन करने के लिए प्रेरित किया।**

- **डा0 प्रशांत कटियार साइंटिस्ट पतंजलि रिसर्च इंस्टिटयूट, हरिद्वार उत्तराखंड दिंनाक 14/11/2022 को आमंत्रित किया गया उन्होने 01 विषय** (Tumor immunology) **पर व्याखान दिया।**

- दिंनाक 23/11/2022 व 24/11/2022 को **डा0 विपिन कुमार, ( भेषज विज्ञान विभाग, गुरूकुल कागड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार उत्तराखंड** को अतिथी व्याख्यान (Guest Lecture) देने के लिये विभाग मे आमंत्रित किया गया। **डा0 विपिन कुमार ने** (Pharmacokinetics, GLP & GMP ect.) **विषय पर दो दिन व्याख्यान दिया।**

- दिंनाक 24/03/2023, 04/04/2022, 05/04/2023 व 07/04/2023, को **डा0 संदीप कुमार, (वनस्पति एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, गुरूकुल कागड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार उत्तराखंड** को अतिथी व्याख्यान (Guest Lecture) देने के लिये विभाग मे आमंत्रित किया गया। **डा0 संदीप कुमार ने 04 विषय पर चार दिवसो में व्याख्यान दिया।**

- दिंनाक 08/04/2023 में डा0 विनय सेट्टी असिस्टेंट प्रोफेसर (उत्तराखण्ड संस्कृत यूनिवर्सिटी ) को अतिथि व्याख्यान (Guest Lecture ) देने के लिये विभाग में आमंत्रित किया गया। डा0 विनय सेठी ने गौरैया संरक्षण के विषय पर छात्राओ व्याख्यान दिया व छात्राओ गौरैया संरक्षण करने के लिए छात्राओ प्रोत्साहित किया।

- दिंनाक 25/04/2023 मे डा0 राजुल भारद्वाज (प्लेसमेंट सेल विभाग), गुरूकुल **कांगड़ी** (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार उत्तराखंड को अतिथि व्याख्यान देन के लिये विभाग मे आमंत्रित किया गया। डा0 राजुल भारद्वाज ने छात्राओं को (Brain Storming Session) विषय पर छात्राओ को व्याख्यान दिया व छात्राओं प्लेसमेंट से सम्बंधित विशेष जानकारियों से अवगत कराया।

**डॉ0 वरिन्दर विर्क**
**शोध प्रकाशन**


- वर्मा, जी और विर्क, वी (2022)। तरल क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमीटरी द्वारा लैक्टोबैसिलस पेटोसस की डेयरी प्रोबयोटिकस तैयारी में मौजूद बैक्टीरियोसिन की मात्रात्मक प्रोफाइलिग। जनरल ऑफ पोस्टहार्वेस्ट टेक्नोलोजी, 10 (04), 26–23।
- विर्क वी, दीपक, एच, और तनेजा, के (2023)। अपने माअक्रोबायोम के साथ ककफ्रमा लोंगा की सहक्रियात्मक बातचित एक लघु समीक्षा । जर्नल ऑफ पोस्टहार्वेस्ट टेक्नोलॉजी , 11 (01),16–24।
- विर्क, वी, और श्रीवास्तव, आर (2022)। नैनोकणों का भाग्य और कृषि मे अपने नवीन दृष्टिकोण। खादय और पोषण विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 11(01),2877–2896।

## पेपर प्रस्तुति

- सोलनम ट्यूबरोसम से पृथक राजोबैक्टीरिया की एंटिफगल गतिविधि पर प्रस्तुत पोस्टर। स्टार्ट हर्ब पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जडी बूटियों मे नवाचार से उदयमिता तक। अक्टूबर 2022 डी0 वाई0 मे आयोजित। पाटिल डीम्ड यूनिवर्सिटी, स्कूल आफ फार्मेसी, नवी मुंबई और एपीआर।
- सोलनम ट्यूबरोसम से पृथक लाभकारी राजोबैक्टीरिया के अनेक लक्षण पर प्रस्तुत पोस्टर। पर्यावरण और मानव स्वास्थय पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन वैश्विक मुद्दे। 7–8 दिंसबर 2022 गुरूकुल कांगडी (डिम्ड विश्वविद्यालय) हरिद्वार मे आयोजित।
- ककफ्रमा लोगा एल से अलग किये गये एडोफाटिक कवक की एंडीडायबिटिक क्षमता की खोज पर प्रस्तुत पोस्टर। फार्मास्युटिकल अनुसंधान में चुनौतियो और अवसरो को उजागर करने वाले डिजिटल नवाचारो पर राष्ट्रीय सम्मेलन 15 फरवरी 2023 । हिमालयन इंस्टीटयूट ऑफ फार्मेसी पांवटा साहिब जिला मे आयोजित किया गया।सिरमौर हिमाचल प्रदेश।
- ग्रीन टी पर प्रस्तुत पोस्टर जैव रासायनिक प्रक्रियाएं और स्वास्थ्य लाभ सभी के लिये विज्ञान और प्रौदयोगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेनल (एनसीएसटीए) 19 मार्च 2023 आई0एस0सीए0 द्वारा आयोजित इतिहास संस्कृति और पुरातत्व गुरूकुल कांगडी (डिम्ड विश्वविद्यालय) हरिद्वार मे आयोजित।
- यज्ञ मे औषधिय जड़ी बुटियां अनेक सम्सयाओ का समाधान विषय पर प्रस्तुत पोस्टर। अनुप्रयुक्त विज्ञान प्रबंधन, मानविकी वाणिज्य सूचना प्रौदयोगिकी पर नवीनतम रूझानो पर अंतर्रायष्ट्रीय सम्मेलन 26–27 मार्च 2023 एस0एस0 आई कालेज सेक्टर 6 भिलाई (सजी) भारत में आयोजित किया गया।
- यज्ञ में औषधीय जडी–बूटियों का महत्वः प्रकृति के लिये वरदान विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया। भारत के ज्ञान सांस्कृतिक परंपराओ और प्रथाओ पर राष्ट्रीय सम्मेनल 29–31 मार्च गुरूकुल कांगडी (डिम्ड विश्वविद्यालय) हरिद्वार मे आयोजित।

## पार्टिसिपेशन

- 6 – 7 दिंसबर, 2022 तक माया ग्रुप ऑफ कॉलेज देहरादून उत्तराखंड द्वारा आयोजित कृषि विज्ञान मेले मे भाग लिया

## शॉर्ट टर्म कोर्स

- 13/12/2022 से 20/12/2022 तक यूजीसी – एच आरडीसी, पंजाब यूनिवर्सिटी, पटियाला पंजाब द्वारा आयोजित पंजाब यूनिवर्सिटी मे शॉट टर्म कोर्स मे भाग लिया।

## वेबिनार आयोजन

- 12 सितम्बर 2022 को माइक्रोबायोलॉजी दिवस पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन ।
- डॉ0 भव्या, सहायक प्रोफेसर, मया गफ्रप ऑफ कॉलेज देहरादून।
- डॉ0 रूचि गौतम सहायक प्रोफेसर, डीएवी कॉलेज पंजाब विश्वविद्यालय ।
- डॉ0 आशीष यादव आकार बायोटेक के निदेशक और सीइओ।
- 17 सितम्बर 2022 को माइक्रोबायोलॉजी दिवस पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन ।

## शोध छात्राऐं (04)

## थीसिस पुरस्कृत (01)

## आयोजन समिति के सदस्य /सचिव/संयोजक / मुख्य वक्ता

1 पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्यः वैश्विक मुद्दे विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संयोजक के रूप में कार्य किया। 7–8 दिसबर 2022 गुरूकुल कागड़ी (डिम्ड विश्वविद्यालय) हरिद्वार में आयोजित ।

2 जीव विज्ञान संकाय, (डिम्ड विश्वविद्यालय) हरिद्वार द्वारा 27 से 29 मार्च 2023 तक वैदिक माइक्रोबायोलॉजी जैव प्रौद्योगिकी पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य वक्ता के रूप में। यूकॉस्ट, पंतनगर, उत्तराखंड द्वारा प्रयोजित।

**डा0 कल्पना सागर**

**शोध प्रकाशन**

- देवी डी,गुप्ता के0के0, चंद्रा एच, सागर के शर्मा के0के0, सागर के मोरी,ईडी फरियास, पी0ए0एम0 कॉटिन्हो, एच0डी0एम0 और मिश्रा ए0पी0 2023। स्वदेशी स्ट्रेन अल्कालिजेन्स फेकैलिस ISJ128 के अनप्रयोग के माध्यम से कम घनत्व वाली पॉलीथीन एल0डी0पीइ0 का बायोडिग्रेशन । पर्यावरण भू रसायन और स्वास्थ्य पीपी1—19।
- गुप्ता के0के0, चंद्रा एच, सागर के शर्मा के0के0, सागर और देवीडी 2023। गाय के मल से बैक्टीरिया के तनााव के माध्यम से उच्च घनत्व पालीथीन एचडीपीई का क्षरण। बायोकैटलिसिस और कृषि जैव प्रौदयोगिकी 48 पृष्ट 102646।

**पुस्तक अध्याय**

- मयूर मौसम फुकन, प्रणय पुंज पंकज, सैमसन रोजली संगमा, रमजान अहमद, कुमार मनोज, जयब्रत साहा, मंजीत कुमार रे, अमेनुओ सुसान कुलनु, रूपेश कुमार,कल्पना सागर प्रांजल प्रतिम दास प्लयाबन बोरा 2023। आैषधीय पौधो की रोगाणुरोधी सूजन रोधी और घाव भरने वाली गतिविधियॉ औषिधीय पौधों में फइटोकेमिकल्स जैव विविधता जैव सक्रियता और औषधि खोज।डी गफ्रएटर आईएसबीएन — 3110791943

**पेपर प्रस्तुति**

- (वैदिक माइक्रोबायोलॉजी और आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी विषय पर राष्टीय सम्मेलन में शीर्षक मेटाजीनोमिक्स बायोरेमए''ान) के लिए एक नया दृ'कोण जीव विज्ञान संकाय, गुरूकुल कांगडी (डिम्ड वि''वविद्यालय) हरिद्वार में आयोजित 27—29 मार्च 2023 को एक पेपर प्रस्तुत किया।
- गुरूकुल कांगडी (डिम्ड वि''वविद्यालय) हरिद्वार द्वारा आयोजित (भारत के ज्ञान सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओ पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 29—31 मार्च 2023 को शीर्षक (फाइटोमेडिसनः उन्नत कैंसन के लिए एक वैकल्पिक उपचार विकल्प )एक पेपर प्रस्तुत किया। उत्तराखंड।

**प्रतिभागिता**

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएसटीए)। भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा आयोजितः हरिद्वार चैप्टर, 19 मार्च 2023 मे प्रतिभाग लिया गुरूकुल कांगडी (डिम्ड विश्वविद्यालय) हरिद्वार।
- 5 जून 2023 को प्राणी शास्त्र और पर्यावरण विज्ञान विभाग गुरूकुल कांगडी (डिम्ड विश्वविद्यालय) हरिद्वार उत्तराखंड द्वरा आयोजित कार्यशाला पर्यावरण स्थिरता के लिए बायोडिग्रेडेबल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और केंचुआ खाद में भाग लिया।

**आयोजन सदस्य समिति/मुख्य वक्ता/अध्यक्ष के**

- पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजन समिति के सदस्यः वैश्विक मुद्दे 7—8 दिसंबर 2022 वनस्पति विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग गुरूकुल कांगडी (डिम्ड विश्वविद्यालय) हरिद्वार उत्तराखंड द्वारा आयोजित ।
- वैदिक माइक्रोबॉयोलाजी बनाम आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी पर 27—29 मार्च 2023 को जीव विज्ञान संकाय, गुरूकुल कांगडी (डिम्ड विश्वविद्यालय) हरिद्वार उत्तराखंड द्वारा आयोजीत राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया जो कि उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद सरकार द्वारा प्रायोजित है।

- कन्या गुरूकुल परिसर हरिद्वार, गुरूकुल कांगडी (डिम्ड विश्वविद्यालय) हरिद्वार उत्तराखंड के यूजी0 और पीजी0 छात्राओ के लिए छात्रा प्रेरणा कार्यक्रम समन्वय सदस्य के रूप में कार्य किया।
- बी0एस0सी0 एवं एम0एस0सी0 के लिए प्रवेश समिति में सदस्य के रूप में कार्य किया।
- सत्र 2022– 23 मे आई0 क्यू0 एसी0 के विभागिय कोर्डिनेटर के रूप में कार्य किया।
- एम0एस0सी0 चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओ स्वयं पाठयक्रम विभागीय समन्वय के रूप में कार्य किया।

## एफडीपी/रिफ्रेशर कोर्स

- 25/07/2022 से 30/07/2022 तक महात्मा हंसराज संकाय विकास केन्द्र, हंस राज कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से एस0जी0टी0 विश्वविद्यालय गुरूग्राम द्वारा अरयोजित वैज्ञानिक परिवर्तनो के लिए रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान इंटर फेस पर संकाय विकाय कार्यक्रम (ऑनलाइन) में भाग लिया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की पी0एम0एम0एन0एम0टी0टी0 योजना।
- पी0एम0एम0एन0एम0टी0टी0 शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तहत टीचिंग लर्निग सेंटर रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 20/10/2022 से 11/10/2022 तक लाइफ साइस (ऑनलाइन) रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।
- 06/02/2023 से 11/02/2023 तक सेंटर फॉर इनोवेशन इन इंफक्श्यस डिजीज रिसर्च एजुकेशन एडं ट्रेनिग (टि0ट0आई0आई0आर0ई0टि0) दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैपस और दिल्ली आयोजित जीवन विज्ञना मे उन्नत प्रौदयौगिकियो पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑलाइन) में भाग लिया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की पी0एम0एम0एन0एम0टी0टी0 योजना के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र हंसराज कॉलेज के सहयोग से कौशन सांवर्धन और उदयतिआ (डी0एस0एस0ई0ई0डी0) दिल्ली विश्वविद्यालय।

## जन्तु एवं पर्याववरण विज्ञान विभाग
## जन्तु विज्ञान विषय : वर्ष (1961) पर्यावरण विज्ञान विषयः (1995)

**विभागीय विवरणः—**

जन्तु विज्ञान विभाग की स्थापना 1961 में स्नातक स्तर के शिक्षण के साथ हुई। 1995 में यू0जी0सी0 ने एम0एस0सी0 की उपाधि दी। विभाग में पर्यावरण के पाठ्यक्रम (जिसे अब प्राणी शास्त्र और पर्यावरण विज्ञान विभाग) कहा जाता है। विभाग को उसके उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान के कारण डी0एस0टी0—एफ0आई0एस0टी0 और यू0जी0सी0—एसएपी अनुदान से सम्मानित किया गया है। विभाग के पास कुल क्षेत्रफल लगभग 9405 स्क्वायर फीट है और जिसमें प्रयोगशाला के लिए लगभग 1700 वर्ग फीट क्षेत्र शामिल है। हाल ही में 12486.24 वर्ग क्षेत्रफल वाले अनुसंधान ब्लाक की एक नई इमारत है। विभाग को इसके विकास के लिए डी0एस0टी0—एफ0आई0एस0टी0 के कार्यक्रम प्रदान किये गये हैं। वर्तमान में प्रो0 डी0एस0मलिक विभागाध्यक्ष हैं। विभाग में यू0जी0, पी0जी0 और पी0जी0 के लिए अनुसंधान ब्लांक वातानुकूलित और मिट्टी विश्लेषण प्रयोगशालाएँ और शोध छात्र, स्मार्ट क्लास रूम, विभागीय पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, सेमिनार हॉल, मिटिंग हॉल हैं। विभाग ने प्रयोगशाला संग्राहलय अच्छी तरह से स्थापित जैव खाद्य इकाई, मोसम पूर्वानुमान स्टेशन, पशु घर, हरे भरे और हरे औषधिय पौधों के बगीचे को अच्छी तरह से बनाये रखा है।

**उपलब्ध पाठ्यक्रम :—**

- बी0एस0सी0 जन्तु विज्ञान
- बी0एस0सी0 पर्यावरण विज्ञान
- पर्यावरण विज्ञान और सत्त विकास (सभी यू0जी0 पाठ्यक्रम)
- एम0एस0सी0 पर्यावरण विज्ञान
- औद्योगिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण में पी0जी0 डिप्लोमा
- पर्यावरण विज्ञान में शोध कार्य
- जन्तु विज्ञान में शोध कार्य

चित्र— 05 जून 2023 को सत्त पर्यावरण के लिए बायोडिग्रेडेबल ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन और वर्मी खेती पर आयोजित कार्यशाला की झलक।

चित्र :—वैदिक माइक्रोबायोलोजी बनाम आधुनिक जैव प्रोद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन की झलक 27—29 मार्च 2023 तक आयोजित।

**विभाग के प्राध्यापक वर्गः–**

1. प्रो0 डी0एस0मलिक, विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष, जीव विज्ञान संकाय।
2. डॉ0 राकेश भूटियानी
3. डॉ0 नितिन कम्बोज
4. डॉ0 विनोद कुमार
5. डॉ0 गगन माटा
6. डॉ9 नितिन भारद्वाज

**वार्षिक विवरण 2022–23 का सारांश**

| क्र0सं0 | विषय | संख्या | विवरण (अनुलग्नक संख्या ) |
|---|---|---|---|
| 1. | शोध पत्र<br>पुस्तक अध्याय | 38<br>17 | परिशिष्ट 1 |
| 2. | पुस्तक | 03 | परिशिष्ट 2 |
| 3. | सेमिनार / सम्मेलन / वेबीनार / कार्यशालाएँ<br>अनुसंधान कागज पेश किये | 22 | परिशिष्ट 3 |
| 4. | वार्ता / व्याख्यान / रेडियो / टीवी<br>साक्षात्कार / बात–चीत आमंत्रित | 05 | परिशिष्ट 4 |
| 5. | मोद्रिक / सामाजिक / सरकारी पुरूस्कार | 00 | परिशिष्ट 5 |
| 6. | सेमिनार / सम्मेलन / वेबीनार / कार्यशालाओं<br>का आयोजन किया | 05 | परिशिष्ट 6 |
| 7. | राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय और<br>संगठन के साथ समझौता ज्ञापन | 05 | परिशिष्ट 7 |
| 8. | कार्यक्रम / सूचना / परियोजनाएँ / पेटेंट<br>कोई अन्य महत्वपूर्ण अनुसंधान | 05<br>01 | परिशिष्ट 8 |

## डिटेल्ड एनुवल रिपोर्ट –2022–23

एनक्सर 1. रिसर्च पेपरस एण्ड बुक चेपटरस पब्लिस्ड बाय दा फेक्ल्टी मेम्बर्स :

रिसर्च पेपर (38)

1. शर्मा, ए.के., मलिक, डी.एस., काम्बोज, वी., एण्ड शर्मा, ए.के. (2022)। वाटरबोडी स्टेट्स ऑफ अपर गंगा बेसिन एण्ड इटस मेजर ट्रीब्यूटरिस यूसिंग इनव्रो–एसेसमेंट टेकनीकस। वर्ल्ड वाटर पोलिसी,
2. मलिक, डी0एस0., चौहान, आर. एण्ड राठी, पी. (2023)। फेक्टरस अफेक्टींग दा इकोलोजिक हेबिटेट ऑफ बेन्थिंक मेक्रो–इनवर्टिब्रेट्स असम्बलेंगक इन ऐशियन वेट लेंड, देहरादून इन गढवाल हिमालया। जरनल ऑफ एपलाइड एण्ड नेचुरल साइंस, 15(1), 262 –272।
3. मलिक, डी0एस0., चौहान, आर एण्ड शर्मा, ए.के. (2023). मेक्रोबेंथिक डाइवर्सिटी इन रिलेशन टू फिजिको–केमिकल एण्ड न्यूट्रिएन्ट करेकटरिस्टीकस ऑफ ऐशान वेटलेण्ड। बायोकेमिकल एण्ड सेलुलर आर्चिवस।
4. स्मृति रावत, अरवींद कुमार शर्मा, रूचिका चौहान एण्ड मलिक, डी0एस0 (2023). इमपेक्ट ऐसेसमेन्ट ऑफ क्लाउडब्रस्ट ऑन रीवराइन फीसराइस ऑफ गढ़वाल रीजन, उत्तराखण्ड।
5. शर्मा, जी., चित्तोर एस, भुटानी, आर., जौहरी, एस., एण्ड ओझा, आर (2022). स्केनिंग इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपीक स्टडीस ऑफ मासक्वीटोंस (डीप्टेरा क्यूलीसाइडे) ऐग्स। ए रिव्यू जरनल ऑफ इन्टोमोलोजीकल रिसर्च। 46(3), 673–683
6. कुमारी, पी., तिवारी, आर.सी., एण्ड भुटानी, आर. (2022). एन ओवरव्यू ऑफ कोविड–19 वीद स्पेशल रिफरेन्स टू जानापादोध्वम्सा। इन्वारोमेन्ट कन्सर्वेशन जरनल, 23(3), 47–53।
7. सिंह, पी., तिवारी, आर.सी., भुटानी, आर., वासु एण्ड अहमद, एफ. (2023)। ऐफीसिएंसी ऑफ रियेक्टरस कम्पोस्ड ऑफ प्लान्ट–बेस्ड एबसोरबेन्टस इन कम्बीनेशन वीद सेन्ड एण्ड ग्रेवल फोर फिजियोकेमिकल पेरामिटरस ऑफ डिफरेन्ट केटेगरी वाटर। इनवारोमेन्ट कंसर्वेशन जरनल, 24(2), 148–161
8. काम्बोज, वी., काम्बोज, एन., शर्मा, ए.के. एण्ड बिस्ट, ए. (2022). फीस डाइवरसीटी एसोसिएटेड वीद इनवारोमेन्ट पेरामिटरस इन इम्पेक्ट ऐरिया ऑफ गंगा रीवर,

इण्डिया. इनः प्रोसिडींगस ऑफ दा नेशनल एकेडमी ऑफ साइसेंश, इण्डिया सेक्शन बी बायोलोजिकल साइंसस,

9. काम्बोज, एन. एण्ड पाण्डेय, एन. (2022)। कॉन्सिक्वेंश ऑफ सोइल क्वालिटी आन क्रोप यील्ड। एन अपडेट। इण्डियन जरनल ऑफ इकोलॉजी। 49(4) 1406–1416
10. बिस्ट, ए., काम्बोज, एन. एण्ड काम्बोज, वी. (2022)। ग्राउण्ड वाटर क्वालिटी एण्ड पोटेन्शियल हेल्थ रिस्क असेसमेंट इन दा विसिनिटी ऑफ सोलिड वेस्ट डम्पिंग साइटस ऑफ क्वाटरनरी सेलो वाटर एक्वीफर्स ऑफ गंगा बेसिन. वाटर ऐअर सोइल पोलुशन। 233, (12)
11. बहुखंडी, के.डी., कुशवाहा, ए., गोस्वामी, एल., भान, यू., काम्बोज, वी., काम्बोज, एन. एण्ड शर्मा, बी. (2023)। हाइड्रोजियोकेमिकल इवालूशन ऑफ ग्राउण्डवाटर फोर ड्रिंकींग एण्ड इरीगेशन परपोस इन दा अपर पीडमोन्ट ऐरिया ऑफ हरिद्वार, इण्डिया। एसीएस इएस एण्डटी वाटर।
12. कुमार, एस., विनोद कुमार, कोठारी, आर एण्ड कुमार, पी.(2022). इफेक्ट ऑफ सप्लीमेंटींग बायोचर ओबटेंड फ्रोम डिफरेन्ट वेस्ट ऑन बायोकेमिकल एण्ड यील्ड रिसपोन्स ऑफ फ्रेंच बीन (फेसीलस वलगेरिस एल) एन एक्सपेरिमेन्टल स्टडी। बायोकेटालाइसीस एण्ड ऐग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी,
13. एएल–हुकेल, ए.ए., कुमार, पी., ईद, ई.एम., ताहेर, एम.ए. कुमार, पी. एडीलोडन, बी, अंडाबाका, जड, मीओक, बी, डारजेईक, वी, बछेती, ए, सिंह, जे, विनोद कुमार, सीरिक, आई (2022). फाइटोरिमेडिीएशन आफ कम्पोसाइट इन्डस्ट्रीयल इंफयूलेट यूसींग सेक्रेड लोटस (नीलम्बो न्यूसीफेरा गेरंटन) ए लेब स्केल एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टीगेसन। सस्टेनाबिलीटी, 14, 9500।
14. एल–हुकेल, ए.ए. विनोद कुमार, कुमार, आर, ईद, ई.एम. ताहेर, एम.ए. एडीलोडन, बी, अबू फैजल, एस, मिओक, बी, डर्जेइक वी, गोएला, एम, कुमार, पी एण्ड सिरीक, आई (2022)। सस्टेनेबल वेलोराइजेशन ऑफ फोर टाइप्स ऑफ फ्रूट पील वेस्ट फोर बायोगेस रिकवरी एण्ड यूज ऑफ डाइजेस्टेट फोर रेडिस कल्टीवेसन। सस्टेनाबिलीटी, 14,

15. गोस्वामी, एम, विनोद कुमार, कुमार, पी, एण्ड सिंह, एन (2022)। प्रेडिक्सन मोडल्स फोर इवाल्यूटिंग दा इमपेक्ट ऑफ एमबाइन्ट ऐअर पोलूसन ऑन दा बायोकेमिकल रिसपोन्स ऑफ सेलेक्टेड ट्री स्पेसिस ऑफ हरिद्वार, इण्डिया, इनवारोमेन्टल मोनीटरींग एण्ड ऐसेसमेन्ट।
16. सिरीक, आई, ईद, ई.एम. ताहेर, एम.ए.एल– मोरसे, एम.एच.ई. उसमान, एच.ई.एम. कुमार, पी. ऐडीलोडन, बी, अबू फैजल, एस मिओक, बी, एण्डाबाका, जेड गोएला, एम. कुमारी, एस, बछेती, ए, चोई, के.एस. एण्ड विनोद कुमार (2022)। कम्बाइंड यूज ऑफ स्पेन्ट मसरूम सबस्ट्रेट बायोचर एण्ड पीजीपीआर इम्प्रूव्ड ग्रोथ। यील्ड, एण्ड बायोकेमिकल रिसपोन्स ऑफ केलीफलावर (ब्रेसिका ओलरसिया वार बोट्रीस्ट) स्टडी ऑन ग्रीनहाउस कल्टीवेशन। हॉर्टीकल्चर।
17. सिरीक, आई, ईद, ई.एम. एल– मोरसे, एम.एच.ई. उसमान, एच.ई.एम. ऐडीलोडन, बी, अबू फैजल, एस मिओक, बी, गोएला, एम. सिंह, जे, बछेती, ए, आर्या, ऐ. के. चोई, के.एस. विनोद कुमार एण्ड कुमार, पी. (2022)। हेल्थ रिस्क एसेसमेन्ट ऑफ हेजार्डस हेवी मेटलस इन टू वैराइटिस ऑफ मेंगो फूट (मैंगीफेरा इण्डिका आई. वार. दशेहरी एण्ड लंगडा) हॉर्टीकल्चर
18. सिरीक, आई, कुमार, पी. ऐडीलोडन, बी, अबू फैजल, एस, बछेती, आर. के. बछेती ए, ऐजीबाडे, एफ.ओ. विनोद कुमार ताहेर, एम.ए. इद, ई.एम. (2022)। रिस्क एसेसमेंट ऑफ हेवी मेटलस ओक्यूरेन्स इन टू वाइल्ड ऐडीबल आस्टर मशरूमस कलेक्शन फ्रोम राजाजी नेशनल पार्क। जरनल ऑफ फंजाई 8।
19. सिंह, जे, कुमार, पी. इद, ई.एम., ताहेर, एम.ए., एल–मोरसी, एम.एच.ई, उसमान, एच.ई.एम. एल.बार्के, डी.ए. एण्ड विनोद कुमार (2022)। फाइटोरेमीडीऐशन ऑफ नाइट्रोजन एण्ड फासफोरस पोलुशनस फ्रोम ग्लास इन्डस्ट्री इफल्युन्ट बाय यूसींग वाटर हयासीन्थ (इकोरनिया क्रासिप्स)। एप्लीकेशन ऑफ आरएसएम एण्ड एएनएन टेकनीकस फोर एक्सपेरिमेन्टल आप्टीमाइजेशन। इनवायोरोमेन्टल साइंस एण्ड पोलुशन रीसर्च।

20. एएल–हुकेल, ए.ए. कुमार, पी., इद, इ.एम. एडीलोडम, बी., अबु फैजल, एस, सिंह, जे, आर्या, ए.के. गोयला, एम एण्ड विनोद कुमार, सिरिक आई (2022)। रिस्क रिस्क एसेसमेंन्ट ऑफ हेवी मेटल्स कन्टामीनेशन इन सोइल एण्ड टू राइस (ओरीजा सटाइवा एल) वेराइटीस इरीगेटेड वीद पेपर मील इंफलूट। ऐग्रीकल्चर, 12 1864।
21. इलबागोरी एम, इल–नाहरेस, एस, ओमारा, ए.ई.डी, इद, बछेती, ए, कुमार, पी, अबु फैजल, एस, ऐडीलोडन, बी, बछेती, आर,के, कुमार, पी, मिओक, बी, विनोद कुमार एण्ड सीरिक, आई (2022) सस्टेनेबल बायोकनवर्सन ऑफ वेटलेण्ड प्लान्ट बायोमास फोर प्लीरोटस ओसट्रीटस वार। फलोरिडा कल्टीवेशन स्टडीज आन प्रोक्सिमेट एण्ड बायोकेमिकल करक्टराइजेशन, ऐग्रीकल्चर, 12
22. टीसिमा, एफ, बी, गोनफा, वाई.एच, एसफा, टी.बी. टाडीसे, टी.जे. टाडीसे, एम.जी. बछेती, ए, पाण्डे, डी.पी. वेबीडर, एस.एम, डालस, के.ए. सीरिक, आई, कुमार, पी, विनोद कुमार इट एली (2023)। फलावोनोइडस, एण्ड फिनोलीक ऐसिडस फ्रोम ऐरियल पार्ट आफ अजुगा इन्टीग्रीफोलिया, एन्टी–साईगेलोसिस एक्टीवीटी एण्ड इन सीलीको मोलीक्यूलर डोकिंग स्टडीज। मोलिक्यूलर, 28, 1111।
23. ताहेर, एम.ए., जोयिदी, एफ, कुमार, पी, अबु फैजल, एस, एडीलोडन, बी, गोयला, एम, विनोद कुमार, एण्डाबाका, जेड, सीरिक सी, आई, इद, ई.एम. (2023)। ईम्पेक्ट ऑफ ईरीगेशन वीद कन्टामीनेटेड वाटर ऑन हेवी मेटल बायोऐक्युमुलेशन इन वाटर चेस्टनट (ट्रापा नाटनस एल)।
24. टीसिमा, एफ, बी, गोनफा, वाई.एच, एसफा, टी.बी. टाडीसे, एम.जी. टाडीसे, टी.जी. बछेती, ए, एलसाहार्नी, एम.ओ. कुमार, पी, विनोद कुमार सीरिक आई इट एल (2023)। टारगेटेड एचपीटीएलसी प्रोफाइल, क्वान्टीफिकेशन ऑफ फ्लेवोनोइडस एण्ड फिनोलिक ऐसिडस, एण्ड एन्टीमाइक्रोबीयल एक्टीवेटी ऑफ डोडोनाइआ एनगस्टीफोलिया लीवस एण्ड फलावरस। मोलिक्यूलस 28, 2870।
25. सिरिक, आई, एल–हुकेल, ए,ए., कुमार, पी., गोएला, एम., अबु फैजल, एस., एडीलोडन, बी., एजीबाडे, एफ.ओ., एलरूमान, एस.ए., अलामरी, एस.ए.एम., ताहेर, एम.ए., सिंह., विनोद कुमार एण्ड इद, इ.एम. (2023)। सस्टेनेबल मेनेजमेंट ऑफ

सिवेज स्लज यूजींग दाइनका (ससबोनिया बाइस्पीनोसा) कल्टीवेशन, स्टडीज ऑन हेवी मेटल अपटेक एण्ड करकटराइजेशन ऑफ फाइबर्स। एग्रोनोमी, 13, 1066।

26. गोस्वामी, एम., विनोद कुमार, सिंह, एन., कुमार, पी. (2023)। ए बायोकेमिकल एण्ड मोरफोलोजीकल स्टडी वीद मल्टीपल लाइनर रिग्रेशन मोडलाइन–बेस्ड इम्पेक्ट प्रेडिक्शन ऑफ एम्बीएण्ड एअर पोलुशनस ऑन सम नेटीव ट्री स्पेसिस ऑफ हल्द्वानी सिटी ऑफ कुमाऊँ हिमालया, उत्तराखण्ड, इण्डिया। इन्वायरोमेंटल साइंस एण्ड पोलुसन रिसर्च
27. असफो, टी.बी., टेडीज, एम.जी., टेजमा, एफ.बी., वर्डमेरियम, एच.डब्लू., लेजीस, बी.ए. , ऐसो, टी.बी., बचेती, ए., एएल–हुक्वेल, ए.ए., ताहेर, एम.ए., जोयूदी, एफ., सलेक, के.ए., विनोद कुमार, सिरी'सी, आई., कुमार, पी. (2023)। ऑप्टीमाइजेशन, ऐडन्टीफिकेशन एण्ड क्वांटीफिकेशन ऑफ सलेक्टेड फिनोलिक्स इन थ्री अन्डरयूटीलाइज्ड एक्सोटिक ऐडिबल फ्रूटस यूसिंग एचपीटीएलसी। सस्टेनेब्लीटी।
28. माटा, जी., कुमार, ए., नायक, ए., कुमार, पी., कुमार, ए., नायक, पी. के, एण्ड सिंह, एस.के. (2022)। एसेसिंह हेवी मेटल इनडेक्स रिफरेसिंग हेल्थ रिस्क इन गंगा रिवर सिस्टम इन्टरनेशनल जनरल ऑफ रिवर बेसिन मेनेजमेंट
29. नायक, ए., माटा, जी., एण्ड उनीयाल, डी.पी. (2022)। हाइड्रोकेमिकल करेक्टराइजेशन आफ ग्राउण्ड वाटर क्वालिटी यूसिंग किमोमेट्री एनालाइसिस एण्ड वाटर क्वालिटी इन्डेक्स इन दा फुटहील्स ऑफ हिमालयास. एनवायरन देव सस्टेन।
30. माटा, जी., कुमार, ए., नायक, ए., कुमार, पी., एण्ड पंत, जी. (2022)। पोलुसन कम्पलक्सटी क्वांटीफिकेशन यूसिंग एनपीआई एण्ड एचपीआई ऑफ रिवर गंगा सिस्टम इन हिमालयन रिजन प्रोसिंडिगस ऑफ दा इण्डियन नेशनल सांहस एकेडमी, ।
31. नायक, ए., माटा, जी., प्रसाद उनीयाल, डी. इट आल. (2023)। एसेसमेंट ऑफ पोटेटली टोक्सिक ऐलिमेंटस इन ग्राउण्ड वाटर थ्रू इण्टरपोलेसन, पोल्युसन इनडेक्स, एण्ड केमोमेट्रिक्स टेक्निक्स इन देहरादून इन उत्तराखण्ड स्टेट। एनवायरोमेन्टल सांइस एण्ड पोलुसन रिसर्च।

32. उस्मानी, एस. ए., कुमार, एम., आर्य, के., अली, बी., भारद्वाज, एन., गोड, एन.ए.,.. एण्ड सिंह, ए. (2023)। बियोन्ड मेमब्रेन कम्पोनेन्टसः अनकवरिंग दा इन्टग्वींग वर्ल्ड ऑफ फंगल स्पिंगलोपिड सिंथेसिस एण्ड रेगुलेशन।
33. सिंह एच., जोशी बी.डी., सेरिफ ए., कुमार वी., भारद्वाज एन., दत्ता आर. भटटाचार्यजी एस., मुखर्जी टी., दार एस., ठाकुर एम. एण्ड शर्मा एल.के. (2023) सेसनल एक्टीविटी पेटर्न ऑफ वाइल्ड बोर (सस स्क्रोफा) एण्ड टेम्पोरल ओवरलेप वीद हयुमनस इन दा उत्तरकाशी लेण्डस्केप आफ वेस्टरन हिमालया, उत्तराखण्ड।
34. भारद्वाज, एन., चौहान, पी., चन्द्रा, एच., सिंह, ए., एण्ड गुप्ता, एन. जे.(2023)। पॉलीडिस्पर्सड ऐसिड–फंक्सनाइलज्ड सिंगल–वाल्ड कार्बन नेनाट्यूब्स इन्ड्यूस्ड दा इन्टीग्रेन–ऐसोसिएटेड प्रोटीन (सीडी47) एण्ड बेसिगिन (सीडी147) एक्सप्रेसन एण्ड मोडयूलेटेड दा एन्टीऑक्सीडेन्ट जीन एक्सप्रेसन इन इरिथ्रोड सेल्स इन माइस। बायोनेनोसाइंस
35. श्राजोरा, एस., चौहान, पी., चन्द्रा, एच., एण्ड भारद्वाज, एन. (2023) एफलाटाक्सिन बी1 ऐडमिनिस्ट्रेशन इन्डयूस रिएक्टीव ऑक्सीजन स्पेसीस प्रोडक्सन एण्ड एपोप्टोसिस ऑफ इरिथ्रोसाइटस इन माइस. टोक्सिकोन।
36. भारद्वाज, एन, कुमार, ए., एण्ड गुप्ता, एन. जे. (2023)। एलटर्ड डाइनेमिक्स ऑफ माइटोकॉन्ड्रिया एण्ड रियेक्टिव ऑक्सीजन स्पेसीस इन दा एरिथ्रोसाइटस ऑफ माइग्रेटिड रेड–हिटेड बंटीग्स। फ्रटीयरस इन फिजियोलॉजी,
37. गुप्ता, के.के., शर्मा, के.के., चन्द्रा, एच., पँवार, एच., भारद्वाज, एन., एल्टवाजरी, एन.ए. ,... एण्ड मिश्रा, ए.पी. (2022). दा इन्टेग्रेटिव बायोइनफोरमेटिक्स एप्रोचस टू प्रेडिक्ट दा जेन्थोहेम्बल एस एन्टी–ब्रेस्ट केन्सर मोलीक्यूल्स : टारगेटिंग केन्सर सेल्स सिंगनलींग पी13के एण्ड एकेटी किनसे पाथवे। फंटीयरस इन आनक्लोजी,
38. सिंह, एच., सरीफ, ए., जोशी, बी. डी., कुमार, वी., मुखर्जी, टी., चन्द्रा, के., भारद्वाज, एन., एण्ड शर्मा, एल. के. (2022)। मल्टी–स्पेसिस आक्यूपेंसी माडलींग सजेस इन्टरपेसिफिक इन्टरेक्शन अमोंग दा थ्री अनअंगुलेट स्पेसिस। साइंटिफिक रिपोटस,

**बुक चेप्टर 17**

1. डी.एस.मलिक, अरविन्द के. शर्मा, सुनील कुमार, राकेश कुमार, रंजीत कुमार, विशाल काम्बोज, एण्ड अमित के. शर्मा (2022)। एन्थ्रोपोजेनिक इम्पेक्ट ऑन फीश फेनल डाइवर्सिटी एण्ड देअर हेबीटेट इकोलोजी इन दा गंगा रीवर एण्ड इटस ट्रीब्यूटरीस, उत्तराखण्ड। इन : स्प्रीन्जर प्रोसिडींगस इन अर्थ एण्ड एनवारोमेन्टल साइंसेस, इडस, कंचन देओली बहुखंडी, नितिन काम्बोज, विशाल काम्बोज।
2. डी.एस.मलिक, अदिति बिष्ट, एण्ड रूचिका चौहान (2022)। ऐसेसेमेंट ऑफ पोलुशन लोड एण्ड इटस इमपेक्ट ऑन एक्वेटिक बायोडायवर्सिटी ऑफ रीवर गंगाः ए रिव्यू। इन : स्प्रींजर प्रोसिडींगस इन अर्थ एण्ड इन्वारोमेन्टल साइंसेस इडस, कंचन देओली बहुखंडी, नितिन काम्बोज, विशाल काम्बोज।
3. गरिमा तोमर, डी.एस.मलिक, अमित कुमार शर्मा, विशाल काम्बोज एण्ड विकास कुमार (2022)। एसेसमेंट ऑफ वाटर क्वालिटी एण्ड बायोडायवर्सिटी स्टेटस ऑफ अलखनंदा रीवर एट गढ़वाल, उत्तराखण्ड : ए केस स्टडी। इन : स्प्रींजर प्रोसिडिंग्स इन अर्थ एण्ड एन्वारोमेंटल साइंसेस, इडस, कंचन, कंचन देओली बहुखंडी, नितिन काम्बोज, विशाल काम्बोज।
4. मलिक, डी.एस., एण्ड प्राची राठी (2022)। इफेक्ट ऑफ अल्ट्रावायलेट (यूवी)–बी रेडीऐशन ऑन मॉरफोलोजी एण्ड फोटोसिंथेसिस एक्टीवीटी ऑफ स्पाइरोगायरा एसपी। इन स्प्रींजर प्रोसिडींग्स इन अर्थ एण्ड इन्वारोमंटल साइंसेस इडस, कंचन देओली बहुखंडी, नितिन काम्बोज, विशाल काम्बोज।
5. फहीम अहमद, राकेश भुटानी एण्ड मुकेश रोहेला (2022) : एन्वारोमेंटल क्वालिटी मोनीटरींग यूसींग एन्वारोमेंटल क्वालिटी इन्डिस (ईक्यूआई)। जीआईएस एण्ड रिमोट सेंसिंग : ए रिव्यू। इन :जीआईसाइंस फोर दा सस्टेनेबल मेनेजमेंट ऑफ वाटर रिर्सोस। ऐडिटेड बाय गोवर इट आल। एएपी–सीआरसी पब्लिसर इमप्रीन्ट
6. फहीम अहमद, राकेश भुटानी एण्ड मुकेश रोहेला एण्ड निशांत राय (2022) : नॉन–टीम्बर फोरेस्ट प्रोडक्टसः करन्ट स्टेटस एण्ड डव्लपमेंट। इन : एन्वारामेंटल पोलुशन एण्ड नेचुरल रिर्सोस मेनेजमेंट। स्प्रींजर लिंक

7. राकेश भुटानी, आर.सी. तिवारी, पारूल चौहान, फहीम अहमद, वेद भूषण शर्मा, इन्द्रजीत त्यागी, पूजा सिंह (2022) : पोटेन्शियल ऑफ कासिया फिस्टुला पोड–बेस्ड अबसोरबेन्ट इन रिमेडीऐटिंग वाटर पोलुशनः एन एनालाइटिकल स्टडी। इन : सस्टेनेबल मेटिरियल फार सेंसींग एण्ड रेमीडिऐशन ऑफ नोक्सीयस पोलुशन। एलसीवीयर
8. बिष्ठ, ए., काम्बोज, एन, बिष्ठ, ए., काम्बोज, वी., एण्ड भारती, एम. (2022)। एन इन्टेंसिव एप्रोच टू दा रिन्युबल ऐनर्जी रिकर्वी फ्रोम एग्रो वेस्ट–ए रिव्यु। इन : एनवारोमेंटल पोलुशन एण्ड नेचुरल रिर्सोस मेनेजमेंट। इडस। कंचन देओली बहुखंडी, नितिन काम्बोज, विशाल काम्बोज। स्प्रींजर पीपी
9. कुमार, ए.., काम्बोज, एन., काम्बोज, वी., बिष्ट, ए., पाण्डे, एन., एण्ड भारती, एम. (2022)। इफीसिएण्ट मेनेजमेंट ऑफ राइस स्ट्रो यूजिंग वर्मीकम्पोस्टिंग टेक्नोलॉजीः ए सिनर्जेटिक एप्रोच ऑफ एग्रीकल्चरल वेस्ट मेनेजमेंट। इनः इनवारोमेंटल पोलुंशन एण्ड नेचुरल रिसोर्स, मेनेजमेंट। इडस। कंचन देओली बहुखंडी, नितिन काम्बोज, विशाल काम्बोज। स्प्रींजर पीपी
10. पाण्डेय, एन., काम्बोज, एन., शर्मा, ए.के. एण्ड कुमार, ए.(2022)। एन ओवरव्यूह ऑफ रिसेन्ट एडवांसमेंटस इन दा इरिगेंशन, फर्टीलाइजेशन, एण्ड टेक्नोलॉजीकल रिव्यूलेशनस ऑफ एग्रीकल्चर। इन : इनवारोमेंटल पोलुंशन एण्ड नेचुरल रिसोर्स, मेनेजमेंट। इडस। कंचन देओली बहुखंडी, नितिन काम्बोज, विशाल काम्बोज। स्प्रींजर पीपी
11. भारती, एम. काम्बोज, एन., काम्बोज, वी., बिष्ट, ए.., एण्ड कुमार,ए. (2022)। डायनेमिक ऑफ सोइल केटीआनीक माइक्रोन्यूट्रीन्टेस इन डिफरेन्ट लेन्ड यूस सिस्टम इन लोवर शिवालिक रीजन ऑफ उत्तराखण्ड, इण्डिया इन : इनवारोमेंटल पोलुंशन एण्ड नेचुरल रिसोर्स, मेनेजमेंट। इडस। कंचन देओली बहुखंडी, नितिन काम्बोज, विशाल काम्बोज। स्प्रींजर पीपी
12. काम्बोज, वी., काम्बोज, एन., बिष्ट, ए. (2022)। मोनिटरींग ऑफ चेनल मोरफोलॉजी ऑफ गंगा रीवर यूसिंग रिमोट सेंसींग एण्ड जीआईएस डाटा। इन : इनवारोमेंटल

पोलुंशन एण्ड नेचुरल रिसोर्स, मेनेजमेंट। इडस। कंचन देओली बहुखंडी, नितिन काम्बोज, विशाल काम्बोज। स्प्रींजर पीपी

13. ठाकुर आर.के., विनोद कुमार (2022)। अपटेक, एक्युमुलेशन एण्ड ट्रासलोकेशन ऑफ हेवी मेटलस इन केलीफलावर ग्रोन इन इन्टीग्रेटेड इण्डस्ट्रीयल इफ्ल्यून्ट इरीगेटेड सोइल इन डिस्ट्रीक्ट हरिद्वार (उत्तराखण्ड)। इन : बहुखंडी, के.डी., काम्बोज, एन., काम्बोज, वी. (इडस) इनवारोमेंटल पोलुंशन एण्ड नेचुरल रिसोर्स, मेनेजमेंट। स्प्रींजर प्रोसिडींग्स इन अर्थ एण्ड एनवारोमेण्टल साइंसेस। स्प्रींगर, चाम
14. कुमार, एस., विनोद कुमार, कोठारी, आर., कुमार, पी., कुमार, ए. (2022). बायोमास यूटीलाइजेशन फोर बायोडीजल प्रोडक्शनः ए सस्टेनेबल टेक्नीक टू मीट ग्लोबल फ्यूल डीमाण्डस एण्ड फयूचर सकोप. इनः कोठारी, आर., सिंह, ए., अरोरा, एन.के. (इडस) बायोमास, बायोएनर्जी एण्ड बायोइकोनॉमी. माइक्रोऑरगीनिशम फोर सस्टेनेब्लेटी, वोल्यूम 35. स्प्रींगर, सिंगापुर.
15. गोस्वामी, एम., रानी, एस एण्ड विनोद कुमार (2023). फोरेस्ट इकोसिस्टम सर्विसेस इन हिमालयन रीजन करन्ट प्रोस्पेक्टिव एण्ड चेलेन्जेस. इन आर्या. एम (इद), बायोडाइवर्सीटी, इनवारोमेन्ट एण्ड इकोसिस्टम सर्विसेस, डिस्क्वरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,
16. रानी, एस., गोस्वामी, एम. एण्ड विनोद कुमार (2023). सस्टेनेब्लिटी इन इकोसिस्टम सर्विसेस, इकोनोमिक वेल्यूऐशन एण्ड ग्लोबल पेयमेंट प्रोग्राम्स. इन : आर्या. एम (इद), बायोडाइवर्सीटी, एनवारोमेंटल एण्ड इकोसिस्टम सर्विसेस, डिस्क्वरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,
17. भारद्वाज, एन., राजुरा, एस., चौहान, पी एण्ड सिंह, ए. (2023). मेटाबोलोमीक्स एण्ड थेराप्यूटीक पोटेन्सियल ऑफ ओफियोकोर्डीसेप्स साइनेसिस. इन फाइटोकेमिकल्स जिनोमाइसः प्लान्ट मेटाबोलोमाइस एण्ड मेडीसिनल प्लान्ट जिनोमाइस. सिंगापुरः स्प्रींजर नेचर सिंगापुर.

**एनेक्सर 2 : बुक ऐडिटेड/पब्लिस्ड बाइ दा फेक्ल्टी मेम्बरस (03)**

1. हरिओम सक्सेना, जी. राजेश्वरी राय, समीक्षा परिहार एण्ड राकेश भुटानी (2022): नॉन–टीम्बर फोरेस्ट प्रोडक्टसः ओपरच्युनीटिस एण्ड चेलेन्जेंस. अंजली कोपियर, जबलपुर
2. ऐडिटेड बुक इनटाइटेल्ड ''इनवारोमेंटल पोलुंशन एण्ड नेचुरल रिसोर्स, मेनेजमेंट'' पब्लिशिंग बाय स्प्रींजर
3. सिंह, ए.के.., कुमार, सी., के., सिंह, डी.के. एण्ड विनोद कुमार (2023). इन्सटेंट नोटस ऑन सोइल साइंस, बायोटेक बुकस, नई दिल्ली,

**एनेक्सर 3ः पेपर प्रेजेन्टेड इन सेमिनार/कॉन्फ्रेंसेस/वेबीनारस/वर्कशाप बाय दा फेक्लिटी मेम्बरस : 22**

**डॉ0 राकेश भुटानी : (02)**

1. प्रजेन्टेड दा रिसर्च पेपर इन नेशनल कॉन्फ्रेश ऑन ''नॉलिज, कल्चर ट्रेडिसनस एण्ड प्रेक्टिसेस ऑफ इण्डिया'' ऑगनाइज्ड बाय गुरुकुल कांगडी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) हरिद्वार डयूरिंग मार्च 29–31, 2023

**डॉ. नितिन काम्बोज : (08)**

1. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''फिजियोकेमिकल करेक्टराइजेशन ऑफ वर्मीकम्पोस्ट प्रोड्यूस्ड बाय कम्पोस्टिंग गारडन एण्ड एग्रीकल्चर वेस्ट बाय अर्थवर्म ईसेनिया फेटीडा'' इन गंगाआयुरकोन–2022 एट गुरुकुल केम्पस, उत्तराचल आयुर्वेदिक युनिवर्सिटी, हेल्ड आन 5–6 सितम्बर 2022.
2. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''ए स्टडी ऑन दा इफीसिऐंसी ऑफ गारडन वेस्ट डिकम्पोसिसन एण्ड रिप्रोडक्टिव पोटेन्शियल एसेसमेंट ऑफ ईसेनिया फेटिडा'' इन ससटेनाबिलीटी फेयर–2022 एट यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एण्ड ऐनर्जी स्टडीस, देहरादून, हेल्ड ऑन 11–14 अक्टूबर 2022.
3. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''करण्ट स्टेटस ऑफ मल्टीपल सोलिड वेस्ट जनरेशन एण्ड मेनेजमेंट प्रेक्टिसेस इन दा हरिद्वार म्युनिसीपल्टी, उत्तराखण्ड'' इन

ससटेनाबिलीटी फेयर–2022 एट यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एण्ड ऐनर्जी स्टडीस, देहरादून, हेल्ड ऑन 11–14 अक्टूबर 2022.

4. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''ए मल्टीवेराइटेड एण्ड स्टेटीसटीकल एसेसमेंट ऑफ हेवी मेटल टॉक्सिसीटी इन डिफरेंट वाटर रिर्सोस ऑफ हरिद्वार सिटी, उत्तराखण्ड'' इन ससटेनाबिलीटी फेयर–2022 एट यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एण्ड ऐनर्जी स्टडीस, देहरादून, हेल्ड ऑन 11–14 अक्टूबर 2022.
5. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''इनहेन्समेंट ऑफ आर्गेनिक फारमिंग थ्रू वर्मीटेक्नोलोजी– कवरिंग वेस्ट इनटू ए रिर्सोस एण्ड जनरेटिंग इकोनोमी ओपर्चियूनीटि''. इन इण्टरनेशनल कॉन्फ्रेस ऑन इनवारोमेंटल एण्ड ह्यूमेन हेल्थ : ग्लोबल इस्यूस ऑर्गेनाइज्ड बाय डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलोजी एण्ड माइक्रोबायोलोजी, गुरुकुल कांगडी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), हरिद्वार हेलड ऑन 7–8 दिसम्बर 2022.
6. ''कन्सीकवेंसेस ऑफ अर्बेनाइजेशन एण्ड इटस इम्पेक्ट ऑन सराउण्डींग एनवारोमेंट'' नॉलिज, कल्चर ट्रेडिसन्स एण्ड प्रेक्टिस ऑफ इण्डिया ऑफ इण्डिया, स्पोन्सर्ड बाय मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, गवरमेंट ऑफ इण्डिया, इण्डिया नई दिल्ली. गुरुकुल कांगडी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), हरिद्वार इण्डिया 29–31 मार्च (3 डेज) 2023.
7. ''दा रोल ऑफ काउस वर्मीटेक्नॉलोजी.'' नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वेदिक माइक्रोबायोलोजी वेस मॉर्डन बायोटेक्नोलोजी, फेक्लिटी ऑफ लाइफ साइंसेस,
8. ''वर्मीस्टेबीलाइजेशन, इम्प्रूविंग आर्गेनिक फार्मीग एण्ड टर्निग वेस्ट इनटू रिर्सोस.'' नेशनल कॉन्फ्रेस ऑन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री. डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री एण्ड डिपार्टमेंट ऑफ एनसाइंट इण्डियन हिस्ट्री, कल्चर एण्ड आर्किलॉजी,

## डॉ0 विनोद कुमार : (06)

1. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''हेवी मेटल्स कन्टामीनेशन ऑफ लीफाइ वेजीटेबल इरीगेटेड वीद इण्डस्ट्रीयल वेस्टवाटर इन हरिद्वार, उत्तराखण्ड'' इन

इण्टरनेशनल कान्फ्रेश ऑन प्रीसिशन एग्रीकल्चर (वाकसाना 2022) आर्गेनाइज्ड बाय श्री वैष्णव इस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इन्दौर (एम.पी.) डयूरींग सितम्बर 26–27, 2022.

2. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''इफैक्ट ऑफ बायोचर सप्लीमेनटेशन ऑन यील्ड एण्ड बायोकेमिकल पेरामीटरस ऑफ फ्रेंच'' इन इण्टरनेशनल कान्फ्रेस ऑन ग्रीन एण्ड सस्टेंनेबल केमिस्ट्री कान्फ्रेस 2022 आर्गेनाइज्ड बाय डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री, मानव रचना यूनिवर्सटी, फरीदाबाद, हरियाणा ऑन 17–19 नवम्बर, 2022.
3. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''इफैक्ट ऑफ पेपर मिल स्लेज अमेन्डेन्ट ऑन सोईल करेक्टराइस्टिकस एण्ड एग्रानोमिकल परफोरमेन्स ऑफ फेनुग्रीक प्लान्टस'' इन 3 इण्टरनेशनल वेब–कान्फ्रेंस ऑन नेचुरल रिर्सोस मेनेजमेंट फोर ग्लोबल फूड सिक्योरिटी एण्ड सस्टेनेबल डवल्पमेंट गोलस आर्गेनाइज्ड बाय एकेडमी ऑफ नेचुरल रिर्सोस कन्सर्वेशन एण्ड मेनेजमेंट (एएनआरसीएम), लखनऊ एण्ड केलादीशिवप्पा नायक यूनिवर्सीटी ऑफ एग्रीकल्चरल एण्ड हॉर्टीकल्चरल साइंसेस, इरूवाकी, शिवमोगा, इण्डिया ऑन 2–3 दिसम्बर, 2022.
4. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''एसेसमेंट ऑफ हेल्थ रिस्क ऑफ सर्टेन हेवी मेटलस डयू टू दा कंसम्पशन ऑफ मेंगों फूट'' इन इण्डटरनेशनल कांफ्रेश ऑन इनवायरोमेंट एण्ड ह्यूमेन हेल्थ : ग्लोबल इस्यू ऑर्गेनाइज्ड बाय दा डिपार्टमेंट ऑफ बोटनी एण्ड माइक्रोबायोलोजी, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार ड्यूटिरंग 7–8 दिसम्बर 2022.
5. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''बायोटेक्नोलॉजी अप्रोच्स ऑफ रेमिडीऐशन ऑफ एनवारोमेंटल कंटामिनेनट्स'' इन नेशनल कांफ्रेश ऑन वेदिक माइक्रोबायोलोजी वस मोर्डन बायोटेक्नोलोजी ऑर्गेनाइज्ड बाय फेक्लिटी ऑफ लाइफ साइंसेस, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार ड्यूटिरंग 27–29 मार्च 2023.
6. प्रजेन्टेड ए रिसर्च पेपर इनटाइटेल्ड ''ऑर्गेनाइजेशन ऑफ एनवारोमेंटल कम्पोनेन्टस फ्रोम वेदास'' इन नेशनल कांफ्रेश ऑन नोलिज, कल्चरल ट्रेडिशनल एण्ड प्रेक्टिसेस

ऑफ इण्डिया ऑर्गेनाइज्ड बाय गुरुकुल कांगडी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), हरिद्वार, उत्तराखण्ड, स्पोंसर्ड बाय मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, गर्वेमेंट ऑफ इण्डिया, नयू दिल्ली ड्यूरिंग 29–31 मार्च, 2023.

**डॉ0 गगन माटा : (06)**

1. प्रजेन्टेंट ए पेपर इन ''108 इण्डियन साइसेस कांग्रेस'' फ्रोम जनवरी 3–7, 2023 आर्गेनाइज्ड बाय दा इण्डियन साइंसेस कांग्रेस एसोसिएशन एण्ड नागपुर यूनिवर्सिटी, नागपरु, महाराष्ट्र।
2. नेशनल कांफ्रेस ऑन ''वेदिन माइक्रोबायोलोजी वेस मोर्डन बायोटेकनोलोजी'' हेल्ड ऑन 27–29 मार्च 2023 आर्गेनाइज्ड बाय फेक्लिटी ऑफ लाइफ साइंसेस, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार,उत्तराखण्ड, स्पोंसर्ड बाय उत्तराखण्ड काउसिंल ऑफ बायोटेक्नोलोजी, गवर्मेंट ऑफ उत्तराखण्ड, पंतनगर (उत्तराखण्ड) एण्ड प्रजेन्टेड ए पेपर.
3. नेशनल कांफ्रेस ऑन ''नोलिज, कल्चरल ट्रेडिसनस एण्ड प्रेक्टिसेस ऑफ इण्डिया'' हेल्ड ऑन 29–31 मार्च 2023 आर्गेनाइज्ड बाय फेक्लिटी ऑफ लाइफ साइंसेस, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार,उत्तराखण्ड, स्पोंसर्ड बाय मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, गर्वेमेंट ऑफ इण्डिया, नयू दिल्ली, एण्ड प्रजेन्टेंड ए पेपर.
4. मदुराई इन्टरनेशनल कम्युनिकेशन कांफेश–एमआईसीसी ऑन फ्यूचर ऑफ इको लिटरेसी : दा रोल ऑफ इमरजेन्ट इको सेन्ट्रीक मिडिया आर्गेनाइज्ड बाय मदुराई कामराज यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लिग्विसटीक एण्ड कम्युनिकेशन, डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षण अभियान (आरयूएसए) एण्ड इको डिवीजन इण्डिका (ईवीआई) हेल्ड ऑन 3–4 दिसम्बर, 2022.
5. इण्टरनेशनल सिम्पोसियम ऑन सस्टेनेबल अर्बन इनवारोमेंट (आईएसएसयूई–2022), आर्गेनाइज्ड बाय सस्टेनेबल्टी कलस्टर, यूपीईएस, देहरादून फ्रोम 11–14 अक्टूबर 2022.

6. इन्टरनेशनल कांफेंस ऑन एनवारोमेंट एण्ड ह्यूमेन हेल्थ : ग्लोबल इस्यू आर्गेनाज्ड बाय दा डिपार्टमेंट ऑफ बोटनी एण्ड माइक्रोबायोलॉजी, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार, ऑन 7–8 दिसम्बर, 2022.

**एनेक्सर 4 : इनवाइटेड लेक्चर एण्ड टाक्स बाय दा फेक्लिटी मेम्बर्सः**

**डॉ0 राकेश भुटानी : (05)**

1. डिलिवर्ड एन इनवाइटेड टाल्क ऑन ''रिसर्च राइटिंग'' इन इन्टरनेशनल वर्कशाप ऑन रिसर्च एण्ड रिसर्च मेथोलॉजी डेटेड 25 जून 2023 ऑर्गेनाइज्ड बाय कमला पीजी कॉलेज ढोलपुर (राजस्थान).
2. डिलिवर्ड एन इनवाइटेड टाल्क ऑन ''हाउ टू राइट एण्ड पब्लिस ए गुड रिसर्च पेपर'' इन इन्टरनेशनल कांन्फ्रेश ऑन पंचकर्मा फ्रोम 18–20 मई 2023 आर्गेनाइज्ड बाय डिपार्टमेंट ऑफ पंचकर्मा, उत्तराखण्ड आयुर्वेद यूनिवर्सिटी, गुरुकुल केम्पस, हरिद्वाऱ
3. डिलिवर्ड एन इनवाइटेड टाल्क ऑन ''राइट टू इनफोरमेशन'' इन प्रोफेशनल डवलपमेंट एण्ड एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग प्रोग्राम (फोर नॉन–टीचिंग इम्प्लोएस) फ्रोम 12–22 अक्टूबर 2022 आर्गेनाइज्ड बाय गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार.
4. डिलिवर्ड एन इनवाइटेड टाल्क ऑन ''एनसीसी ऐमस एण्ड ऑब्जेक्टिवस'' इन स्टूडेन्ट ओरिएन्टेशन प्रोग्राम आर्गेनाइज्ड बाय फिजिकल एण्ड स्पोर्टस डिपार्टमेंट, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार डेटेड 7–12 नवम्बर 2022.
5. डिलिवर्ड एन की नोट लेक्चर इन गंगाआयूरकोन–2022 एन इन्टरनेशनल कांफेंश ऑन मेडिकल प्लान्ट ऑफ गंगा रीवर बेसिन एण्ड देअर थेरेप्यूटीक इम्पोटेन्स इन इण्डिया सिस्टम ऑफ मेडिसीन ऑन 5–6 सितम्बर 2022 आर्गेनाइज्ड बाय उत्तराखण्ड आयुर्वेद युनिवर्सिटी, देहरादून

अनेक्सर 5 : मोनिटरी/सोशल/गर्वमेंट अवार्ड रिसिवड बाय दा फेक्ल्टी मेम्बर्स : नील

**अनेक्सर 6 : आर्गेनाइज्ड सेमिनार/कान्फ्रेसेस/वेबीनार/वर्क□ाप बाय दा डिपार्टमेंटः 05**

1. आर्गेनाइज्ड वर्कशाप ऑन ''हिमालयन डे, 2022'' जोइन्टली आर्गेनाज्ड बाय दा डिपार्टमेंट ऑफ जूलोजी एण्ड एनवारोमेंटल साइंसेस, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार, उत्तराखण्ड, एण्ड अमर उजाला (डेली न्येज पेपर)हेल्ड ऑन 8–9 सितम्बर, 2022.
2. आर्गेनाइज्ड नेशनल वर्कशाप ऑन ''साइंस कोम्यूनिकेशन एण्ड रिसर्च मेथोलॉजी'' हेल्ड ऑन 12–17 दिसम्बर 2022, आर्गेनाज्ड बाय दा डिपार्टमेंट ऑफ जूलोजी एण्ड एनवारोमेंटल साइंसेस, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार, उत्तराखण्ड, स्पोसर्ड बाय नेशनल काउसिंल फोर साइंस एण्ड टेक्नोलोजी कम्यूनिकेशन, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, गवर्मेन्ट ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली.
3. आर्गेनाइज्ड नेशनल वर्कशाप ऑन ''वैदिक माइक्रोबायोलोजी वेस मोडर्न बायोटेक्नोलोजी'' हेल्ड ऑन 27–29मार्च 2023, आर्गेनाज्ड बाय फेक्लिटी ऑफ लाइफ साइंसेस, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार, उत्तराखण्ड, स्पोसर्ड बाय उत्तराखण्ड काउसिल ऑफ बायोटेक्नोलोजी, गर्वमेंट ऑफ उत्तराखण्ड, पंतनगर (उत्तराखण्ड).
4. आर्गेनाइज्ड नेशनलकान्फ्रेस ऑन ''नोलिज, कलचरल ट्रेडिसन्स एण्ड प्रेक्टिसस ऑफ इण्डिया'' हेल्ड ऑन 29–31मार्च 2023, आर्गेनाज्ड बाय फेक्लिटी ऑफ लाइफ साइंसेस, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार, उत्तराखण्ड, स्पोसर्ड बाय मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, गवर्मेन्ट ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली.
5. आर्गेनाइज्ड वर्कशाप ऑन ''बायोडिग्रेबल सोलिड वेस्ट मेनेजमेंट एण्ड वर्मी फार्मिग फोर सस्टेंनेबल इनवारोमेंट'' हेल्ड ऑन 05 जून 2023, ऑन दा ऑकेशन ऑफ वर्ल्ड एन्वारोमेंट डे, एट बायो–कम्पोसटींग यूनिट रन बाय दा डिपार्टमेंट ऑफ जूलोजी एण्ड एनवारोमेंटल साइंसेस, गुरुकुल कांगडी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार, उत्तराखण्ड.

**एनेक्सर 7 : एमओयू वीद नेशनल/ इन्टरनेशल यूनिवर्सिटीस एण्ड आर्गेनाजेशन : 05**

- नेशनल डायरी रिसर्च इस्टीट्यूट, करनाल, हरियाणा
- पोलुशन कन्ट्रोल रिसर्च इंस्टीट्यूट, बीएचईल, हरिद्वार
- नेशनल इंस्टीट्यूटऑफ हाइड्रोलोजी, रूडकी
- जुलोजीकल सर्वे ऑफ इण्डिया, देहरादून
- एचईएससीओ, देहरादून

**अनेक्सर 8 : एनी अदर इम्पोर्टेन्ट प्रोग्राम इनफोरमेशन; रिसर्च प्रोजेक्टस/पेटेन्टस : (05)**

1. ए मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट फण्डेड बाय यूकोस्ट प्रोजेक्ट न0. यूसीएस एण्ड टी/आर एण्ड डी–20/22–23/91110/1 ऑफ रू0 796800/– इनटाइटेल्ड 'करंट स्टेटस ऑफ सोलिड वेस्ट इम्पलीमेंटेशन ऑफ दा प्रोजेक्ट जनरेशन, इटस इम्पेक्ट, एण्ड सस्टेनेबल मेनेजमेंट प्लान इन हरिद्वार डिस्ट्रिक्ट, उत्तराखण्ड' इन इअर जून 2022 (डॉ0 नितिन काम्बोज– पीआई एण्ड डॉ0 विनोद कुमार–सीओ–पीआई).
2. उत्तराखण्ड स्टेट काउसील फोर साइंस एण्ड टेक्नोलोजी (मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट) टाइटल : ''इम्पेक्ट एसेसमेंट ऑफ प्री एण्ड पोस्ट कोविड–19 ऑन एअर एण्ड वाटर क्वालिटी ऑफ हरिद्वार डीस्ट्रिक्ट इन उत्तराखण्ड'' डयूरेशन–टू ईआरस (2021–2023) हरिद्वार, इण्डिया (अमाउण्ट–रूप्ये 4,03,000,00 ऑनगोइंग) (डॉ0 गगन माटा).
3. एनसीएसटीसी–डीएसटी, गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली (मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट) टाइटल; ''डवलपमेंट ऑफ मोबाइल एप्लीकेशन एण्ड ट्रेनड कोम्यूनीकेटर्स फोर हेल्थ हाइजीन रिस्क कम्युनिकेशन'' डयूरेशन–वन इअर सिक्स मन्थस (2021–2023) (अमाउण्ट–रूप्ये 13,95,360,00 ऑनगोइंग) (डॉ0 गगन माटा).

4. मोडयूलेशन ऑफ इरिथ्रोसाइटस अर्नओवर एण्ड इरिथ्रोपोइसिस इन माउस मोडल ऑफ एनीमिआ ऑफ केन्सर (आईसीएमआर फंडड 19.1 लाख) (डॉ. नितिन भारद्वाज)
5. एनालाइसेस ऑफ दा केमिकल कन्स्टीट्यूंटस, मोलिक्यूलर प्रोफाइल एण्ड पोटेंशियल थेरेपेटिक इफेक्टस ऑफ हिमालयान केटरपीलर फंगस ओफीयोकोरडीस्पस साइनेसिस (यूजीसी स्टार्टअप ग्रांट 10 लाख) (2021–2023) (डॉ0 नितिन काम्बोज)

**पेटेन्टस : 01**

ग्राण्टेड इण्डियन पेटेन्ट (पेटेन्ट नम्बर 413802) दिनांक 07.12.2022 (डॉ0 राकेश भुटियानी)

**अदर इनफोर्मेशनः**

1. डॉ0 विनोद कुमार एण्ड डॉ0 गगन माटा हेव एक्टीवली पार्टीसिपेटेड इन ऑनलाईन वर्कशाप ऑन नेशनल ऐजुकेशन पोलिसी 2020 एण्ड एनवारोमेण्टल ऐजुकेशन आर्गेनाइजेशन बाय यूजीसी–एचआरडीसी, कुमाऊँ यूनिवर्सिटी, नैनीताल, उत्तराखण्ड ऑन 25 अगस्त, 2022.

## कन्या गुरूकुल परिसर, हरिद्वार
# पर्यावरण विज्ञान विभाग

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | संकाय/विभाग का संक्षिप्त विवरण | : | पर्यावरण विज्ञान विभाग, कन्या गुरूकुल परिसर, हरिद्वार<br>स्थापना–1995<br>विभाग में परास्नातक कक्षाओं का अध्यापन एवं शोध कार्य कराया जा रहा है।<br>विभाग में जल मृदा एवं वायु से सम्बन्धित विशलेषणों हेतु समुचित प्रयोगशाला है।विभाग में पर्यावरणीय सूक्ष्म जीव विज्ञान और विष विज्ञान का भी अध्ययन कराया जाता है। विभाग में एअर सैम्पलर, हाई वाल्यूम सैम्पलर, साउंड लेवल रिर्काडर, यूवी–विजस्पैक्ट्रोफोटोमीटर, सीओडीरियेक्टर,बी.ओ.डी. इक्यूबेटर, पी.एच.मीटर, टी.डी.एस. मीटर, डी.ओ. मीटर, फलेमफोटोमीटर, कन्डैक्टीविटीमीटर, नैफलोमीटर, टी. आर 420 थर्मोरियेक्टर, जल एवं मृदा परीक्षण हेतु संचारी किट आदि उपलब्ध है। |
| 2 | विभाग में कार्यरत् शिक्षकों के नाम | : | डा0 नमिता जोशी–प्रोफेसर<br>डा0 संगीता मदान– एसो0 प्रोफेसर |
| 3 | विभाग द्वारा आयोजित किए गए सेमीनार/ कार्यशाला की संख्या | : | **02** |
| 4 | विभाग द्वारा संबधित विषय को लेकर अन्य विश्वविद्यालयों व विभिन्न संस्थानों द्वारा अनुसंधान के क्षेत्र में किए गए एम.ओ.यू. की संख्या | : | **03** |
| 5 | विभागीय शिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर आयोजित सेमीनार/कार्यशाला में प्रतिभाग की संख्या | : | डा0 नमिता जोशी–03<br>डा0 संगीता मदान–02 |
| 6 | विभागीय शिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार/कार्यशाला में प्रतिभाग की संख्या | : | डा0 नमिता जोशी–03<br>डा0 संगीता मदान–04+01 |
| 7 | विभागीय शिक्षकों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों की संख्या | : | डा0 नमिता जोशी–06 |
| 8 | विभागीय शिक्षकों को शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में विभिन्न शिक्षण व अनुसंधान संख्याओं द्वारा प्राप्त पुरस्कारों की संख्या | : | . |
| 9 | शिक्षकों द्वारा सम्बन्धित विषय पर प्रसारित रेडियों वार्ताओं/टी0वी0 वार्ताओ की संख्या | : | . |
| 10 | समय–समय पर विभाग में विशेष व्याख्यान हेतु आयोजित किए गए व्याख्यानों की संख्या | : | . |
| 11 | विभागीय शिक्षक द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किए जाने की संख्या | : | 02 |
| 12 | विभागीय स्तर पर शिक्षक के निर्देशन में शोध कर रहे शोधार्थियों की संख्या | : | डा0 नमिता जोशी–05<br>डा0 संगीता मदान–04 |

# विज्ञान संकाय
# गणित एवं सांख्यिकी विभाग

विभागीय विवरण

समविश्वविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की स्थापना होने के बाद से विभाग में विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे गणित विषय के साथ विज्ञान से स्नातक, विज्ञान निष्णात एवं विद्या–वाचस्पति इत्यादि की उपाधियाँ प्रदान करने हेतु अध्ययन–अध्यापन एवं शोध कार्य कराये जा रहें हैं। इसके साथ ही विभाग गणित से सम्बंधित प्राचीन एवं नवीनतम ज्ञान से छात्रों एवं शोध छात्र/छात्राओं को जागरूक कराने का निरंतर प्रयास कर रहा है। गणित विभाग में सबसे पहला पाठ्यक्रम वर्ष १९५८ मे गणित विषय के साथ स्नातक की उपाधि प्रदान करने के लिये शुरू किया गया था। इसके बाद वर्ष १९६४ से गणित में विज्ञान निष्णात एवं तत्पश्चात वर्ष १९८६ से विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान करने हेतु पाठ्यक्रमों का संचालन शुरू किया गया। वर्ष १९९५ से विज्ञान निष्णात की उपाधि छात्राओं हेतु प्रदान करने के लिए कन्या गुरूकुल परिसर हरिद्वार के रूप मे विभाग को विस्तारित किया गया। वर्ष २०२० से कन्या गुरूकुल परिसर हरिद्वार में छात्राओं को गणित विषय के साथ विज्ञान से स्नातक की उपाधि प्रदान करने की सुविधा भी विभाग द्वारा प्रदान की जा रही है।

## वार्षिक विवरणिका 2022–23

| क.स. | विवरण | संख्या |
|---|---|---|
| 1. | विभाग द्वारा आयोजित किये गए सेमीनार/कार्यशाला की संख्या | 01 |
| 2. | विभागीय शिक्षकों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं लेखों की संख्या<br>प्रकाशन कार्य/शोध कार्य<br>क) शोध पत्र (संख्या)<br>ख) पुस्तकें (संख्या)<br>ग) पुस्तक चेप्टर (संख्या)<br>(विस्तृत विवरण अलग से संलग्न करें) | <br><br><br><br>05<br>01<br>03 |
| 3. | समय–समय पर विभाग में विशेष व्याख्यान हेतु आयोजित किए गए व्याख्यानों की संख्या | 01 |
| 4. | विभागीय शिक्षक द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किए जाने की संख्या | 04 |
| 5. | विभागीय स्तर पर शिक्षक के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे शोधार्थियों की संख्या | 16 |

**वार्षिक विवरण २०२२–२३**
**०१ जुलाई २०२२ से ३० जून २०२३ तक**
**विज्ञान संकाय**
**गणित एवं सांख्यिकी विभाग**
**स्थापना वर्ष १९५८**

विभागाध्यक्ष : डॉ0 मनोज कुमार
विभागीय शिक्षक : 1.डॉ0 मनोज कुमार
2. डॉ0 अजेन्द्र कुमार
3. डॉ0 हरेन्द्र कुमार
4. डॉ0 सगराम वर्मा
5. डॉ0 सुनील कुमार (तदर्थ)

## विभाग द्वारा आयोजित किये गये शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण

1. दिनांक 05 सितंबर 2022 को शिक्षक दिवस का आयोजन।
2. ''वैदिक एवं व्यवहारिक गणित के अनुप्रयोग''विषय पर दिनांक 07 सितंबर 2022 का एक दिवसीय कार्याशाला का आयोजन।
3. दिनांक 14 से 15 नवंबर 2022 को छात्र प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन।

❖ **विभागीय शिक्षकों द्वारा शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों का विवरण।**

### Dr. Manoj Kumar

**1.** Manoj kumar, Pratik Gupta, Ankur Nehra, Performance Analysis of a fog Computing based Vehicular Communication, International Journal of Vehicle information and Communication Systems. (**Accepted**)

### Dr. Ajendra Kumar

**1.** GRACEFUL LABELING OF CLOSED CATERPILLARS, *Journal of Mathematical Control Science & Applications*, Vol. 8(2), pp.15-20 [ISSN : 0974-0570](2022)

### Dr. Harendra Kumar

**1.** Niteesh Kumar, Harendra Kumar, A fuzzy clustering technique for enhancing the convergence performance by using improved Fuzzy c-means and Particle Swarm Optimization algorithms, Data & Knowledge Engineering, Volume 140, 2022, 102050 (**SCI**)
**2.** Harendra Kumar, Shailendra Giri,A hybrid two-stage algorithm for solving the blocking flow shop scheduling problem with the objective of minimise the makespan,

International Journal of Applied Management Science, Vol.14(4), pp.316-335, 2022. (**Scopus**)

3. Karishma, Harendra Kumar,A new hybrid particle swarm optimizationalgorithm for optimal tasks scheduling in distributed computing system,Intelligent Systems with Applications, Volume 18, 2023,200219 (**Scopus**)

## Dr. Sag Ram Verma

1. Ankit Kumar and **Sag Ram Verma**, An Orthogonal Taylor wavelet Galerkin Numerical Method for one dimensional Partial Differential Equations, *Journal of Scientific Research of The The Banaras Hindu University*, **Vol. 67, Issue 2**, 2023, pp. 96-104. **ISSN: 0447-9483** UGC-CARE Coverage Years: From Sep. 2019 to April 2022.Current Status: Currently Discontinued from April 2022 to till date.

## ❖ Books chapter's

## Dr. Manoj Kumar

1. Dr.Ankur Nehra, Dr. Pratik Gupta, Dr. Manoj Kumar, Dr. Dinesh Kumar Yadav, Dr. Dharminder Chaudhary, A book chapter entitled**" The Elliptic Curves Vedic Mathematics & Cryptography"** JEC Publication**ISBN** 978-93-5749-928-6.

## Dr. Sag Ram Verma

1. Agya Ram Verma, Yatendra Kumar, **Sag Ram Verma**, *Basic and Advance: Phython Programming*, New India Publishing Agency – NIPA, First Edition 2023. **ISBN: 9789391383633, 9391383637** NIPA is an International Publisher.

## Dr. Sunil Kumar

1. A book chapter entitled **"Continuous Probability Distributions: Normal Distribution"** published in **Mathematical Techniques and Computing** published by Lovely Professional University. (pp: 113-126, ISBN: 978-93-94068-91-9)
2. A book chapter entitled **"Importance of Conditional Probability and Bayes Theorem"** published in **Mathematical Techniques in Science and Engineering** published by Lovely Professional University.(pp: 100-110, ISBN: 978-93-94068-84-1)

## ❖ Lecture's Delivers.

### Dr. ManojKumar

1. 2nd International Conference on **"Applied Mathematics & Computational Science-2022"** organized by Department of Mathematics, DIT University, Dehradun, India, join as Resource Person October 12-14, 2022

2. Delivered a talk on **"Importance of Vedic Mathematics"** Teerthanker Mahaveer University on 22-12-22
3. Delivered a talk on **"Need of Vedic Mathematics in Modern Life"**Chaman Lal Mahavidhyalaya, Landhora Haridwar (Uttrakhand) on 14-03-2023

**Dr. Ajendra Kumar**

1. Delivered 02 Guest Lecture in Hari institute of Technology Randevi (Nakur) Saharanpur. on 02-08-22

## ❖ FDP/Refreshers Course/ Workshop Attended

### Dr. Ajendra Kumar

| Name of the Course | Place | Duration | Name of Academic Staff College/ Human Resource Development Centre | Sponsoring Agency |
|---|---|---|---|---|
| Refreshers Course in Disaster Management and Sustainable Development (ID) | Sonipat-Haryana | 07.12.2022 -20.12.2022 | UGC-HRD Centre,BPS Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan Sonipat-Haryana | UGC |

### Dr. Harendra Kumar

| Name of the Course | Place | Duration | Name of Academic Staff College/ Human Resource Development Centre | Sponsoring Agency |
|---|---|---|---|---|
| Refreshers Course in Disaster Management and Sustainable Development (ID) | Sonipat-Haryana | 07.12.2022 -20.12.2022 | UGC-HRD Centre,BPS Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan Sonipat-Haryana | UGC |

### Dr. Sag Ram Verma

| S. No. | Progress Details | ISSN/ISBN | Progress Type | Numbers | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 76th Online Refresher Course: Mathematics and Statistics, from 14-11-2022 to 27-11-2022 with **Grade B**, HRDC-SPU Vallabh Vidyanagar, Gujarat. | **Registration No.: UGC-HRDC/-307/2022-23/47** | Refresher Course | 01 | Refresher Course Sponsored by UGC |

**कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार**
**गणित एवं सांख्यिकी विभाग**
**स्थापना (वर्ष) - 1995**

विभागीय प्रगतिविवरण
**01** जुलाई **2022-30** जून **2023**

**1.** कन्या गुरुकुल परिसर**,** हरिद्वार में गणित विभाग की स्थापना वर्ष **1995** में की गई थी । प्रारंभ में**,** स्नातकोत्तर कक्षाएं शुरू की गईं और अनुसंधान कार्यक्रम वर्ष **2007** में शुरू किया गया । अपनी स्थापना के बाद से**,** विभाग विभिन्न स्तरों पर गणित में विभिन्न पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहा है। वर्ष **2020** में बी.एससी. कार्यक्रम भी प्रारंभ किया गया। वर्ष **2015-16** में चॉइसबेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) की शुरुआत की गई थी। नवीनतम विकास को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों की सामग्री को समय-समय पर अद्यतन और संशोधित किया जाता है। शिक्षकों ने छात्रों को व्यापक संदर्भ में बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक 'गर्भस्थपरंपरा' को अपनाया है। छात्रों ने अपने करियर में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। कई छात्रों को समय-समय पर प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों में प्लेसमेंट मिला है।

सत्र **2022-23** में एम.एससी. कार्यक्रम में **95** छात्राओं और बी.एससी. कार्यक्रम में **101** छात्रओं को प्रवेश दिया गया। कुछ छात्राओं को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में नौकरी मिली है। छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस सत्र में विभाग की ओर से छः कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं. विभाग के एक शोधार्थी ने यूजीसी जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण की। तीन शोधार्थियों को पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया है।

**2.** विभाग प्रभारीः प्रोफेसर सीमा शर्मा
संकाय सदस्यः डॉ. निधि हांडा
डॉ. रितु अरोड़ा

| | |
|---|---|
| **3.** विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं की संख्या: | **01** |
| **5.** संकाय द्वारा भाग लेने वाले अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की संख्याः | **01** |
| **6.** संकाय द्वारा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पेपर प्रस्तुति की संख्याः | **02** |
| **7.** प्रकाशनों की संख्या | |
| अ) जर्नल/सम्मेलन | **10** |
| ब) पुस्तक अध्याय | **03** |
| **10.** विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यानों की संख्या | **02** |
| **11.**विभिन्न विश्वविद्यालयों में विषय विशेषज्ञ के रूप में फैकल्टी की भागीदारी | |
| **(**अ) बी.ओ.एस. के रूप में सदस्य | **01** |
| **(**ब) प्रायोगिक परीक्षाओं में बाह्यपरीक्षक के रूप में | **03** |
| **(**स) चयन समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में | **01** |
| **(**द) आमंत्रित व्याख्यान दिये गये | **02** |

**12.** शोध कार्य करने वाले शोधार्थियों की संख्या

**(**अ) प्रो सीमा शर्मा **05**

**(**ब) डॉ. निधि हांडा **04**

**(**स) डॉ. रितुअरोड़ा **04**

विस्तार से वार्षिकरिपोर्ट **(2022-23)**

आयोजित कार्यशालाएँ

**1.** गणित एवं सांख्यिकी विभाग ने **30** सितंबर **2022** को जीवन कौशल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

शॉर्टटर्म कोर्स में प्रतिभाग

डॉ. रितु अरोड़ा

**1.** ‘‘मूक के ऑन लाइन पाठ्यक्रम और मुक्त शैक्षिक संसाधन" पर लघु अवधि पाठ्यक्रम **13.12.2022-20.12.2022,** मानव संसाधन विकास केंद्र**,** पंजाब विश्वविद्यालय**,** पटियाला।

**सम्मेलनों में पेपर प्रस्तुति**

**डॉ. निधि हांडा**

**1.** हिंदू संख्या प्रणाली का एक अध्ययन **:** गणित के इतिहास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**, (25-27** नवंबर**, 2022)** सेंटर फॉर इंडियन नॉलेज सिस्टम्स**,** आईआईटी मद्रास और इंडियन सोसाइटी फॉर हिस्ट्री ऑफ मैथमेटिक्स**,** इंडिया द्वारा आयोजित किया गया।

**डॉ. रितुअरोड़ा**

**1.** स्वास्थ्य**,** पर्यावरण और सर्कुलर इकोनॉमी के लिए सामग्री में प्रगति पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ‘‘मंट्ज-लीजेंडरवेवलेटइंटीग्रल ऑपरेशनल मैट्रिक्स ऑफ फ्रैक्शनल-ऑर्डर और फ्रैक्शनल इलेक्ट्रिकल सर्किट को हल करने के लिए इसके अनुप्रयोग" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। स्कूल ऑफ एप्लाइड एंड लाइफसाइंसेज (एसएएलएस)**,** उत्तरांचल विश्वविद्यालय**,** देहरादून**,** भारत**, 25-26** नवंबर**, 2022**।

**प्रकाशन**

**(अ) पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र**

**प्रो.सीमा शर्मा**

**1.** शर्मा एस.**,** सुषमा**,** थर्मलपावरप्लांट के जल परि संचरण प्रणाली का प्रदर्शन और व्यवहार विश्लेषण । विश्वसनीयताः सिद्धांत और अनुप्रयोग**,** वॉल्यूम। **18(1(72)),** पृ.स. **316-328,** मार्च **2023**। (आईएसएसएन **1932-2321) (**स्कोपस)

**2.** शर्मा एस.**,** ममता**,** फजी वातावरण में कागज उद्योग की फीडिंग यूनिट का व्यवहार विश्लेषण। विश्वसनीयता**,** गुणवत्ता और सुरक्षा इंजीनियरिंग का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल**,** वॉल्यूम **30(1), 2250027** फरवरी **2023**। (आईएसएसएन **0218-5393,**ईआईएसएसएन **1793-6446) (**स्कोपस)

**3.** देवी एम., शर्मा एस., रावन एस., हारवेवलेट दृष्टिकोण का उपयोग करके रैखिक विभेदक समीकरणों की प्रणाली के संख्यात्मक समाधान। पॉइं केयर जर्नल ऑफ एनालिसिस एंड एप्लिकेशन, वॉल्यूम**10(1),** पृ.सं. **61-73, 2023**। (ईआईएसएसएन **2349-6797,** आईएसएसएन **2349-6789) (**स्कोपस)

**4.** शर्मा एस., सुषमा, फजीमेथडोलॉजी का उपयोग करके थर्मल पावरप्लांट के कोयला हैंडलिंग सिस्टम का व्यवहार विश्लेषण। फिलिस्तीन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, वॉल्यूम **11 (**विशेष अंकप्प्), पृ.सं. **202-212,** अगस्त **2022 (**आईएसएसएन **2219- 5688) (**स्कोपस)

**5.** पंडित एस. और शर्मा एस., असममित छिद्रपूर्ण चैनल के माध्यम से नैनो फ्लुइड प्रवाह और थर्मल ट्रांसमिशन के विश्लेषण के लिए तरंगिकाओं के उपयोग पर, प्रोसीडिंग। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत अनुभाग एः भौतिक विज्ञान, खंड। **92(4),** पीपी. **571-583,** दिसंबर **2022**। (ईआईएसएसएन **2250-1762,** आईएसएसएन **0369-8203) (**स्कोपस, एससीआईई) प्रभावकारक **1.291**

**डॉ. निधि हांडा**

**1.** हांडा एन., सिंह एस.आर., पुनेठा एन., नियंत्रणीय गिरावट और दो-स्तरीय व्यापार-क्रेडिट अवधि के साथ दो-स्तरीय आपूर्ति श्रृंखला इन्वेंट्री निर्णय में कार्बन उत्सर्जन का प्रभाव। ओपसर्च, वॉल्यूम **59(4),**पृ.सं. **1555-1586 (2022) .** आईएसएसएन/ईआईएसएसएनः**0030-3887/0975-0320 (**प्रभाव कारक **1.6) (**ईएससीआई)।

**2.** हांडा एन., कुमार एस., कुमार वी., ए रिव्यू ऑन सस्टेनेबल सप्लाई चेन मॉडल्स। शोध दिशा (यूजीसी अप्रूव्ड केयर लिस्टेड जर्नल), वॉल्यूम **61(1),** पृ.सं. **218-222,** फरवरी **2023**। आईएसएसएनः **0975-735** एक्स

**3.** सिंह, एस.आर., कटारिया, सी. औरहांडा, एन., व्यापार क्रेडिट अवधि के दोस्तरों के साथ रिवर्स लॉजिस्टिक्स इन्वेंट्री मॉडल पर कार्बन उत्सर्जन और वॉल्यूम लचीलेपन का प्रभाव प्रक्रिया एकीकरण और स्थिरता के लिए अनुकूलन**",** **7(5), 2023.** आईएसएसएन/ईआईएसएसएनः **2509-4238/2509-4246 (**स्कोपस)।

**डॉ. रितु अरोड़ा**

**1.** शर्मा, आर., सिंह, ए. पी. अरोड़ा, आर., चौहान, ए., **(2022)** कोविड-**19** के दौरान विनिर्माण उद्योगों के लिए मांग और उत्पादन में अनिश्चितता का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्विसेज एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, **43(3), 378-400**। (स्कोपस)।

**2.** अरोड़ा, आर., चौहान, ए. शर्मा, आर., और सिंह, ए.पी., **(2022)**। सेंट्रोइड विधि द्वारा डिफजिफिकेशन के साथ ईपीक्यू मॉडल के अनिश्चित वातावरण का अनुकूलन। मुद्रास्फीति, संचालन अनुसंधान और निर्णय, **32(3), 32-48 (**ईएससीआई, स्कोपस, वेबऑफ साइंस)।

**(ब) पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय**

**डॉ. निधि हांडा**

**1.** हांडा एन**,** कुमार एस. मई**, 2023,** सशर्त संभाव्यता और बेयस प्रमेय का महत्व। विज्ञान और इंजीनियरिंग में गणितीय तकनीक**,** प्रकाशकः लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी**,** संपादकः डॉ. गीताअरोड़ा**, 2023,** आईएसबीएन **978-93-94068-84-1**।

**2.** हांडा एन**,**कुमार एस. हांडा एन**,**कुमार एस. सतत संभाव्यता वितरणः सामान्य वितरण**,** मई**,2023,**। गणितीय तकनीक और कंप्यूटिंग**,** प्रकाशितः लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी**,** संपादकः डॉ. गीता अरोड़ा**, 2023,** आईएसबीएन **978-93-94068-91-9**।

**डॉ. रितुअरोड़ा**

**1.** रितु अरोड़ा**,** मनीला और मीतूभल्ला ‘‘कार्यस्थल सुरक्षा के संबंध में महिलाओं को उनके अधिकार के बारे में जागरूकता‘‘ वूमेन एट वर्क ए होलिस्टिक आउटलुक**,** ग्लोबल विजन पब्लिशिंग हाउस**, 2023,** पीपी. **128-137** आईएसबीएननंबर **978-93-90423-18- 7.**

**अतिथि व्याख्यान का आयोजन**

**1.** गणित एवं सांख्यिकी विभाग ने **19.11.2022** को आईटी जागरूकता पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

**2.** गणित एवं सांख्यिकी विभाग ने **10.12.2022** को वैदिक गणित परअतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

**आमंत्रित व्याख्यान**

**डॉ. निधि हांडा**

**1.** भारतीय गणित का विश्व पर प्रभाव। सीसीएस विश्वविद्यालय**,** मेरठ**,** भारत द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (**22** अगस्त-**28** अगस्त‘**22)** मेंआमंत्रित व्याख्यान।

**2.** भारतीय गणित की जीवंत परंपराएँ। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद**,** उत्तर दिल्ली और चमन लाल महाविद्यालय**,** लंढौरा**,** हरिद्वार (उत्तराखंड)**,** भारत द्वारा आयोजित ‘आधुनिक विज्ञान के प्रकाश में भारतीय ज्ञान प्रणाली का पुनरावलोकन‘ विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (**13-15** मार्च**, 2023)** में आमत्रित व्याख्यान।

**विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम**

**1. 5-9** सितंबर **2022** को आयोजित शिक्षक पर्व के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन।

**2. 30** सितंबर **2022** को जीवन कौशल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

**3. 1** अक्टूबर **2022** को गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रीलालबहादुर शास्त्री के जन्म दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन।

**4. 19.11.2022** को आईटी जागरूकता पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन।

**5. 10.12.2022** को वैदिक गणित पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

**6. 9** मई **2023** को पूर्वछात्र सम्मेलन का आयोजन।

**विज्ञान संकाय**
**भौतिकी विभाग**
**स्थापित :(वर्ष)**1958

## विभाग का संक्षिप्त परिचय एवं उपलब्धियां:–

भौतिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1958 में यूजी पाठ्यक्रम के साथ की गयी थी। पीजी और पी–एच0डी0 कार्यक्रम क्रमशः 1991 और 1992 में शुरु किये गये थे। अपनी स्थापना के बाद से विभाग का उद्देश्य शिक्षण, अनुसंधान और अन्य क्षेत्रों के लिए भौतिकी में गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए हमारे छात्रों को नवीनतम् शिक्षण संसाधन प्रदान करना रही है। विभाग बी0एस–सी0, एम0एस–सी0 की डिग्री प्रदान करता है और पी–एच0डी0 कार्यक्रम सत्र 2015–2016 से यूजी0 और पीजी0 दोनों पाठ्यक्रमोमें सी0बी0सी0एस0 के तहत सेमेस्टर प्रणाली को लागू किया गया है और भौतिकी में यूजी0 पाठ्यक्रम को एन0ई0पी0 2020 के अनुसार डिजाईन किया गया है। विभाग में शिक्षको के 11 पदो की संख्या स्वीकृत है। विभाग के पास स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण के साथ–साथ अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हैं विभाग शिक्षार्थी–केन्द्रित शिक्षण के आदर्श वाक्य के साथ भौतिकी के मुख्य क्षेत्र में सर्वोत्तम शिक्षण प्रथाओं का पालन करता है और छात्रों को परियोजनाओं और शोध–प्रबन्धो के माध्यम से नवीनतम् शोध के बारे में जानकारी देता है विभाग के पास अत्याधुनिक कम्प्यूटिंग सुविधाएं हैं। विभाग की परिष्कृत प्रायोगिक सुविधाओं में शामिल है, आर0 एफ0/डी0 सी0– स्पटरिंग यूनिट, किथले सेमीकंडक्टर कैरेक्टराईजेशन सिस्टम, डी0 एस0 सी0 युनिट, एल0 सी0 आर0 मीटर, यू0 विज– एन आई आर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, ग्लब बॉक्स, सोलर सिम्युलेटर, स्पेक्ट्रम एनालाईजर, डस्ट सैंपलर, इलैक्ट्रिक फील्ड सिम्युलेटर, वायुमण्डलीय एरोसोलमीटर आदि। कई वर्षो में शिक्षण और अनुसंधान उत्कृष्टता में विभाग की निरंतर प्रगति को विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा विधिवत् स्वीकार किया गया है जिसके परिणमस्वरुप FIST(2012-2017) के माध्यम् से वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है। सत्र 2022-2023 के दौरान विभाग के शिक्षको ने अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 14 से अधिक शोध पत्र और 8 से अधिक पी–एच0डी0 अवार्ड की गई है।

| क.स. | विवरण | संख्या |
|---|---|---|
| 2. | विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :<br>1. प्रो0 एल0 पी0 पुरोहित<br>2. डा0 पवन कुमार<br>3. डा0 हिमांशु गुप्ता | |
| 3. | विभाग द्वारा आयोजित किए गए सेमीनार/ कार्यशाला की संख्या | **Nil** |
| 4. | विभाग द्वारा संबंधित विषय को लेकर अन्य विश्वविद्यालयों व विभिन्न संस्थओं द्वारा अनुसंधान के क्षेत्र में किए गए एम0 ओ0 यू0 की संख्या | Nil |

| | | |
|---|---|---|
| **5.** | विभागीय शिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर आयोजित सेमीनार/कार्यशाला में प्रतिभाग की संख्या | **3** |
| **6.** | विभागीय शिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार/कार्यशाला में प्रतिभाग की संख्या | **8** |
| **7.** | विभागीय शिक्षकों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों की संख्या | **14** |
| **8.** | विभागीय शिक्षकों को शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में विभिन्न शिक्षण व अनुसंधान संस्थओं द्वारा प्राप्त पुरस्कारों की संख्या | **Nil** |
| **9.** | शिक्षकों द्वारा संबंधित विषय पर प्रसारित रेडियो वार्ताओ/टी0वी0 वार्ताओं की संख्या | **1** |
| **10.** | समय–समय पर विभाग में विशेष व्याख्यान हेतु आयोजित किए गए व्याख्यानों की संख्या | **1** |
| **11.** | विभागीय शिक्षक द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किए जाने की संख्या | **6** |
| **12.** | विभागीय स्तर पर शिक्षक के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे शोधार्थियों की संख्या<br>1. प्रो0 एल0 पी0 पुरोहित<br>2. डा0 पवन कुमार<br>3. डा0 हिमांशु गुप्ता | <br>**8**<br>**4**<br>**3** |

# भौतिकी विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार

## वार्षिक विवरण: 2022-2023
## (01 जुलाई, 2022-30 जून, 2023)

भौतिकी विभाग, कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार की स्थापना 1993 में हुई थी। "इंस्ट्रूमेंटेशन" में विशेषज्ञता के साथ भौतिकी में एम.एससी. पाठ्यक्रम शुरू किया गया था और वर्तमान में "एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स" में विशेषज्ञता के साथ चल रहा है जो एक व्यावहारिक और नौकरी उन्मुख पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम के दौरान विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं और संपर्क क्षेत्र की बेहतर समझ के लिए छह प्रयोगशाला पाठ्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। छात्राओं को विश्लेषणात्मक कौशल और तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाता है जिनकी विभिन्न संस्थानों और उद्योगों में आवश्यकता होती है। पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर में पूरा होता है, जिसमें एक सेमेस्टर में लघु शोध कार्यक्रम भी शामिल है, छात्राएं उन्हें प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं जैसे एनआईएच रूड़की, सीबीआरआई रूड़की, आईआईटी रूड़की और साथ ही विभाग की प्रयोगशाला से पूरा करती है। भौतिक विज्ञान में वैदिक विचार एवं साहित्य और कंप्यूटर अनुप्रयोग के पाठ्यक्रम के माध्यम से प्राचीन और आधुनिक विज्ञान का ज्ञान भी मिलता है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से छात्राओं को प्रवेश मिलता है। प्रवेश के लिए उपलब्ध सीटों की कुल संख्या 57 है, जिनमें से 55 सीटें प्रवेश परीक्षा की मेरिट के माध्यम से और बाकी 2 सीटें एनआरआई श्रेणी से भरी जाती हैं। उनतीस बैच उत्तीर्ण हुए हैं और छात्राओं को शिक्षाविदों के साथ-साथ प्रतिष्ठित पेशेवर संगठनों में भी पर्याप्त स्थान मिला है। विभाग को अपने उन छात्राओं पर गर्व है जिन्होंने विश्वविद्यालय स्तर और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हमेशा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वर्तमान समय में बहुत सी छात्राएं सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं में कार्यरत हैं। विभाग पीएचडी शोध कार्य के लिए भौतिक विज्ञान, संघनित पदार्थ भौतिकी (निम्न आयामी प्रणाली) और अर्धचालक उपकरण भौतिकी में सुविधाएं भी प्रदान करता है। विभाग में शिक्षण कार्य में एक स्थायी शिक्षिका एक अस्थायी शिक्षिकाऔर एक शोध विद्यार्थी शामिल हैं और विभाग में दो गैर-शिक्षण कर्मचारी कार्यरत हैं।

**विभाग प्रभारी : डॉ. ऋचा सैनी (स्थायी)**
**विभाग सदस्य: डॉ. नेहा बत्रा (अस्थायी)**

**पंजीकृत शोध विद्यार्थी: 03**

**चयनित विद्यार्थी : 02**

1. दीक्षा चौहान, सहायक चकबंदी अधिकारी, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित।
2. नीमा नरियाल, ग्राम विकास अधिकारी, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित।

**शोध प्रकाशन:**

1.अंशू सिंह, ऋचा सैनी, पवन कुमार और अशोकन टेलरिंग ऑफ़ डिफेक्ट्स डिपेंडेंट मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज ऑफ़ स्विफ्ट हैवी आयन इरेडिएटेड $CeO_2$ फॉर स्पिनट्रोनिक्स एप्लीकेशन tujy ,iykbM fQftDl 132, 125901 (2022); doi:10.1063/5.0088882,https://doi.org/10.1063/5.0088882

2.अंशू सिंह, ऋचा सैनी, पवन कुमार, मुकुल गुप्ता और अशोकन कंडासामी टुयनाबिलिटी ऑफ़ बैंडगैप फ्रॉम यू वी टू विज़िबल रीजन बाय ट्रांजीशन मेटल आयन इम्प्लांटेशन इन $CeO_2$ एंड थेइर इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर्स fQftDl LfdzIVk 98 (2023) 075907, https://doi.org/10.1088/1402-4896/acd822

**आयोजित कार्यक्रम:**

1. भौतिकी विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस का आयोजन किया (16/09/2022)
2. भौतिकी विभाग द्वारा स्वास्थ्य पर योग का प्रभाव आयोजित किया (15/10/2022)
3. भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया (10/11/2022)
4. भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा मानवाधिकार दिवस का आयोजन किया (10/12/2022)
5. भौतिकी विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया: आइए गौरैया को पुनः आमंत्रित करें (08/04/2023)
6. भौतिकी विभाग द्वारा विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया(25/04/2023)
7. भौतिकी विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया (05/06/2023)

**डॉ. ऋचा सैनी : सम्मेलन/कार्यशाला/एफडीपी में प्रतिभाग:**

1. शार्ट टर्म कोर्स ऑन इनोवेशन इन टीचिंग टैक्नोलोजी, यू जी सी-एच आर डी सी गुरू नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर द्वारा आयोजित।
2. सेकन्ड नेशनल कान्फ्रेस ऑन एडवांस टैक्नोलोजीस एंड एनवायरमेन्टल सेफ्टी-2022 स्कुल ऑफ साइसंज आई एफ टी एम यूनिवर्सिटी मुरादाबाद द्वारा आयोजित।
3. इंटरनेशनल कान्फ्रेस ऑन मल्टीडिसीप्लीन एकेडमिक रिर्सच एंड इनोवेशन आर्यभट्ट् इन्सीटियूट ऑफ एकेडमिक्स एंड रिर्सच एंड गोयल इन्सीटियूट ऑफ हॉयर स्टडीज महाविद्यालय लखनऊ द्वारा आयोजित।
4. इंटरनेशनल कान्फ्रेस ऑन ग्रीन टेक्नोलोजीः इशूज एंड चैलेंजस, सेन्टर ऑफ इंटरनेशनल कॉआपरेशन, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ द्वारा आयोजित।

5. एफ डी पी ऑन ऐकेडमिक लीडरशिप ऐ आई सी टी ई ट्रेनिंग एंड लर्निंग ऐकेडमी नईदिल्ली द्वारा आयोजित।
6. शार्ट टर्म कोर्स इन एन ई पी-2020 यू जी सी-एच आर डी सी यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ द्वारा आयोजित।
7. इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन इनवायरमेंट एंड हयूमन हैल्थ ग्लोबल इशूज डिपारटमेन्ट ऑफ बोटनी एंड माइक्रोबायलोजी गुरूकुल कांगड़ी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार द्वारा आयोजित।
8. शार्ट टर्म कोर्स ऑन मूक्स ऑन लाइन कोर्सेज एंड ओपन एजूकेशनल रिर्सोजेज यू जी सी- एच आर डी सी पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला द्वारा आयोजित।
9. 108 वी इंडियन सांइस काग्रेंस राष्ट्रासंत तुकाडोजी महाराज नागपूर यूनिवर्सिटी नागपूर महाराष्ट्र द्वारा आयोजित।
10. सेकन्ड इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन मल्टीडिसीप्लीपरी ऐकेडमीक रिर्सच एंड इनोवेशन आर्य भट्ट इंसटियूट ऑफ ऐकेडमीक्स एंड रिर्सच एंड अमीरूददुल्लाह इस्लामियॉ डिग्री कॉलेज लखनऊ द्वारा आयोजित।
11. नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सांइस एंड टेक्नोलोजी फॉर ऑल द इंडियन साइंस काग्रेंस एसोसिएशन हरिद्वार चैप्टर एंड डिपार्टमेन्ट ऑफ केमेस्ट्री, डिपार्टमेन्ट ऑफ फिजिक्स एंड डिपार्टमेंट ऑफ एनसिएंट इडिंयन हिस्ट्री कल्चर एंड आर्कलॉजी गुरूकुल कांगड़ी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी हरिद्वार द्वारा आयोजित।
12. नेशनल कांफ्रेंस ऑन नॉलिज, कल्चर, ट्रेडिशन एंड प्रैक्टिस ऑफ इंडिया गुरूकुल कांगड़ी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी हरिद्वार द्वारा आयोजित।
13. इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फ्रंटियर्स , द केमिस्ट्री -अलाइड साइंसेज इंटरफ़ेस , डिपार्टमेंट ऑफ़ केमिस्ट्री , यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान , जयपुर, इंडियन सोसाइटी ऑफ़ केमिस्ट्स एंड बायओलॉजिस्ट्स , राजस्थान चैप्टर , केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ़ इंडिया , राजस्थान चैप्टर द्वारा आयोजित।
14. श्री डेज इंटरनेशनल वर्चुअल वर्कशॉप ऑन रिसर्च आर्टिकल राइटिंग एंड पुब्लिकेशन्स इन हाई इम्पैक्ट जर्नल्स में प्रतिभाग
15. एन ऑनलाइन लेक्चर ऑन " नेशनल एजुकेशन पालिसी २०२०: चेंजिंग रोल ऑफ़ टीचर्स " में प्रतिभाग
16. वर्कशॉप ऑन सिंथेसिस एंड करक्टेराइजैशनऑफ़ नैनोकम्पोजिट्स एंड यूजर एकुअ,इंटैस प्रोग्राम बॉय अन्तर यूनिवर्सिटी एक्सेलरेटर सेंटर , नई दिल्ली में प्रतिभागA
17. वन डे नेशनल वर्कशॉप ऑन "इम्प्लीमेंटेशन ऑफ नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी क्लब फॉर कॉलेज लाइब्रेरीज" में प्रतिभाग
18. इंटरनेशनल वेबिनार ऑन "ब्रेकिंग बैरियर्स इन साइंस" में प्रतिभाग

19. ऑनलाइन वर्कशॉप ऑन "नेशनल एजुकेशन पालिसी २०२०: इंटीग्रेटेड हायर एजुकेशन सिस्टम" में प्रतिभाग
20. ऑनलाइन वर्कशॉप ऑन "नेशनल एजुकेशन पालिसी २०२०: रिस्ट्रक्चरिंग ऑफ़ हायर एजुकेशन थ्रू एन ई पी–२०२०" में प्रतिभाग
21. आई पी अवेयरनेस /ट्रेनिंग प्रोग्राम अंडर नेशनल इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी मिशन में प्रतिभाग

**डॉ. नेहा बत्रा : सम्मेलन/कार्यशाला/एफडीपी में प्रतिभाग:**

1. वर्कशॉप ऑन सिंथेसिस एंड करक्टेराइजैशनऑफ़ नैनोकम्पोजिट्स एंड यूजर एकुअ,इंटैस प्रोग्राम बॉय अन्तर यूनिवर्सिटी एक्सेलरेटर सेंटर , नई दिल्ली में प्रतिभाग
2. नेषनल कॉन्फ्रेंस ऑन सांइस एंड टेक्नोलोजी फॉर ऑल द इंडियन साइंस काग्रेंस एसोसिएशन हरिद्वार चैप्टर एंड डिपार्टमेन्ट ऑफ केमेस्ट्री, डिपार्टमेन्ट ऑफ फिजिक्स एंड डिपार्टमेंट ऑफ एनसिएंट इडिंयन हिस्ट्री कल्चर एंड आर्कलॉजी गुरूकुल कांगड़ी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी हरिद्वार द्वारा आयोजित में प्रतिभाग।
3. नेशनल कांफ्रेस ऑन नॉलिज, कल्चर, ट्रेडिशन एंड प्रैक्टिस ऑफ इंडिया गुरूकुल कांगड़ी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी हरिद्वार द्वारा आयोजित में प्रतिभाग।

# विज्ञान संकाय
# रसायन शास्त्र विभाग

## स्थापना (वर्ष): 1958

**1. विभाग का परिचय (स्थापना का वर्ष, उपलब्धियाँ आदि):**

रसायन विज्ञान विभाग 1958 में स्थापित हुआ और शिक्षण एवं अनुसंधान की दिशा में प्रगति कर रहा है। रसायन विज्ञान विभाग में समर्पित संकाय सदस्य हैं जो सक्रिय रूप से शिक्षण और अनुसंधान की नवीन पद्धति में लगे हुए हैं। एप्लाइड और जॉब ओरिएंटेड एम.एस. सी. रासायनिक विश्लेषण के वाणिज्यिक तरीकों में विशेषज्ञता के साथ रसायन विज्ञान में पाठ्यक्रम अच्छा चल रहा है और लगभग सभी छात्र, हमेशा की तरह, प्रतिष्ठित संस्थानों /प्रयोगशालाओं में नौकरी पाने में सफल रहे।

पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में भी कुछ छात्रों को प्रतिष्ठित उद्योगों द्वारा प्लेसमेंट के लिए चुना गया था। अंतिम वर्ष के अधिकांश छात्र पी.जी. कार्यक्रम का चयन विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के सहयोग से आयोजित कैंपस साक्षात्कार द्वारा किया गया।

**विभागाध्यक्ष: डॉ. आर.के. शुक्ला**

**संकायसदस्य:**

1. डॉ. जसपाल सिंह
2. डॉ. प्रशांत तेवतिया
3. डॉ. सुहास
4. डॉ. राजदीप मलिक
5. डॉ. रविंदर कुमार
6. डॉ जगराम मीना

3. सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/वेबिनार का आयोजन: 01
4. एमओयू : शून्य
5. आयोजित सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/वेबिनार में भागीदारी: 245
6. एफडीपी/कार्यशाला सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/वेबिनार में भागीदारी: 14
7. शोधपत्र प्रकाशित: 38 पेपर + 4 पुस्तक अध्याय
8. पुरस्कार/सामाजिक या सरकारी सम्मान: 08
9. रेडियो-टीवीवार्ता: शून्य
10. विभाग में आमंत्रित वार्ताः 07
11. विशिष्ट वार्ताः 03
12. कुल पीएच.डी विद्वान: 18

अन्य महत्वपूर्ण घटनाएँ/सूचना: 02(परियोजनाएँ)

अनुसंधान परियोजना: 02

# रसायन विज्ञान
# कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार
# स्थापना वर्ष: 1993

**वार्षिक रिपोर्ट (2022–23)**
**01 जुलाई 2022 – 30 जून 2023**

**1. विभाग :**

रसायन विज्ञान विभाग, कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार की स्थापना 1993 में रसायन विज्ञान में छात्राओं के लिए एम.एससी.और पीएच.डी. डिग्री के लिए हुई थी। एम.एससी. रसायन विज्ञान (स्पेशलाइजेशन इन कमर्शियल मेथड्स ऑफ केमिकल एनालिसिस) की शुरुआत गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत हरिद्वार और अन्य पूर्वोत्तर क्षेत्रों की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के एकमात्र उद्देश्य से की गई थी। एम.एससी., (रसायन विज्ञान) उद्योग और शिक्षा के क्षेत्र में एक रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम के दौरान छात्राएं विशेष प्रपत्रों के माध्यम से प्राचीन और आधुनिक ज्ञान से, परिष्कृत उपकरणों से, और कंप्यूटर से समृद्ध होती हैं। इस कार्यक्रम को विशेष रूप से गुणवत्ता नियंत्रण और उद्योगों के अनुसंधान और विकास प्रभाग के लिए छात्राओं की क्षमता को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस शैक्षणिक सत्र के दौरान 7 छात्राओं को विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल द्वारा उद्योगों में रोजगार के लिए नियुक्त किया गया है। विभाग के एल्यूमिनस डीआरडीओ, इसरो, रैनबैक्सी, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, आईओएल आदि जैसे उद्योगों में कार्यरत है। 2020 से बी.एससी. (भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित) और 2021 से (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) समूहों के लिए भी पाठ्यक्रम शुरू किया गया है।

विभाग में डॉ. अंजली गोयल (प्रोफेसर), डॉ. आभा शुक्ला (एसोसिएट प्रोफेसर) व डॉ. मनीला (असिस्टेंट प्रोफेसर) अध्यापन कार्य कर रही हैं। प्रो. अंजली गोयल, विभाग में प्रभारी के रूप में भी काम कर रही हैं। विभाग में नैनोमटेरिअल्स इन वाटर पॉलूशन, मेडिसिनल प्लांट केमिस्ट्री, सिंथेटिक आर्गेनिक केमिस्ट्री एंड फीजीको–आर्गेनिक एंड इंस्ट्रुमेंटल केमिस्ट्री के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य प्रगति पर है। सभी प्राध्यापिकाएं लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। स्कोपस, वेब ऑफ साइंस और यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल्स में विभागीय प्राध्यापिकाओं द्वारा कुल 133 शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं तथा 29 शोध छात्राओं ने पीएचडी डिग्री प्राप्त की है। विभाग में श्री प्रवीण कुमार (लैब असिस्टेंट), श्रीमती शकुंतला और श्री किशन सिंह नेगी (लैब अटेंडेंट) पद पर कार्यरत हैं।

विभाग के सभी शिक्षक, कर्मचारी, और शोध छात्राऐं विभाग की समग्र प्रगति के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं।

**2. संकाय सदस्यः**

1. डॉ. अंजली गोयल, प्रोफेसर और प्रभारी
2. डॉ. आभा शुक्ला, एसोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. मनीला, असिस्टेंट प्रोफेसर

**3. विभागीय शोध कार्य**

**i. प्रकाशन की संख्या10**

**(i)** डॉ. अंजली गोयल03

**(ii)** डॉ. आभा शुक्ला, 05
**(iii)** डॉ. मनीला02

**ii.पुस्तकों/संपादित पुस्तकों/पुस्तकों की संख्या:03**

**(i)** डॉ. अंजली गोयल02
**(ii)** डॉ. मनीला01

**iii. सम्मेलन/सेमिनार में संकाय सदस्य द्वारा प्रस्तुत किए गए पत्र 05**

**(i)** डॉ. अंजली गोयल 01
**(ii)** डॉ. आभा शुक्ला, 02
**(iii)** डॉ. मनीला02

**iv.व्याख्यान /स्पीकर: 01**

**(i)** डॉ. अंजली गोयल 01

**v.संकाय सदस्यों को पुरस्कारों की संख्या: 01**

**(i)** डॉ. अंजली गोयल 01

**vi.अनुसंधान परियोजना/रिसर्च प्रोजेक्ट 01**

**(i)** डॉ. आभा शुक्ला 01

**vii.पीएचडी डिग्री के लिए नामांकित शोध छात्रों/ छात्राओं की संख्या: 02**

**(i)** डॉ. अंजली गोयल 01
**(ii)** डॉ. मनीला 01

**viii. पीएचडी उपाधि से सम्मानित शोधार्थियों की संख्या: 04**

**(i)** डॉ. अंजली गोयल 02
**(ii)** डॉ. आभा शुक्ला 01
**(iii)** डॉ. मनीला 01

**ix.एफ.डी.पी./वर्कशॉप में प्रतिभाग 01**

**(i)** डॉ. मनीला 01

**4. विभागीय गतिविधियां :**

**(i) शिक्षक पर्व :**

रसायन विज्ञान विभाग, केजीसी, हरिद्वार में शिक्षक दिवस 05/09/2022 - 6/09/2022, दो दिन तक बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। एम.एससी. के सेमेस्टर Iऔर सेमेस्टर III की छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

05/9/2022 को छात्राओं ने विभाग के शिक्षकों और कर्मचारियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। छात्राओं ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे कविता, भाषण, नृत्य आदि का आयोजन किया।

06/09/2022 को छात्राओं ने "भारतीय ज्ञान प्रणाली में शिक्षकों का योगदान" विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इसके बाद विभाग में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और स्वामी श्रद्धानंद जी पर डॉक्यूमेंट्री फिल्मों की स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया।

**(ii) प्रो. ओ.पी. सिन्हा स्मृति ऑनलाइन व्याख्यानः**

रसायन विज्ञान विभाग, जीके (डीयू), हरिद्वार द्वारा 20/09/2020 को आयोजित प्रो. ओ.पी. सिन्हा स्मृति ऑनलाइन व्याख्यान में रसायन विज्ञान विभाग की प्रभारी प्रोफेसर अंजली गोयल, डॉ. आभा शुक्ला, डॉ. मनीला, शोध छात्रों और रसायन विभाग, केजीसी, हरिद्वार के 37 छात्राओं ने भाग लिया। स्पीकर डॉ. एस.आर. मीना, वैज्ञानिक डी, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने "सतत विश्व के लिए अनुसंधान" विषय पर व्याख्यान दिया।

## प्रो. ओ.पी. सिन्हा स्मृति ऑनलाइन व्याख्यान

**(iii) अभिभावक शिक्षक बैठक :**

रसायन विज्ञान विभाग, के. जी. सी. हरिद्वार ने एम.एससी. I सेमेस्टर के लिए ऑनलाइन अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में 24/11/2022 पर दोपहर 2.00 बजे प्रोफेसर अंजली गोयल, डॉ. आभा शुक्ला, डॉ. मनीला और 34 छात्राओं के अभिभावकों ने भाग लिया। बैठक का समन्वय डा. आभा शुक्ला ने किया । माता–पिता अपने वार्ड के अकादमिक और समग्र प्रदर्शन से संतुष्ट थे। उन्होंने छात्राओं के प्रैक्टिकल समय और सेशनल परीक्षा के बारे में चर्चा की।

उन्होंने अपने वार्ड के प्रदर्शन और व्यवहार के बारे में भी पूछा। सभी प्राध्यापिकाओं ने अभिभावकों को उनके प्रश्नों के बारे में संतुष्ट करने की कोशिश की। बैठक का समापन प्रो. अंजली गोयल ने किया।

## ऑनलाइन अभिभावक शिक्षक बैठक

**(iv) शोध परियोजना :**

विभाग में, डॉ. आभा शुक्ला (पीआई ), (यूकोस्ट **फाइल नंबर यूसीऐश एंड टी/ आर एंड डी - 12/22-23/21/09/1)** एंटाइटिल्ड **"वाइल्ड एडिबल फ्रूट्स ऑफ फिक्स जीनस ———————— फ्रॉम उत्तराखंड रीजन"** फंडिंग एजेंसी **यूकोस्ट** 02 वर्ष के लिए (जुलाई 2022 – जून 2024) अनुसंधान परियोजना पर कार्य प्रगति पर है।

**5. विषय संबंधित विस्तार गतिविधियां:**

**(A) नए पीजी छात्रों के लिए विभाग द्वारा आयोजित प्रेरणा कार्यक्रम :**

रसायन विज्ञान विभाग, केजीसी, हरिद्वार में 03/09/2022 को प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। छात्राओं ने स्वयं को कक्षा और विभागीय प्राध्यापिकाओं से परिचित कराया। डॉ. अंजली गोयल ने विद्यार्थियों को गुरुकुल शिक्षा प्रणाली, स्वामी श्रीद्धानंदजी, आर्य समाज और महिला शिक्षा आदि से परिचित कराया। डॉ. मनीला ने कार्यक्रम और इसके पाठ्यक्रमों, विभाग और प्रयोगशालाओं की विशिष्टता के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम का समापन प्रो. अंजली गोयल और डॉ. मनीला के आशीर्वाद से हुआ।

**(B) पतंजलि वेलनेस सेंटर का औद्योगिक दौरा :**

रसायन विज्ञान विभाग, कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार द्वारा 06/12/22को एम.एससी. III सेमेस्टर की छात्राओं के लिए पतंजलि वेलनेस सेंटर, पतंजलि योगपीठ, फेज–II, की एक दिवसीय औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया गया था। एम.एससी. III सेमेस्टर की 41 छात्राएं और दो संकाय सदस्यों डॉ. आभा शुक्ला, और डॉ. मनीला ने वेलनेस सेंटर का दौरा किया। पतंजलि वेलनेस सेंटर प्राकृतिक चिकित्सा (प्राचीन भारतीय चिकित्सा कला), प्रकृति उपचार (दवा रहित इलाज), योग (मानसिक शरीर संतुलन), और पंचकर्म चिकित्सा (बॉडी डिटॉक्स) का एक मिश्रण प्रदान करने के लिए जाना जाता है। छात्राओं को प्राचीन भारतीय कायाकल्प विज्ञान के बारे में पता चला, साथ ही प्राकृतिक जड़ी–बूटियों, दवाओं, पंचकर्म, प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से डिटॉक्सीफिकेशन आदि के बारे में भी छात्राओं को जानकारी प्राप्त हुई।

**(C) 28 फरवरी, 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह :**

रसायन विज्ञान विभाग, कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार, द्वारा 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। उद्घाटन समारोह में प्रोफेसर सुचित्रा मलिक (संयोजक के.जी.सी., हरिद्वार), प्रोफेसर संगीता विद्यालंकर (संस्कृत विभाग), प्रोफेसर सुरेखा राणा (प्रबंधन अध्ययन विभाग) के साथ–साथ कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार के अन्य विभागीय प्राध्यापिकाओं ने भाग लिया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रश्नोत्तरी दो चरणों में आयोजित की गई थी। पहला प्रारंभिक चरण जिसमें लगभग 63 छात्राओं (एम.एससी. और बी.एससी.) ने भाग लिया और 12 छात्राओं का चयन किया गया और फिर दूसरा चरण आयोजित किया गया जिसमें पहले दौर में 4 टीमें (हाइड्रोजन टीम, हीलियम टीम, लीथियम टीम, लीथियम टीम और बेरिलियम टीम) बनाई गयी, अंतिम दौर में 4 में से 2 टीमों के बीच रैपिड फायर राउंड किया गया तथा प्रथम और द्वितीय स्थान का चयन किया गया। कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जिसमें एम.एससी. के 7 पोस्टर, बी.एससी. के 5 पोस्टर, एम.एससी. के 4 मॉडल, 1 मॉडल बी.एससी. से। और 2 प्रस्तुतिया (एम.एससी. से 1, और 1 बी.एससी. से) शामिल हुए। इसमें 60 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं ने पोस्टर, मॉडल, क्विज और प्रस्तुति में अपने रचनात्मक विचारों और ज्ञान को दिखाया। इस अवसर की हर गतिविधि में पुरस्कार जीतने का अवसर मिला, जिसे प्रो. सीमा शर्मा और डॉ. रितु अरोरा ने जज किया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. आभा शुक्ला, डॉ. मनीला और रसायन विज्ञान विभाग, कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार के शोध छात्राओं ने किया।

### (D) गर्भस्थ छात्रा परंपरा

छात्राओं की शारीरिक, नैतिक और बौद्धिक शक्ति को बढ़ाने के लिए, प्राचीन गुरुकुल प्रणाली का पालन गर्भस्थ छात्रा परंपरा के रूप में किया जाता है। इस प्रणाली के तहत, छात्राओं को विभाग के प्राध्यापिकाओं के तहत समूहबद्ध किया जाता है, जिनके साथ वे अपनी समस्याओं जैसे आवासीय, पुस्तकों की कमी, परिवहन और अध्ययन के माध्यम आदि पर चर्चा करते हैं। कभी–कभी वे अपनी व्यक्तिगत समस्याओं पर भी चर्चा करते हैं। संकाय सदस्य उन्हें सही तरीके से निर्देशित करते हैं और उन सभी को हल करने की कोशिश करते हैं।

### (E) विभाग एल्यूमिनी बैठक (ऑनलाइन)

रसायन विज्ञान विभाग, के.जी.सी., हरिद्वार द्वारा 27–05–2023 को अपराह्न 2:30 बजे से एक ऑनलाइन एल्यूमिनी बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में के.जी.सी., हरिद्वार में रसायन विज्ञान विभाग की प्रभारी प्रोफेसर अंजली गोयल, डॉ. आभा शुक्ला (एसोसिएट प्रोफेसर), डॉ. मनीला (असिस्टेंट प्रोफेसर) और विभाग के 25 एल्यूमिनी शामिल हुए। विभाग के एल्यूमिनी ने रसायन विज्ञान विभाग, के.जी.सी., हरिद्वार में बिताए गए समय की यादों को साझा करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न क्षमताओं में काम करने के अपने अनुभव साझा किए।

एल्यूमिनी ने विभाग में अपने अनुभवों, विशेष रूप से प्रयोगशाला प्रथाओं और प्रोफेशनल क्षेत्र में उनके लाभों को साझा किया। बाद में, विभागीय प्राध्यापिकाओं के साथ एल्यूमिनी ने पी.जी. कोर्स पर विस्तृत चर्चा की।

### (F) प्लेसमेंट ऑफ एम.एससी. स्टूडेंट्स

इस सत्र के दौरान विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के माध्यम से 7 एम.एससी. छात्राओं का विभिन्न स्थानों पर प्लेसमेंट हुआ। सलोनी राजपूत और सपना रानी का नेक्टर लाइफ साइंस, वंदना का टीएपीपी इंडिया, सलोनी का पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड, माही रानी का लिवप्योर, कनिष्का सैनी का पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट में और करीना पाल का मेडिकामैन बायोटेक में प्लेसमेंट हुआ।

### (G) विभाग के स्वर्ण पदक विजेता

113वें दीक्षांत समारोह के दौरान कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार के रसायन विज्ञान विभाग की एम. एससी. की (06) छात्राओं ने एम.एससी. में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए श्री नारायण दत्त कौशिक स्मृति स्वर्ण पदक पुरस्कार प्राप्त किया। वर्ष 2014 से 2021 तक के रसायन विज्ञान की छात्राओं में नेहा डबास (2014 बैच), साक्षी लखेरा (2016 बैच), वैशाली चौधरी (2017 बैच), सरयू त्यागी (2018 बैच), अदिति कपूर (2019 बैच) और पलक कंसल (2020 बैच) शामिल हैं।

# कंप्यूटर विज्ञान विभाग
# मुख्य परिसर, हरिद्वार

## वार्षिक रिपोर्ट (2022-23)

विभाग की शुरुआत 1988 में कंप्यूटर एप्लीकेशन में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीसीए) की शुरुआत के साथ हुई थी। उसी वर्ष कंप्यूटर विज्ञान को स्नातक स्तर के विषय के रूप में पेश किया गया जिससे भौतिकी कंप्यूटर विज्ञान और गणित के विषय संयोजन के साथ एक नई धारा का उदय हुआ जो बाद के वर्षों में काफी लोकप्रिय हो गया।

पीजीडीसीए के पांच साल पूरे करने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली ने 1993 में कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में यूजीसी-डीओई संयुक्त जन शक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत पीजीडीसीए को एमसीए में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी। कंप्यूटर विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम1998-1999 में शुरू किया गया था।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग देश के उत्तरी भाग में कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करने के लिए उल्लेखनीय स्थानों में से एक के रूप में उभरा है। अपनी स्थापना के बाद से विभाग में छात्रों संकाय कम्प्यूटेशनल संसाधनों और बुनियादी सुविधाओं की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

विभाग का ध्यान सॉफ्टवेयर उद्योग शैक्षणिक और अनुसंधान संगठनों के लिए कंप्यूटर पेशेवरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति तैयार करने पर रहा है। उत्तीर्ण छात्रों को शैक्षणिक अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और सॉफ्टवेयर विकास में लगे पेशेवर संगठनों में पर्याप्त रूप से रखा जाता है।

विभाग आत्म-अनुशासन अभ्यास और मार्गदर्शन के इष्टतम मिश्रण के माध्यम से सीखने पर जोर देता है। छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए कभी-कभी विशेषज्ञों के आमंत्रित व्याख्यान की व्यवस्था की जाती है। संकाय सदस्य उत्साही सहयोगी और अच्छी तरह से परिचित हैं। वे विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेते हैं और अनुसंधान एवं विकास में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

विभाग के पास महत्वपूर्ण शिक्षण-अधिगम ढांचागत सुविधाओं के साथ-साथ एक समृद्ध पुस्तकालय पर्याप्त कंप्यूटिंग और अन्य आवश्यक संसाधन हैं। संस्थान के कंप्यूटर सेंटर द्वारा प्रदान की गई केंद्रीकृत कंप्यूटिंग सुविधा के अलावा विभाग के पास अपने छात्रों के लिए दो समर्पित प्रयोगशालाएँ हैं। विभागीय पुस्तकालय अपने छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करता है जो संस्थान के केंद्रीय पुस्तकालय की सुविधाओं का भी लाभ उठा सकते हैं

**विभाग के सदस्य:**

1 डॉ. कर्मजीत भाटिया
2. डॉ विवेक कुमार
3. डॉ राजकुमार
4. डॉ महेंद्र सिंह
5. डॉ. श्वेतांक
6. डॉ कृष्ण कुमार

| | |
|---|---|
| सेमिनार/कार्फेरस/वेबीनार/वर्कशॉप | 6 |
| शोध पत्र ( पत्रिका ) | 7 |
| शोध पत्र( सम्मेलन ) | 9 |
| पुस्तके | 2 |
| विशिष्ट वार्ताए/लैक्चर्स/रेडियो-टी0वी0 वार्ताए | 4 |
| नामांकित पीएचडी छात्रः | 9 |
| विदेशी या भारतीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन | 1 |
| अनुसंधान परियोजना | 1 |
| पेटेंट | 1 |
| विशेषव्याख्यान | 7 |

**शोध पत्र (जर्नल)**

1.अमन कुमार, हिना हाशमी, करमजीत भाटिया औ रअशोक कुमार, एस एस एसः सुरक्षितऔर संवेदनशील क्षेत्रों के लिए स्मार्ट निगरानी प्रणाली, जर्नल ऑफ ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स लेजर, वॉल्यूम 41, संख्या 7, जुलाई 2022, पीपी 1176-1183, आईएसएसएनः 1005-0086। (रेफरीड औरस्कोपस अनुक्रमित)।

2.अभय प्रताप सिंह, महेंद्र सिंह, ‘‘समय आधारित सुविधाओं के साथ मशीन लर्निंग का उपयोग करके एन्क्रिप्टेड नेटवर्क ट्रैफिक में वास्तविक समय मैलवेयर का पता लगाना, जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमैटिक लसाइंसेज एंडक्रिप्टो ग्राफी, वॉल्यूम 26 (2023), संख्या 3, पृ. 841-850,2023

3.वी. के. विश्नोई, के. कुमार, बी. कुमार, एस. मोहन और ए. ए. खान, ‘‘कन्वेल्यूशन लन्यूरल नेटवर्क के माध्यम से पत्तीछवियों का उपयोग करके सेब के पौधों के रोगों का पता लगाना,‘‘ आईईईई एक्सेस इंटरनेशनल जर्नल (एससीआई जर्नल), आईएफ- 3.557य खंड. 11, पीपी. 6594-6609, 2023, आईएसएसएनः 2169-3536,28-दिसंबर-2022

4.आशीष सैनी, राज कुमार, गौरव कुमार, सतेंद्र कुमार, मोहित मित्तल, ‘‘दूरस्थविधि का उपयोग करके फजीक्लस्टरिंग दृष्टिकोण पर आधारित सॉफ्टवेयर उत्पाद लाइनरिग्रेशन परीक्षण, इंजीनियरिंग सिस्टम मॉडलिंग और सिमुलेशन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।

5.श्वेतांक, सुहास और जितेंद्र कुमार चौधरी, ‘‘भूजलगुणवत्ता मूल्यांकन के लिए एएनएफआईएस और फजीलॉजिक का संकरण, सतत विकास के लिए भूजल खंड 18, अगस्त 2022, पीपी 1-8, (स्कोपस, वेबऑफ साइंस), प्रभाव कारक 5.9

6.सौरभ और श्वेतांक, ‘‘सपोर्टवेक्टर मशीन क्लासिफायर का उपयोग करके लैंड कवर फीचर्स का चेंज डिटेक्शन एनालिसिस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नेक्स्ट-जेनरेशन कंप्यूटिंग, मार्च2023, वॉल्यूम। 14 अंक 2, पीपी 462-472।

7.दीपिका डिमरी, देवी प्रसाद उनियाल, दुर्गेशपंत, राजेंद्र डोभाल, मनमोहन सिंह रावत, बृजमोहन शर्मा और श्वेतांक आर्य ‘‘इलेक्ट्रॉनिक-अपशिष्ट (ई-अपशिष्ट) प्रबंधन और न्यूनतम करण अभ्यासः देहरादून जिले (पश्चिमी हिमालय क्षेत्र) , उत्तराखंड, भारत का एक केस स्टडी, जे. माउंटेनरेस, वॉल्यूम। 17(2), 2022, पीपी. 39-55

**शोध पत्र (सम्मेलन)**

1.आशीष सैनी, राजकुमार, अमृता कुमारी, सतेंद्र कुमार, ''सॉफ्टवेयर उत्पाद लाइन परीक्षण के लिए मशीन लर्निंग आधारित फ्रेमवर्क की एक प्रस्तावित विधि, 2022 चौथी औद्योगिक क्रांति आधारित प्रौद्योगिकी और प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएफआईआरटीपी), इलेक्ट्रॉनिक आईएसबीएनः979-8-3503-4591-9

2.आशीष सैनी, राज कुमार, अमृता कुमारी, सतेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, ''डिस्टेंसमेट्रिक्स का उपयोग करके सॉफ्टवेयर उत्पाद लाइनों का खोजपूर्ण परीक्षण, 2023 कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और सस्टेनेबल इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस (सीआईएसईएस) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इलेक्ट्रॉनिक आईएसबीएनः979-8- 3503-2391-7.

3.रेशो देवी, अमित कुमार, विवेक कुमार, ''आईडीएसइन एज कंप्यूटिंग या ईओटी पर एक समीक्षा पत्र, चौथी औद्योगिक क्रांति आधारित प्रौद्योगिकी और प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 23-24 नवंबर, 2022, पीपी. 30-35, क्वांटम विश्वविद्यालय, रूड़की, आईएसबीएन 979-8-3503-4591

4.अमित कुमार, विवेक कुमार, ''मशीन लर्निंग का उपयोग करके अल्पसंख्यक हमलों का वर्गीकरण, चौथी औद्योगिक क्रांति आधारित प्रौद्योगिकी और प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 23-24 नवंबर, 2022, पीपी. 101-105, क्वांटम यूनिवर्सिटी, रूड़की, आईएसबीएन 979 -8-3503-4591

5.अमित कुमार, संजीव कुमार, विवेक कुमार, ''मशीन लर्निंग और 'पाइकेरेट का उपयोग कर एज कंप्यूटिंग आधारित आईडीएस, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और सस्टेनेबल इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस (सीआईएसईएस) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अप्रैल, 28-30, 2023, पीपी. 668- 673, आईएसबीएन 979-8-3503-2391-7, जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

6.अमरीश और श्वेतांक, ''एचआरडी- जीकेवी- सीसीनेटः मानव भीड़ प्रबंधन के लिए एक गहन शिक्षण-आधारित मल्टीटास्क विधि, 2022 उभरती स्मार्ट प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएसबीएन 978-1-6654-6181-8

7.आशीष कुमार, श्वेतांक आर्य, अमरीश, विशाल कुमार, ई-अपशिष्ट प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''आई ओ टी आधारित अपशिष्ट वर्षा जल निगरानी और पुनर्चक्रण : चुनौतियां और अवसर, हिमालयन प्रबंधन और विकास संसाधन संस्थान , आईएसबीएन 978-93- 91778-20-0.

8.हर्ष राजपूत, आकाश कुमार, श्वेतांक आर्य, शीतल कुमार, ''प्लास्टिक अपशिष्ट का जीवित जीवों पर प्रभाव, ई-अपशिष्ट प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में चुनौतियां और अवसर, हिमालयन प्रबंधन और विकास संसाधन संस्थान, आईएसबीएन 978-93-91778- 20-0.

9.अन्नू शर्मा, श्वेतांक आर्य, दिवाकर नाथ, प्रवीणा चतुर्वेदी, ''पासक्लाउड का उपयोग करके स्पेक्ट्रल प्रसंस्करण विधि के माध्यम से ई-अपशिष्ट का पता लगाना, ई-अपशिष्ट प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में चुनौतियां और अवसर, हिमालयन प्रबंधन और विकास संसाधन संस्थान, आईएसबीएन 978 -93-91778-20-0.

**पुस्तके**

1.श्वेतांक, किशन कुमार, ई-कचरा प्रबंधन पर संपादित पुस्तकः चुनौतियां और अवसर, प्रकाशक हिमालयन प्रबंधन और विकास संसाधन संस्थान, उत्तराखंड, 2023, आईएसबीएन 978-93-91778-20-0 (प्रिंट)।

2.श्वेतांक, पुस्तक अध्याय जिसका शीर्षक है ''एन आईओटी एंडब्लॉकचेनपर्सपेक्टिव इमर्सिववर्चुअल एंड ऑगमेंटेड रियलिटी इन हेल्थकेयर, सीआरसीप्रेस, टेलर एंडफ्रांसिसग्रुप, यू.के., 2023, आईएसबीएन 978-10-03340-13

**सेमिनार/ सम्मेलन/ वेबिनार/ कार्यशाला मेंसहभागिता**

1.डॉ. कर्मजीत भाटिया ने 03 अगस्त, 2022 को राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हरिद्वार केंद्र द्वारा ऑन लाइन मोड में आयोजित ''भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस)'' पर एक वेबिनार में भाग लिया।

2.डॉ. महेंद्र सिंह ने 03 अगस्त, 2022 को राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हरिद्वार केंद्र द्वारा ऑन लाइन मोड में आयोजित ''भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस)'' पर एक वेबिनार में भाग लिया।

3.डॉ.महेंद्र सिंह ने 21 अक्टूबर, 2022 को देव भूमि विज्ञान समिति, उत्तराखंड द्वारा आकाश तत्व की शास्त्रीय अवधारणाओं पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

4. डॉ. महेंद्र सिंह ने 8-9 अप्रैल 2023 के दौरान टेक्नोक्रेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल में संचार प्रणाली और नेटवर्क टेक्नोलॉजीज (सीएसएनटी 2023) पर 12वें आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

5.डॉ. कृष्ण कुमार ने 17.10.2022 से 18.10.2022 तक राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास अकादमी द्वारा ई-प्रोक्योरमेंट (सीपीपीपी और जीईएम) पर आयोजित एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

6.डॉ. विवेककुमार ने 17.10.2022 से 18.10.2022 तक राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास अकादमी द्वारा ई-प्रोक्योरमेंट (सीपीपीपी और जीईएम) पर आयोजित एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

**आमंत्रित व्याख्यान, वार्ता**

1.डॉ. महेंद्र सिंह ने 19 अक्टूबर, 2022 को उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''जूम ऐप के अनुप्रयोग पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

2.डॉ. महेंद्र सिंह ने 11 फरवरी, 2023 को उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय और शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित ''आईसीटी के वर्तमान अनुप्रयोग पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

3.डॉ. महेंद्र सिंह ने 27 फरवरी और 1 मार्च, 2023 को उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय परिसर, गुरुकुल हरिद्वार के बीएएमएसछात्रों के लिए संक्रमण कालीन पाठ्यक्रम कार्यक्रम के दौरान कंप्यूटर अनुप्रयोगों पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

4.डॉ. श्वेतांक ने 27 मई से 3 जून, 2023 तक एसआरजीसी, मुजफ्फरनगर द्वारा आयोजित आईओटी और साइबर सुरक्षाः रुझान, चुनौतियां और समाधान पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में ''एआईओटी पर व्याख्यान दिया।

**विदेशी या भारतीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन**

पून्या केयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड , हरिद्वार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

**अनुसंधान परियोजना**

1. एक शोध परियोजना, ''कोविड-19 के संबंध में भावना विश्लेषण और विषय मॉडलिंगः उत्तराखंड में सोशल मीडिया नेटवर्क पर जनता की राय का एक अध्ययन,'' यूकॉस्ट, देहरादून द्वारा स्वीकृत किया गया है।

**पेटेंट**

एआई के माध्यम से वास्तविक समय में भीड़ की निगरानी, विश्लेषण और प्रबंधन के लिए एक प्रणाली पर एक पेटेंट दायर किया गया है, आवेदन संख्या 202311018633

**विशेष व्याख्यान**

1. 04.11.2022 को श्री मनुजकुमार, फोर्डमोटर्स, यूएसए द्वारा ''डेटा एनालिटिक्स
2. 19.11.2022 को श्री नितिन गहलौत, कैपजेमिनी यूएसए द्वारा ''कंप्यूटर विज्ञान में हालिया प्रगति
3. श्री वरुण कुमार, आईबीएम, भारत द्वारा 12.12.2022 को ''प्रबंधित बुनियादी ढांचा सेवाएं
4. श्री अभिषेक राजपूत, ग्राजिट्टी इंटरएक्टिव, भारत द्वारा 13.12.2022 को ''कैंपसड्राइव की तैयारी।
5. 13.12.2022 को श्री अमन वर्मा, एक्साल्टाकोटिंग प्राइवेट लिमिटेड, भारत द्वारा ''साइबर सुरक्षा में चुनौतियां
6. श्री विष्णु विश्वकर्मा, क्लाउडेक इंक, भारत द्वारा 10.03.2023 को ''डेवऑप्स- एक दृश्य

7.08.04.2023 को श्री आकाश पवार, वेबकुल सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ''मैग्नेटो (ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म)

**कंप्यूटर विज्ञान विभाग**
**कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून**

# सत्र: 2022-23

कंप्यूटर विज्ञान विभाग **शैक्षणिक वर्ष 2022-23**

1 विभागाध्यक्ष : प्रो. निपुर सिंह (प्रभारी)
2 अन्य संकाय सदस्य :
प्रोफ़ेसर : 3
एसोसिएट प्रोफेसर : 1
सहायक प्रोफेसर : 1

**3.** छात्रों की संख्या :

| पाठ्यक्रम का नाम | छात्र | छात्रा |
|---|---|---|
| यूजी (तीन वर्ष) | - | - |
| पीजी (दो वर्ष) प्रथम वर्ष | - | **21** |
| दूसरा साल | - | **30** |
| डिप्लोमा कोर्स | - | - |
| पीएच.डी. पाठ्यक्रम | - | **2** |
| पीएच.डी. (केवल पंजीकृत छात्र) | - | **8** |
| कुल योग | - | **61** |

**4.** विभाग द्वारा आयोजित शैक्षणिक गतिविधियों का विवरण:

| गतिविधि का नाम | शीर्षक | राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय | **Dates** | **F.Agency** |
|---|---|---|---|---|
| सम्मेलन/सेमिनार | पायथन वर्कशॉप: इंट्रोडक्शन एंड बियोंड | राष्ट्रीय | 31अक्टूबर. -से 6 नवंबर 2022 | - |
| विस्तार व्याख्याता अध्ययन यात्रा/क्षेत्र यात्रा/शैक्षिक यात्रा | - | - | - | - |
| अनुसंधान परियोजनाएं/एसएपी/एफआईएसटी/डीबीटी आदि प्राप्त हुए | - | - | - | - |
| सहयोग/पेटेंट की संख्या | डॉ. प्रतिष्ठा | राष्ट्रीय | 8 फरवरी 2023 | बौद्धिक |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | वर्मा, डॉ. अंकिता वर्मा, डॉ. ज्योति सिंह किरार, डॉ.सविता। कर्मचारी का मशीन लर्निंग आधारित आत्मविश्वास ट्रैकिंग उपकरण। डिज़ाइन संख्या: **378936-001** | | | संपदा भारत, पेटेंट डिजाइन। ट्रेड मार्क भौगोलिक संकेत. |

**5.** व्यक्तिगत शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धियाँ।

(ए) प्रकाशित शोध पत्र/लोकप्रिय लेख:

| संकाय सदस्य का नाम | आईएसएसएन/समाचार पत्रों/पत्रिकाओं/सम्मेलन की कार्यवाही के साथ पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों/लोकप्रिय लेखों की संख्या। | | अनुक्रमणिका (स्कोपस, गूगल स्कॉलर, वेब साइंस, यूजीसी केयर, पीयर रिव्यूड रेफरीड आदि) |
|---|---|---|---|
| | शोध पत्र | लोकप्रिय लेख | |
| प्रो. निपुर सिंह | **02** | - | **02(**स्कोपस**)** |
| प्रो.हेमन पाठक | **02** | - | **01(**स्कोपस + ईएससीआई**)** **01(**स्कोपस**)** |
| प्रो. प्रवीणा चतुवेर्दी | **01** | - | **01(**यूजीसी केयर**)** |
| डॉ. नीना गुप्ता | **01** | - | **01(**वेब साइंस, ईएससीआई**))** |
| डॉ. सविता | **03** | - | **02(**ईएससीआई**))** **01(**यूजीसी केयर**)** |
| कुल योग | **09** | | |

**(B)** प्रकाशित पुस्तकें**:**

| संकाय सदस्य का नाम | आईएसबीएन से प्रकाशित पुस्तकों की संख्या | आईएसबीएन के साथ पुस्तकों में प्रकाशित अध्यायों की संख्या | प्रकाशकों का नाम |
|---|---|---|---|
| प्रो.हेमन पाठक | - | **1** | डी ग्रुइटर, बर्लिन, बोस्टन |
| कुल योग | | **1** | |

**(C)** अनुसंधान पर्यवेक्षण**:**

| संकाय सदस्य का नाम | पीएच.डी. की संख्या छात्र | | शोध प्रबंध/परियोजनाएं पर्यवेक्षित | |
|---|---|---|---|---|
| | **Awarded** | दर्ज कराई | | पीजी प्रोजेक्ट्स |
| प्रो. निपुर सिंह | - | **02** | लघु शोध प्रबंध पर्यवेक्षण | **06** |
| प्रो.हेमन पाठक | - | **03** | लघु शोध प्रबंध पर्यवेक्षण | **06** |
| प्रो. प्रवीणा चतुर्वेदी | - | **01** | लघु शोध प्रबंध पर्यवेक्षण | **06** |
| डॉ. नीना गुप्ता | - | **02** | लघु शोध प्रबंध पर्यवेक्षण | **06** |
| डॉ. सविता | - | **01** | लघु शोध प्रबंध पर्यवेक्षण | **06** |
| कुल योग | | **09** | | **30** |

**(D)** पुरस्कृत/पूर्ण/चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ**:**

| संकाय सदस्य का नाम | अनुसंधान परियोजना का नाम (लघु/प्रमुख) | अनुसंधान परियोजना की राशि | निधीयन एजेंसी | अवधि | परियोजना की स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|
| -- | - | - | - | - | - |
| कुल योग | | | | | |

**(E)** सम्मेलनों/आमंत्रित वार्ताओं/विस्तार व्याख्यानों आदि में भागीदारी:

| संकाय सदस्य का नाम | सम्मेलनों/संगोष्ठियों आदि की संख्या, एक सत्र में भाग लिया/अध्यक्षता की और पेपर प्रस्तुत किया | | | | | | आमंत्रित वार्ता/रेडियो वार्ता | | संसाधन व्यक्ति के रूप में विस्तार व्याख्यान दिया गया |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | राष्ट्रीय | | अंतर्राष्ट्रीय | | स्तरीय सम्मेलन | | सम्मेलन आदि | रेडियो वार्ता | |
| प्रो. निपुर सिंह | | | | | | | | | |
| प्रो.हेमन पाठक | | | | | | | | | |
| प्रो. प्रवीणा चतुर्वेदी | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| डॉ. नीना गुप्ता | | | | | | | | | |
| डॉ. सविता | - | - | **03(01:** सत्र की अध्यक्षता,**02:** प्रस्तुत पेपर) | | - | - | - | - | - |
| कुल योग | | | **03** | | | | | | |

**(F)** पाठ्येतर गतिविधियों/प्रशासनिक असाइनमेंट में भागीदारी:

| संकाय सदस्य का नाम | गतिविधि का नाम (खेल, सांस्कृतिक, सामाजिक, परीक्षा शैक्षिक यात्रा और कोई अन्य प्रशासनिक कार्य) | सौंपे गए कर्तव्य की प्रकृति | दिनांक | गतिविधि का स्तर |
|---|---|---|---|---|
| प्रो. निपुर सिंह | बीओएस सदस्य | विभागीय गतिविधियाँ | **2022-23** | विभागीय |
| | डीआरसी सदस्य | अनुसंधान गतिविधियाँ | **2022-23** | विभागीय |
| | आरडीसी सदस्य | अनुसंधान गतिविधियाँ | **2022-23** | |
| | उड़न दस्ता | कैम्पस गतिविधि | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | श्रीमती प्रमिला देवी प्रकरण समिति की सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | परीक्षा प्रभारी | कैम्पस गतिविधि | **2022-23** | कैम्पस |
| | अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के सदस्य (सहयोग एवं समुदाय) | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | सदस्य अकादमिक परिषद | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, कक्षाओं के सुचारु संचालन और छात्र उपस्थिति के लिए निगरानी समिति के सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | खेल परिषद | | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | एंटी रैगिंग स्क्वाड | कैम्पस गतिविधि | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | एंटी रैगिंग कमेटी | कैम्पस गतिविधि | **2022-23** | विश्वविद्यालय |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | पेपर सेटिंग एवं मूल्यांकन कार्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| प्रो.हेमन पाठक | बीओएस | विभागीय गतिविधियाँ | **25/05/23** | विश्वविद्यालय |
| | आरडीसी | अनुसंधान गतिविधियाँ | **15/10/22**<br>**26/05/23** | विश्वविद्यालय |
| | डीआरसी | अनुसंधान गतिविधियाँ | **30/08/22**<br>**10/09/22**<br>**21/01/23** | विश्वविद्यालय |
| | सदस्य-संस्थान की इनोवेशन काउंसिल-इंटर्नशिप- जीके (डीयू) | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | कार्यकारी सदस्य - जीकेवी पूर्व छात्र संघ - जीकेवी | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | संयोजक - आरएसी (सुश्री किरण असवाल) डीसीएस | अनुसंधान गतिविधियाँ | **06/08/22**<br>**31/05/23** | विश्वविद्यालय |
| | संयोजक - आरएसी (सुश्री बीना कोटियाल) डीसीएस | अनुसंधान गतिविधियाँ | **10/08/22**<br>**20/02/23**<br>**09/05/23** | विश्वविद्यालय |
| | अध्यक्ष - एमसीए प्रवेश समिति डीसीएस, केजीसी-डीडीयूएन | विभागीय गतिविधियाँ | **2022-23** | विभागीय |
| | सदस्य आयोजन समिति: वार्षिक खेल दिवस केजीसी-डीडीयूएन | कैम्पस गतिविधि | **2022-23** | विभागीय |
| | जूरी सदस्य: वाद-विवाद प्रतियोगिता (हिंदी दिवस) केजीसी-डीडीयूएन | कैम्पस गतिविधि | **2022-23** | विभागीय |
| | परीक्षा: मूल्यांकन/पेपर सेटिंग | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| प्रो. प्रवीणा चतुर्वेदी | बीओएम सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | बीओएस सदस्य | विभागीय गतिविधियाँ | **2022-23** | विभागीय |
| | आंतरिक समिति सदस्य | विभागीय गतिविधियाँ | **2022-23** | विभागीय |
| | परीक्षा: मूल्यांकन/पेपर सेटिंग | विश्वविद्यालय की | **2022-23** | विश्वविद्यालय |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | गतिविधियाँ | | |
| डॉ. नीना गुप्ता | आईआईसी के सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | सिस्को वेबएक्स समिति सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | बीओएस सदस्य | विभागीय गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | डीआरसी सदस्य | अनुसंधान गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | संयोजक - आरएसी (सुश्री अनुपमा) | अनुसंधान गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | सदस्य आयोजन समिति: वार्षिक खेल दिवस केजीसी-देहरादून | कैम्पस गतिविधि | **2022-23** | कैम्पस |
| डॉ. सविता | एनआईआरएफ समिति सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | एमसीए केजीसी प्रवेश समिति सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | " पायथन वर्कशॉप: इंट्रोडक्शन एंड बियोंड " कार्यशाला के सह-संयोजक | **Students-Related Activities** | **31Oct. – to 6 Nov. 2022.** | विश्वविद्यालय |
| | कैरियर योजना अकादमी सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | "संगीत में रोज़गार की संभावनाएँ" विषय पर वेबिनार के सह-संयोजक | छात्र-संबंधी गतिविधियाँ | **7 April 2023** | विश्वविद्यालय |
| | आईक्यूएसी समन्वयक, केजीसी देहरादून | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | एनएएसी मानदंड -3 समिति सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | बीओएस सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | परीक्षा मूल्यांकन और पेपर सेटिंग | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | अनुसंधान निगरानी एवं समन्वय आंतरिक समिति के सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | एससी/एसटी सेल (छात्रवृत्ति) आंतरिक समिति सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | खेल आंतरिक समिति सदस्य | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |
| | डीआरसी सदस्य **(10 sep 2022)** | विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ | **2022-23** | विश्वविद्यालय |

**6.** अनुसंधान विद्वानों और छात्रों द्वारा उपलब्धियाँ:

| फ़ेलोशिप प्राप्त करने वाले अनुसंधान विद्वानों की संख्या | फ़ेलोशिप का नाम | निधीयन एजेंसी | नेट/जेआरएफ/एसआरएफ/पीडीएफ आदि उत्तीर्ण छात्रों की संख्या | नौकरियों में नियुक्त छात्रों की संख्या (संबद्ध शैक्षणिक आदि) |
|---|---|---|---|---|
| - | - | - | - | |
| | | | | |

**7.** उपकरण सूची (खरीदी गई)

| **S.N.** | उपकरण का नाम (निर्माण एवं मॉडल) | मूल्य (रु.) | वर्तमान स्थिति | खरीद की तारीख/वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| - | - | - | - | - |

# प्रबन्ध अध्ययन संकाय
# प्रबन्धन विभाग

फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (FMS), वर्ष 1996 में स्थापित, वर्तमान में पुरुष छात्रों के लिए GKV, हरिद्वार के मुख्य परिसर में दो पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम - MBA,और MBA (बिजनेस इकोनॉमिक्स) चला रहा है। और छात्राओं के लिए कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार में। इनके अलावा, सर्टिफिकेट कोर्स (द आर्ट ऑफ हैप्पीनेस एंड सेल्स मैनेजमेंट), एक अंडर ग्रेजुएट कोर्स, बीबीए और पीएचडी व विभिन्न विशेषज्ञता वाले कार्यक्रम भी चल रहे हैं।

फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (FMS) का उद्देश्य उद्योगों के लिए गुणवत्ता के प्रति जागरूक प्रबंधकीय जनशक्ति प्रदान करना है और उस उद्देश्य के लिए FMS का उद्देश्य प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल सुनिश्चित करने के लिए सक्षम पेशेवर प्रबंधकों को विकसित करना और भविष्य के प्रबंधकों में उद्यमशीलता और नवीन शैलियों का संचार करना है। इसके अलावा, अनुसंधान, परामर्श और प्रबंधकीय उत्कृष्टता के बहुआयामी उद्देश्य हैं।

वर्तमान में विभाग में कुल 8 प्राध्यापक कार्य कर रहे हैं जिनके द्वारा 2022-23 में प्रस्तुति प्रकाशन कार्य में 09-शोध पत्र,13-प्रकाशित पुस्तकें प्रकाशित गई की है तथा 06-संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबिनार/कार्यशाला आयोजित किए गए हैं

इसके अतिरिक्त 17-विशेष बातचीत/व्याख्यान/रेडियो-टीवी वार्तालाप, 3-पुरस्कार (सामाजिक या सरकारी), 5-संगठित संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबिनार/कार्यशाला, Nil-विदेशी विद्वानों के विदेशी दौरे/व्याख्यान व Nil-संस्थानों के साथ सहयोगात्मक गतिविधियाँ तथा 06-अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम/जानकारी का प्रस्तुतिकरण अथवा आयोजन किया गया है।

**विभागाध्यक्ष: प्रो. वी.के.सिंह**

**विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य:-**

1. प्रो. वी.के.सिंह
2. प्रो. पंकज मदान
3. डॉ. अनिल कुमार डंगवाल
4. डॉ. राजुल भारद्वाज
5. डॉ. आशीष आर्य
6. डॉ मिथिलेश कुमार पांडे
7. श्री कपिल पांडे
8. श्री रत्नेश कुमार शुक्ल

**कार्यक्रम आयोजित**

1. प्रकाशन कार्य/शोध कार्य

**ए:-शोध पत्र (8)**

| क्र0 सं0 | पेपर शीर्षक | लेखक/लेखकों का नाम | पत्रिका का नाम | वर्ष | आईएसएसएन नं0 | जर्नल की यूजीसी सूची में मान्यता के लिए लिंक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | खरीद व्यवहार पर सोशल मीडिया प्रभावितों की विश्वसनीयता को शामिल करना | शर्मा, एम., सहाय, पी., और वी.के. सिंह. | | 2022 | | http://doi.org/10.53730/ijhs.v6nS2.8030 |
| 2 | भारतीय बाजार में गतिशीलता के भविष्य की भविष्यवाणी करने के लिए व्यवहारिक कारक के साथ नवाचार ढांचे के प्रसार का उपयोग करना | सुभाष चंद्र अरोड़ा, मेघा शर्मा और विनोद कुमार सिंह। | पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान | 2022 | आईएसएसएन: 0944-1344 | https:www.springer.com/journal/11356 |
| 3 | संवर्धित वास्तविकता के साथ डिजिटल मार्केटिंग को बदलना | योगिता, आर और सिंह, वी.के | प्रबंधन और उद्यमिता जर्नल (जेएमई) | 2023 | आईएसएसएन:22295348 | https//:xime.org/jme-home |
| 4 | सेम का उपयोग करते हुए ओमनीचैनल खरीद इरादे पर प्रदर्शन विज्ञापन और ई-वूम | मित्तल, टी., धीमान। ए., मदन, पी. एवं शर्मा, के | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोफेशनल बिजनेस रिव्यू | 2023 | | https://www.scopus.com/sourceid/21101045037 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | की सहभागिता: एक आयु मॉडरेशन प्रभाव | | | | | |
| 5 | उद्योग 4.0 के युग में ओमनीचैनल ग्राहक अनुभव का भविष्य | तानिया मित्तल और पंकज मदान | एशियाई और प्रशांत आर्थिक समीक्षा | 2023 | | https://abdc.edu.au/abdc-journal-quality-list/ |
| 6 | वेदों में पचास वर्षों का शोध: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण | आहूजा, डी. और मदन, पी. | प्रबंधन: इंडियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट | 2022 | आईएसएसएन0: 9752854 | DOI:10.17010/PIJOM/2022v15i8.171526 |
| 7 | क्या उपयोग में आसानी से एम कॉमर्स अपनाने में सुधार हो सकता है? मोबाइल नेटवर्क सेवा गुणवत्ता की भूमिका | शर्मा, के और मदन, पी. | इंट. ऑनलाइन मार्केटिंग के जे | 2022 | आईएसएसएन0: 2126-1745 | DOI:10.4018/IJOM299394 |
| 8 | क्या पीढ़ीगत समूह विद्यार्थी की आत्म-प्रभावकारिता को प्रभावित करते हैं? सामाजिक समर्थन की मध्यम भूमिका | नरबरिया, एस., शाहीन, एम. और आर्य, ए | व्यवसाय उत्कृष्टता का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल | 2022 | आईएसएसएन0:.1000-6052 | |

**B: - Books Published (13)**

| क्र0 सं0 | शिक्षक का नाम | प्रकाशित पुस्तक/अध्याय का शीर्षक | पेपर शीर्षक | सम्मेलन का नाम | कार्यवाही का आईएसबीएन/ आईएसएसएन | प्रकाशक का नाम |
|---|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | नंबर | |
| 1. | वी.के.सिंह | बिक्री पेशेवरों के रूप में प्रभावों का उपयोग करना: एसएमई और स्टार्ट-अप के लिए एक रणनीति बिक्री पेशेवर के रूप में प्रभावों का उपयोग करना: एसएमई और स्टार्ट-अप के लिए एक रणनीति | बिक्री पेशेवरों के रूप में प्रभावों का उपयोग करना: एसएमई और स्टार्ट-अप के लिए एक रणनीति | | http://doi.org/10.1142/9289112392120013.9789811239225 | बुक-वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग, सिंगापुर |
| 2. | कपिल, पी., भट्ट, वी., और सिंह, वी.के | उद्योग शब्दजाल-भविष्य के विश्लेषकों के लिए विश्लेषण का एक त्वरित संदर्भ | - | - | आईएसबीएन 9789391597184. | मिशा किताबें |
| 3. | मेघा. एस,प्राची .एस और सिंह.वी. के | ई-प्लेटफ़ॉर्म-सैद्धांतिक रूप से अनुभवजन्य प्रयासों के माध्यम से मन बदलना | - | - | आईएसबीएन 9789391597061 | मिशा किताबें |
| 4 | प्रो. (डॉ.) पंकज मदान | उभरती प्रौद्योगिकी में जोखिमों का समसामयिक अध्ययन | फिनटेक विकास के लिए प्रेरकों को दर्शाने वाला वैचारिक ढांचा: भारत के लिए एक आउटलुक | - | आईएसबीएन: 978-1-80455-563-7, e आईएसबीएन: 978-1- | एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, बिंगले |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 80455-562-0 | |
| 5 | प्रो. (डॉ.) पंकज मदान | भविष्य की ई-कॉमर्स प्रणालियों के लिए अनुभवजन्य अनुसंधान: आधार और अनुप्रयोग | सोशल नेटवर्क पर ओमनी चैनल रिटेलर और उपभोक्ता जुड़ाव को चित्रित करें | - | आईएसबीएन 13: 9781668449691; आईएसबीएन 10: 1668449692 | आईजीआई ग्लोबल, यूएसए |
| 6 | शर्मा, के., मित्तल, टी. और मदन, पी. | वैश्विक अर्थशास्त्र में व्यवसाय और नवाचार क्षमता निर्माण की खोज। | यह बहुत मित्रतापूर्ण है!! आभासी दुनिया में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की स्वीकार्यता | - | आईएसबीएन 13: 9781668467664 | आईजीआई ग्लोबल, यूएसए |
| 7 | प्रो. (डॉ.) पंकज मदान | उद्योग 4.0 के लिए चुस्त नेतृत्व डिजिटल युग के लिए एक अपरिहार्य दृष्टिकोण | नेतृत्व संस्कृति का संस्थागतकरण (आईएलसी): सफल उद्योग 4.0 परिवर्तन की कुंजी। | - | **Hard** आईएसबीएन**:** 9781774911 87 | एप्पल एकेडमिक प्रेस, यूएसए |
| 8 | प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान | कॉर्पोरेट स्थायिता को आर्थिक, सामाजिक, और पर्यावरणीय प्रदर्शन में सुधार का एक उपकरण के रूप में | अनुसंधान में महिला सशक्तिकरण और एनजीओएस में बदलाव: स्कोपस सूचीबद्ध प्रकाशनों का एक गणनात्मक विश्लेषण (1993-2022) | - | आईएसबीएन 13: 9781668474228\|ISBN10: 1668474220\| आईएसबीएन 13 Softcover: 9 7816684742 | IGI Global |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 35\|E<br>आईएसबीएन<br>3: 97816684<br>74242 | |
| 9 | प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान | वैश्विक अर्थशास्त्र में व्यापार और नवाचार क्षमता निरीक्षण | यह बहुत ही दोस्ताना है!! सामाजिक मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की स्वीकृति वर्चुअल विश्व में | - | आईएसबीएन 13: 9781668 467664\|ISB N10: 166846 7666\|E आईएसबीएन 13: 9781668 467688\|ISB N13 Softcover: 9 7816684676 71 | IGI Global: DOI: 10.40 18/978-1-6684-6766-4.ch011 |
| 10 | प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान | ग्लोबल डिजिटलाइज्ड अर्थशास्त्र में स्मार्ट एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्थायी प्रदर्शन प्रबंधन | आर्थिक और वित्तीय विश्लेषण में समकालीन अध्ययन: मनी लॉन्ड्रिंग - 1990 से 2021 तक तीन दशकों की एक गणनात्मक समीक्षा | | आईएसबीएन:9 78-1-83753-417-<br>3 \|EISBN: 9 78-1-83753-416-6\| | एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, बिंग्ली: DOI: 10.1108/S1 569-375920230 00110B003 |
| 11 | प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान | उच्च शिक्षा का डिजिटलीकरण | डिजिटलीकृत उच्च शिक्षा के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट्स का आ से ज़ेड तक | - | आईएसबीएन हार्ड: 978-1-77491-414-4 | एपल एकेडेमिक प्रेस, संयुक्त राज्य अमेरिका। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 12 | पांडेय, एम.के. और मिश्रा, एम. | गुड्स एंड सर्विस टैक्स इन इंडियन इकॉनॉमी: एक विश्लेषण | जीएसटी के प्रभाव - इम्प्लीमेंटेशन के बाद भारतीय इकॉनॉमी पर | - | आईएसबीएन: . *9789391018115* | नालंदा प्रकाश, नई दिल्ली |
| 13 | कपिल, पी., भट्ट, वी., और सिंह, वी.के | इंडस्ट्री जार्गन - भविष्य के विश्लेषकों के लिए विश्लेषण के लिए एक त्वरित संदर्भ | | - | आईएसबीएन 9789391597184. | मिशा बुक्स, नई दिल्ली |

**सेमिनार / सम्मेलन / वेबीनार / वर्कशॉप:5**

| क्र0 सं0 | **शिक्षक का नाम** | **सेमिनार/कॉन्फ्रेंस का नाम** | **स्थान** |
|---|---|---|---|
| 1 | प्रोफ़ेसर वी. के. सिंह | वैश्विक परिवर्तन सुनिश्चितता सुनिश्चित करना: अवसर और चुनौतियाँ - **Augmented Reality** के साथ डिजिटल मार्केटिंग को परिवर्तित करना | भारत कला और वाणिज्य महाविद्यालय, हेंड्रीआडा, कुलगुआन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, बड़लापुर - **15** अप्रैल-**2023** |
| 2 | प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान: | स्थायी विकास लक्ष्यों का भूमिका व्यापार और आर्थिक परिवर्तन में | जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, इंदिरापुरम, गाजियाबाद |
| 3 | प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान: | प्रबंधनिक व्यापार प्रथाएँ और कोविड के बाद सिद्धांत | **के.आर.मंगलम विश्वविद्यालय**, **गुरुग्राम** |
| 4 | प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान: | वाणिज्य प्रबंधन, विज्ञान, और भाषाओं में उभरती समस्याएँ | **एन.डी.पी.एन.सी.ए. एंड सी**, **सांगली** |
| 5 | प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान: | सतत व्यापार विकास के लिए प्रबंधन में नए क्षेत्र | डॉ. डी. व्यापक प्रबंधन और अनुसंधान संस्थान, पुणे |

**विशेष वार्ताएँ/व्याख्यान/रेडियो-टीवी बातचीते: 17**

| क्र0 सं0 | **शिक्षक का नाम** | **सम्मेलन/सेमिनार/वर्कशॉप/संगोष्ठी अध्यक्ष/आमंत्रित वक्ता** |
|---|---|---|
| 1 | **प्रोफ़ेसर वी. के. सिंह** | 20 सितंबर 2022 को, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित एक-दिवसीय यूजीसी प्रायोजित ऑनलाइन कार्यशाला "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020" पर "प्रेरित, ऊर्जायुक्त, और सक्षम शिक्षक" पर वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। |
| 2 | **प्रोफ़ेसर वी. के. सिंह** | 23 सितंबर, 2022 को, गुरुकुल कांगड़ी दीम्ड टू बी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के एफईटी द्वारा आयोजित ए.आई.सी.टी.ई प्रायोजित एडवांस अटल फैकल्टी डेवेलपमेंट प्रोग्राम (एएफडीपी) "एकेडेमिक लीडरशिप" में ऑफलाइन मोड में वक्ता दिया। |
| 3 | **प्रोफ़ेसर वी. के. सिंह** | 23 नवंबर 2022 को, यूजीसी-ह्यूमन रिसोर्स डेवेलपमेंट सेंटर, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा आयोजित कॉमर्स और प्रबंधन में रिफ्रेशर कोर्स में "स्थायी विकास लक्ष्य - प्रबंधन में समृद्धि और समृद्धि सुनिश्चित करें" पर ऑनलाइन वक्ता दिया गया। |
| 4 | **प्रोफ़ेसर वी. के. सिंह** | 28 दिसंबर, 2022 को, मदरहुड विश्वविद्यालय, रुड़की द्वारा आयोजित "क्रिएटिविटी, इनोवेशन और एडवांस इन रिसर्च वर्ल्ड: आत्मनिर्भर भारत की रचना" अंतरराष्ट्रीय ई-कॉन्फ्रेंस में ऑनलाइन वक्ता दिया। |
| 5 | **प्रोफ़ेसर वी. के. सिंह** | **9** जनवरी **2023** को, यूजीसी-ह्यूमन रिसोर्स डेवेलपमेंट सेंटर, मुंबई यूनिवर्सिटी द्वारा समन्वित के.पी.बी हिनुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुंबई द्वारा आयोजित कॉमर्स, एकाउंटेंसी और प्रबंधन में रिफ्रेशर कोर्स में "फिनटेक इनोवेशन इन इंडिया: फिनटेक की महिलाओं को सशक्त करने में भूमिका" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया। |
| 6 | **प्रोफ़ेसर वी. के. सिंह** | **27-28** अप्रैल, **2023** को, गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा में "व्यापार में समकालीन प्रवृत्तियों और चुनौतियों" विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में |

| | | |
|---|---|---|
| | | मुख्य उद्घाटन भाषण दिया। |
| 7 | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | 21 फरवरी 2022 को, देव समाज कॉलेज फॉर वीमेन, चंडीगढ़ में "कुशल शिक्षण की कला और विज्ञान: रणनीतियाँ और विधियाँ" पर 5 दिनों के ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति। |
| 8 | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | 21 फरवरी 2022 को, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में "अनुसंधान, पेशेवर विकास और शैक्षिक नेतृत्व में प्रगति" पर 5 दिनों के ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति। |
| 9 | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | 2 मार्च 2022 को, श्री औरोबिंदो कॉलेज ऑफ कॉमर्स और मैनेजमेंट, लुधियाना, पंजाब में "केस स्टडीज का डिजाइन और वितरण" पर 2 दिनों के ऑनलाइन राष्ट्रीय वर्कशॉप में संसाधन व्यक्ति। |
| 10 | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | 27 अगस्त 2022 को, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिनों के राष्ट्रीय सेमिनार में सत्र चेयर में। |
| 11 | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | 5 से 13 अप्रैल 2022 को, जी के विश्वविद्यालय, हरिद्वार में 10 दिनों के शिक्षक परिचय प्रोग्राम में संसाधन व्यक्ति। |
| 12 | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | 21 नवंबर 2022 को, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में "उत्तराखंड संस्कृत शिक्षकों और विद्वानों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण" पर 5 दिनों के ऑनलाइन कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति। |
| 13 | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | 19 नवंबर 2022 को, इंडो-गल्फ मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा आयोजित यूएई में "फर्स्ट जनरेशन बिजनेस" पर इंडो गल्फ टीवी शो के कीवनोट वक्ता। |

| | | |
|---|---|---|
| | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | 21 नवंबर 2022 को, ग्राफिक इयरा विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड में 2 हफ्ते के ए.आई.सी.टी.ई प्रायोजित एटल एफडीपी (ऑनलाइन + ऑफलाइन) कार्यशाला "सस्टेनेबल फ्यूचर के लिए डिजिटल सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स 4.0" में संसाधन व्यक्ति। |
| 14 | | |
| | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | 24 मार्च 2023 को, एम.जे.पी. रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित "उद्यमिता विकास: पाँच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का मार्गनिर्देश" पर कीनोट स्पीकर। |
| 15 | | |
| | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | **5 मई 2023 को, चितकरा विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में "रिसर्च द्वारा नेतृत्व" पर आमंत्रित वार्ता देने जा रहे हैं।** |
| 16 | | |
| | **प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान:** | **मीडिया अनुभव: 19 नवंबर 2022 को, यूएई में इंडो-गल्फ मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा आयोजित "फर्स्ट जनरेशन बिजनेस" पर इंडो गल्फ टीवी शो के कीवनोट वक्ता।** |
| 17 | | |

1. प्रोफ़ेसर वी.के. सिंह को **4** सितंबर **2022** को शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. निशंक, भारत के पूर्व शिक्षा मंत्री द्वारा अकादमिक योगदान और उत्कृष्टता के लिए हरिद्वार नागरिक मंच और इंटरनेशनल गुडविल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा पुरस्कृत किया गया।
2. प्रोफ़ेसर वी.के. सिंह को **5** सितंबर **2022** को पुणे, महाराष्ट्र में बहुउद्देशीय शिक्षण और संघटित प्रदर्शन के लिए ठेकेदार प्रदर्शन के लिए लेक्सिकन ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा पुरस्कृत किया गया।
3. पुरस्कार: (सामाजिक या सरकारी) **(1)** आईआईसी के लिए अत्याधुनिक सेवाएँ, जो डॉ. राजुल भारद्वाज को **26** जनवरी **2022** को पुरस्कृत किया गया।

1. **सेमिनार/कॉन्फ्रेंस/वेबिनार/वर्कशॉप का आयोजन (6)**

| S.n0 | वर्ष | कार्यशाला/सेमिनार का नाम, | प्रतिभागियों की संख्या, | तिथि से – तक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2022 | ए.आई.सी.टी.ई एडवांस एटल एफडीपी "एकेडेमिक लीडरशिप" पर; एफ.ई.टी., जी.के.वी. (समन्वयक के रूप में) | 300 | 19th-30th Sep.2022 |
| 2 | 2022 | दो दिन का ऑनलाइन कार्यशाला "उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम" पर | 200 | 18/10/2022 to 19/10/2022. |
| 3 | 2022 | राष्ट्रीय वेबनार "कॉर्पोरेट लीगल सलाह सेवा: भारत में नौकरी के अवसर" पर | 170 | 9/11/2022. |
| 4 | 2023 | एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला "आत्म और अन्यों के जागरूकता: एचआर की दृष्टि से वित्तीय जागरूकता और उपभोक्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम" | 180 | 9/03/ 2023. |
| 5 | 2023 | फ.एम.एस द्वारा आयोजित छात्र स्वास्थ्य शिविर | 100 | 24/02/2023 |
| 6 | 2023 | एफएमएस द्वारा आयोजित छात्र स्वास्थ्य शिविर | 500 | 17/03/2023 |
| 7 | 2023 | पर्यावरणीय जीवनशैली के प्रभाव पर उपभोक्ता सुरक्षा कानूनों पर आयोजित एलोक्यूशन प्रतियोगिता | 50 | 30/05/2023 |

1. विदेशी विद्वानों की विदेश यात्राएँ/व्याख्यान: शून्य
2. **अन्य संस्थानों के साथ सहयोगात्मक गतिविधियाँ: शून्य**

3. **अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम/जानकारी: (4)**

| क्र0 सं0 | "शिक्षक का नाम" | "क्रियावली" |
|---|---|---|
| 1. | प्रोफ़ेसर वी. के. सिंह | पेटेंट: आवेदन संख्या 202211016094, भारत/पेटेंट संख्या 3021 के तहत, "ग्राहक संतुष्टि को बढ़ाने के लिए पर्यटन व्यापार के लिए एक प्रणाली और विधि" पर 23 मार्च 2022 को आवेदन किया गया, जिसमें आठ अन्य सह-लेखक शामिल हैं और प्रकाशित तिथि 17/6/22 है। (प्रकाशित) |

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| | | पेटेंट: आवेदन संख्या 202211064304, भारत/पेटेंट संख्या 3021 के तहत, "आईओटी और क्लाउड कंप्यूटिंग के संबंधित तकनीक के साथ एक नवाचारी हृदय स्वास्थ्य मॉनिटरिंग सिस्टम" पर 10 दिसम्बर 2022 को आवेदन किया गया, जिसमें आठ अन्य सह-लेखक शामिल हैं और प्रकाशित तिथि 17/12/22 है। (प्रकाशित) |
| 2. | प्रोफ़ेसर वी. के. सिंह<br>प्रोफ़ेसर (डॉ.) पंकज मदान: | विस्तार क्रियाएँ: 14 फरवरी 2022: माइक्रो अवलोकनकर्ता के रूप में - उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2022, हरिद्वार ग्रामीण संसदीय क्षेत्र में। |
| 3 | डॉ. राजुल भारद्वाज | प्रथम शिक्षा संस्थान के द्वारा गाँवों में शिक्षा की स्थिति का पता लगाने के लिए सलाहकार परियोजना। अप्रैल 2023 में पूर्ण हुआ। |
| 4 | | |

अनुसंधान परियोजनाएँ मंजूर: शून्य

चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ: शून्य

अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्राप्त राशि: शून्य

# प्रबंधन विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर, गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार

गुरुकुलकांगड़ीसमविश्वविद्यालयहरिद्वारमेंप्रबंधनअध्ययनविभाग (डीएमएस) कीस्थापनावर्ष 1996
मेंछात्राओंकेलिएकीगईथी।डीएमएसवर्तमानमेंप्रबंधनपेशेवरोंकेपोषणऔरविकासकेउद्देश्यसेदोपूर्णकालिकस्नातकोत्तरकार्यक्रम - एमबीएऔरएमबीए (बिजनेसइकोनॉमिक्स) औरएकअंडरग्रेजुएटकोर्स, बीबीए (बैचलरऑफबिजनेसएडमिनिस्ट्रेशन)
चलारहाहै।पाठ्यक्रमोंकापाठ्यक्रमउद्योगसंचालितहैऔरछात्रोंकोहमेशाबदलतेकारोबारीमाहौलकेलिएतैयारकरताहै।फोकसनकेवलप्रसिद्धकॉर्पोरेटघरानोंमेंप्लेसमेंटप्राप्तकरनाहै,
बल्किभारतकीआत्मनिर्भरभारतकीआर्थिकदृष्टिकेमद्देनजरउद्यमिताकीभावनाविकसितकरनाभीहै।प्रबंधनकार्यक्रम छात्रोंकोव्यावसायिकअधिकारियोंकेरूपमेंउत्कृष्टताप्राप्तकरनेकेलिएआवश्यककौशलविकसितकरनेमेंमददकरतेहैं, जैसेबड़ीमात्रामेंजानकारीकात्वरितऔरसटीकविश्लेषणकरनेकीक्षमता।येकार्यक्रमछात्रोंकोयहभीसिखातेहैंकिलोगोंकोकैसेप्रेरितऔरप्रेरितकियाजाएऔरसम्मानकैसेप्राप्तकियाजाए,
ऐसेकौशलजोटीमवर्कऔरमहत्वाकांक्षीव्यावसायिकपरियोजनाओंसेनिपटनेकेलिएमहत्वपूर्णहैं।

डीएमएसअपनेछात्रोंकोनवीनतमतकनीकसेसुसज्जितसर्वोत्तमबुनियादीसुविधाओंकेसाथगुणवत्तापूर्णशिक्षा प्रदानकरताहै।विभागकाउद्देश्यछात्रोंकोगुणवत्तापूर्णशिक्षाऔरअत्याधुनिकप्रशिक्षणप्रदानकरना,
उन्हेंव्यवसायप्रबंधनऔरकॉर्पोरेटवातावरणकेवर्तमानऔरविकासशीलक्षेत्रोंसेपरिचितकरानाहै।विभागमेंअत्याधुनिक सुविधाएंऔरअत्यधिकसमर्पित, बहु-विषयकऔरप्रतिबद्धसंकायहैं।डीएमएस, गुरुकुलकांगड़ीसमविश्वविद्यालयहरिद्वारसेस्नातककरनेवालेछात्रअमानजीटेक्नोलॉजीजप्राइवेटलिमिटेड,
गोदरेजएंडबॉयसएमएफजीकंपनीलिमिटेड, एडवांटेकसर्विसेजइंडियाप्राइवेटलिमिटेड, एचडीएफसीबैंक, एक्सिसबैंक,
आईसीआईसीआईबैंकजैसेप्रतिष्ठितकॉर्पोरेटघरानोंमेंकामकररहेहैंऔरआगेबढ़रहेहैं।उनकेकरियरमेंतेजीसेवृद्धिहुईहै। डीएमएसप्रतिष्ठितशिक्षणऔरअनुसंधानसंस्थानोंमेंसेएकहैजोछात्रोंकोभारतीयलोकाचारकेसंदर्भमेंउद्योगकीबदलती आवश्यकताओंकाजवाबदेनेमेंसक्षमबनानेकेलिएमूल्यआधारितगुणवत्तापूर्णशिक्षाप्रदानकरताहै।डीएमएसकेपासउद्योगऔरशिक्षाविदोंमेंव्यापकविशेषज्ञतावालेअनुभवीसंकायसदस्योंकेरूपमेंउत्कृष्टबौद्धिकसंपदाहै।विभागकामजबूत उद्योगशैक्षणिकबंधनऔरइसकेसंकायसदस्योंकासमृद्धअनुभवशिक्षाविदोंकेसाथ-
साथव्यक्तित्वविकासकेलिएएकउत्कृष्टशिक्षणमंचबनाताहै।विभागसर्वोत्तमसमर्पणऔरअनुशासनकोअपनानेवालेसक्षमसंकायद्वाराचलायजाताहै।डीएमएसकोईअंतिमगंतव्यनहींहैबल्किएकपरिवर्तनकारीअनुभवहैजोछात्रोंकोआनेवालेवर्षोंमेंप्रभावडालनेमेंमददकरताहै।

1. संकायसदस्योंकीसंख्या: 05

प्रो (डॉ) बिंदुअरोड़ा (प्रभारी)
प्रोसुरेखाराणा
डॉ. पूनमपैन्यूली
डॉ. इंदुगौतम
डॉ. आशिमागर्ग
2.आयोजितकार्यशालाओंकीसंख्या: 05
3.एमओयू:01

4. सेमिनारों/कार्यशालाओंमेंभागलेनेवालोंकीसंख्या
प्रो (डॉ) बिंदुअरोड़ा (05)
प्रोसुरेखाराणा (04)
डॉ. इंदुगौतम (04)
डॉ. आशिमागर्ग (03)

5. प्रकाशनोंकीसंख्या
प्रो (डॉ) बिंदुअरोड़ा (02)
प्रोसुरेखाराणा (02)
डॉ. पूनमपैन्यूली (03)
डॉ. इंदुगौतम (02)
डॉ. आशिमागर्ग (04)

6. विभागमेंआयोजितअतिथिव्याख्यानोंकीसंख्याः 07

7. अन्यसंस्थानोंमेंसंकायसदस्योंद्वाराअतिथिव्याख्यानकीसंख्या
प्रो (डॉ) बिंदुअरोड़ा (01)
प्रोसुरेखाराणा (03)
डॉ. पूनमपैन्यूली (01)
डॉ. इंदुगौतम (02)
डॉ. आशिमागर्ग (01)

8. शोधार्थियोंकीसंख्या
प्रो (डॉ) बिंदुअरोड़ा (05)
प्रोसुरेखाराणा (04)
डॉ. पूनमपैन्यूली (03)

# कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग
# इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय
# स्थापना (वर्ष): 2000

**वार्षिक विवरण 2022-23**
**01 जुलाई 2022 - 30 जून 2023**

**विभागीय विवरण**

विभाग की स्थापना वर्ष 2000 में भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान का मौलिक ज्ञान प्रदान करने और बी. टेक छात्रों को गणित का अच्छा ज्ञान प्रदान करने के लिए की गई थी। विभाग का लक्ष्य एक आशाजनक और चुनौतीपूर्ण कैरियर के साथ साथ विश्वस्तरीय और निपुण छात्रों का निर्माण करना और परिणाम आधारित अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। हमारा उद्देश्य छात्रों को नैतिकता के साथ पारंपरिक और आधुनिक ज्ञान के बारे में शिक्षित करना है। अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों के स्नातक छात्रों को भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित में मुख्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है और इसका उद्देश्य विषय का मौलिक ज्ञान प्रदान करना है। विभाग अपने प्रथम वर्ष में सभी इंजीनियरिंग विषयों के लिए इंजीनियरिंग भौतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इंजीनियरिंग भौतिक विज्ञान, प्रकाशिकी, क्वांटम भौतिकी, पदार्थ विज्ञान, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी, ठोस-अवस्था भौतिकी आदि का मौलिक ज्ञान प्रदान करता है। इंजीनियरिंग रसायन विज्ञान, रासायनिक संबंध, आवर्ती गुणों, रासायनिक गतिकी, पॉलिमर, नैनोकैमिस्ट्री, कार्बनिक प्रतिक्रियाओं और कुछ सामान्य दवाओं के संश्लेषण की मौलिक अवधारणाएं प्रदान करता है।

इंजीनियरिंग गणित 7वें सेमेस्टर तक विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों के स्नातक छात्रों को पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम में कैलकुलस, डिफरेंशियल इक्वेशन, लाप्लास ट्रांसफॉर्म, फूरियर ट्रांसफॉर्म, जेड ट्रांसफॉर्म, फजी गणित, संभाव्यता, संख्यात्मक तरीके, असतत संरचना और ग्राफ सिद्धांत जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यह छात्रों को कम्प्यूटेशनल तकनीकों, अलग संरचना और सांख्यिकीय परीक्षण के ज्ञान को बढ़ाने में मदद करता है। विभाग का उद्देश्य नियमित शिक्षण के माध्यम से मजबूत वैज्ञानिक पृष्ठभूमि, रचनात्मक सोच और समस्या निवारण कौशल वाले इंजीनियरों को तैयार करना है। विभाग में वर्तमान में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित से संबंधित क्षेत्रो में बहु-विषयक शिक्षक 07 सुयोग्य एवं अनुभवी शिक्षक सदस्य हैं। इनमें दो एसोसिएट प्रोफेसर और पांच असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल है।

**विभागाध्यक्ष: डॉ. सुनील पंवार (अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग)**

**विभाग के शिक्षक सदस्य**

1. डॉ. सुनील पंवार (भौतिक विज्ञान)
2. डॉ. मुरली मनोहर तिवारी (रसायन विज्ञान)
3. डॉ. विवेक गोयल (गणित)
4. डॉ. देवेन्द्र सिंह (भौतिक विज्ञान)

5. डॉ. अजय कुमार (रसायन विज्ञान)
6. डॉ. लोकेश कुमार जोशी (गणित)

**शिक्षकेत्तर कर्मचारी**

1. श्री. मनु गुप्ता (लैब तकनीशियन, भौतिक विज्ञान)
2. श्री. दीपक कुमार (लैब अटेंडेंट, भौतिक विज्ञान)
3. श्री. पंकज सिंह (लैब तकनीशियन, रसायन विज्ञान)
4. श्री. दीपक नेगी (लैब अटेंडेंट, रसायन विज्ञान)

**विभाग के शिक्षक सदस्यों की शैक्षणिक उपलब्धियाँ :**

1. यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या आइ एफ केसाथः 05
2. राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की कार्यवाही में प्रकाशित प्रकाशनों की संख्याः 02
3. प्रकाशित पुस्तक/संपादित पुस्तक/पुस्तक अध्याय की संख्याः 01
4. प्रकाशित पेटेंट की संख्याः 0
5. राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों में प्रस्तुत पत्रों की संख्यारू 10
6. अनुसंधान परियोजनाओं(पूर्ण/चालू) की संख्याः 02
7. उपस्थित एफडीपी/एसटीसी/कार्यशाला की संख्याः 06
8. विभाग में आयोजित कार्यक्रम की संख्याः 01

**अनुलग्नक-1: यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्याः 05**

1. एम.एम. तिवारी, विवेक गोयल, फहीम अहमद, पर्यावरण, आध्यात्मिकता और स्वास्थ्य विज्ञान की स्थितिः एक सिंहावलोकन। पर्यावरण संरक्षण जर्नल, 23(3)ः 471-478 (2022)
2. अंकुर कुमार, देवेन्द्र सिंह, पूनम सेमवाल, तुषार कंडारी, कुलदीप सिंह, मनीष जोशी, प्रखर सिंह, बागेश्वर, भारत की स्थानीय आबादी पर रेडियोलॉजिकल एक्सपोज़र के पहलू में दो अलग-अलग जल संसाधनों का तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ़ रेडियोएनालिटिकल एंड न्यूक्लियर केमिस्ट्री, 331(4)ः 1941-1949 (2022)
3. सुप्रिया दुबे, आभा शुक्ला, ऋषि कुमार शुक्ला, अजय कुमार, स्वाति वत्स और प्रियंका पोखरियाल, हेटेरोस्पाथे इलाटा फल से हरे विलायक और हेक्सेन द्वारा निकाले गए बायोएक्टिव लिपिड का तुलनात्मक अध्ययन और लक्षण वर्णन। बायोमेडिकल और फार्माकोलॉजी जर्नल, खंड 16, संख्या 4, 2023 (स्वीकृत पांडुलिपि, स्कोपस अनुक्रमित, उद्धरण स्कोर = 1.5)
4. अजय कुमार, आभा शुक्ला, सुप्रिया दुबे, कर्कुमा एरोमेटिका सैलिसबरू इसकी रासायनिक प्रोफ़ाइल और जैविक गतिविधियों पर एक अद्यतन। राष्ट्रीय अकादमी विज्ञान पत्र (2023) (स्कोपस अनुक्रमित, उद्धरण स्कोर = 1.1)

5. छवि पी. पांडे, विनीत आहूजा, लोकेश के. जोशी, हेमवती नंदन, पश्चिमी भारतीय हिमालयी राज्य, उत्तराखंड में वर्षा और तापमान का चरम मूल्य विश्लेषण। जर्नल ऑफ़ अर्थ सिस्टम साइंस, 132 (2), 48 (2023) (उद्धरण स्कोर = 1.9)

**अनुलग्नक-2 : राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की कार्यवाही में प्रकाशित प्रकाशनों की संख्याः 02**

1. सुनील पंवार, ''एंडरसन लैटिस की इलेक्ट्रॉनिक विशिष्ट गर्मी पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभावरू सीएमआर मैंगनाइट्स के लिए एक अनुप्रयोग 22-24 सितंबर, 2022 के दौरान हरित प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहीः मुद्दे और चुनौतियां (आईसीजीटी 2022) द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान विभाग, सीसीएसयू, मेरठ (प्रकाशनाधीन)।
2. सुनील पंवार, ''विशाल मैग्नेटो-प्रतिरोधक मैंगनिटीज (त्म1.ग ।ग डदव्3) के परिवहन गुणों पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव एप्लाइड साइंसेज में उभरते रुझानों पर वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ईटीएएस) कार्यवाही पुस्तक, नवंबर, 2022, पृष्ठ संख्यारू 199-204. आईएसबीएनः 978-81-956057-0-3.

**अनुलग्नक-3 प्रकाशित पुस्तक अध्यायों की संख्याः 01**

1. डॉ. अजय कुमार द्वारा लिखित एक पुस्तक अध्याय ''फाइटोकेमिस्ट्री, फार्माकोलॉजी और एथनोमेडिसिनल एप्लीकेशन ऑफ करकुमा ज़ेडोरिया (क्रिसमस) रोस्क'' वेसर पब्लिकेशन (इंटरनेशनल पब्लिकेशन), जर्मनी (2023) द्वारा "रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति (खंड-2)" नामक संपादित पुस्तक में स्वीकार किया गया है। आईएसबीएनः 978-3-96492-525-1.

**अनुलग्नक-4 : राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों में प्रस्तुत पत्रों की संख्याः 10**

1. डॉ. सुनील पंवार ने 22-24 सितंबर, 2023 को रसायन विज्ञान विभाग, सीसीएसयू, मेरठ द्वारा हरित प्रौद्योगिकीः मुद्दे और चुनौतियां (आईसीजीटी 2022) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सीएमआर मैंगनीज की इलेक्ट्रॉनिक विशिष्ट गर्मी पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. डॉ. सुनील पंवार ने17 अक्टूबर, 2022 को भौतिकी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''नैनोकम्पोजिट्स के संश्लेषण और लक्षण वर्णन और उपयोगकर्ता परिचित कार्यक्रम पर राष्ट्रीय कार्यशाला में ''नैनोकम्पोजिट्स और उपयोगकर्ता परिचित कार्यक्रम के संश्लेषण और लक्षण वर्णन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
3. डॉ. सुनील पंवार ने 16-18 मार्च, 2023 के मध्य होलकर (मॉडल ऑटोनॉमस) साइंस कॉलेज, इंदौर मैं भारतसरकार द्वारा आयोजित ''भौतिकी और सामग्री के रसायन विज्ञान (एनसीपीसीएम-2023) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सीएमआर मैंगनाइट्स की थर्माइलेक्ट्रिक शक्ति पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
4. डॉ. सुनील पंवार ने 29-31 मार्च, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार, द्वारा आयोजित भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वैदिक युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग की खोज पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

5. डॉ. एम.एम. तिवारी ने 29-31 मार्च, 2023 के मध्य गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वैदिक युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग की खोज पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

6. डॉ. देवेन्द्र सिंह ने 2-4 मार्च, 2023 के मध्य भौतिकी विभाग, डॉल्फिन इंस्टीट्यूट ऑफ बायो-मेडिकल एंड नेचुरल साइंसेज, देहरादून, द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारतीय हिमालय की तलहटी की मिट्टी से रेडॉन मास एक्सहेलेशन और थोरोन सतह एक्सहेलेशन का आकलन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

7. डॉ. देवेन्द्र सिंह ने 19 मार्च, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वैदिक भौतिकी का महत्वः प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक सिद्धांतों और आधुनिक समय में उनकी प्रासंगिकता पर एक साहित्य समीक्षा विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

8. डॉ. देवेन्द्र सिंह ने 29-31 मार्च, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मस्तिष्क पर विद्युत चुम्बकीय क्षेत्रों के संपर्क का प्रभाव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

9. डॉ. अजय कुमार ने 29-31 मार्च, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित "भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''करकुमा अमाडा रॉक्सब से प्राप्त आवश्यक तेल की रासायनिक संरचना पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

10. डॉ. लोकेश कुमार जोशी ने 29-31 मार्च, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित "भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वैदिक गणित और इंजीनियरिंग में इसके अनुप्रयोग पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

**अनुलग्नक-5 : पूर्ण/चालू अनुसंधान परियोजनाओं की संख्याः 02**

1. डॉ. अजय कुमार यूकोस्ट, देहरादून द्वारा जनवरी 2022 में स्वीकृत 3.50 लाख रुपये की एक अनुसंधान परियोजना ''उत्तराखंड के विभिन्न ऊंचाई वाले क्षेत्रों से अदरक के आवश्यक तेलों के फाइटोकेमिकल प्रोफाइल का एक अध्ययन पर कार्य कर रहे हैं।

2. डॉ. लोकेश कुमार जोशी ने यूएसईआरसी द्वारा स्वीकृत 3.88 लाख रुपये की एक अनुसंधान परियोजना ''उत्तराखंड के विशेष संदर्भ में उत्तर पश्चिमी हिमालय पर वर्षा, तापमान और बादल आवरण का सांख्यिकीय विश्लेषण को पूर्ण किया।

**अनुलग्नक-6 : उपस्थित एफडीपी/एसटीसी/कार्यशाला की संख्याः 06**

1. डॉ. सुनील पंवार ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

2. डॉ. एम.एम. तिवारी ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में आयोजित ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

3. डॉ. विवेक गोयल ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

4. डॉ. देवेन्द्र सिंह ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में आयोजित ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

5. डॉ. अजय कुमार ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

6. डॉ. लोकेश कुमार जोशी ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

**अनुलग्नक-7 : आयोजित कार्यक्रम: 01**

1. डॉ. लोकेश जोशी ने 13-18 मार्च , 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में यूएसईआरसी, देहरादून के सहयोग से ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। (स्वीकृत अनुदानरू रु. 1,75,000/-).

# इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग
# इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट (2022-23)
01 जुलाई 2022- 30 जून 2023

**विभाग के बारे में:**

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम एक ऐसी चीज़ है जिसे हम हल्के में लेते हैं। हम सेलफोन, कंप्यूटर, फिटनेस सेंसर, नेविगेशन सिस्टम और वीडियो गेम का उपयोग एक प्राकृतिक चीज़ की तरह करते हैं। लेकिन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के बिना, हमारे आस पास का कोई भी इलेक्ट्रॉनिक्स काम नहीं करता।

इलेक्ट्रॉनिक और संचार इंजीनियरिंग विभाग (ईसीई) इस तकनीक के आगे के विकास के लिए शिक्षण और अनुसंधान करता है। उन्नत संचार समाधान, ऊर्जा दक्षता और भंडारण क्षमता के लिए आज और कल की आवश्यकताएं माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, वायरलेस तकनीक, नेविगेशन, सिग्नल और इमेजप्रोसेसिंग, आवाज और संगीत प्रौद्योगिकी और नैनोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में विभाग के काम की नींव रखती हैं।

इलेक्ट्रॉनिक और संचार इंजीनियरिंग विभाग इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय), हरिद्वार में पांच विभागों में से एक है। संकाय श्रद्धानंदपुरम, बहादराबाद हरिद्वार में स्थित है।

विभाग की स्थापना 2001 में हुई थी। यह FET का अग्रणी विभाग था। विभाग की शुरुआत 30 सीटों के साथ की गई थी लेकिन अपनी स्थापना के बाद से यह सबसे अच्छा विभाग रहा है और अब इस की सीटें बढ़कर 115 हो गई हैं।

**विभागाध्यक्ष: डॉ. विपुल शर्मा**

**विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य:**

1. डॉ तनुज गर्ग
2. डॉ गोरव कुमार मलिक
3. डॉ. आशीष नैनवाल
4. श्री अनुज कुमार शर्मा
5. श्री शिव कुमार सिंह
6. श्री प्रतीक अग्रवाल

7.डॉ. अतुल वार्ष्णेय

8. श्री अमरीश

9. डॉ विवेक आर्य

1. प्रकाशन कार्य/अनुसंधान कार्य
    A. प्रकाशित शोध पत्र की संख्या:19 (अनुलग्नक-1)
    B. संख्या परियोजना पूर्ण/चालू: 01 (अनुलग्नक-2)
2. सेमिनार/सम्मेलन/वेबिनार/कार्यशाला में प्रस्तुत पेपर: 07 (अनुलग्नक-3)
3. सोसायटी या सरकार से पुरस्कार: शून्य
4. आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/वेबिनार/कार्यशाला की संख्या: 03 (अनुलग्नक-4)
5. कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी: (अनुलग्नक-5)
    1. पुस्तक अध्याय प्रकाशित:- 05
    2. विभाग द्वारा प्रकाशित/प्रदत्त पेटेंटों की सूचीः 02
    3. संकाय द्वारा भाग लिया गया एफडीपी/एसटीसी/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम:- 03
    4. सम्मलेन पूर्ण लंबाई का पेपर प्रकाशित: 01
    5. संकायों द्वारा दिया गया आमंत्रित व्याख्यान: 05

**शोध प्रकाशनों का विवरण**

1. वार्ष्णेय, ए., शर्मा, वी., और अग्रवाल, ए. (2023)। माइक्रोवेव और एमएम-वेव संचार के लिए अगली पीढ़ी के एमएस-टू-आरडब्ल्यूजी इंटरकनेक्ट्स, आरएफ एनर्जी लॉन्चर@140 गीगाहर्ट्ज के रूप में माइक्रोस्ट्रिप एंटीना का उपयोग करते हुए। जर्नल ऑफ़ द इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियर्स (इंडिया): सीरीज़ बी, 1-8।
2. वार्ष्णेय, ए., और शर्मा, वी. (2023)। उपग्रह और राडार संचार के लिए मिटर्ड एंड टेपर का उपयोग करके एयरोडायनामिक स्लॉटेड एसआईडब्ल्यू-टू-एमएस लाइन संक्रमण। इंजीनियरिंग के विश्व जर्नल.
3. वार्ष्णेय, ए., शर्मा, वी., नायक, सी., गोयल, ए.के., और मसूद, वाई. (2023)। K-/Ka-/Q-/U-बैंड अनुप्रयोगों के लिए एक कम-नुकसान प्रतिबाधा ट्रांसफार्मर-कम मछली-पूंछ के आकार का एमएस-टू-डब्ल्यूजी संक्रमण। इलेक्ट्रॉनिक्स, 12(3), 670.
4. वार्ष्णेय, ए., शर्मा, वी., एल्फेरगानी, आई., ज़ेबिरी, सी., वुजिकिक, जेड., और रोड्रिग्ज, जे. (2022)। सैटेलाइट अनुप्रयोगों के लिए 60 गीगाहर्ट्ज़ पर आरएफ ऊर्जा लॉन्चर के रूप में एंटीपोडल डिपोल एंटीना का उपयोग करते हुए एक इनलाइन वी-बैंड डब्ल्यूआर -15 संक्रमण। इलेक्ट्रॉनिक्स, 11(23), 3860।
5. एल्फेरगनी, आई., वार्ष्णेय, ए., शर्मा, वी., कन्नन, एस.आर., उदयकुमार, आर., ज़ेबिरी, सी., ... और अब्द-अलहमीद, आर. (2023)। माइक्रोवेव प्रयोगशाला और एक्स-बैंड अनुप्रयोगों के लिए एक आर्थिक लो-प्रोफाइल अण्डाकार माइक्रोस्ट्रिप एंटीना-टू-आरडब्ल्यूजी संक्रमण।

6. वार्ष्णेय, ए., और शर्मा, वी. (2023)। आईएसएम और पीसीएस कम्युनिकेशंस के लिए नॉच-बैंड एलिमिनेटर वाइडबैंड सीएसआरआर लोडेड मोनोपोल फ्रैक्टल एंटीना। इंजीनियरिंग के विश्व जर्नल.
7. वार्ष्णेय, ए., कुमारी, पी., प्रधान, डी., और साहू, पी.के. (2023)। इलेक्ट्रॉनिक्स वायरलेस सेंसर अनुप्रयोगों के लिए हाइब्रिड βΩ-इंडेक्सिंग फ्रैक्टल स्लॉटेड मल्टीबैंड एंटीना।
2. 8.डायना एंड्रूशिया, ए., मैरी नीभा, टी., ट्रेफेना पेट्रीसिया, ए., उमादेवी, एस., आनंद, एन., और वार्ष्णेय, ए. (2023)। कनवल्शनल कैप्सूल नेटवर्क का उपयोग करके अंगूर की पत्तियों में छवि-आधारित रोग वर्गीकरण। सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 27(3), 1457-1470।
8. नीभा, टी.एम., एंड्रूशिया, ए.डी., मालिन ब्रंथा, पी., वार्ष्णेय, ए., मंजीत, आर., और धनसेकर, एस. (2023)। कृत्रिम ट्रांसमिशन लाइन लोडिंग तकनीक पर आधारित लघु सी-आकार के एंटीना के डिजाइन पर। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें और अनुप्रयोग जर्नल, 1-13।
9. वार्ष्णेय, ए. (2023)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित ई-स्वास्थ्य अनुप्रयोगों में चुनौतियों और सीमाओं पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा। जुनिपर प्रकाशक।
10. आर्य, वी., गर्ग, टी., और अल-खफाजी, एच.एम.आर. (2023)। हाई गेन और वाइड-एंगल सतत बीम स्कैनिंग एसआईडब्ल्यू लीकी-वेव एंटीना। इलेक्ट्रॉनिक्स, 12(2), 370.
11. आर्य, वी., गर्ग, टी., और अल-खफाजी, एच.एम.आर. (2023)। THz अनुप्रयोगों के लिए SIW लीकी वेव एंटीना। इलेक्ट्रॉनिक्स, 12(8), 1839.
12. आर्य, वी., चौबे, एच., शर्मा, एस., चेन, टी. वाई., और ली, सी. सी. (2022)। छवि संवर्धन और सिग्मॉइड फ़ंक्शन और 2डी-डीसीटी का उपयोग करके इलेक्ट्रॉन सूक्ष्म छवियों का निष्कर्षण। आईईईई एक्सेस, 10, 76742-76751।
13. कुमारी, एम., नारायण, वाई., और आर्य, वी. (2023)। विशिष्ट मौसम स्थितियों के तहत संशोधित एनजेडसीसी कोड को नियोजित करने वाले हाइब्रिड पीओएन-एफएसओ सिस्टम का डिजाइन और जांच। उभरती दूरसंचार प्रौद्योगिकियों पर लेनदेन, 34(2), ई4699।
14. नारायण, वाई, रमन आर., शर्मा, ए., सोनी, एस. चंद्रा, पी., गुप्ता, ए. (2023)। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) तकनीक का उपयोग करके स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली का डिजाइन और कार्यान्वयन। यूरोपीय रासायनिक बुलेटिन, 12(5),417-434।
15. शर्मा, ए.के., शर्मा, वी., सिंह, एस.के., गर्ग, टी., और सिंह, एस. (2023)। फ्रैक्टल ऐरे एंटीना: अत्याधुनिक स्थिति की समीक्षा। यूरोपीय रासायनिक बुलेटिन, ,12(7),1460-1474।
16. कुमार, एस., सिंह, जे., फोर, वी., और कुमार, ए. (2023)। घरेलू माइक्रोवेव सेट अप के साथ करंजा तेल से बायोडीजल संश्लेषण में एएनएफआईएस, एएनएन और आरएसएम का प्रदर्शन मूल्यांकन। मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग, 1-17.
17. अग्रवाल, पी., कुमार गर्ग, टी., और कुमार, ए. (2023)। न्यूनतम हार्डवेयर और तेज़ स्विचिंग के लिए विभिन्न FPGA पर 3D NoC राउटर चिप का विश्लेषण। राष्ट्रीय अकादमी विज्ञान पत्र, 1-5.
18. अग्रवाल, पी., कुमार गर्ग, टी., और कुमार, ए. (2023)। प्रभावी संचार के लिए 2डी राउटर चिप डिजाइन, विश्लेषण और सिमुलेशन। सूचना विज्ञान और संचार प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 225-235।

अनुलग्नक-2

1. डॉ. तनुज गर्ग को डीआरडीओ द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना से सम्मानित किया गया है जिसका शीर्षक है "एक निश्चित आवृत्ति पर एक्स-कू में लीकी वेव एंटीना में बीम स्कैनिंग दर में वृद्धि।" परियोजना की अवधि 2.5 वर्ष है, और कुल निधि रु. 33.43570 लाख.

**अनुलग्नक- 3**

1. डॉ. अतुल वार्ष्णेय ने इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में प्रगति पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सब एमएम-वेव लोअर टीएचजेड अनुप्रयोगों के लिए 180 गीगाहर्ट्ज पर लॉन्चर के रूप में एंटीपोडल डिपोल एंटीना का उपयोग करके एक इनलाइन जी-बैंड डब्ल्यूआर -5 ट्रांजिशन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। दिनांक 11/11/2022.
2. डॉ. अतुल वार्ष्णेय ने दिनांक 11/11/2022 को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में प्रगति पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डुअल बैंड पीसीएस और आईएसएम बैंड अनुप्रयोगों के लिए लो-कॉस्ट स्लिटेड हाइब्रिड फेड मोनोपोल मिनिएचराइज एंटीना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
3. श्री अनुज कुमार शर्मा ने दिनांक 30/3/2023 को गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड यूनिवर्सिटी, हरिद्वार द्वारा आयोजित भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "इंजीनियरिंग की वैदिक परंपरा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। .
4. श्री अनुज कुमार शर्मा ने दिनांक 30/3/2023 को गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड यूनिवर्सिटी, हरिद्वार द्वारा आयोजित भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "विज्ञान और इंजीनियरिंग की खोज" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
5. डॉ. अतुल वार्ष्णेय ने दिनांक 10/3/2023 को कम्यूनिकेटिव इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया प्रगति (एनसीआरएसीई 2023) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "एन ऑफसेट फेड डबल सिमेट्रिक कोच" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
6. डॉ. अतुल वार्ष्णेय ने दिनांक 10/3/2023 को कम्यूनिकेटिव इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया प्रगति (एनसीआरएसीई 2023) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "एन ऑफसेट फेड डबल सिमेट्रिक कोच" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
7. "कॉन्फ़िगर हार्डवेयर चिप के साथ राउटर-राउटर स्विचिंग संचार और तर्क सत्यापन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया IEEE अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन IC2E3, NIT श्रीनगर (यू.के.)।

## अनुलग्नक- 4

1. ईसीई द्वारा "सेलिब्रेशन एक्टिविटी" शीर्षक के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गयाआईआईसी गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड यूनिवर्सिटी हरिद्वार का विभाग और आईपीआर सेल,27 अप्रैल 2023 को FET में।कार्यशाला विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों, छात्रों और के लिए आयोजित की गई थीपीएच.डी. अनुसंधान विद्वान. प्रोफेसर एल. पी. पुरोहित, भौतिकी विभाग, जीके (डीयू), हरिद्वार में प्रोफेसर हैं, संसाधन व्यक्ति (वक्ता) के रूप में उपस्थित थे।
2. "इंटरेक्शन विद टीपीओ" कार्यक्रम 12 सितंबर 2022 को अपराह्न 3.00 बजे इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग के चौथे वर्ष के छात्रों के लिए ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया था।

   सीएओसी गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड यूनिवर्सिटी हरिद्वार के टीपीओ डॉ. राजुल भारद्वाज छात्रों को प्लेसमेंट गतिविधि, बायोडाटा, साक्षात्कार प्रश्न, इन-हैंड और सीटीसी वेतन के बीच अंतर आदि के बारे में जानकारी देते हैं। उन्होंने प्लेसमेंट के संबंध में छात्रों की जिज्ञासा का भी समाधान किया।
3. ईसीई विभाग ने दिनांक 09/01/2023 को "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में शिक्षण और सीखने के तरीके" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

## अनुलग्नक- 5

**1. पुस्तक अध्याय प्रकाशित:-**

1. श्री अनुज कुमार शर्मा, डॉ. विपुल शर्मा, श्री शिव कुमार सिंह ने "स्टडी अबाउट मैसिव एमआईएमओ कम्युनिकेशन", टेक्निक्स एंड इनोवेशन इन इंजीनियरिंग रिसर्च, वॉल्यूम 2, आईएसबीएन/आईएसएसएन: 978-93 शीर्षक पर एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया। -5547-879-5.
2. श्री अनुज कुमार शर्मा ने "एंबेडेड सिस्टम" शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की, डेक्कन इंटरनेशनल प्रकाशक, आईएसबीएन/आईएसएसएन: - 978-93-95191-05-0।
3. डॉ. अतुल वार्ष्णेय, डॉ. विपुल शर्मा ने "एक कुशल वाइडबैंड एमएस लाइन-टू-आरडब्ल्यूजी हाइब्रिड ट्रांज़िशन प्राप्त करने के लिए रिवर्स दृष्टिकोण का उपयोग करके माइक्रोस्ट्रिप इंटरकनेक्ट डिज़ाइन और मॉडलिंग" शीर्षक पर एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया, सीआरसी प्रेस, टेलर और फ्रांसिस, बोका रैटन, खंड 2, आईएसबीएन/आईएसएसएन: 9781003347057।
4. डॉ. अतुल वार्ष्णेय, डॉ. विपुल शर्मा ने "वाई-मैक्स एन78-बैंड और वायरलेस अनुप्रयोगों के लिए एक कॉम्पैक्ट कम लागत वाले प्रतिबाधा ट्रांसफार्मर-फेड वाइडबैंड मोनोपोल एंटीना" शीर्षक पर एक पुस्तक

अध्याय प्रकाशित किया, सीआरसी प्रेस, टेलर और फ्रांसिस, बोका रैटन, खंड 2, आईएसबीएन/आईएसएसएन: 9781003347057।

5. डॉ. गोरव मलिक, डॉ. आशीष नैनवाल ने "डीप कन्वोल्यूशन न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके आर्म फ्रैक्चर का पता लगाना", सामग्री और विनिर्माण प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति, स्प्रिंगर, आईएसबीएन/आईएसएसएन: 9781003347057 शीर्षक पर एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया।

**2. पेटेंट की सूची**

1. श्री अनुज कुमार शर्मा, श्री शिव कुमार सिंह ने 26/10/2022 को "बायोमेडिकल उपकरण के लिए बाइंडर जेटिंग तकनीक के माध्यम से एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग" शीर्षक से एक दक्षिण अफ्रीकी पेटेंट प्रकाशित (अनुमोदित) किया, पेटेंट संख्या: 2022/08579।
2. डॉ. विवेक आर्य, डॉ. तनुज गर्ग ने 04/10/2022 को "एक कुंडलाकार रिंग माइक्रोस्ट्रिप एंटीना और समान बनाने की एक विधि" शीर्षक से एक भारतीय पेटेंट प्रकाशित किया, पेटेंट संख्या: 428550।

**3. संकाय द्वारा भाग लिया गया एफडीपी/एसटीसी/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम**

1. श्री अनुज कुमार शर्मा ने 1/08/2022 से 13/08/2022 तक यूजीसी-एचआरडीसी संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय में आयोजित "आईसीटी" पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
2. श्री शिव कुमार सिंह ने 1/08/2022 से 13/08/2022 तक यूजीसी-एचआरडीसी संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय में आयोजित "आईसीटी" पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
3. श्री शिव कुमार सिंह ने 25/07/2022 से 29/07/2022 तक एआईसीटीई द्वारा आयोजित "रिमोट सेंसिंग और जीआईएस में नवीनतम रुझान" विषय पर एसटीसी में भाग लिया।

**4. सम्मेलन का पूरा पेपर प्रकाशित**

1. डॉ. आशीष नैनवाल, श्री अमरीश, डॉ. गोरव कुमार मलिक ने 2023 में इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विकसित माइक्रोवेव सेट अप द्वारा करंजा तेल से बायोडीजल उत्पादन के लिए आरएसएम एएनएन और एसवीएम मॉडलिंग का उपयोग करके तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया। और अनुसंधान रुझान (आईसीआरटी), आईएसएसएन: 2473-2001।

**5. संकायों द्वारा दिया गया आमंत्रित व्याख्यान**

1. डॉ. अतुल वार्ष्णेय ने आईईईई प्रकाश भारती इन फोटोनिक्स सोसाइटी (राजस्थान चैप्टर, दिल्ली सेक्शन) एक ग्रेट एलायंस फाउंडेशन के सहयोग से जीआईईटी, संगरूर में "आरएलसी समतुल्य सर्किट मॉडलिंग और माइक्रोस्ट्रिप एंटीना और माइक्रोवेव घटकों के लिए पीढ़ी" विषय पर व्याख्यान दिया। , दिनांक 23/01/2023 को।
2. डॉ. अतुल वार्ष्णेय ने दिनांक 27/02/2023 को कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखंड, भारत में शोध पत्र लेखन" विषय पर व्याख्यान दिया।
3. डॉ. अतुल वार्ष्णेय ने दिनांक 23/ को एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखंड, भारतीय में "ट्रांसमिशन लाइन्स: अंतरिक्ष और रडार संचार के लिए ट्रांज़िशन इंटरकनेक्ट्स का आधार" विषय पर व्याख्यान दिया। 01/2023.
4. दिनांक 20/01/2023 को डॉ. विवेक आर्य ने माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, ग्वालियर में "बौद्धिक संपदा अधिकार" विषय पर व्याख्यान दिया।
5. डॉ. विवेक आर्य ने दिनांक 7/09/2022 को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, एफईटी जीके (डीयू) हरिद्वार में "बौद्धिक संपदा अधिकार" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

# यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग
# इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय
# स्थापित :(वर्ष) 2009

**वार्षिक रिपोर्ट (2022-23)**

**विभाग के बारे में:**

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग वर्ष 2009 में अस्तित्व में आया और मैकेनिकल इंजीनियरों का पहला बैच वर्ष 2013 में स्नातक हुआ। वर्तमान में यह मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभिन्न पहलुओं में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग के पास अत्याधुनिक उपकरणों के साथ प्रयोगशाला और कार्यशाला सुविधाएं हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग वास्तविक दुनिया, हमारे द्वारा उपयोग की जाने वाली प्रणालियों, जिन साधनों से हम आवागमन करते हैं और जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इन्हें शक्ति प्रदान करने वाली ऊर्जा की संरचना में एक प्रमुख भूमिका निभाती है। मैकेनिकल इंजीनियर इंजीनियरिंग के सभी विषयों में उपयोग की जाने वाली मशीनरी का डिजाइन, निर्माण और रखरखाव करते हैं। इस अनुशासन ने उत्कृष्ट व्यक्तियों को आकर्षित किया है और समकालीन दुनिया में महत्वपूर्ण तकनीकी चुनौतियों से निपटने में मदद की है। एक मैकेनिकल इंजीनियर का करियर पथ काफी हद तक व्यक्तिगत पसंद से निर्धारित होता है - जो लगातार बदलती प्रतिस्पर्धी दुनिया में एक अनूठा लाभ है। इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय की स्थापना आध्यात्मिक और गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के परिवेश में तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी।

**विभाग प्रमुख/प्रभारी: श्री संजीव कुमार लम्भा**

**विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य**

1. श्री संजीव कुमार लाम्भा
2. श्री प्रवीण कुमार पांडे
3. श्री ऋषि कुमार प्रजापति
4. डॉ. जसबीर सिंह
5. डॉ. सुनील कुमार
6. श्री कपिल देव शर्मा
7. श्री योगेश कुमार
8. श्री मयंक पोखरियाल

**प्रकाशन/सम्मेलन में भाग लिया/कार्यशाला में भाग लिया/पुरस्कार/आमंत्रित वार्ता आदि का विवरण:**

I. प्रभाव कारकों के साथ यूजीसी सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या (यदि कोई हो): - 09 अनुलग्नक1
II. पुस्तकों/संपादित पुस्तकों/पुस्तकों में अध्यायों की संख्या- 01 परिशिष्ट 2
III. पेटेंट की संख्या:- 02 अनुबंध 3
IV. आमंत्रित वार्ता की संख्या--- 02 अनुबंध 4
V. भाग लेने वाले एफडीपी/कार्यशाला की संख्या-05 अनुबंध 5

VI. आयोजित कार्यक्रमों की संख्या - 13 अनुबंध 6

**पेपर जर्नल में प्रकाशित**

1. संजीव लांभा, संयम शर्मा, विनोद मित्तल, राजीव वर्मा, "आंशिक जर्नल बियरिंग्स के प्रदर्शन पर मिरोपोलर स्नेहक प्रभाव" मैकेनिकल इंजीनियर्स संस्थान की कार्यवाही, भाग जे: जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग ट्राइबोलॉजी, 2023, पी। 208-210
2. कुमार एस, सिंह जे, फोर वी और कुमार ए। घरेलू माइक्रोवेव सेट अप के साथ करंजा तेल से बायोडीजल संश्लेषण में एएनएफआईएस, एएनएन और आरएसएम का प्रदर्शन मूल्यांकन। मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग. https://doi.org/10.1007/s11042-023-15253-9। (प्रभाव कारक 2.5).
3. कुमार एस. जेट्रोफा-शैवाल तेल मिश्रण से बायोडीजल उत्पादन के अनुकूलन के लिए प्रतिक्रिया सतह पद्धति का अनुप्रयोग। www.tandfonline.com/doi/full/10.1080/01430750.2023.2179109.(स्कोपस इंडेक्स)।
4. कुमार एस, सिंह जे, फोर वी, अमरीश, आशीष नैनवाल और गोरव कुमार मलिक। विकसित माइक्रोवेव सेट अप द्वारा करंजा तेल से बायोडीजल उत्पादन के लिए आरएसएम एएनएन और एसवीएम मॉडलिंग का उपयोग करके तुलनात्मक अध्ययन। https://ieeexplore.ieee.org/document/10146623। (स्कोपस इंडेक्स)।
5. शर्मा, के.डी., * और जैन, एस., (2023)। ठोस अपशिष्ट के कार्बनिक अंश के अवायवीय पाचन के लिए बायोगैस उपज पर विभिन्न इनोकुलम और सब्सट्रेट इनोकुलम अनुपात का प्रभाव। वॉल्यूम. 57 नंबर 6, पीपी. 917-948, एग्रोसिएन्सिया जर्नल, एससीआईई और स्कोपस इंडेक्स्ड, आईएसएसएन: 1405-3195।
6. श्रीवास्तव, एस., * शर्मा, के.डी., एट. अल (2022)। फ्लोटिंग सोलर पैनल का डिज़ाइन: केस स्टडी। वॉल्यूम. 20., अंक. 10., पी.पी. 6129-6139., जर्नल ऑफ़ न्यूरोक्वांटोलॉजी, स्कोपस इंडेक्स्ड, आईएसएसएन 1303-5150।
7. पोखरियाल, एम., राकेश, पी.के., रंगप्पा, एस.एम., और सिएंगचिन, एस. (2023)। पॉलिमर मिश्रित अनुप्रयोगों के लिए हिमालयाकैलामस फाल्कोनेरी कल्म्स से निकाले गए नवीन प्राकृतिक फाइबर पर क्षार उपचार का प्रभाव। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी, 1-17। (एससीआई प्रभाव कारक: 4.050)।
8. पोखरियाल, एम., और राकेश, पी.के. (2023)। नवीन हिमालयाकैलामस फाल्कोनेरी फाइबर प्रबलित बायोडिग्रेडेबल कंपोजिट का प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी, 1-16। (एससीआई प्रभाव कारक: 4.050)
9. पोखरियाल, एम., और amp; राकेश, पी.के. (2022)। NaOHके यांत्रिक और सूक्ष्म संरचनात्मक व्यवहार ने हिमालय कैलामस फाल्कोनेरी फाइबर को पॉलिमर आधारित कंपोजिट में बायोडिग्रेडेबल सुदृढ़ीकरण सामग्री के रूप में व्यवहार किया। सामग्री आज: कार्यवाही, 62, 1078-1082। (स्कोपस)

**पुस्तक/पुस्तक अध्याय प्रकाशित**

1. श्री ऋषि कुमार प्रजापति ने जीसीएस पब्लिशर्स इंडिया द्वारा आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (आईएसबीएन:978-93-94304-93-2) पर पुस्तक प्रकाशित की।

**पेटेंट प्रकाशित**

1. डॉ. सुनील कुमार को 25 जनवरी 2023 को आवेदन संख्या 349046-001 के साथ टूलबॉक्स ड्रॉअर के साथ 3डी प्रिंटर पर पेटेंट प्रदान किया गया।
2. श्री ऋषि कुमार प्रजापति मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने 26 अक्टूबर 2022 को आवेदन संख्या 2022/08977 के साथ जल जमाव की समस्या को हल करने, ड्रोन की मदद से कृषि में सिंचाई की आधुनिक विधि पर एक पेटेंट प्रकाशित किया।

**आमंत्रित वार्ता वितरित**

1. संजीव कुमार लम्भा ने 22-24 सितंबर, 2023 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग केंद्र, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा संयुक्त रूप से हरित प्रौद्योगिकी: मुद्दे और चुनौतियाँ विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक स्रोत के रूप में पवन ऊर्जा" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी।
2. मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. सुनील कुमार इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति और नवाचार-2023 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र अध्यक्ष।

**एफडीपी/कार्यशाला में भाग लिया**

1. मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के श्री कपिल देव शर्मा ने 26 जून से 1 जुलाई 2023 तक आईआईएमटी इंजीनियरिंग कॉलेज, मेरठ, भारत द्वारा आयोजित "उद्यमिता और नवाचार" पर एक सप्ताह की एफडीपी में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया।
2. मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. सुनील कुमार ने 13-18 मार्च, 2023 तक एप्लाइड साइंसेज विभाग, गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय) हरिद्वार द्वारा आयोजित "उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
3. मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के श्री ऋषि कुमार प्रजापति ने 13-18 मार्च, 2023 तक एप्लाइड साइंसेज विभाग, गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय) हरिद्वार द्वारा आयोजित "उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
4. मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के श्री योगेश कुमार ने 15-25 नवंबर, 2022 को गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय) हरिद्वार में छात्र प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया।
5. मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के श्री योगेश कुमार ने 2022-09-19-2022-09-24 से 2022-09-26 तक "अकादमिक नेतृत्व" पर एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी ब्लेंडेड/हाइब्रिड एफडीपी में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया। -2022-09-30 गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार.

**कार्यक्रम आयोजित किये गये**

**1. किर्बी बिल्डिंग सॉल्यूशंस का औद्योगिक दौरा**

किर्बीबिल्डिंगसॉल्यूशंसकाऔद्योगिकदौरा इंजीनियरिंग छात्रों के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, इंस्टीट्यूट इनोवेशन सेल (आईआईसी) और सीएओसी (सहयोग मामले और आउटरीच सेल) द्वारा 28.04.2023 को एक औद्योगिक क्षेत्र का दौरा निर्धारित किया गया था, समय: 11:00 अपराह्न -2:00 अपराह्न। यात्रा के दौरान

मैकेनिकल इंजीनियरिंग द्वितीय और तृतीय वर्ष के कुल लगभग 59 छात्र उपस्थित थे। डॉ. सुनील पंवार, डीन, एफईटी, श्री संजीव कुमार लम्भा, प्रभारी, एमईडी और श्री प्रवीण कुमार पांडे ने औद्योगिक दौरे के लिए समूह को हरी झंडी दिखाई। श्री मयंक पोखरियाल, औद्योगिक यात्रा समन्वयक और आईआईसी सदस्य, और श्री कपिल देव शर्मा, गर्भास्त्र समन्वयक और आईआईसी सदस्य ने कंपनी के बारे में एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। श्री कविंदर कुमार, लैब अटेंडेंट, ने छात्रों के साथ समन्वय करके कार्यक्रम में सहायता की। श्री धीरेंद्र चौहान, एजीएम, किर्बी बिल्डिंग सिस्टम्स, सिडकुल, हरिद्वार द्वारा एक ओरिएंटेशन टॉक दिया गया। इसके बाद, श्री सौरभ जैन ने इस्पात संरचना और भवन संरचनाओं में शामिल विभिन्न तकनीकी शब्दों पर एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। प्रस्तुति पाठ्यक्रम विषय: सामग्री की ताकत (एसओएम) के साथ काफी प्रासंगिक थी। प्रेजेंटेशन के अंत में, सामग्री की ताकत के बुनियादी सिद्धांतों को दोहराने के लिए एक इंटरेक्शन सत्र हुआ, जिसमें छात्रों ने बहुत सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया दी। मानव संसाधन विभाग के श्री राजेश कुमार ने छात्रों को प्लेसमेंट ओरिएंटेशन टॉक दी। उन्होंने छात्रों को लक्ष्यों के बारे में अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा और बातचीत और प्रश्न सत्र के माध्यम से छात्रों को प्रेरित किया। छात्रों को इस्पात संरचना बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न मशीनों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। सुश्री विनीता पुंडीर ने समन्वयक के साथ पूरे औद्योगिक दौरे का समन्वयन किया। अंत में ग्रुप फोटो लिया गया तथा सभी विद्यार्थियों को जलपान कराया गया।

### 2. साइबर अपराध पर कार्यशाला

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 17/08/2022 को ड्रग/साइबर अपराध जागरूकता पर आधारित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरुआत मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रभारी संजीव कुमार लांबा द्वारा की गई। मुख्य वक्ता श्री विपिन कुमार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संचार थे जिन्होंने ड्रग/साइबर अपराध जागरूकता पर भाषण दिया। मिस निहारिका सेमवाल डीएसपी हरिवार भी उपस्थित थे। श्री विपिन कुमार ने बताया कि कैसे आजकल युवा पीढ़ी नशे और साइबर क्राइम का शिकार हो रही है और इसका आने वाली जीवनशैली पर क्या दुष्प्रभाव पड़ रहा है. उन्होंने सभी को बताया कि इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए। कुमारी निहारिका सेमवाल ने साइबर क्राइम के बारे में बताया कि किस तरह आजकल लोग साइबर क्राइम का शिकार हो रहे हैं और हमें कैसे सुरक्षा प्रणाली अपनाकर इससे बचना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि लोग हनी ट्रैपिंग, फ़िशिंग मेल का शिकार कैसे बनते हैं। डीन प्रोफेसर पंकज मदान ने दवाओं के दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की। कार्यशाला के संयोजक श्री योगेश कुमार ने कार्यशाला का समाधान किया। कार्यशाला में डॉ. एम.एम. तिवारी, डॉ. सुयश भारद्वाज, डॉ. देवेन्द्र, डॉ. लोकेश जोशी, डॉ. रूद्रमन, डॉ.मयंक अग्रवाल, डॉ. अजय कुमार, ऋषि प्रजापति, ,मयंक पोखरियाल, रोहित कमल आदि मौजूद रहे।

### 3. सीईटीपीए इन्फोटेक रूड़की द्वारा सेमिनार

16 नवंबर 2022 के दिन की शुरुआत सीईटीपीए इन्फोटेक रूड़की द्वारा की गई थी। क्षेत्रीय प्रबंधक सीईटीपीए श्री चेतन चौहान और उनके सहायक श्री सूर्यकांत शर्मा ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र के विभिन्न सॉफ्टवेयर जैसे कैटिया, ऑटोकैड और एनीसिस पर व्याख्यान दिया और उद्योग 4.0 पर चर्चा की।

**4. उद्योग विशेषज्ञ वार्ता:**

श्री सिद्धार्थ भारती ने विनिर्माण उद्योग में 3-डी प्रिंटिंग, मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स और ईआरपी जैसी आगामी प्रौद्योगिकियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने उद्योग में कौशल की आवश्यकता और शैक्षणिक पाठ्यक्रम के बीच अंतर को विस्तार से बताया। उन्होंने स्वचालन के बारे में संदेह को दूर किया और कई उदाहरण दिए कि तकनीकी नौकरी पैदा करने में स्वचालन से नौकरी कम नहीं होती। उन्होंने नए उत्पाद और उनकी तकनीक के बारे में जानने के लिए औद्योगिक संसाधन व्यक्तियों के साथ विभिन्न मंच साझा किए ताकि छात्रों को उद्योग में आसानी से इंटर्नशिप के साथ-साथ नौकरी भी मिल सके।

**5. "रि-विजिटिंग माईसेल्फ" विषय पर व्याख्यान**

डॉ. विनय सेठी ने "री-विजिटिंग माईसेल्फ" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्रों से नैतिकता के बारे में बात की और बताया कि कैसे इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुशासन आपको एक बेहतर इंजीनियर बनाता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास जो कुछ है उसमें हमें खुश रहना चाहिए और इस आशीर्वाद के लिए सर्वशक्तिमान ईश्वर का शुक्रिया अदा करना चाहिए।

**6. नई इंजीनियरिंग यांत्रिकी प्रयोगशाला का उद्घाटन**

इंजीनियरिंग मैकेनिकल प्रयोगशाला का उद्घाटन समारोह 28/07/2022 को डीन, एफईटी, प्रोफेसर पंकज मदान द्वारा किया गया था। यह कार्यक्रम मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रभारी एवं सहायक प्रोफेसर श्री संजीव कुमार लांभा की देखरेख में आयोजित किया गया था। इस प्रयोगशाला की स्थापना मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री कपिल देव शर्मा के समन्वयन में की गई थी। प्रो. पंकज मदान, डीन, एफईटी ने छात्रों के लिए इंजीनियरिंग यांत्रिकी प्रयोगशाला के महत्व के बारे में चर्चा की। संसाधन व्यक्ति श्री.संजीव कुमार लांभा ने इंजीनियरिंग छात्रों के लिए यह प्रयोगशाला क्यों और कैसे महत्वपूर्ण है, इस पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। इस लैब के लिए कुल सात उपकरण खरीदे गये हैं.

प्रयोगशाला उपकरण हैं:

1. स्क्रू जैक उपकरण (कम प्रयास के बावजूद भारी वस्तुओं को उठाने के लिए उपयोग किया जाता है)
2. फ्लाईव्हील जड़त्व क्षण उपकरण (फ्लाईव्हील की जड़ता क्षण निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है)
3. जिब और क्रेन उपकरण (जिब क्रेन के सदस्यों में बलों का अध्ययन करने के लिए प्रयुक्त)
4. समांतर चतुर्भुज बल तालिका उपकरण (लामी के प्रमेय को सत्यापित करने के लिए प्रयुक्त)
5. यूनिवर्सल फोर्स टेबल उपकरण (किसी वस्तु पर कार्य करने वाले दो या दो से अधिक बलों के परिणाम को निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है)
6. घर्षण उपकरण का गुणांक (विभिन्न खुरदरी सतहों के घर्षण के गुणांक को मापने के लिए उपयोग किया जाता है)
7. बीम उपकरण का विक्षेपण (भार की कार्रवाई के तहत एक साधारण समर्थित बीम के विक्षेपण को निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है)

डॉ. विपुल शर्मा (एचओडी और एसोसिएट प्रोफेसर, ईसीई विभाग), डॉ. मयंक अग्रवाल, (एचओडी और एसोसिएट प्रोफेसर, सीएसई विभाग), डॉ. सुनीलपवार (एचओडी और एसोसिएट प्रोफेसर, एप्लाइड साइंस), डॉ. एम.एम. तिवारी (एसोसिएट प्रोफेसर, एप्लाइड साइंस), श्री गजेंद्र सिंह रावत (प्रभारी एवं)सहायक प्रोफेसर, ईई विभाग), डॉ. जसबीर सिंह, डॉ. सुनील कुमार, श्री ऋषि कुमार प्रजापति, श्री कपिल देव शर्मा, श्री योगेश कुमार, और श्री मयंक पोखरियाल, और सभी लैब तकनीशियन और परिचारक सत्र में शामिल हुए।

**7. शिक्षक पर्व 2022 के अंतर्गत विशेषज्ञ वार्ता**

शिक्षक पर्व की पूर्व संध्या पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एक विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। बातचीत "उद्योग 4.0 के विकास और आवश्यकता" पर आधारित थी।डॉ. जसबीर सिंह ने बातचीत का समन्वय किया और उद्योग विशेषज्ञ श्री आदर्श श्रीवास्तव, प्रमुख, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हरिद्वार में विनिर्माण गुणवत्ता का परिचय दिया। उन्होंने विनिर्माण गुणवत्ता बढ़ाने के लिए वास्तविक समय की जानकारी और फीडबैक की आवश्यकता पर जोर दिया। उद्योग 4.0 न केवल वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करता है बल्कि उत्पाद और सेवाओं की विनिर्माण गुणवत्ता को भी बढ़ाता है। उन्होंने डिजिटलीकरण, बड़े पैमाने पर अनुकूलन, IoT, मशीन लर्निंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इंजीनियरिंग प्रवेशकों से उद्योग की अपेक्षाओं पर भी चर्चा की। डॉ. सुनील शर्मा ने श्री आदर्श श्रीवास्तव को धन्यवाद ज्ञापित किया। निम्नलिखित संकाय सदस्य अर्थात् डॉ. लोकेश जोशी, श्री एस.के. लाम्भा, डॉ. सुनील कुमार, श्री कपिल देव शर्मा, श्री. विशेषज्ञ वार्ता के दौरान योगेश कुमार एवं श्री कविन्द्र आदि उपस्थित थे। बात शांतिपाठ से ख़त्म हो रही थी.

**8. GATE और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने की रणनीति**

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा "गेट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करने की रणनीति" पर आधारित एक सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार की शुरुआत मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रभारी संजीव कुमार लांभा द्वारा पोस्ट की गई। वक्ता थे किको-इंडिया किताब कॉपी के संस्थापक और MADE ESAY नई दिल्ली के वरिष्ठ संकाय श्री गुंजन चौधरी। श्री गुंजन चौधरी ने बताया कि समय का सदुपयोग करके प्रतियोगी परीक्षाओं में कैसे सफलता प्राप्त की जा सकती है। यह भी बताया जाता है कि छात्र किस प्रकार परीक्षा की पूर्व तैयारी कर अपने भविष्य की तैयारी करते हैं, जिससे भविष्य संवर सके। GATE परीक्षा में शामिल होने वाले विषयों के वेटेज के बारे में भी बताया गया है। यह भी समझा कि GATE परीक्षा और सार्वजनिक क्षेत्र की परीक्षा के लिए रणनीतिक तैयारी कैसे करें। श्री गुंजन चौधरी ने चर्चा की कि छात्र तकनीकी एवं गैर-तकनीकी क्षेत्र में अपना भविष्य कैसे सुरक्षित कर सकते हैं। सेमिनार के संयोजक डॉ. जसबीर सिंह ने कार्यशाला का समाधान किया। सेमिनार में डॉ. एम.एम. तिवारी, डॉ. सुयश भारद्वाज, डॉ. देवेन्द्र, डॉ. लोकेश जोशी, डॉ. रूद्रमन, डॉ. मयंक अग्रवाल, डॉ. अजय कुमार, ऋषि प्रजापति, मयंक पोखरियाल, डॉ. सुनील कुमार, श्री. गजेन्द्र सिंह रावत, श्री अंकुश शर्मा, श्री बिपिन कुमार निषाद, श्री योगेश कुमार, श्री कमल आदि उपस्थित थे। शांतिपाठ के साथ संगोष्ठी का समापन हो रहा था.

**9. भारतीय रक्षा में वेबिनार कैरियर**

एमईडी, एफईटी, जीके (डीयू) के पूर्व छात्र श्री सौरभ पांडे, जो भारत की किताब कॉपी, किको के सह-संस्थापक हैं, द्वारा "भारतीय रक्षा में करियर" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। वेबिनार दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक पुराने सेमिनार हॉल, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय) में शुरू किया गया था। एमईडी, एफईटी, जीके (डीयू) के पूर्व छात्र श्री सौरभ पांडे ने करियर पर अपना व्याख्यान दिया। भारतीय रक्षा। उन्होंने रक्षा परीक्षा में सफल होने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को अध्ययन के दौरान फिट रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एक छात्र के दैनिक कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने स्नातक होने के बाद अपने जीवन की कहानी साझा की। विश्वविद्यालय। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी संघर्ष की कहानी साझा की। उन्होंने छात्रों को बताया कि कैसे धैर्य और कड़ी मेहनत के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं को पास किया जा सकता है। उन्होंने अपने कठिन समय के दौरान अच्छे स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी कंपनी को उच्च के लिए भारी मात्रा में फंड मिला सस्ती और गुणवत्तापूर्ण (एचएक्यू) शिक्षा। उनका अपना यूट्यूब चैनल है जहां वह छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में जागरूक और प्रेरित करते हैं। उन्होंने पांच बार एएफसीएटी और सीडीएसई पास किया। वह छात्रों के साथ बातचीत करते हैं, उनके प्रश्न लेते हैं और उनके सभी प्रश्नों का समाधान करते हैं। उनके मन में आ रहे थे. छात्रों ने चैट बॉक्स में अपने प्रश्न लिखे और श्री सौरभ पांडे ने एक-एक करके उनका उत्तर दिया। अंत में, श्री सौरभ पांडे ने नौकरी या करियर से संबंधित किसी भी प्रश्न को पोस्ट करने के लिए अपना संपर्क विवरण और इंस्टाग्राम आईडी साझा किया। उन्होंने छात्रों को हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया। सत्र शाम 4:15 बजे समाप्त हो गया. मैकेनिकल विभाग के संकाय सदस्य श्री ऋषि कुमार प्रजापति, डॉ. सुनील कुमार, श्री कपिल देव शर्मा (ऑनलाइन), श्री योगेश कुमार, श्री गौरव कुमार सहायक प्रोफेसर, ईई और श्री विवेक आर्य (सहायक प्रोफेसर, ईसीई) वेबिनार में भाग लिया।

10.ISCA हरिद्वार चैप्टर के संयोजक के रूप में 28 फरवरी 2023 को धनौरी पीजी कॉलेज धनौरी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस।

11. आईएससीए हरिद्वार चैप्टर के संयोजक के रूप में 19 मार्च, 2023 को प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, रसायन विज्ञान विभाग, भौतिकी विभाग के सहयोग से "सभी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

12. आईएससीए हरिद्वार चैप्टर के संयोजक के रूप में सेंटर फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन, सीसीएस यूनिवर्सिटी मेरठ के सहयोग से "हरित प्रौद्योगिकी: मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

13. पोस्टर प्रतियोगिता

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 9/5/2023 को महाविद्यालय स्तर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कई लोग भाग लेते हैं। कार्यक्रम के दौरान सदस्य डीन एफ.ई.टी., डॉ. सुनील पंवार, श्री संजीव कुमार लाम्भा, प्रोफेसर एल.पी. पुरोहित, प्रोफेसर मयंक अग्रवाल, डॉ. एमएम तिवारी, डॉ. विपीन शर्मा, श्री. प्रवीण कुमार पांडे, श्री. योगेश कुमार, श्री मयंक पोखरियाल आदि उपस्थित थे। प्रतियोगिता के निर्णायक प्रोफेसर एल.पी. पुरोहित और प्रोफेसर मयंक अग्रवाल थे। विजेता को दी जाने वाली पुरस्कार राशि प्रियांशु त्यागी आई.टी.आई जगजीतपुर हरिद्वार द्वारा दी जाएगी। प्रथम विजेता प्रियांशु जिगर, द्वितीय विजेता साई चंदन मोहपात्रा और तृतीय विजेता बिट्टू मंडल थे।

14. चिल्ला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्लांट का औद्योगिक दौरा

14 मार्चको 2023 चिल्ला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्लांट 144)MW=4X (36में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया गया था। यात्रा के दौरान कुल लगभग सुनील पंवार डीन .छात्र उपस्थित थे। यात्रा का उद्घाटन डॉ 56, एफद्वारा .टी.ई. के प्रभारी श्री संजीव कुमार लांबा ने छात्रों के साथ बातचीत की और संयंत्र किया गया। एमईडीका दौरा करने के प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी दी। समन्वयक श्री मयंक पोखरियाल ने बताया कि संयंत्र का (औद्योगिक यात्रा) तल पर लाभ होगा।दौरा पाठ्यक्रम का एक हिस्सा है और इससे छात्रों को व्यावहारिक धरा

# इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग
## स्थापना (वर्ष): 2002

**वार्षिक रिपोर्ट )2022-23)**
**01 जुलाई 2022- 30 जून 2023**

**विभाग के बारे में:**

विभाग 2002 से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री प्रदान करने के लिए (.टेक.बी) एक नियमित पाठ्यक्रम प्रदान करता है और विभाग2022-23 से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा में तीन साल का नियमित पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। पाठ्यक्रम इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में छात्रों को मजबूत आधार प्रदान करता है और नवीनतम तकनीकों से परिचित कराता है। संस्थान के भीतर और बाहर, अन्य विषयों के संकाय सदस्यों के साथ सहयोग को प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग के पास वर्तमान में अत्याधुनिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के लिए नवीनतम उपकरणों और सॉफ्टवेयर प्लेटफार्मों से सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं।

**विभागाध्यक्ष:** श्री गजेंद्र सिंह रावत

**समविश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य:**

1. श्री गजेन्द्र सिंह रावत
2. श्री योगेश कुमार
3. श्री ब्रिजेश कुमार
4. श्री आशीष धमान्दा
5. श्री बिपिन कुमार निषाद
6. श्री गौरव कुमार

**प्रकाशन :आमंत्रित वार्ता आदि का विवरण/पुरस्कार/में भाग लिया कार्यशाला/सम्मेलन में भाग लिया/**

1. प्रभाव कारकों के साथ यूजीसी सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या :(यदि कोई हो)03-अनुसंलग्नकI
2. पुस्तकों :पुस्तकों में अध्यायों की संख्या/संपादित पुस्तकों/00
3. संकाय सदस्यों द्वारा सम्मेलनों:सेमिनारों में प्रस्तुत किए गए पेपरों की संख्या/00
4. संकाय सदस्यों को पुरस्कारों की संख्या :00
5. पेटेंट की संख्या :02 - अनुसंलग्नकII
6. आमंत्रित भाषण की संख्या :00
7. भाग लेने वाले एफडीपी कार्यशाला की संख्या/16- अनुसंलग्नकIII
8. आयोजित कार्यक्रमों की संख्या 06- अनुसंलग्नकIV

**अनुसंलग्नकI - जर्नल में प्रकाशित पेपर:**

1. आशीष धमान्दा, अरुणेश दत्त, "विभिन्न कम्प्यूटेशनल तकनीकों के माध्यम से मल्टी एरिया लोड फ्रीक्वेंसी नियंत्रण की गतिशील प्रतिक्रिया", इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी वर्ष :2022, वॉल्यूम :15, अंक : 25, पेज :1264-1273 डीओआई :10.17485/ IJST/v15i25.155, ISSN:- 0974-68462.
2. ब्रिजेश कुमार, कंवरजीत सिंह संधू, राहुल शर्मा ग्रिड से जुड़े पवन ऊर्जा प्रणाली के बेहतर प्रदर्शन के लिए " "एएनएन नियंत्रणDOI: 10.15598/aeee.v20i4.4474।
3. ब्रिजेश कुमार, कंवरजीत सिंह संधू, राहुल शर्मा आधारित पवन ऊर्जा प्रणाली के लिए नियंत्रण -डीएफआईजी" इंस .जे "योजनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण ्ट अप्रैल) बी .भारत सेवा .इंजी .2022) 103(2):649–668 https://doi.org/10.1007/s40031-021-00660-z.

**अनुसंलग्नकII- पेटेंट प्रकाशित:**

1. क्लाउड कंप्यूटिंग सक्षम 5G वायरलेस सेंसर नेटवर्क में स्मार्ट सिटी उपकरणों के लिए IOT सेंसर शामिल है। 10/02/2023 को प्रकाशित। आवेदन नहीं। 202311007184एश्री ब्रिजेश कुमार ., श्री योगेश कुमार द्वारा पेटेंट कार्यालय जर्नल नंबर 06/2023।
2. दक्षिण अफ्रीका गणराज्य ने श्री गजेंद्र सिंह रावत द्वारा पेटेंट कार्यालय में संख्या 2022/08579 के तहत जमा किए गए पूर्ण विनिर्देश में वर्णित और दावा किए गए एक आविष्कार के संबंध में एक पेटेंट प्रदान किया।

**अनुसंलग्नकIII - एफडीपीकार्यशाला में भाग लिया/:**

1. श्री गजेंद्र सिंह रावत ने 15-25 नवंबर 2022 के दौरान गुरुकुल कांगड़ी छात्र " हरिद्वार में (समविश्वविद्यालय) में भाग लिया। "प्रेरण कार्यक्रम
2. श्री योगेश कुमार ने 16/01/2023 से 20/01/2023 के दौरान एआईसीटीई द्वारा पर "सार्वभौमिक मानव मूल्य" भाग लिया। एक कार्यशाला में
3. श्री योगेश कुमार ने एफईटी, जीके (डीयू), हरिद्वार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में शिक्षण और सीखने के " पर आयोजित एक "तरीकेकार्यशाला में भाग लिया।
4. श्री ब्रिजेश कुमार ने 15-25 नवंबर 2022 के दौरान गुरुकुल कांगड़ी छात्र प्रेरण " हरिद्वार में (समविश्वविद्यालय) में भाग लिया। "कार्यक्रम
5. श्री गौरव कुमार ने 15-25 नवंबर 2022 के दौरान गुरुकुल कांगड़ी छात्र प्रेरण " हरिद्वार में (समविश्वविद्यालय) में भाग लिया। "कार्यक्रम
6. श्री आशीष धमान्दाने09 जनवरी 2023 को एफईटी, जीके (डीयू), हरिद्वार में प्रौद्योगिकी में विज्ञान और" पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया। "शिक्षण और सीखने के तरीके
7. श्री आशीष धमान्दाने 27 फरवरी, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी कंप्यूटर विज्ञान " हरिद्वार में (समविश्वविद्यालय) न पर आयोजित राष्ट्रीय और इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शोधकर्ताओं के लिए अनुसंधा में भाग लिया। "कार्यशाला

8. श्री आशीष धमान्दाने 13 मार्च 2023 से 18 मार्च 2023 तक एप्लाइड साइंस विभाग एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी पर एक "उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण" हरिद्वार द्वारा आयोजित (समविश्वविद्यालय) कार्यशाला में भाग लिया। सप्ताह की

9. श्री आशीष धमान्दाने दिनांक 7-11 नवंबर 2022 को धातुकर्म इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग स्कूल, ओपीजेयू रायगढ़ द्वारा आयोजित में भाग लिया। "उन्नत सामग्री विशेषता तकनीक"

10. श्री ब्रिजेश कुमार ने 23-27 जून 2023 के दौरान इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग एनआईटी कुरुक्षेत्र द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा एकीकृत बिजली प्रणाली के नियंत्रण, संचालन और प्रबंधन पर आयोजित अल्पकालिक पाठ्यक्रम में भाग लिया है।

11. श्री आशीष धमान्दाने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार में 2022-09-19-2022-09-24 से 2022-09-26 तक अकादमिक नेतृत्व में भाग लिया।

12. श्री आशीष धमान्दाने 15-25 नवंबर 2022 के दौरान गुरुकुल कांगड़ी " हरिद्वार में (समविश्वविद्यालय)स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राममें भाग लिया। "

13. श्री बिपिन कुमार निषाद ने 15-25 नवंबर 2022 के दौरान गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार में (समविश्वविद्यालय) में भाग लिया। "छात्र प्रेरण कार्यक्रम"

14. श्री बिपिन कुमार निषाद ने 23-27 जून 2023 के दौरान इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग एनआईटी कुरुक्षेत्र द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा एकीकृत बिजली प्रणाली के नियंत्रण, संचालन और प्रबंधन पर आयोजित अल्पकालिक पाठ्यक्रम में भाग लिया है।

15. श्री बिपिन कुमार निषाद ने एफईटी, जीके (डीयू), हरिद्वार में विज्ञान और प"ौद्योगिकी में शिक्षण और सीखने के तरीकेपर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया। "

16. श्री ब्रिजेश कुमार ने एफईटी, जीके (डीयू), हरिद्वार में न और प्रौद्योगिकी में शिक्षण और सीखने के विज्ञा" पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया। "तरीके

**अनुसंलग्नकIV - आयोजित कार्यक्रम:**

1. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने 15-25 नवंबर 2022 को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के सभी संकायों द्वारा समन्वित एक सप्ताह का छात्र प्रेरण कार्यक्रम आयोजित किया।
2. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने 26 नवंबर को टेक्नो हब लेबोरेटरीज, देहरादून की टीम के साथ उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र के तत्वावधान में युवाओं को (यूएसईआरसी)3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी और उत्तराखंड में इसके अनुप्रयोगों के बारे में जागरूक करने पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजनका संचालन श्री गजेन्द्र सिंह रावत एवं श्री बिपिन कुमार निषाद ने किया।
3. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने दिनांक 05 दिसंबर 2022 को टेक्नो हब लेबोरेटरीज, देहरादून की टीम के साथ उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र के तत्वावधान में नगरपालिका डिमांड (यूएसईआरसी) साइड मैनेजमेंट पर क्षमता निर्म ाण कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका समन्वय श्री गजेंद्र सिंह रावत एवं श्री बिपिन कुमार निषादने किया ।
4. सीईटीपीए इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड की टीम के साथ पीएलसी और एससीएडीए पर एक कार्यशाला। लिमिटेड, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, गुरुकुल कांगड़ी

हरिद्वार द्वारा (समविश्वविद्यालय)13 अप्रैल 2023 को श्री गजेंद्र सिंह रावत और श्री बिपिन कुमार निषाद द्वारा आयोजित किया गया।

5. 18 अप्रैल 2023 को इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, गुरुकुल कांगड़ी स)मविश्वविद्यालयहरिद्वार के सहयोग से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डिप्लोमा छात्रों के लिए ( विपुलशर्मा .क कार्यशाला का आयोजन डॉइलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों और इसके अनुप्रयोगों पर ए, श्री गजेन्द्र सिंह रावत और श्री संजय वर्मा द्वारा किया गया।

6. 05/06/2023 को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा हिंदुस्तान नेचुरल ग्लास, ऋषिकेश की एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसका समन्वय श्री योगेश कुमार, श्री ब्रिजेश कुमार और श्री गौरव कुमार द्वारा किया जा रहा है।

**अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग**
**इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय**
**स्थापना वर्ष: 2000**

**वार्षिक विवरण 2022-23**
**01 जुलाई 2022 - 30 जून 2023**

**विभागीय विवरण**

विभाग की स्थापना वर्ष 2000 में भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान का मौलिक ज्ञान प्रदान करने और बी. टेक छात्रों को गणित का अच्छा ज्ञान प्रदान करने के लिए की गई थी। विभाग का लक्ष्य एक आशाजनक और चुनौतीपूर्ण कैरियर के साथ साथ विश्वस्तरीय और निपुण छात्रों का निर्माण करना और परिणाम आधारित अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। हमारा उद्देश्य छात्रों को नैतिकता के साथ पारंपरिक और आधुनिक ज्ञान के बारे में शिक्षित करना है। अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों के स्नातक छात्रों को भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित में मुख्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है और इसका उद्देश्य विषय का मौलिक ज्ञान प्रदान करना है। विभाग अपने प्रथम वर्ष में सभी इंजीनियरिंग विषयों के लिए इंजीनियरिंग भौतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इंजीनियरिंग भौतिक विज्ञान, प्रकाशिकी, क्वांटम भौतिकी, पदार्थ विज्ञान, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी, ठोस-अवस्था भौतिकी आदि का मौलिक ज्ञान प्रदान करता है। इंजीनियरिंग रसायन विज्ञान, रासायनिक संबंध, आवर्ती गुणों, रासायनिक गतिकी, पॉलिमर, नैनोकैमिस्ट्री, कार्बनिक प्रतिक्रियाओं और कुछ सामान्य दवाओं के संश्लेषण की मौलिक अवधारणाएं प्रदान करता है।

इंजीनियरिंग गणित 7वें सेमेस्टर तक विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों के स्नातक छात्रों को पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम में कैलकुलस, डिफरेंशियल इक्वेशन, लाप्लास ट्रांसफॉर्म, फूरियर ट्रांसफॉर्म, जेड ट्रांसफॉर्म, फजी गणित, संभाव्यता, संख्यात्मक तरीके, असतत संरचना और ग्राफ सिद्धांत जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यह छात्रों को कम्प्यूटेशनल तकनीकों, अलग संरचना और सांख्यिकीय परीक्षण के ज्ञान को बढ़ाने में मदद करता है। विभाग का उद्देश्य नियमित शिक्षण के माध्यम से मजबूत वैज्ञानिक पृष्ठभूमि, रचनात्मक सोच और समस्या निवारण कौशल वाले इंजीनियरों को तैयार करना है। विभाग में वर्तमान में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित से संबंधित क्षेत्रो में बहु-विषयक शिक्षक 07 सुयोग्य एवं अनुभवी शिक्षक सदस्य हैं। इनमें दो एसोसिएट प्रोफेसर और पांच असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल है।

**विभागाध्यक्ष: डॉ. सुनील पंवार (अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग)**

**विभाग के शिक्षक सदस्य**

1. डॉ. सुनील पंवार (भौतिक विज्ञान)
2. डॉ. मुरली मनोहर तिवारी (रसायन विज्ञान)
3. डॉ. विवेक गोयल (गणित)

4. डॉ. देवेन्द्र सिंह (भौतिक विज्ञान)
5. डॉ. अजय कुमार (रसायन विज्ञान)
6. डॉ. लोकेश कुमार जोशी (गणित)

**शिक्षकेत्तर कर्मचारी**

1. श्री. मनु गुप्ता (लैब तकनीशियन, भौतिक विज्ञान)
2. श्री. दीपक कुमार (लैब अटेंडेंट, भौतिक विज्ञान)
3. श्री. पंकज सिंह (लैब तकनीशियन, रसायन विज्ञान)
4. श्री. दीपक नेगी (लैब अटेंडेंट, रसायन विज्ञान)

**विभाग के शिक्षक सदस्यों की शैक्षणिक उपलब्धियाँ :**

| | |
|---|---|
| 1. यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या आइ एफ केसाथः 05 | (अनुलग्नक-1) |
| 2. राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की कार्यवाही में प्रकाशित प्रकाशनों की संख्याः 02 | (अनुलग्नक-2) |
| 3. प्रकाशित पुस्तक/संपादित पुस्तक/पुस्तक अध्याय की संख्याः 01 | (अनुलग्नक-3) |
| 4. प्रकाशित पेटेंट की संख्याः 0 | |
| 5. राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों में प्रस्तुत पत्रों की संख्यारू 10 | (अनुलग्नक-4) |
| 6. अनुसंधान परियोजनाओं(पूर्ण/चालू) की संख्याः 02 | (अनुलग्नक-5) |
| 7. उपस्थित एफडीपी/एसटीसी/कार्यशाला की संख्याः 06 | (अनुलग्नक-6) |
| 8. विभाग में आयोजित कार्यक्रम की संख्याः 01 | (अनुलग्नक-7) |

**अनुलग्नक-1 : यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्याः 05**

1. एम.एम. तिवारी, विवेक गोयल, फहीम अहमद, पर्यावरण, आध्यात्मिकता और स्वास्थ्य विज्ञान की स्थितिः एक सिंहावलोकन। पर्यावरण संरक्षण जर्नल, 23(3)ः 471-478 (2022)
2. अंकुर कुमार, देवेन्द्र सिंह, पूनम सेमवाल, तुषार कंडारी, कुलदीप सिंह, मनीष जोशी, प्रखर सिंह, बागेश्वर, भारत की स्थानीय आबादी पर रेडियोलॉजिकल एक्सपोज़र के पहलू में दो अलग-अलग जल संसाधनों का तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ़ रेडियोएनालिटिकल एंड न्यूक्लियर केमिस्ट्री, 331(4)ः 1941-1949 (2022)
3. सुप्रिया दुबे, आभा शुक्ला, ऋषि कुमार शुक्ला, अजय कुमार, स्वाति वत्स और प्रियंका पोखरियाल, हेटेरोस्पाथे इलाटा फल से हरे विलायक और हेक्सेन द्वारा निकाले गए बायोएक्टिव लिपिड का तुलनात्मक अध्ययन और लक्षण वर्णन। बायोमेडिकल और फार्माकोलॉजी जर्नल, खंड 16, संख्या 4, 2023 (स्वीकृत पांडुलिपि, स्कोपस अनुक्रमित, उद्धरण स्कोर = 1.5)
4. अजय कुमार, आभा शुक्ला, सुप्रिया दुबे, कर्कुमा एरोमेटिका सैलिसबरू इसकी रासायनिक प्रोफ़ाइल और जैविक गतिविधियों पर एक अद्यतन। राष्ट्रीय अकादमी विज्ञान पत्र (2023) (स्कोपस अनुक्रमित, उद्धरण स्कोर = 1.1)

5. छवि पी. पांडे, विनीत आहूजा, लोकेश के. जोशी, हेमवती नंदन, पश्चिमी भारतीय हिमालयी राज्य, उत्तराखंड में वर्षा और तापमान का चरम मूल्य विश्लेषण। जर्नल ऑफ़ अर्थ सिस्टम साइंस, 132 (2), 48 (2023) (उद्धरण स्कोर = 1.9)

**अनुलग्नक-2 : राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की कार्यवाही में प्रकाशित प्रकाशनों की संख्याः 02**

1. सुनील पंवार, ''एंडरसन लैटिस की इलेक्ट्रॉनिक विशिष्ट गर्मी पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभावरू सीएमआर मैंगनाइट्स के लिए एक अनुप्रयोग'' 22-24 सितंबर, 2022 के दौरान हरित प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहीः मुद्दे और चुनौतियां (आईसीजीटी 2022) द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान विभाग, सीसीएसयू, मेरठ (प्रकाशनाधीन)।
2. सुनील पंवार, ''विशाल मैग्नेटो-प्रतिरोधक मैंगनिटीज (त्म1.ग ।ग डदव्3) के परिवहन गुणों पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव'' एप्लाइड साइंसेज में उभरते रुझानों पर वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ईटीएएस) कार्यवाही पुस्तक, नवंबर, 2022, पृष्ठ संख्यारू 199-204. आईएसबीएनः 978-81-956057-0-3.

**अनुलग्नक-3 : प्रकाशित पुस्तक अध्यायों की संख्याः 01**

1. डॉ. अजय कुमार द्वारा लिखित एक पुस्तक अध्याय ''फाइटोकेमिस्ट्री, फार्माकोलॉजी और एथनोमेडिसिनल एप्लीकेशन ऑफ करकुमा ज़ेडोरिया (क्रिसमस) रोस्क'' वेसर पब्लिकेशन (इंटरनेशनल पब्लिकेशन), जर्मनी (2023) द्वारा "रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति (खंड-2)" नामक संपादित पुस्तक में स्वीकार किया गया है। आईएसबीएनः 978-3-96492-525-1.

**अनुलग्नक-4 : राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों में प्रस्तुत पत्रों की संख्याः 10**

1. डॉ. सुनील पंवार ने 22-24 सितंबर, 2023 को रसायन विज्ञान विभाग, सीसीएसयू, मेरठ द्वारा हरित प्रौद्योगिकीः मुद्दे और चुनौतियां (आईसीजीटी 2022) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सीएमआर मैंगनीज की इलेक्ट्रॉनिक विशिष्ट गर्मी पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. डॉ. सुनील पंवार ने17 अक्टूबर, 2022 को भौतिकी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''नैनोकम्पोजिट्स के संश्लेषण और लक्षण वर्णन और उपयोगकर्ता परिचित कार्यक्रम'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में ''नैनोकम्पोजिट्स और उपयोगकर्ता परिचित कार्यक्रम के संश्लेषण और लक्षण वर्णन'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
3. डॉ. सुनील पंवार ने 16-18 मार्च, 2023 के मध्य होलकर (मॉडल ऑटोनॉमस) साइंस कॉलेज, इंदौर मैं भारतसरकार द्वारा आयोजित ''भौतिकी और सामग्री के रसायन विज्ञान'' (एनसीपीसीएम-2023) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सीएमआर मैंगनाइट्स की थर्मा ेइलेक्ट्रिक शक्ति पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
4. डॉ. सुनील पंवार ने 29-31 मार्च, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार, द्वारा आयोजित भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वैदिक युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग की खोज'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

5. डॉ. एम.एम. तिवारी ने 29-31 मार्च, 2023 के मध्य गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वैदिक युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग की खोज'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
6. डॉ. देवेन्द्र सिंह ने 2-4 मार्च, 2023 के मध्य भौतिकी विभाग, डॉल्फिन इंस्टीट्यूट ऑफ बायो-मेडिकल एंड नेचुरल साइंसेज, देहरादून, द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारतीय हिमालय की तलहटी की मिट्टी से रेडॉन मास एक्सहेलेशन और थोरोन सतह एक्सहेलेशन का आकलन'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
7. डॉ. देवेन्द्र सिंह ने 19 मार्च, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वैदिक भौतिकी का महत्वः प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक सिद्धांतों और आधुनिक समय में उनकी प्रासंगिकता पर एक साहित्य समीक्षा'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
8. डॉ. देवेन्द्र सिंह ने 29-31 मार्च, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मस्तिष्क पर विद्युत चुम्बकीय क्षेत्रों के संपर्क का प्रभाव'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
9. डॉ. अजय कुमार ने 29-31 मार्च, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित "भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में ''करकुमा अमाडा रॉक्सब से प्राप्त आवश्यक तेल की रासायनिक संरचना'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
10. डॉ. लोकेश कुमार जोशी ने 29-31 मार्च, 2023 को गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित "भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में ''वैदिक गणित और इंजीनियरिंग में इसके अनुप्रयोग'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

**अनुलग्नक-5 : पूर्ण/चालू अनुसंधान परियोजनाओं की संख्याः 02**

1. डॉ. अजय कुमार यूकोस्ट, देहरादून द्वारा जनवरी 2022 में स्वीकृत 3.50 लाख रुपये की एक अनुसंधान परियोजना ''उत्तराखंड के विभिन्न ऊंचाई वाले क्षेत्रों से अदरक के आवश्यक तेलों के फाइटोकेमिकल प्रोफाइल का एक अध्ययन'' पर कार्य कर रहे हैं।
2. डॉ. लोकेश कुमार जोशी ने यूएसईआरसी द्वारा स्वीकृत 3.88 लाख रुपये की एक अनुसंधान परियोजना ''उत्तराखंड के विशेष संदर्भ में उत्तर पश्चिमी हिमालय पर वर्षा, तापमान और बादल आवरण का सांख्यिकीय विश्लेषण'' को पूर्ण किया।

**अनुलग्नक-6 : उपस्थित एफडीपी/एसटीसी/कार्यशाला की संख्याः 06**

1. डॉ. सुनील पंवार ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण'' पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
2. डॉ. एम.एम. तिवारी ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में आयोजित ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण'' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

3. डॉ. विवेक गोयल ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण'' पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
4. डॉ. देवेन्द्र सिंह ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में आयोजित ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण'' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
5. डॉ. अजय कुमार ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण'' पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
6. डॉ. लोकेश कुमार जोशी ने 13-18 मार्च, 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, एफईटी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण'' पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

**अनुलग्नक-7 : आयोजित कार्यक्रम: 01**

1. डॉ. लोकेश जोशी ने 13-18 मार्च , 2023 के दौरान एप्लाइड साइंस विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार में यूएसईआरसी, देहरादून के सहयोग से ''उन्नत गणितीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा विश्लेषण'' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। (स्वीकृत अनुदानरू रु. 1,75,000/-).

# योग एवं शारीरिक शिक्षा संकाय
# शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग
# स्थापित वर्ष– 1990 (स्वतंत्र प्रभाग)

**1.संक्षिप्त परिचय–**

गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय वर्तमान मे (समविश्वविद्यालय) के स्थापना–काल एवं शिक्षा पद्वति मे शारीरिक शिक्षा एवं खेल महत्वपूर्ण अंगक के रूप मे सम्मिलित रहे है। यहॉ अध्ययनरत ब्रहमचारियों एवं खिलाडियों ने असीमित पराक्रम एवं शरीर कुशलता के बल पर देश–दुनिया एवं समाज मे अनेक सोपान प्राप्त किये है।जिनमे वर्ष 1990 से विश्वविद्यालय मे शारीरिक शिक्षा एक स्वतंत्र विभाग के रूप मे अस्तित्व मे आया। जहां सर्वप्रथम अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय खो.खो. प्रतियोगिता एवं वेट लिफ्टिंग एवं पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह ओर भी प्रसन्नता का विषय है कि भारतीय विश्वविद्यालय सघ, नई दिल्ली द्वारा वेट लिफ्टिंग एवं पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का शुभारम्भ एवं प्रथम आयोजन इसी विश्वविद्यालय मे किया गया।वर्ष 1990 से 2021 तक विश्वविद्यालय मे वालीबॉल, बास्केटबॉल, टेबल–टेनिस, स्क्वैश रैकेट, हॉकी, खो.खो., लॉन–टेनिस की नार्थ–जोन एवं ऑल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप सहित कुल 20 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा चुका है।एकेडमिक क्षेत्र मे विभाग द्वारा वर्ष 2000 से बी0पी0एड0 पाठयक्रम, वर्ष 2009 से बी0ए0 मे शारीरिक शिक्षा वैकल्पिक विषय के रूप मे आरम्भ किया गया। वर्ष 2011 से बी0ए0 आनर्स (वर्तमान मे बी0पी0ईएस0 पाठयक्रम), वर्ष 2017 से एम0पी0एड0 तथा वर्ष 2019 से शारीरिक शिक्षा मे पी0एच0डी0 शोध कार्य आरम्भ हुआ। विभाग द्वारा 8 राष्ट्रीय तथा 1 अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का आयोजन किया जा चुका है। वर्ष 2022 मे विभाग द्वारा ऑल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी स्क्वैश रैकेट प्रतियोगिता का आयोजन 23–25 मार्च 2022 मे किया गया। अभी तक विभाग से पॉच शोधार्थी पी0एच0डी शोध–कार्य पूर्ण कर चुके है।

2. **प्राध्यापकगण–**
   1. डॉ0 अजय मलिक, असि0 प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा
   2. डॉ0 शिवकुमार चौहान, एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा
   3. डॉ0 कपिल मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा
   4. डॉ0 अनुज कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा
   5. श्री प्रणवीर सिंह, असि0 प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा
   6. श्री कनिक, असि0 प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा

**3. विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला/खेल प्रतियोगिता/प्रशिक्षण कार्यक्रम**

- कारपोरेट अफेयर्स एण्ड आउटरीच प्रकोष्ठ के निर्देशन मे शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग 9–10 जुलाई 2022 को कैम्पस ड्राईव के अन्तर्गत डैक्थलॉन की रिक्रूटमेंट टीम के सदस्यों का अंग वस्त्र भेटकर स्वागत किया। नाईन रिजन की मैनेजर मिस सोनाली, समीर शाही एवं उनकी टीम ने शारीरिक दक्षता एवं साक्षात्कार के माध्यम से छात्रों का चयन किया।
- गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन 13 जुलाई 2022 को दयानंद स्टेडियम परिसर के मेजर ध्यान चन्द्र सभागार मे शारीरिक शिक्षा के शोध छात्रों द्वारा आयोजित किया गया।
- **राष्ट्रीय स्क्वैश प्रतियोगिता** का आयोजन6–7 अगस्त 2022 तक विभाग एवं उत्तराखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान मे दयानंद स्टेडियम स्थित स्क्वैश कोर्ट पर किया गया।

- **राष्ट्रीय शिक्षक दिवस** के अवसर पर दिनांक 5 सितम्बर से 9 सितम्बर तक शिक्षक सम्मान, – राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर व्याख्यान, कार्यशाला/वेबिनार, विशेषज्ञ संवाद, पोस्टर प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- **छात्र प्रेरणा कार्यक्रम** का आयोजन 7–12 नवम्बर 2022 तक विभाग द्वारा आयोजित किया गया। जिसमे प्रतियोगिताएं, व्याख्यान एवं वेबीनार आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- **हॉकी इण्डिया** के निर्देशन मे संचालित **ऑल इण्डिया स्वामी श्रद्धानंद हॉकी टूर्नामेंट** का आयोजन विभाग द्वारा 23–28 दिसम्बर 2022 तक हॉकी मैदान पर किया गया। जिसमे पुलिस, आर्मी, सर्विसेज, यूनिवर्सिटी एवं डिस्ट्रीक की टीमों ने भाग लिया। साई सोनीपत की टीम विजेता तथा इटावा इलेवन उपविजेता रही।
- **खेल प्रशिक्षण एवं योग** विषय पर कार्यशाला का 11 फरवरी, 2022 को विभाग द्वारा आयोजन किया गया। विषय प्रवर्तक के रूप मे जूलिया जेनेरिया (अन्तर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाडी एवं योग ट्रेनर) ने विशेष सत्र मे प्रतिभागी छात्रों का मार्गदर्शन किया।
- **योग एवं स्वस्थ्य भोजन की आदतें: एक जीवन शैली** विषय पर कार्यशाला का 25 फरवरी 2022 को विभाग द्वारा आयोजन किया। विषय प्रवर्तक के रूप मे डॉ0 संजीव त्यागी एवं डॉ0 कविता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एवरेस्ट योग संस्थान, लुधियाना ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।
- **साहसिक खेलों से महिला सशक्तिकरण**–सवांद कार्यक्रम का आयोजन 11 मार्च, 2022 को विभाग द्वारा किया गया। इस संवाद कार्यक्रम मे पदमश्री एवं पर्वतारोही संतोष यादव ने विषय प्रवर्तक के रूप मे छात्रों एवं प्राध्यापकों का मार्गदर्शन किया।
- **खेल कुशलता विकास प्रशिक्षण शिविर**–समविश्वविद्यालय केविभिन्न पाठयक्रमों के छात्रों को खेलों सक्षम एवं प्रवीण बनाने के उददेश्य से विभाग एवं डीन, छात्र कल्याण कार्यालय के साथ मिलकर 14 मार्च–20 अप्रैल, 2022 तक एक खेल कुशलता विकास प्रतिशक्षण शिविर का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण शिविर मे एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, वालीबॉल, कब्डडी, भारोत्तोलन, स्क्वैश एवं हॉकी का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सैद्वान्तिक एवं प्रयोगात्मक दोनो ही विद्या मे प्रशिक्षण की बारीकियों को विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। इस शिविर मे कुल 120 छात्रों ने अलग अलग खेलों मे प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- **बाल मनोविज्ञान पर कार्यशाला**–छात्रों को मनोविज्ञान की सूझ एवं व्यवहार परिवर्तन से जीवन मे पडने वाले प्रभाव के दृष्टिगत एक कार्यशाला का आयोजन 6 जून, 2023 को विभाग मे सम्पन्न हुआ। जिसमे प्रशिक्षु अध्यापकों के साथ शारीरिक शिक्षा के अन्य छात्रों ने भी भाग लिया। विशेषज्ञ के रूप मे जाने–माने मनोवैज्ञानिक प्रो0 राकेश कुमार जैन ने विशेष सत्र मे छात्रों का मार्गदर्शन किया।
- **शिक्षा मे डिजिटल पहल पर कार्यशाला**–छात्रों को डिजिटल क्रान्ति से परिचित कराने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन 14 जून 2023 को विभाग मे सम्पन्न हुई। विशेषज्ञ के रूप मे प्रो0 सुनील कुमार ने छात्रों की समस्याओं का समाधान किया।
- **निपुण भारत–2023**निपुण भारत विषय पर विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन 16 जून 2023 को विभागीय परिसर मे किया गया।विशेषज्ञ के रूप मे डॉ0 संतोष कुमार चमोला (समग्र शिक्षा) तथा विनय गर्ग ने (कौशल विकास) पर छात्रों की समस्याओं का समाधान किया।

4. विभागीय शिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/प्रशिक्षण शिविर/खेल प्रतियोगिता की संख्या

| कम.सं0 | प्राध्यापक का नाम | खेल प्रतियोगिता | प्रशिक्षण शिविर | कार्यशाला |
|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ0 अजय मलिक | 03 | 01 | 03 |
| 2. | डॉ0 शिवकुमार चौहान | 03 | 01 | 06 |
| 3. | डॉ0 कपिल मिश्रा | 01 | 01 | 01 |
| 4. | डॉ0 अनुज कुमार | 01 | 01 | ... |
| 5. | डॉ0 प्रणवीर सिंह | 01 | 01 | ... |

विभागीय शिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशाला मे प्रतिभाग

| कम.सं0 | प्राध्यापक का नाम | राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशाला | अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशाला |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ0 अजय मलिक | 05 | 01 |
| 2. | डॉ0 शिवकुमार चौहान | 04 | ..... |
| 3. | डॉ0 कपिल मिश्रा | 04 | ..... |
| 4. | डॉ0 अनुज कुमार | 01 | ..... |
| 5. | डॉ0 प्रणवीर सिंह | 01 | ..... |

5. विभागीय शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं मे प्रकाशित लेखों की संख्या

| कम.सं0 | प्राध्यापक का नाम | राष्ट्रीय शोध पत्रिका | अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ0 अजय मलिक | 05 | ..... |
| 2. | डॉ0 शिवकुमार चौहान | 01 | ..... |
| 3. | डॉ0 कपिल मिश्रा | 01 | ..... |
| 4. | डॉ0 अनुज कुमार | 01 | ..... |
| 5. | डॉ0 प्रणवीर सिंह | ..... | ..... |

6. विभागीय शिक्षकों को शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र मे विभिन्न शिक्षण व अनुसंधान संस्थाओं द्वारा प्राप्त पुरस्कारों की संख्या

| कम.सं0 | प्राध्यापक का नाम | शिक्षण क्षेत्र मे | अनुसंधान क्षेत्र मे |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ0 अजय मलिक | ..... | ..... |
| 2. | डॉ0 शिवकुमार चौहान | 01 | ..... |
| 3. | डॉ0 कपिल मिश्रा | ..... | ..... |
| 4. | डॉ0 अनुज कुमार | ..... | ..... |
| 5. | डॉ0 प्रणवीर सिंह | ..... | ..... |

**7. विभाग शिक्षकों द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों मे विषय–विशेषज्ञ के रूप मे प्रतिभाग की संख्या**

| कम.सं0 | प्राध्यापक का नाम | विषय विशेषज्ञ |
|---|---|---|
| 1. | डॉ0 अजय मलिक | 03 |
| 2. | डॉ0 शिवकुमार चौहान | 02 |
| 3. | डॉ0 कपिल मिश्रा | 03 |
| 4. | डॉ0 अनुज कुमार | |
| 5. | डॉ0 प्रणवीर सिंह | |

**8. शोध कार्य कर रहे शोधार्थियों की संख्या**

1. प्रो0 आर0के0एस0 डागर (से0नि0)–प्रोफेसर –शोधार्थियों की संख्या–05 (नियमित) + 02 (पार्ट–टाईम)
2. डॉ0 अजय मलिक– असि0 प्रोफेसर– शोधार्थियों की संख्या– 03

## शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग
## कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार

स्थापना वर्ष-**2019**

**विभागीय प्राध्यापक :**डॉ बिन्दु मालिक .
**(सहायक प्रोफेसर) (तदर्थ)**

**आयोजन-**

1) विभाग में 28.09.2012 को क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
2) छात्रों और कर्मचारियों के लिए 31.10.22 को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया।
3) विकास और शांति के लिए खेल के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर 06.04.23 को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
उपलब्धियां-
1) 20.1222 से 23.12.2012 तक भुवनेश्वर में आयोजित पूर्वोत्तर अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में आठ लड़कियों ने भाग लिया।
2) रोहतक में 26.1222 से 01.01.23 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में आठ लड़कियों ने भाग लिया।
3) तीन लड़कियों ने 09.01.23 से 12.01.23 तक अमृतसर में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में भाग लिया।
4) बिलासपुर में 17.01.23 से 22.01.23 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कराटे चैम्पियनशिप में एक लड़की ने भाग लिया।

**उपलब्धियां**

1 ने कन्या गुरुकुल बैडमिंटन चैंपियनशिप में पहला स्थान हासिल किया।
2) जी.के.वी. में आयोजित 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगियों की भूमिका' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया। हरिद्वार से २७ से २८ फरवरी १९२३ के बीच का पेपर जिसका शीर्षक है भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में स्वामी श्रद्धानन्द का योगदान'.
(3) जी.के.वी. में आयोजित 'सभी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया। 19 मार्च 2023 को हरिद्वार
4) जी.के.वी. में आयोजित 'भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया। 29 से 31 मार्च 2023 तक हरिद्वार

# योग विज्ञान विभाग
# योग और शारीरिक शिक्षा संकाय
# स्थापना 1984 :(वर्ष)

**योग विज्ञान विभाग का परिचय -**

गुरुकुल कांगड़ी 1902मार्च 4 की स्थापना (मानित विश्वविद्यालय)ई॰ को स्वामी श्रद्धानंदजी द्वारा हरिद्वार के पास गंगा नदी के तट पर प्राचीन भारतीय गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित करने के एकमात्र उद्देश्य से की गई थी। इस संस्था की स्थापना वैदिक साहित्य, भारतीय दर्शन, योग विज्ञान, भारतीय संस्कृति, आधुनिक विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करके, लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति का स्वदेशी विकल्प प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। मेंभारत और विदेशों में प्राचीन भारतीय संस्कृति और विज्ञान का प्रचार करने 1984 के लिए योगविज्ञान विभाग की स्थापना की गई यह जो उच्च शिक्षा में योग विषय के रूप में प्रारम्भ करना अभिनव पहल के रूप में है। जो कि सर्वप्रथम डॉ ईश्वर भारद्वाज .जी के मार्गदर्शन मेंयोग में 4माह के डिप्लोमा के साथ अस्तित्व में आया। इस विश्वविद्यालय का योग विज्ञान विभाग ने में स्नातक स्तर पर 1990, तथा में 1992 योग विषय में एमए.एस.एम/सी. तथा में पीए 1996च शुरू .डी.करने वाला देश एवं विश्व का एक प्रमुख संस्थान है।मानव चेतना और योग विज्ञान विभाग की स्थापना का प्रस्ताव यू.जी.सी. को भेजा गया था और यूजीसी के पत्र संख्या एफ 2001मार्च 29 के माध्यम से दिनांक (पीईएस)2001/16-को स्वीकृति मिल गई थी। और विभाग की स्थापना में मानव चेतना और योग विज्ञान 2002विभाग के रूप में की गई थी। वर्तमान में विभाग का नाम मानव चेतना और योग विज्ञान विभाग से बदलकर 'योग विज्ञान विभाग' कर दिया गया है, जिसे यू.जी.सी. पत्र संख्या M.S.) 2018/6-8DU) दिनांक 2019फरवरी 01 से अनुमोदन प्राप्त है।

**विभागाध्यक्ष:** प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार

**विभागीय प्राध्यापक - (स्थायी)**

.1डॉउधम सिंह ., सहायक प्रोफेसर

**विभागीय प्राध्यापक - (तदर्थ)**

.2डॉसंदीप कुमार .

.4डॉ.के) संयोगिता .जी.सी., देहरादून(

.5डॉ.के) नेहा सैनी .जी.सी., देहरादून(

**योग प्रशिक्षक**

.1डॉ राजीव शर्मा

.2डॉयोगेश्वर दत्त .

.3डॉनिष्कर्ष शर्मा .

.4दीपिका आर्य .के)जी.सी., देहरादून(

**प्रकाशनपुरस्क/कार्यशाला में भाग लिया/सम्मेलन में भाग लिया/ारआमंत्रित वार्ता आदि का / –विवरण**

**.1योग विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार 08 :कार्यशाला/**

**.2शिक्षकों द्वारा सेमिनार 07 :कार्यशाला में प्रतिभागिता/कॉन्फ्रेंस/**

- प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार 05 -
- डॉउधम सिंह ., सहायक प्रोफेसर 02-

**.3शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित 11 :**

- प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार 04 -
- डॉउधम सिंह ., सहायक प्रोफेसर 07-

**.4शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीयस्तर पर प्रकाशित पुस्तक 05 :**

- पुस्तक 01 :
- संपादित पुस्तक 01 :
- संपादित पुस्तक में प्रकाशित शोध पत्र 03 :

**.5शिक्षकों द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों में दिये गए आमंत्रित व्याख्यान2 :6**

- प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार1 -2
- डॉउधम सिंह ., सहायक प्रोफेसर 14-

**6 योग विज्ञान विभाग के .शिक्षकों को विभिन्न विश्वविद्यालयों में विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित 09:**

- प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार 6 -
- डॉउधम सिंह ., सहायक प्रोफेसर 3-

**7 विभाग में .शिक्षकों द्वारा निर्देशित शोधार्थियों की संख्या 11 :**

- प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार 08 -
- डॉउधम सिंह ., सहायक प्रोफेसर 03-

# भेषज विज्ञान विभाग
# चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य संकाय
# स्थापना (वर्ष): 2007

**(वार्षिक विवरण-२०२२-२०२३)**

भेषज विज्ञान विभाग 2007 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की 10वींबी योजना के तहत आयुर्वेद और चिकित्सा विज्ञान संकाय में 15 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से शुरू किया गया था।वर्तमान में विभाग डी.फार्मा(60 सीटें), बी.फार्मा। (100 सीटें) औरएम.फार्मा (फार्माकोलॉजी) 09 सीट के साथ चला रहा है।।सत्र 2022-2023 में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने एम.फार्मा(फार्मास्युटिक्स) 15 सीटों के साथ प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की।।सत्र 2022-2023 से विभाग एम फार्म (फार्मासुटिकल केमिस्ट्री ) भी प्रारंभ कर चुका है Iसभी पाठ्यक्रमों में विभिन्न श्रेणियों के लिए भारत सरकार, नई दिल्ली के नियमों और विनियमों के अनुसार ई डब्ल्यू एस, एस सी, एस सी टी, ओ बी सी (नॉन-क्रीमीलेयर/क्रीमीलेयर)आरक्षण नीतियों का पालन किया जा रहा है।वर्तमान में, 18 संकाय सदस्य विभाग में विभिन्न क्षमता ओं में काम कर रहे हैं और विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा समय -समय पर सौंपे गए शैक्षणिक, अनुसंधान और कार्यों में लगे हुए हैं।सत्र के दौरान, छात्रों ने सीखने की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उद्योगों और शैक्ष णिक संस्थानों का दौरा किया।शिक्ष क कई पाठ्येतर गतिविधियों से भी जुड़े रहे हैं और विभाग, विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया है।

**पुनश्चर्या/अभिविन्यास/प्रेरणायन/प्रशिक्षणकार्यक्रमोंमेंसंकायसदस्योंद्वारा किया गया प्रतिभाग:**

1. डॉ. कपिल कुमार गोयल ने 06-19 सितंबर 2022 तक यूजीसी-एच आर डी सी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्लीमें अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन (आईडी), (ऑनलाइन) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
2. डॉ. कपिल कुमार गोयल ने 01-05 मई 2023 तक ग्राफिक एराहिल यूनिवर्सिटी, देहरादूनमें 5 दिवसीय "अतिरिक्त अनुदान पर अनुसंधान प्रस्ताव लिखने पर संकाय विकास कार्यक्रम" (ऑनलाइन) में भाग लिया।
3. डॉ. विपिन कुमार ने एक सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में भागलिया (24 अप्रैलसे 28 अप्रैल, 2023) शीर्षक "डिज़ाइन और विकास: सीखने के परिणाम और उद्देश्य" टीचिंग लर्निंग सेंटर, श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नईदिल्ली द्वारा आयोजित, प्रायोजित: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
4. डॉ. विपिन कुमार ने एक सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया (16 जनवरीसे 20 जनवरी, 2023) टीचिंग लर्निंग सेंटर, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित"ऑन लाइन मूल्यांकन और साहित्यिक चोरी उपकरण का अनुप्रयोग" प्रायोजित: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

5. डॉ. विपिन कुमार ने दो सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया (21 नवंबर से 01 दिसंबर, 2022) टीचिंग लर्निंग सेंटर, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "शैक्षणिक कौशल को बढ़ाना" प्रायोजित: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नईदिल्ली
6. डॉ. विपिन कुमार ने टीचिंग लर्निंग सेंटर, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "डिजाइन, विकास और मानकीकरण: अनुसंधान उपकरण" शीर्षक से एक सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (12 सितंबरसे 16 सितंबर, 2023) में भाग लिया।द्वारा: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
7. डॉ. विपिन कुमार ने एक सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया (9 जनवरीसे 13 जनवरी, 2023) एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई), पंजाब शाखा के सहयोग से सी टी यूनिवर्सिटी, लुधियाना द्वारा "फार्मास्युटिकल और हेल्थ केयर सेक्टर में वर्तमान रुझान और भविष्य की चुनौतियां" शीर्षक से आयोजित किया गया: एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल टीचर्स (एपीटीआई)भारत,द्वारा प्रायोजित
8. डॉ. अश्विनी कुमार ने 06-19 सितंबर 2022 के दौरान जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
9. डॉ. अश्वनी कुमार ने 25-30 जुलाई, 2022 के दौरान जे पी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा द्वारा प्रायोजित जे पी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
10. डॉ. अश्वनी कुमार ने 01-03 अगस्त, 2022 के दौरान कैरियर पॉइंट यूनिवर्सिटी, हमीरपुर द्वारा प्रायोजित कैरियर पॉइंट यूनिवर्सिटी, हमीरपुर द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
11. डॉ. अश्वनी कुमार ने ग्राफिक एराहिल यूनिवर्सिटी, देहरादून द्वारा प्रायोजित 01-05 मई, 2023 के दौरान ग्राफिक एराहिल यूनिवर्सिटी, देहरादून द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
12. डॉ. विनोद नौटियाल ने ग्राफिक एराहिल यूनिवर्सिटी, देहरादून द्वारा प्रायोजित ग्राफिक एराहिल यूनिवर्सिटी, देहरादून द्वारा 01 मई 2023 -05 मई 2023 के दौरान एक्स्ट्रामुरल अनुदान के लिए शोध प्रस्ताव लिखने के पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
13. डॉ. विनोद नौटियाल ने 29 मई 2023- 10 जून 2023 के दौरान यूजीसी, मानव संसाधन विकास केंद्र यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई (एमएच),रूसा द्वारा प्रायोजित जीवन विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

**शोधपत्र/लेख प्रकाशित (2022-23)**

1. मयंक कुमार मलिक, विपिन कुमार, जस पाल सिंह, पवन कुमार। (2023)।बृहदान्त्र में मे सा ले मिन की लक्षित रिहाई के लिए मैट्रिक्स टैबलेट में फॉस्फो राइलेटेड मंडु आस्टार्च की दक्षता।जर्नल ऑफ़ ड्रग डिलिवरी साइंस एंडटेक्नोलॉजी ।खंड 81, मार्च 2023, 10425।प्रभाव कारक: 5.062 आई एस एस एन। 1773-2247

2. मयंक कुमार मलिक, विपिन कुमार, जस पाल सिंह, पंकज भट्ट, राघव दीक्षित, सुनील कुमार।(2023)।पाचन प्रतिरोधकता धार के लिए एसटीपीपी/ एसटीएमपी द्वारा निकालेगएमंडु आस्टार्च का फास्फोराइलेशन।एसी एस ओ मेगा 2023, 8, 11750−11767। DOI 10.1021/acsomega.2c05783 प्रभाव कारक.4.132.

3. मयंक कुमार मलिक, पंकज भट्ट, तरूण कुमार, जस पाल सिंह, विपिन कुमार, अब्दुल फारुक, शिव कन्या फुलोरिया, नीरज कुमार फुलोरिया, वेट्रिसेल्वन सुब्रीमण्यन, सुनीलकुमार। (2023)।नवीन दवा वितरण उपकरणों के विकास में दवा वाहक के रूप में रासायनिक रूप से व्युत्पन्न स्टार्च का महत्व।प्राकृतिक उत्पाद जर्नल. 13(6):40-53. स्कोपस अनुक्रमित. आई एस एसएन (प्रिंट): 2210-3155।आई एस एस एन (ऑनलाइन): 2210-3163। Doi.10.2174/2210315512666220819112334 प्रभाव कारक। 0.864.

4. नीरज कुमार फुलोरिया, शबनारा उपाल मोराइस, चित्रा के, श्री कांतजयबालन, शिवकन्याफुलोरिया, कुमारप्पन चिदंबरम, महेंद्रन से कर, सी वहुआगण, एम.यास्मीन बेगम, नूर नजीहाइज़्ज़ती, वेट्रिसेल्वन सुब्रमण्यन, काथिरेसनवी.सथशिवम, सिद्धार्थन सेल्वराज और विपिन कुमार शर्मा. स्पाइरास्ट्रेला पचीस्पिरा (समुद्रीस्पंज) और इसके बायोएक्टिव अणु स्फिंगोसिन की कैंसर रोधी क्षमता।समुद्री विज्ञान में सीमांत. खंड 9-2022।प्रभाव कारक: 5.247. आईएसएसएन. 2296-7745. https://doi.org/ 10.3389/fmars.2022.950880।

5. सिद्धार्थ नसेल्वराज, सोम सुंदरम प्रसाद, शिव कन्या फुलोरिया, वेट्रिसेल्वन सुब्रमण्यन, महेंद्रन सेकर, अब्देल मोतीएम. अहमद, बेल्गासेम बोउलेग्यू, दर्नाल हरिकुमार, विपिन कुमार शर्मा, मोहम्मद नजमुलहस नमाज़ीज़, काथिरेसनवी. सदाशिवम, धनलक्ष्मीयू. मीनाक्षी, नीरज कुमार फुलोरिया. (2022)।कोविड-19 बायो मेडिक लप्लास्टि अपशिष्ट-पर्यावरणीय आपदा को रोकने के लिए चुनौतियाँ और रणनीतियाँ।स्थिरता 2022, 14(11), 6466 https://doi.org/10.3390/su14116466 प्रभाव कारक: 3.889, आई एस एस एन: 2071-1050

6. मयंक कुमार मलिक, तरूण कुमार, विपिन कुमार, जस पाल सिंह, राज कुमार सिंह, करुणा सैनी। (2022)।मंडु आस्टार्चव्युत्पन्नसेटिकाऊ, अत्यधिक फोल्डेबल, पर्यावरण-अनुकूल फिल्में।सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकी और आकलन। 53, 102398. https://doi.org/10.1016/j.seta.2022.102398. प्रभाव कारक: 7.632, आई एस एस एन: 22131388

7. अरुण कुमार, अंजलि गोयल, विपिन कुमार, अश्वनी कुमार, प्रिंस प्रशांत शर्मा, तरूण कुमार, मयंक कुमार मलिक। (2022)।कतीरागम और पॉलीविनाइल अल्कोहल पर आधारित अर्ध-इंटरपेनेट्रेटिंग हाइड्रोजेल प्रणाली: संश्लेषण और लक्षण वर्णन।रसायन विज्ञान जर्नल। 15 (3): 1922-1931. आईएसएसएन: 09760083, 09741496। (स्कोपस अनुक्रमित)

8. मयंक कुमार मलिक, पंकज भट्ट, जस पाल सिंह, रजनीश दत्त कौशिक, गौरव शर्मा, विपिन कुमार।रासायनिक रूप से क्रॉस-लिंक्ड संशोधित मंडुआ स्टार्च का प्री क्लिनिकल सुरक्षा मूल्यांकन:

9. मयंक कुमार मलिक, विपिन कुमार, प्रिंस प्रशांत शर्मा, जस पाल सिंह, शिव कन्या फुलोरिया, वेट्रिसेल्वन सुब्रीमण्यन, नीरज कुमार फुलोरिया, पवन कुमार। (2022) एपिक्लोरोहाइड्रिन के साथक्रॉसलिंकिंग के बाद मंडुआस्टार्च (एलुसीनकोराकाना) की पाचनप्रतिरोधकता में सुधार।एसीएसओमेगा. 7, 31, 27334-27346। https://doi.org/10.1021/acsomega.2c02327 ISSN: 2470-1343 (प्रिंट); 2470-1343 (वेब)।प्रभाव कारक: 4.132

10. चिंकी गोयल, पंकज भट्ट, शिवानी रावत, विपिन कुमार शर्मा, मीना रानी आहूजा।विभिन्न मिठास वाले एजेंटों वाले बाला चतुर्भद्रि का सिरप की शेल्फ-लाइफ का अनुमान।फार्मेसी और प्रौद्योगिकी के अनुसंधान जर्नल. 2022; 15(11):5078-3. डी ओ आई: 10.52711/0974-360X.2022.00853।आई एस एस एन: 2231-5209. स्कोपस अनुक्रमित.

11. पंकज भट्ट, विपिन कुमार, ऋचा गोयल, सोमेश कुमार शर्मा, शिखा कौशिक, शिवी शर्मा, अलंकार श्रीवास्तव, मुलुगेटाटेसेमा।उन्नत दवा वितरण में अनुप्रयोगों के लिए देशी स्टार्च के लिए संरचनात्मक संशोधन और रणनीतियाँ।बायोमेड रिसर्च इंटरनेशनल।खंड 2022, आलेख आईडी 2188940, 14 पृष्ठ। https://doi.org/10.1155/2022/2188940 प्रभाव कारक: 3.411।आई एस एस एन: 2314-6133 (प्रिंट); 2314-6141 (वेब)।

12. दीप्ति नेगी,अनूप कुमार सिंह,विपिन कुमार,श्वेताजी शुक्ला। (2022)।माल्टा डीटेल की एंटी ऑक्सीडेंट गतिविधियाँ: एक एंटी डैंड्रफ़तेल।फार्मास्युटिकल और मेडिकल यूरोपीय नैक रिसर्च जर्नल. 9(6), 336-338. आईएसएसएन 2394-3211.

13. गोयल के.के. एट आल. एंटीकैंसर ड्रग डेवलपमेंट में एक विशेषाधिकार प्राप्त फ़्यूज्ड फार्मा को फोर के रूप में इमिडाज़ोक्विनोक्सलाइन: सिंथेटिकरण नीतियों और औषधीय पहलुओं की समीक्षा ।रसायन विज्ञान चयन 2022, (07) 37, https://doi.org/10.1002/slct.202200834।

14. गोयल, के.के. एट आल.[1,2-ए]. क्विनोक्सैलिन डेरिवेटिव्स की एक श्रृंखला से कैंसर रोधी गुणों के साथ संभावित एंटीट्यूबुलिन एजेंटों की पहचान: सिलिको और इनविट्रो दृष्टिकोण में। अणु 2023, 28, 802. https://doi.org/10.3390/molecules28020802.

15. गोयल, के.के. एट. अल., एंटी कैंसर एजेंटों के रूप में ट्युबुलिनपॉलिम राइजेशन को लक्षित करने वाले इमिडाज़ोल-प्रतिस्थापित/फ्यूज्ड एरिलडे रिवेटिव का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन। सिनओपन 2023; 07(01): 17-28, https://doi.org/10.1055/s-0042-1751835।

16. गोयल, के.के. एट आल. ट्युबुलिन निषेध के माध्यम से एंटी कैंसर एजेंटों के रूप में 2-फेनिल क्विनाज़ोलिन-4-वाईएल 4-मिथाइल बेनजेन सल्फोनेट डेरिवेटिव का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन। सिनलेट 2022, 34 (01)49-56, https://doi.org/10.1055/s-0042-1751378।

17. राजपूत, एस.के., दुबे, आर.सी., और कुमार, ए. (2022)। बकरी और भेड़ के दूध से अलग किए गए एंटरो कोक सफ़ेशियम GMB24 और एंटरो कोकसहिरा SMB16 में प्रोबायोटिक क्षमता और इम्यूनोमॉड्यू लेटरी गुण। माइक्रो बायोलॉजी के अभिलेखागार, 204(10), 619।

18. कुमार, ए., सिंह, ए., कुमार, ए., और कक्कड़, एस. (2022)। नए कौमेरिन डेरिवेटिव का डिजाइन, संश्लेषण, भौतिक रासायनिकल क्षणवर्णन और जैविक (एंटीऑक्सीडेंटऔरएंटीयूरेज़) मूल्यांकन। फार्मास्युटिकलन कारात्मक परिणाम जर्नल, 3992-4000।

**बी.फार्मा का प्लेसमेंट। (2023 बैच) के छात्र**

1. नेक्टर लाइफ साइंसेज, चंडीगढ़

| **क्रम सं** | **छात्र का नाम** | **डेजिगनेशनविभाग/** |
|---|---|---|
| 1. | विमल कुमार | प्रोडक्शन |
| 2. | रवि कान्त सिंह | प्रोडक्शन |
| 3. | गुलाम रब्बानी | प्रोडक्शन |
| 4. | अभिषेक | क्यू ए |
| 5. | स्वराज बोदु | क्यू ए |
| 6. | प्रियंक चौहान | क्यू ए |

2.थेमिसमेडिकेयर, हरिद्वार

| **क्रम सं** | **छात्र का नाम** | **डेजिगनेशनविभाग/** |
|---|---|---|
| 1. | शिवांश रावत | क्यू ए |
| 2. | शिवम् कुमार | क्यू ए |
| 3. | इन्द्रजीत गुप्ता | क्यू ए |
| 4. | अर्पित सैनी | क्यू ए |
| 5. | सत्यम पाण्डेय | प्रोडक्शन |
| 6. | वर्णित सिंह चौहान | प्रोडक्शन |

3.ज़नेकाहेल्थकेयरलिमिटेड, हरिद्वार

| **क्रम सं** | **छात्र का नाम** | **डेजिगनेशनविभाग/** |
|---|---|---|
| 1. | फरजान | प्रोडक्शन |
| 2. | विमल कुमार | प्रोडक्शन |

4.प्योरएंड क्योर, हरिद्वार

| क्रम सं | छात्र का नाम | डेजिगनेशनविभाग/ |
|---|---|---|
| 1. | पीयूष खनेटा | प्रोडक्शन |
| 2. | गुलाम रब्बानी | प्रोडक्शन |
| 3. | स्वराज बोद्दु | क्यू ए |
| 4. | जसवीर सिंह | क्यू ए |

5.सिनोकेमफार्मास्युटिकल

| क्रम सं | छात्र का नाम | डेजिगनेशनविभाग/ |
|---|---|---|
| 1. | कौशिक कुमार | प्रोडक्शन |
| 2. | रवि राजपूत | प्रोडक्शन |
| 3. | रितेश सिंह | प्रोडक्शन |

5. जुबिलेंटऑर्गेनोसिस, रूड़की

| क्रम सं | छात्र का नाम | डेजिगनेशनविभाग/ |
|---|---|---|
| 1. | संजीव कुमार | प्रोडक्शन |
| 2. | अभिषेक कुमार पुत्र श्री अनुराग पल | प्रोडक्शन |
| 3. | मोहित कुमार पुत्र श्री नंदन राम | प्रोडक्शन |
| 4. | विशाल | क्यू ए |
| 5. | मानिक धीमान | क्यू ए |
| 6. | रिषभ | क्यू ए |
| 7. | उदित शर्मा | क्यू ए |
| 8. | मोहितपाल | क्यू ए |
| 9. | जसवीर सिंह | क्यू ए |
| 10. | अक्षय कुमार | क्यू ए |

6. मान्यताप्राप्तकंसल्टेंट्सप्रा. लिमिटेड (एसीपीएल), ग्रेटरनोएडा

| क्रम सं | छात्र का नाम | डेजिगनेशनविभाग/ |
|---|---|---|
| 1. | वर्णित सिंह चौहान | **प्रोडक्शन** |
| 2. | रवि राजपूत | **प्रोडक्शन** |
| 3. | फरजान | **प्रोडक्शन** |
| 4. | सत्यम पाण्डेय | **प्रोडक्शन** |

# मानविकी संकाय
# हिन्दी विभाग
# स्थापना वर्ष: 1962

## विभाग के बारे में

सन अपने स्थापना वर्ष से ही .में विश्वविद्यालय के आधार विभाग के रूप में हिन्दी विभाग की स्थापना की गई 1962 काँगड़ी विश्वविद्यालय मूलतः गुरुकुल.स्नातकोत्तर स्तर पर अध्यापन और शोध कार्य हो रहा है,हिन्दी विभाग में स्नातक विश्वव .वैदिक शिक्षा पद्धति पर आधारित हैि्द्यालय के संस्थापक स्वामी श्रद्धानंद जी का शिक्षा दर्शन भारतीय संस्कृति पर आधारित था और वे स्वयं मूल्य केन्द्रित शिक्षा के प्रवर्तक थेउन्होंने भारतीय मनीषा को अकादमिक रूप . जो प्राचीन और अर्वाचीन ज्ञा ,के लिए एक ऐसे संस्थान की परिकल्पना की से स्थापित करनेन परम्परा के मध्य एक सेतु स्थापित कर सकेसंयोजन ,संवाद,वैदिक दर्शन पर आधारित शिक्षण पद्धति का मूल स्वर निषेधात्मक न होकर समन्वय . ति ने अपनी प्रगतिशीलता के अकादमिक चरित्र को इस दृष्टि से गुरुकुलीय शिक्षा पद्ध .और विमर्शों का स्वर रहा है स्थापित किया तथा भारतीय ज्ञान परम्परा को हमेशा से अपनी प्राथमिकता में रखागुरुकुलीय शिक्षा पद्धति ने प्राथमिक . शिक्षार्थी सहोदर भाव तथा राष्ट्र के प्रति बतौर,से लेकर उच्च शिक्षा तक में भारतीय संस्कृति के उच्च जीवन मूल्यों हिन्दी विभाग ने स्वामी श् .प्रतिबद्धताओं का संरक्षण कियारद्धानन्द जी के शिक्षा दर्शन का अनुशीलन किया हैहिन्दी . विभाग में विचार के तौर पर भारतीय ज्ञान पम्परा एकदृष्टि प्रपत्र के तौर पर सदैव उपस्थित रही है .

## हिन्दी भाषा और साहित्य -: विभागीय दृष्टि :

हिन्दी विभाग भाषा नवीन तकनीकी के माध्यम से नवाचार विकसित करने के लिए विभाग पूर्णतहिन्दी .प्रतिबद्ध है : भाषा की अपनी मूल प्रकृति भी सुरक्षित रहे, साथ ही इसको नूतन प्रविधियों से जोड़कर और अधिक प्रभावी और सम्प्रेषणशील बनाया जाए, इसके लिए हिन्दी विभाग सदैव से तत्पर रहा हैहिन्दी भाषा एवं साहित्य के शिक्षण एवं शोध स .ी मानवीय चेतना परिष्कृत हो, इसके लिए विभाग हिन्दी विषय को अकादमिक अनुशासन के साथ मानवीय सरोकारों से संबद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है.

## उपलब्ध कार्यक्रम -:

बी (हिन्दी ) .ए .
एम(हिन्दी ) .ए .
पीडिप्लोमा हिन्दी पत्रकारिता .जी .
पी.डी .एच-.
डीलिट .

विभागाध्यक्ष : **प्रो अंबुज कुमार शर्मा .**

प्राध्यापकगण **:डॉअजित सिंह तोमर .**-(सहायक प्रोफेसर(, **डॉ** (सहायक प्रोफेसर) **सुनील कुमार .**

**आयोजन**

1. डॉ सुनील कुमार ., सहायक प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार ने स्नातक,स्नातकोत्तर छात्रों के लिए छात्र प्रेरणा कार्यक्रम संयोजक-मानविकी संकाय में सह (दीक्षारंभ) के दायित्व का निर्वहन किया। दिनांक– **07-11-2022 से 12-22-2022** तक।

**प्रकाशन कार्य:शोध कार्य /**

डॉ -:तोमर अजित सिंह. (03) शोध पत्र प्रकाशित

1. अजित सिंह तोमर**,** *प्रभाष जोशी के खेल लेखन का सौंदर्यबोध***,** शोधप्रभा-**,Vol-47, Issue-3 (July-September,2022)** पृष्ठ31-27-
2. अजित सिंह तोमर**,***हिन्दी पत्रकारिता में प्रभाष जोशी का योगदान,* शोध संहिता**,Vol-IX, Issue-9 (July-December,2022)** पृष्ठ**-30-34**
3. अजित सिंह तोमर**,***लिपस्टिक अंडर माय बुर्का लैंगिक विमर्श का:प्रभावशाली सिनेमाई आख्यान* शोध दिशा**,Vol-60/2, (October-December,2022)** पृष्ठ**-337-342**

**डॉ (पुस्तक प्रकाशन/शोध पत्र ) सुनील कुमार .**

पुस्तक– 01

- हिंदी दलित आत्मकथा लेखन में तुलसीराम का योगदान 2022 -प्रकाशन वर्ष (आत्मकथा)ISBN-978-93-93496-04-1

**शोध पत्र02 -**

- डॉसुनील कुमार., मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में व्यक्त संवेदना, शोध दिशा ISSN735-0975-X दिसम्बर-अक्टूबर , 2022
- 2. डॉसुनील कुमार ., संजीव के उपन्यास मे 'धार'ं आदिवासी जीवन का यथार्थ चित्रण, मध्य भारती ISSN-0974-2023 जून-जनवरी ,0066

**पुस्तकों में प्रकाशित लेख अध्याय/**

**पुस्तक शीर्षक -**शैलेश मटियानी जीवन और साहित्य के विविध आयाम
**अध्याय शीर्षक -**शैलेश मटियानी के उपन्यासों में लोकतत्व
**संपादक-** अरविंद कुमार मौर्य
**ISBN-**2-29-92611-93-978
**वर्ष**2022 **-**

## राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी/

डॉ01 -:अजित सिंह तोमर.

| | | |
|---|---|---|
| प्रभाष जोशी के पत्रकारिता लेखन में राष्ट्रीय चेतना | भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय चेतना | हिन्दी भाषा एवं साहित्य भारत सम्मेलन समिति, देहरादून उत्तर प्रदेश भाषा ) संस्थान, लखनऊ द्वारा वित्तपोषित( | दिनांक 08-07 - अगस्त,**2022** |

**डॉ02 :सुनील कुमार.**

.1स्नातकोत्तर हिंदी विभाग सितम्बर 30 द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (हरियाणा) करनाल ,दयाल सिंह कॉलेज , विषयक शोधपत्र प्रस्तुत। 'हिंदी का भविष्य और भविष्य की हिंदी' को 2022

2. गुरुकुल कांगड़ी ,(समविश्वविद्यालय)हरिद्वार के संयुक्त ,भारत सरकार ,शिक्षा मंत्रालय ,एवं भारतीय ज्ञान परम्परा (उत्तराखंड) ' -:तत्वाधान में विषयअनुसंधान प्रस्ताव लेखन कार्यशाला '27 एवं 202 जनवरी 283 में सक्रिय सहभागिता रही।

## वेबिनार

डॉउच्च शि.1-: सुनील कुमार.क्षा और शोध संस्थान संगोष्ठी -मद्रास द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई ,दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा , ' 2022 जुलाई 31आत्मनिर्भर भारतमें भाग लिया। 'गाँधी चिंतन की प्रासंगिकता :

## प्रशिक्षणवर्कशॉप /

डॉ) 2022 दिसंबर 13 नवंबर से 14 -सुनील कुमार.यूड.आर.एच (.सी.जी.ी शिमला ,प्रदेश विश्वविद्यालय हिमाचल .सी. में ऑनलाइन माध्यम से संवर्धन कार्यक्रम में (.पी.आई.एफ) द्वारा आयोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम ,से संबंध (हिमाचल) प्रतिभाग किया।

## विशिष्ट वार्ताएं/व्याख्यान रेडियो/वार्ता

डॉ 2023/03/21 दिनांक-:सुनील कुमार.राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में एक दिवसीय व्याख्यान -:

## अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम विभागीय गतिविधियां/सूचना /

**शिक्षक(ऑनलाइन) अभिभावक संवाद--मई2023-**

- दिनांक अभिभावक समागम का आयोजन गूगल -द्वारा ऑनलाइन शिक्षक (मुख्य परिसर) को हिंदी विभाग 2023/05/09 डिप्लोमा वर्ग के छात्रों के अभिभावकों से संवाद स्थापित किया ,स्नातकोतर ,इसमें स्नातक .माध्यम से किया गया मीट के गया।https://meet.google.com/bau-okhs-fyt
- 14 सितम्बर 2022 ,को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रबंध अध्ययन संकाय में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- दिनांक को सुदामा पांडेय धूमिल की जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग में 2022 नवंबर 09कवि धूमिल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर व्याख्यान एवं काव्य पाठ का आयोजन भी किया गया।

## निबंध लेखन प्रतियोगिता :

हिंदी विभाग में लेखन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। -को निबंध 2023 अप्रैल 27

# हिन्दी विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर हरिद्वार

**विभागाध्यक्ष/विभाग प्रभारी – प्रो. सुचित्रा मलिक**

प्राध्यापिकागण एवं पद नाम – डॉ. मृदुल जोशी -एसोसियेट प्रोफेसर

डॉ.निशा शर्मा – असिस्टेंट प्रोफेसर

गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 1992-93 से कन्या गुरुकुल परिसर हरिद्वार में हिन्दी विभाग स्नातकोत्तर कक्षाओं के साथ प्रारंभ हुआ। सत्र 2020-21 में स्नातक (बी.ए.) कक्षाएँ प्रारंभ हुईं।

**इवेंट्स –**

1. स्वतंत्रता दिवस – 15/08/2022
2. शिक्षक दिवस -05/09/2022

# हिन्दी विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून

## वार्षिक विवरण, 2022-23

**प्रकाशित शोधपत्र (यूजीसी केयर लिस्टड): 5**

**आयोजित कार्यक्रम:-**

1.हिन्दी सप्ताह

2. अतिथि व्याख्यान (1)

पेपर प्रस्तुतिकरण: 1

रिसोर्सपर्सन: 6

**विस्तृत विवरण**

**डॉ. निशा यादव**

1. साहित्यिक अनुवाद: समस्याएं एवं चुनौतियां, अनुवाद शोध पत्रिका, 0003-6218, भारतीय अनुवाद परिषद, अंक 192, जुलाई-सितंबर 2022
2. संभावनाओं एवं चुनौतियों के झंझावात और हिन्दी, द्विभाषी राष्ट्रसेवक शोध पत्रिका, 2321-4945, अंक 5-6, अगस्त-सितंबर 2022
3. कबीर के राम, मीरायन शोध पत्रिका, 2455-6033, अंक 4, दिसंबर-फरवरी 2023

**शोध पत्र प्रस्तुतिकरण -**

1. पेपर का शीर्षक: बंटवारे का दर्द बयां करता गुजरात पाकिस्तान से गुजरात हिन्दुस्तान, तीनदिवसीय अंतराष्ट्रीय ऑन लाइन संगोष्ठी, लिटरेचर, लैंगवेज, लिंगविस्टिक और कल्चर, 28-30 मार्च, 2023, सेंट फ्रांसिस कॉलेज, बेंगलुरू, कर्नाटक द्वारा आयोजित
2. भगवानदास मोरवाल के उपन्यास बावल तेरे देश में भारतीय संस्कृति, नागफनी, दिसंबर 2022
3. भगवानदास मोरवाल के उपन्यास काला पहाड़ में लोक जीवन का स्वरूप, शोध दिशा, जनवरी-मार्च 2023

**आयोजित कार्यक्रम:-**

**1.हिन्दी सप्ताह 14-20 सितंबर 2022**

- 14 सितंबर: उद्घाटन सत्र, विज्ञान और हिन्दी, मुख्य अतिथि प्रो. एम. पी. एस. बिष्ट, निदेषक यू.एस.ए.सी.
- 15 सितंबर: प्रतियोगी परीक्षा और हिन्दी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डायरेक्टर एवं फाउंडर, प्रयास आईएएस अकेडमी, देहरादून
- 16 सितंबर: निबंध लेखन, श्रुतलेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता

- 17 सितंबर: जनसंचार और हिन्दी, वरिष्ठ पत्रकार, राजीवनयन बहुगुणा
- 19 सितंबर: कार्यालयी हिन्दी बनाम बोलचाल की हिन्दी, डॉ. नितिन उपाध्याय, उपनिदेशक, सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखंड सरकार
- 20 सितंबर: समापन सत्र, हिन्दी चुनौतियां एवं संभावनाएं, प्रो. अजीत के. कर्नाटक, कुलपति, वीरचन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, उत्तराखंड

**2. अनुवाद दिवस अतिथि व्याख्यान**

अनुवाद दिवस, 30 सितंबर, 2022

अनुवाद: आवश्यकता एवं चुनौतियां, डॉ. आदित्य देव भारद्वाज, अनुवाद अधिकारी आयुध निर्माणी रायपुर, देहरादून, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

**रिसोर्सपर्सन:**

1.आयुध निर्माणी रायपुर, देहरादून, रक्षामंत्रालय, भारत सरकार
   विषय: राजभाषा नियम, अधिनियम एवं कार्यालयी हिन्दी, 23.9.2022
2. स्वामी विवेकानन्द शासकीय महाविद्यालय, रायसेन, मध्यप्रदेश
   विषय: स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अवदान
3. शासकीय स्नातक महाविद्यालय इच्छावर, सिहोर, मध्यप्रदेश
   विषय: समसामयिक संदर्भ और कबीर
4. इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून, भारत सरकार
   विषय: राजभाषा हिन्दी समस्याएं एवं संभावनाएं
5. केन्द्रीय विद्यालय संगठन, शिक्षामंत्रालय, भारत सरकार
   विषय: टीजीटी साक्षात्कार (विषय विशेषज्ञ)
6. आकाशवाणी देहरादून, छायावादी कवि सुमित्रानन्दनपंत की जयंती के अवसर पर

# मानविकी संकाय
# अंग्रेजी विभाग

**01. स्थापनावर्ष-**

अंग्रेजी विभाग गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार के प्राच्य विद्या संकाय के अन्तर्गत सञ्चालित एक महत्त्वपूर्ण विभाग है, जो सन् में .ई 1962 स्थापित हो चुका था, किन्तु विभाग में विधिवत शैक्षणिक कार्य सन् से .ई 1964 प्रारम्भ हुआ।

**02. विभाग द्वारा सञ्चालित पाठ्यक्रम** -सत्र 23-2022 –में विभाग के अन्तर्गत NEP-2020 के अनुरूप बी.ए., **एवं** एमके .ए. पाठ्यक्रमों को लागू किया गया। NEP-2020 के अनुरूप निर्मित बी .ए. **एवं** एमके .ए. पाठ्यक्रमों के साथ विभाग द्वारा सञ्चालित किये गये पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है -

| S.N. | PROGRAMME | PROGRAMME DURATION |
|---|---|---|
| 1 | B.A. Prog. | Award of Certificate - 1year |
| | | Award of Diploma - 2 Years |
| | | Bacher of Arts - 3 Years |
| | | Award of Bacher of Art (Hons.) in Philosophy - 4 Years |
| 2 | PG (M.A.) | 2 Years (4 Semesters) |
| 4 | Pre. Ph.D. Course Work | 6 Months |
| 5 | Ph.D. | 5 Years |

**03. दृष्टि एवं लक्ष्य**

जब स्वामी श्रद्धानंद ने शिक्षा की पुरानी गुरुकुल प्रणाली को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से 1902 में गंगा के पवित्र तट पर गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय) की स्थापना की, तो उन्होंने पढ़ाए जाने वाले विषयों में से एक के रूप में अंग्रेजी को बरकरार रखा।वह जिस प्रकार के दूरदर्शी थे, उन्होंने कल्पना की होगी कि यदि ब्रह्मचारियों को चलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाना है, तो उन्हें वह भाषा सीखनी चाहिए जो उन्हें आधुनिक ज्ञान तक पहुंच प्रदान करेगी।

**04. शिक्षकसदस्य**

- प्रो. श्रवणकुमारशर्मा ( प्राध्यापकएवंविभागाध्यक्ष)
- प्रो. अम्बुज कुमार शर्मा ( प्राध्यापक )
- डॉ. वरूण बक्शी ( सहायकप्राध्यापक)

- डॉ. अरुण सिंह अवाना(सहायकप्राध्यापक)
- डॉ. राम मोहन पाण्डेय (सहा.प्रा. - तदर्थ)

**05. प्रकाशन कार्य= 05**

**अ). पुस्तक प्रकाशन =01**

i. Pandey, Ram Mohan. (2022) *Amitav Ghosh and Postmodernist Discourses: A Critical Exploration*. Imprint Books. Delhi.

**ब). यूजीसी केयर लिस्टेड पत्रिका में प्रकाशन**= 03

| S. No | Detailsof publication | ISSN - | Whether peer reviewed | Scopus Indexed | Impact Factor (if any) | First author/Corresponding author |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | *THE GITA*- The healing holy book and Chandrakantin Campus:Predicaments of vice-chancellor | 0976-8017) | Yes | | | Prof. A. K. Sharma |
| 2 | The Implication of Maslow's Hierarchy of Needs: An Analytical Study of Leo Tolstoy's Select Works | 0975-735X | Yes | | | Prof. A. K. Sharma |
| 3 | Looking through the Prism of Nostalgia: An Analysis of Kamala Das's My | 0975-735X | Yes | No | No | Arun Singh Awana |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | Grandmother's House, Shodh Disha, Vol. 59/3, July-September 2022, pp 71-74) | | | | | |

**स). पुस्तक में अध्याय प्रकाशन**

i. Pandey, Ram Mohan. (2022) Postcolonial Exploration in Amitav Ghosh's Works. In *Postcolonial Ambivalence and Beyond*. Books Age Publication.Delhi.

**06. सेमिनार/ वेबीनार/ कॉन्फ्रेंस/कार्यशाला/मेंप्रतिभागएवंपत्रवाचन(Participated & Paper Presentation in Conference/ Seminar/ Webinar/ Workshop) = 01**

**i.** Prof. Shrawan Sharma, "Society and Culture in Valmiki's Ramayana". International Seminar On Ramayana, Indira Gandhi Tribal University, Amarkantak, 15th-16th July 2022

**07. कार्यशाला/ एफ.डी.पी./ पुनश्चर्यापाठ्यक्रमआदिप्रशिक्षणसम्बन्धीकार्यक्रमोंमेंप्रतिभाग= 1**

i. Mr. Arun Singh Awana- attended one month "Orientation Course' at "Hunman Resource Development Centre' at University of Delhi

**08. विशिष्ट व्याख्यान मालाओं एवं सम्मेलनों में मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग एवं व्याख्यान=2**

**i. Prof. S. K. Sharma, 'New Education Policy'-** Bhagwandas College, **Haridwar.**

**ii. Prof. S. K. Sharma ,'Indian Poetics'-** Laxmibai College, Delhi

**09. पी-एच.डी. उपाधि प्रदान किये गये= 2**

| SR. | Name of Research Scholar | Ph.D. Title | Supervisor | Reg. No. & Date of Award |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Mohneesh Gupta | The Novels of Ashok K. Banker: A Modern Retelling of Valmiki's *Ramayana* | Prof. S. K. Sharma | |
| 2 | Neeraj Dubey | Questioning The Social System: A Study Of The Novels Of Bani Basu | Prof. A. K. Sharma | |

# कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार
## अंग्रेजी विभाग
स्थापना/वर्ष : 1993

कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार में अंग्रेजी विभाग वर्ष 1993 में अस्तित्व में आया। प्रारंभ में इसने पी.जी. कक्षाएं और अनुसंधान कार्यक्रम शुरू किया। वर्तमान में विभाग में तीन पाठ्यक्रम बी.ए., एम.ए. पीएच.डी. हैं। सभी पाठ्यक्रम विभाग में केवल दो स्थायी संकाय और एक अंशकालिक शिक्षक द्वारा चलाए जाते हैं। कुछ शोधार्थियों को यू.जी.सी. से जूनियर रिसर्च फ़ेलोशिप मिल रही है। और कई छात्रों ने डिग्री लेक्चरशिप की पात्रता के लिए नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। विभाग पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न पाठ्य पुस्तकों के माध्यम से भारतीय मूल्यों के ज्ञान को पेश करने की पूरी कोशिश करता है। विभाग की यह विशेषता है कि विद्यार्थियों को अंग्रेजी साहित्य के ज्ञान के साथ-साथ संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य का भी ज्ञान प्राप्त हो रहा है। गुरुकुलीय परंपरा की छाप वास्तव में पारंपरिक "गर्भस्थ परंपरा" के माध्यम से छात्रों को अपनाने और संतान के रूप में पोषित करने में परिलक्षित होती है। छात्रों ने न केवल पढ़ाई में बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय प्रगति की है जो उनके भविष्य के करियर को आकार दे सकते हैं। सीमित संसाधनों के बीच विभाग अपने लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कई छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों में तैनात हैं और कॉलेज का नेतृत्व करने में अपनी योग्यता दिखा रहे हैं। 42 से अधिक छात्र उच्च पदों पर कार्यरत हैं और पूर्व छात्र पोर्टल के माध्यम से इस संस्थान से जुड़े हुए हैं। विभाग छात्रों को साहित्य और संचार कौशल के अच्छे ज्ञान से लैस करने के लिए एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की छिपी प्रतिभा को निखारने का सर्वोत्तम प्रयास करता है। यह छात्रों को शोध पत्र लिखने और साहित्य की विभिन्न शैलियों के बारे में समुचित रूप से सोचने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। विभाग ने छात्रों की भाषाई क्षमता को बढ़ाने के लिए अपने पाठ्यक्रम में भाषा विज्ञान के तत्वों को शामिल किया है और विषयों की स्पष्ट समझ बनाने के लिए विभाग ने विभिन्न आमंत्रित व्याख्यानों की व्यवस्था की है।

**संकाय सदस्य**

डॉ. मुदिता अग्निहोत्री

डॉ. मंजूषा कौशिक

**संकाय सदस्यों की भागीदारी**

बीओएस, आरडीसी के सदस्य, पीएचडी मूल्यांकन के विशेषज्ञ, रंगोली प्रतियोगिता में जज, एक संसाधन व्यक्ति, एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष आदि के रूप में भाग लिया।

**सम्मेलन/सेमिनार**

डॉ. मुदिता अग्निहोत्री- राष्ट्रीय-01/अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला 01= 02

डॉ. मंजूषा कौशिक- राष्ट्रीय 03 अंतर्राष्ट्रीय 02= 05

**शोध पत्र प्रकाशित**

प्रो. मुदिता अग्निहोत्री - 06

डॉ. मंजूषा कौशिक- 03

**आमंत्रित व्याख्यान** 06

**अनुसंधान मार्गदर्शन**

चार पीएच.डी. सम्मानित किया गया और प्रोफेसर मुदिता अग्निहोत्री की देखरेख में इस वर्ष चार छात्रों ने दाखिला लिया।

एक पीएच.डी. पुरस्कृत किया गया और डॉ. मंजूषा कौशिक की देखरेख में दो छात्रों का नामांकन हुआ।

नेट उत्तीर्ण छात्र- 0 3, (निशा/निशांत, सालिहा )

**विभागद्वाराआयोजितकार्यक्रम**

1. जर्मनी की प्रसिद्ध लेखिका मारिया विर्थने 24 अगस्त 2023 को विभाग का दौरा किया था। उनका व्याख्यान छात्रों के लिए प्रेरक और प्रेरणादाय कथा।
2. अंग्रेजी विभाग द्वारा 13/12/22 को एक सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था
3. देब दुलाल हलदर, अंग्रेजी के एसोसिएट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा विभाग में एक अतिथि व्याख्यान दिया गया।
4. रक्तदान
5. उपचारात्मक कक्षाएं
6. प्रस्तावना कार्यक्रम
7. बाल दिवस
8. शिक्षक-दिवस
9. संचार कौशल पर व्याख्यान
10. पुस्तक पढ़ने का सत्र
11. एकता के लिए दौड़ें
12. डॉ. आशिमा श्रवण सहायक प्रो. अंग्रेजी विभाग, भगवान दास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार ने 11/12 अप्रैल 2023 को साहित्यिक आलोचना और आधुनिक सिद्धांतों पर एक व्याख्यान दिया है।
13. उभरते हुए कवि और लेखक डॉ. जितेंद्र जौहर ने 8 सितंबर 2022 को विभाग के छात्रों के साथ बातचीत की। उनका व्याख्यान शिक्षाप्रद और रुचिकर था।
14. विभाग के छात्रों ने 16/3/2023 को जी.के.वी., हरिद्वार के संग्रहालय का दौरा किया है।

# अंग्रेजी विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून

**1-प्रकाशन**

ए-यूजीसीकेयरलिस्टेडजर्नल- **10**

बी- पुस्तकमेंअध्याय. **01**

2- **सेमिनार/सम्मेलन/वेबिनार/कार्यशाला**

ए- चेयरपर्सन- **01**

बी- संसाधनव्यक्ति- **02**

सी- पेपरप्रस्तुत-**04**

डी- उपस्थित- **07**

3-**परिसरमेंआयोजितसेमिनार/सम्मेलन/वेबिनार/कार्यशाला**

ए- ऑनलाइनअतिथिव्याख्यान- **01**

बी- कौशलसंवर्धनकार्यक्रम-**01**

सी- ऑफलाइनटॉक- **01**

4- पीएच.डी. पुरस्कृत-**0**4

**प्रकाशन**

ए-यूजीसी केयर सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशन की सूची:10

**हेमलता-08**

1. 1.हेमलता.के. *मध्य भारती-मानविकी और सामाजिक विज्ञान*, में "नैतिक सापेक्षवाद और अच्छाई और बुराईकी द्विधारी धारणा: अमीश त्रिपाठी द्वारा शिव त्रयी का एक अध्ययन", खंड 83, जनवरी-जून, 2023, आईएसएसएन 0974-0066.पी.113 -119.
2. बंदना और हेमलता के. *शोध दिशा*में "कावाबाता यासुनारी के डेंडेलियंस में फ्रायड की उदासी का विश्लेषण"। अंक 61/4, जनवरी-23 मार्च, आईएसएसएन 0975-735एक्स, पृष्ठ 230-235
3. 3-अर्चना तंवर और हेमलता के. "भारतीय राष्ट्रवादी प्रवचन में एक सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में रामायण का योगदान" *भैरवी* में, अंक संख्या 25, 2023, आईएसएसएन 0975-5217 पृष्ठ 173-179
4. अनामिका साहा और डॉ. हेमलता के. "कॉमन्स का शिकार: वर्तमान रूस-यूक्रेन युद्ध को आनंद नीलकांतन के असुर में पौराणिक युद्धों के साथ जोड़ना: द टेल ऑफ़ द वैनक्विश्ड" *शोधसंहिता* पीयर में समीक्षित/रेफ़रीड और amp; यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल वॉल्यूम। IX - अंक II, जुलाई 2022। ISSN :2277-7067 PP.41-45

5. बबीता नेगी और हेमलता के. "स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त करना: एल.एम.त्रिपाठी के कार्यों की खोज" *फालानक्स: सतत बहस के लिए एक त्रैमासिक समीक्षा*में,खंड-17, संख्या-3, जुलाई-सितंबर, 2022, (यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल) आईएसएसएन : 2320-7700. पी. 239 -243
6. अदिति बिष्ट और हेमलता के. "अंडरस्टैंडिंग कल्चरल पोएटिक्स इन पेडिग्री" *भाव वीणा*, में,वॉल्यूम 19, अंक. 10(1), अक्टूबर 2022, यूजीसी केयर सूची .ISSN: 2456-4702। पृ.70-72.
1. हेमलता के. "थियोडोर ड्रेइज़र के उपन्यासों और डॉ. रूबी गुप्ता की माया का एक अध्ययन" *शोध दिशा* में, अंक 59, इंजी। जुलाई-सितंबर, 2022 ISSN :0975-735X.p.139-142
2. विनोद कुमार और हेमलता के. *अरुहु कुरुहु* में "अमित चौधरी द्वारा एक अजीब और उदात्त संबोधन में किशोर चेतना"। खंड 13, अंक 50, अक्टूबर-दिसंबर। 2022. आईएसएसएन: 2347-5048 पी.436-439

**डॉ. रीना वर्मा-02**

1. रीना वर्मा. "एमओओसीएस: द नॉन-फॉर्मल मेथोडोलॉजीज एंड पेडागॉजी", *शोध दिशा*, यूजीसी केयर लिस्टेड, वॉल्यूम 60/3, अक्टूबर-दिसंबर 2022, आईएसएसएन- 0975-735X, हिंदी साहित्य निकेतन, 16 साहित्य विहार, बिजनौर। पी.-184-191.
2. रीना वर्मा. "आधुनिक समय में महाभारत की नैतिक, सामाजिक और दार्शनिक प्रासंगिकता", *गुरुकुल पत्रिका*, यूजीसी केयर लिस्टेड (नंबर 111), खंड 74/2, अक्टूबर-दिसंबर 2022, आईएसएसएन-0976-8017, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार- 249404। पृ.- 167-179.

**पुस्तक-01 में अध्याय**

**डॉ. रीना वर्मा-01**

1. रीना वर्मा. *उत्तर औपनिवेशिक महत्वाकांक्षा और परे* में "आदिवासी धर्म और प्रकृति की लय"। देब दुलाल हलदर द्वारा। पुस्तक आयु प्रकाशन नई दिल्ली-110092. मार्च 2023। आईएसबीएन-978-9393 904140. पी.-230-242।

**राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर- 04**

**हेमलता-01**

1. 29 से 31 मार्च तक गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में 'भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में इलंगो आदिगल द्वारा लिखित सिलप्पादिक्करम में राजत्व का विचार और न्याय का महत्व' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। 2023.

**डॉ. रीना वर्मा - 03**

1. केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित और श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार द्वारा आयोजित एनईपी-2020 में भारतीय संस्कृति और भारतीय भाषाओं के प्रचार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में नाट्यशास्त्र: एक शास्त्रीय और समकालीन पाठ शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। 19 मई, 2023.
2. संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "भारत के ज्ञान, सांस्कृतिक परंपराएँ और प्रथाएँ" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय काव्यशास्त्र या सौंदर्यशास्त्र और रसानंद शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत

किया। भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय), हरिद्वार। 29-31 मार्च 2023.

3. अंग्रेजी विभाग, हर्ष विद्या मंदिर (पी.जी.) कॉलेज, रायसी द्वारा आयोजित "भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और भारत का विभाजन: साहित्य के लेंस के माध्यम से एक पुनरीक्षण" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर साहित्यिक खजाना शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित हरिद्वार। 23-24 दिसंबर 2022.

**अध्यक्ष-**

**डॉ. हेमलता के**

• 14-20 सितंबर 2022 को कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी सप्ताह के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की।

**संसाधन व्यक्ति-**

**डॉ. हेमलता और डॉ. रीना वर्मा**

• मनोविज्ञान विभाग, केजीसीडी द्वारा आयोजित 10 दिनों की लंबी पीडीपी में "इंग्लिश स्पीकिंग स्किल एनहांसमेंट क्लासेस" में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। 22 अगस्त 2022-31 अगस्त 2022।

**वेबिनार / कार्यशालाएं / प्रेरण / अभिविन्यास / एफडीपी / पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया-**

**डॉ. रीना वर्मा-07**

- एस्गी डिजिस्किल्स द्वारा 29/11/2022 से 09/12/2022 तक "अपना शोध पत्र कैसे लिखें और प्रकाशित कराएं" विषय पर ऑनलाइन दस दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- नैक की संशोधित मान्यता प्रक्रिया पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार ग्लोबल संस्कृत फोरम, असम प्रांत और सिलचर कॉलेज, सिलचर, असम, भारत द्वारा 27 नवंबर, 2022 को आयोजित किया गया।
- एनईपी-2020 पर दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन वाणिज्य और आईक्यूएसी विभाग, यशवंत्रो चव्हाण कला, वाणिज्य और विज्ञान कॉलेज, अंबाजोगाई, जिला द्वारा किया गया। 17 और 18 अक्टूबर 2022 को बीड।
- कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी सप्ताह का आयोजन 14-20 सितम्बर 2022 को किया गया।
- 31 जुलाई 2022 को ELTAI द्वारा अकादमिक लेखन के लिए अंग्रेजी पर एक घंटे का व्यावसायिक विकास वेबिनार: मेक योर मूव्स मैटर आयोजित किया गया।
- • मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत और केप कोमोरिन ट्रस्ट, भारत द्वारा संयुक्त रूप से उच्च शिक्षा में अनुसंधान आधारित शिक्षण बनाने और प्रोत्साहित करने पर अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, 25 जुलाई, 2022 - 31 जुलाई, 2022 को आयोजित किया गया।
- शिक्षा मंत्रालय, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के तत्वावधान में टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा चार सप्ताह का इंडक्शन/ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। 20 जून, 2022- 19 जुलाई, 2022।

**अनुसंधान मॉड्यूल-**

**डॉ. रीना वर्मा-03**

1-संदर्भ प्रबंधकों के लिए मार्गदर्शिका: अपने संदर्भों को प्रभावी ढंग से कैसे प्रबंधित करें

2-अपनी पांडुलिपि कैसे तैयार करें

3-अपने लेख को सही ढंग से संरचित करना, 11 जून2022 को रिसर्चर अकादमी, एल्सेवियर द्वारा आयोजित।

**विभाग में आयोजित किये गये व्याख्यान/संवादात्मक सत्र –**

**1- 22 अगस्त से 31 अगस्त 2022 तक आयोजित अंग्रेजी बोलने की कौशल वृद्धि कक्षाएं-**

परिसर के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, अंग्रेजी कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून विभाग द्वारा 22 अगस्त से 31 अगस्त 2022 तक बोलने के कौशल संवर्धन पर दस दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। प्रोफेसर हेमलता के द्वारा छात्रों को बोलने के कौशल के विभिन्न पहलुओं जैसे प्रभावी संचार और संचार के प्रकार और बाधाओं के बारे में सिखाया गया। डॉ. रीना वर्मा ने संचार के व्यावहारिक पहलुओं जैसे किसी की शब्दावली को प्राप्त करने और सुधारने के महत्व को समझाया, और यह भी सिखाया बोलने के कौशल को बढ़ाने के लिए प्रतिभागियों के चित्र विवरण।गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्शन और इशारों, आंखों के संपर्क के साथ-साथ बेहतर बोलने के लिए उचित सुनने के महत्व को भी समझाया गया। सभी छात्रों ने दो भागीदारों के बीच बातचीत जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और एक-दूसरे का परिचय देना सीखा। उन्होंने समझा कि कैसे वे एक बड़ा प्रभाव पैदा करने के लिए प्रवाह और शब्दावली पर अधिक ध्यान केंद्रित करके संचार में सुधार कर सकते हैं। तनाव और स्वर-शैली के विषय को प्रोफेसर हेमलता के. ने समझाया, जिन्होंने शब्दों और वाक्यों पर शब्दांश और तनाव की अवधारणा को स्पष्ट किया। सुश्री बंदना ने वीडियो, फिल्में देखकर, समाचार सुनकर, समाचार पत्र और किताबें पढ़कर बोलने के कौशल को बढ़ाने के विभिन्न तरीकों और तरीकों के बारे में बताया। अंतिम दिन विद्यार्थियों ने रोल प्ले प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने रोल प्ले के लिए दी गई स्थितियों के अनुसार संवाद स्वयं लिखे।

**2-अतिथि व्याख्यान**

**1-5 सितंबर 2022 को श्री देव दुलाल हलधर द्वारा "पढ़ने के कौशल का महत्व" पर एक ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान –**

5 सितंबर 2022 को ऑनलाइन मोड में श्री देव दुलाल हलधर द्वारा "पढ़ने के कौशल का महत्व" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया गया था। व्याख्यान में 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री हलदर ने शिक्षण/सीखने की प्रक्रिया में पढ़ने के कौशल के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि शिक्षकों को हमेशा छात्र के स्तर को याद रखना चाहिए और उसी के अनुसार अपना व्याख्यान देना चाहिए। शिक्षकों को पठन कौशल का सूत्रधार होना चाहिए और छात्रों की रुचि और आवश्यकता के अनुसार पढ़ने और पढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। श्री हलदर ने यह भी बताया कि किसी व्यक्ति से संवाद करने से पहले कोई व्यक्ति कैसे पढ़ सकता है और उन समस्याओं और चुनौतियों को समझ सकता है जिनका व्यक्ति सामना कर रहा है। किसी व्यक्ति को पढ़ने के लिए हमें ध्यान से और ज़ोर देकर सुनना होगा। जब हम पढ़ते हैं तो हम दूसरों के प्रति अधिक समावेशी और अधिक समझदार बन जाते हैं और बेहतर शिक्षक और इंसान बन जाते हैं।

स्किमिंग, स्कैनिंग, एक्सटेंसिव रीडिंग, इंटेंसिव रीडिंग और क्रिटिकल रीडिंग जैसी पढ़ने की रणनीतियों को श्री हलदर ने विस्तार से समझाया, उन्होंने यह भी बताया कि कैसे किसी को न केवल शब्दों और वाक्यांशों को पढ़ना

है, बल्कि मौन, दरारें और अंतराल को भी पढ़ना और व्याख्या करना चाहिए। पाठ और खाली संकेतकों का पता लगाएं। इसलिए पढ़ना एक बहुत ही महत्वपूर्ण कौशल है जिसे ज्ञान प्राप्त करने और उसका प्रसार करने में सफल होने के लिए हासिल करना चाहिए।

**4. इंटरएक्टिव सत्र- फिक्शन की सराहना: पुरस्कार विजेता लेखिका डॉ. रूबी गुप्ता के साथ 27 अप्रैल 2023 को एक चर्चा-**

13 अप्रैल 2023 को दोपहर 2.30 बजे पुरस्कार विजेता लेखिका डॉ. रूबी गुप्ता के साथ कथा साहित्य की सराहना का एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। कई थ्रिलर, रहस्यमय उपन्यासों की लेखिका और लघु कथाकार रूबी गुप्ता ने सुश्री अनामिका साहा द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए, और कथा लेखन के दौरान अपने अनुभवों पर कर्मचारियों और छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने पुरानी यादें ताजा कीं और अपने जीवन का इतिहास साझा किया कि कैसे उन्होंने शुरू में विज्ञान का अध्ययन करना चुना लेकिन रचनात्मक लेखन की ओर रुख किया, पत्रकारिता में हाथ आजमाया और एक शिक्षाविद बन गईं।

डॉ. गुप्ता ने अपने प्रेरणादायक भाषण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और छात्रों को अपने जुनून का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने लेखकीय अनुभवों पर कर्मचारियों और छात्रों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने छात्रों को कड़ी मेहनत करने और अध्ययन की अपनी चुनी हुई धारा में सफलता हासिल करने के लिए धैर्य और दृढ़ संकल्प रखने के लिए प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने सत्र का भरपूर आनंद लिया और इससे लाभान्वित हुए।

डॉ. गुप्ता का परिचय दर्शकों से डॉ. रीना वर्मा ने कराया और प्रो. हेमलता के ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

**डॉ. हेमलता के की देखरेख में पीएचडी प्रदान की गई- 04**

1-पैट्रिक मोदियानो के कार्यों में स्मृति के माध्यम से इतिहास, व्यक्तिगत पहचान और सामूहिक चेतना का पुनर्निर्माण-अदिति बिष्ट10 मार्च 2023

2-सीता, राम और रावण: अमीश त्रिपाठी और आनंद नीलकांतन में एक समकालीन पुनर्कथन-अर्चना तंवर,10 मार्च 2023

3-भारतीय मिथक की पुनः व्याख्या: पाँच का एक अध्ययन

समसामयिक भारतीय उपन्यास (कविता केन की कर्ण की पत्नी, जगमोहन भंवर की द कर्स ऑफ ब्रह्मा, चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी की द पैलेस ऑफ इल्यूजन्स, अमीश त्रिपाठी की शिव त्रयी, नीलकांतन की असुर: टेल ऑफ़ द वैनक्विश्ड)-अनामिका साहा,02 मई 2023

4-मिर्ज़ा ग़ालिब की शायरी में ध्वनि (सुझाव)।–मेहज़बी,24 मई 23

**खेल गतिविधियों में संकाय की भागीदारी-**

डॉ. हेमलता के. और डॉ. रीना वर्मा वार्षिक खेल दिवस की आयोजन समिति का हिस्सा थे जो 24 और 25 मार्च 2023 को परिसर में आयोजित किया गया था।

# मनोविज्ञान विभाग
# मुख्य परिसर

मनोविज्ञान एक महत्वपूर्ण विषय है जिसमें व्यापक अनुप्रयोग हैं। मनोविज्ञान के ज्ञान और कौशल को छात्रों और शोध-छात्रों तक पहुंचाने के लिए 1963 में मनोविज्ञान विभाग की स्थापना की गई थी। पी.एच.डी कार्यक्रम 1984 में शुरू हुआ था। यह विभाग विश्वविद्यालय में मानविकी संकाय में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। विभाग को पूर्व संकाय सदस्यों के गतिशील नेतृत्व और दृष्टिकोण से समृद्ध किया गया है जिसमें विभाग के संस्थापक प्रमुख डा0 आर0ई0 पांडे और अन्य प्रसिद्ध संकाय सदस्य प्रो0 एच0जी0 सिंह, प्रो0 सी0 एस0 त्रिवेदी, प्रो0 ओ0पी0 मिश्रा, प्रो0 एस0सी0 धमीजा, प्रो0 सी0पी0 खोखर और प्रो0 एस0के0 श्रीवास्तव शामिल हैं।

विभाग में प्रमुख महत्व वाले क्षेत्र नैदानिक मनोविज्ञान और संगठनात्मक मनोविज्ञान हैं। विभाग मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और प्रयोगात्मक उपकरणों से सुसज्जित है। विभाग के पास एक समृद्ध विभागीय पुस्तकालय भी है। अनुसंधान रूचियों के क्षेत्रों में नैदानिक मनोविज्ञान, संगठनात्मक मनोविज्ञान, स्वास्थ मनोविज्ञान, समाज मनोविज्ञान, परामर्श मनोविज्ञान, फारेंसिक मनोविज्ञान, शिक्षा मनोविज्ञान, पारसांस्कृतिक मनोविज्ञान और स्वदेशी मनोविज्ञान के विषय शामिल हैं।

एम.ए. मनोविज्ञान पाठ्यक्रम में मनोविज्ञान की नवीनतम प्रवृत्तियॉं शामिलहैं जिसमें व्यावहारिक प्रशिक्षण और क्षेत्रकार्य पर जोर दिया गया है। पाठ्यक्रम सैद्धांतिक समझ और इसके व्यावहारिक निहितार्थों के माध्यम से ज्ञान और कौशल के अधिग्रहण पर विशेष जोर देते हैं। डिग्री पूरी करने के बाद हमारे परास्नातकों और पी.एच.डी. छात्रों की एक बड़ी संख्या विभिन्न संगठनों, संस्थानों और अस्पतालों में कार्यरत है। विभाग समय-समय पर प्राध्यापकों, शोधार्थियों और छात्रों के लाभ के लिए सम्मेलनों, सेमिनारों, कार्यशालाओं, अतिथिव्याख्यानों आदि का आयोजन करता है।

**विभागाध्यक्ष – डॉ0 राकेश कुमार, एप्रोफेसर**

प्राध्यापक सदस्य-

डॉ0 अरूणकुमार, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ0 दीपक सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर

डॉ0 मनोज कुमार चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)

डॉ0 नवीनपंत, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)

**मनोविज्ञान प्रयोगशाला**

विभाग में छात्रों द्वारा व्यावहारिक अधिगम के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित मनोविज्ञान प्रयोगशाला है। प्रयोगशाला में लगभग 300 तरह के मनोवैज्ञानिक परीक्षण और उपकरण उपलब्ध हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय मनोवैज्ञानिक परीक्षण और उपकरण जैसे इंटेलीजेंस टेस्ट, पर्सनालिटी टेस्ट, प्रोजेक्टिव टेस्ट, विभिन्न

साइकोपैथोलॉजिकल स्टेट टेस्ट, एडजस्टमेंट स्केल, एटीट्यूड स्केल, फैमली एनवायरनमेंट एवं होम एनवायरनमेंट, अभिप्रेरणा परीक्षण, पेरेंटिंग स्केल, संगठनात्मक व्यवहार और बायोफीडबैक इत्यादि उपलब्ध है।

**विभाग की विशेषताएं**

1. अच्छी तरह से स्थापित मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला।

2. विभाग पाठ्यक्रम और संदर्भ पुस्तकों के लिए सबसे प्रासंगिक पुस्तकों का पुस्तकालय।

3. कम्प्यूटर, स्मार्ट बोर्ड, इंटरनेट और ऑडियो-विजुअल सुविधाएं

4. विभाग में बैठकों, वेबिनार, सेमिनार, सम्मेलनों और आमंत्रित व्याख्यानों आदि हेतु कान्फेंस रूम

5. कुशल, अनुभवी और समर्पित शिक्षक। फैकल्टी विश्वविद्यालय के छात्र परामर्शनकेंद्र के लिए कार्य करता है।

6. देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ समन्वय एवं एम0ओ0यू0

| क्र0 सं | संक्षिप्त विवरण | संख्या |
|---|---|---|
| 01 | शोधकार्य एवं प्रकाशन | |
| | शोध पत्र | 09 |
| | पुस्तकें | 02 |
| | पुस्तकों के अध्याय | 06 |
| | लघुशोध | 01 |
| | शोध ग्रंथ | 02 |
| 02 | सेमिनार/ कान्फ्रेंस /वेबिनार/ कार्यशाला/एफ0डी0पी0 (प्रतिभागिता) | |
| | सेमिनार(प्रतिभागिता) | 02 |
| | कान्फ्रेंस (शोध पत्र प्रसतुति) | 08 |
| | एफ0डी0पी0 (प्रतिभागिता) | 03 |
| 03 | सेमिनार/ कान्फ्रेंस /वेबिनार/ कार्यशाला/एफ0डी0पी0 (आयोजन) | |
| | प्रशिक्षण कार्यक्रम | 02 |
| 04 | **Special discourse/Lectures/TV-Radio talks** | |
| | व्याख्यान | 09 |
| 07 | **MoUs from foreign or other Universities** | |
| | सहमति ज्ञापन | 01 |
| 08 | **Other important activities** | |

| | | |
|---|---|---|
| | विभाग द्वारा | 04 |
| | शिक्षकों द्वारा | 36+ |
| 09 | **Record of students and Research scholar** | |
| | NET/GATE | 02 |
| | शोध छात्रवृत्ति | 02 |
| | Placement of students | 03 |
| | | |

**विवरण**

| शोध पत्र प्रकाशन | | |
|---|---|---|
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| 1. | दीपक सिंह एवं प्रज्ञा सिंह लोधी (2022) योगदर्शन में मनोरोग एवं कारण- एक मनोवैज्ञानिक अध्ययन। शोध दिशा, *60/2, 240-46* (ISSN: 0975-735X). | |
| 2. | सौरव उनियाल एवं दीपक सिंह **(2023)** वयस्कों के मनोवैज्ञानिक वेलबिंग एवं संज्ञानात्मक लचिलेपन में योग की भूमिका। अम्नयिकी ***23*(2), 156-162. (ISSN No. 2277-4270)** यू0जी0सी0 मान्यता प्राप्त केयर लिस्टेड शोध पत्रिका। | |
| 3. | रैना एवं दीपक सिंह **2023** कर्मयोग वेलबिंग को उन्नत करने का पथ। अम्नयिकी ***23*(2), 124-130. (ISSN No. 2277-4270)** यू0जी0सी0 मान्यता प्राप्त केयर लिस्टेड शोध पत्रिका। | |
| 4. | किशन कुमार सिंह और अरुण कुमार (2022)। विकलांग बच्चों वाली माताओं में लचीलापन। चेट्टीनाड हेल्थ सिटी मेडिकल जर्नल, 11 (3), 23-29। डीओआई: 10.24321/2278.2044.202225 यूजीसीकेयर | |
| 5. | रजत सिंह, अरुण कुमार, प्रियंका सोनी और निकिता श्रीवास्तव (2022) दैनिक इंटरनेट उपयोग के कारण ध्यान कम करना: ध्यान एक पुनर्स्थापनात्मक उपाय। गुरुकुल पत्रिका (ए क्वार्टरलीपीयररिव्यूडरिसर्चजर्नल ऑफ ओरिएंटल स्टडीज), गुरुकुल कांगड़ी (डीयू), हरिद्वार.आईएसएसएन:0976-8017पीपी:206-213 | |
| 6. | मोहित कुमारी, डॉ. मनोज कुमार चौहान, प्रो. राकेश कुमार (2022) किशोरावस्था में पालन-पोषण की शैली और आत्महत्या के विचार पर एक समीक्षा। गुरुकुल पत्रिका, 74(2)190-204। आईएसएसएन: 0976-8017 | |
| 7. | चीनू अग्रवाल और राकेश कुमार (2022) किशोरों में राष्ट्र के सम्मान का मूल्य: जागरूकता बढ़ाने में संरचित अनुभवात्मक शिक्षा की भूमिका। चेतना जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज। 1, | |

| | | |
|---|---|---|
| | 23-34. कोड: ओडीआईईएनजी01241 | |
| 8. | राधिका शर्मा, राकेश कुमार (2022) सीखी गई असहायता और आत्म-प्रभावकारिता के मनोवैज्ञानिक गुणों में योग की भूमिका: एक वैचारिक फ्रेमवर्क. वैदिक वाग ज्योति.19, 78-88 ISSN : 2277-4351 | |
| 9. | सम्पदा विजयवर्गीय और राकेश कुमार (2023) त्वचा विकारों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं के प्रबंधन में योग की प्रासंगिकता। वैदिक वाग् ज्योति खंड. 11, संख्या 20 पृष्ठ 142-158 आईएसएसएन 2277-4351 | |
| पुस्तकें | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| 1. | कुमार, ए., और श्रीवास्तव, एन. (2022)। कार्यस्थल पर महिलाएँ: एक समग्र दृष्टिकोण। ग्लोबलविज़नपब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। आईएसबीएन नंबर 978-93-90423-18-7 (संपादित पुस्तक।) | |
| 2. | कुमार, ए., सिंह, आर., और सोनी, पी. (2023)। समझदार अपराध: मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और कानूनी पहलू। एशियन प्रेस, कोलकाता। आईएसबीएन: 978-81-960868-0-0 (संपादित पुस्तक) | |
| | पुस्तकों के अध्याय | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| 1. | रजत सिंह, प्रियंका सोनी और अरुम कुमार (2022)। कार्यस्थल पर महिलाओं का साइबर शोषण। कार्यस्थल पर महिलाएं: एक समग्र आउटलुक, डॉ. अरुण कुमार और निकिता श्रीवास्तव द्वारा संपादित, ग्लोबलविजनपब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। आईएसबीएन नंबर 978-93-90423-18-7 | |
| 2. | निकिता श्रीवास्तव और अरुण कुमार (2023)। क्रिमिनलमाइंड्सएपिसोड के नजरिए से क्रिमिनलप्रोफाइलिंगसेलेब्रिटीस्टॉकर्स। समझदार अपराध: मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और कानूनी पहलू, डॉ. अरुण कुमार, रजत सिंह और प्रियंका सोनी द्वारा संपादित, एशियन प्रेस, कोलकाता। आईएसबीएन: 978-81-960868-0-0 | |
| 3. | निकिता श्रीवास्तव, अरुण कुमार, प्रियंका सोनी और रजत सिंह (2023)। मासिक धर्म: बाइनरी से परे एक वार्तालाप। मासिक धर्म और मासिक धर्म से पहले की परेशानी से निपटने की रणनीतियों पर परिप्रेक्ष्य, बी.एस. द्वारा संपादित। परिमल और कविता गुप्ता. | |

| | | |
|---|---|---|
| | आईजीआईग्लोबल। आईएसबीएन13: 9781668450888, आईएसबीएन10: 1668450887, ईआईएसबीएन: 9781668450895, डीओआई: 10.401/978-1-6684-5088-8 (अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक) | |
| 4. | निकिता श्रीवास्तव और अरुण कुमार (2023)। कौशल विकास: महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम - सक्षमताओं और बाधाओं को दूर करना: भारत में महिला उद्यमिता के नए तथ्य, विपुल भट्ट और विभा पुंडीर द्वारा संपादित। वर्तमान प्रकाशन, आगरा (यूपी), भारत.पीपी-180-201, आईएसबीएन नंबर: 978-93-90253-906 | |
| 5. | प्रियंका सोनी, रजत सिंह और अरुम कुमार (2023)। साइबर अपराध: महिला उद्यमियों के लिए एक संभावित जोखिम, भारत में महिला उद्यमिता के नए तथ्य, विपुल भट्ट और विभा पुंडीर द्वारा संपादित। वर्तमान प्रकाशन, आगरा (यूपी), भारत। आईएसबीएन नंबर: 978-93-90253-906. | |
| 6. | रजत सिंह, प्रियंका सोनी और अरुण कुमार (2023)। साइबरमाइंडफुलनेस: प्रौद्योगिकी और अनुभूति का एक समकालीन युग: माइंडफुलनेस और वैकल्पिक उपचार: नया सामान्य, डॉ. द्वारा संपादित। नयनिका सिंह और डॉ. के.सी., बरमोला, नई दिल्ली पब्लिशर्स, नई दिल्ली आईएसबीएन: 978-81-19006-18-2 ईबुकआईएसबीएन: 978-81-19006-15-1 | |
| **शोध ग्रंथ मार्गदर्शन** | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| 01 | रश्मि वर्मा (2022)। शीर्षक: सेवानिवृत्त सेना कर्मियों में समायोजन, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और व्यक्तिपरक कल्याण। थीसिस 14.07.2022 को प्रदान की गई (पर्यवेक्षक: डॉ. अरुण कुमार) | |
| 02 | किशन कुमार सिंह (2023)। विकलांग बच्चों की माताओं में लचीलापन, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता, मुकाबला और जीवन की गुणवत्ता। थीसिस 15 05 2023 को प्रस्तुत की गई (पर्यवेक्षक: डॉ. अरुण कुमार) | |
| **लघुशोध ग्रंथ मार्गदर्शन** | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| 1. | सिद्धान्त चौधरी (2023) सोशल मिडिया का युवा व्यस्कों के डार्क व्यक्तित्व एवं हीनता मनोग्रथी पर प्रभाव। (लघुशोध) मनोविज्ञान विभाग, गुरूकुल कांगडी समविश्वविद्यालय | |

| | | |
|---|---|---|
| | हरिद्वार। शोध निर्देशक- दीपक सिंह | |
| सेमिनार/ कान्फ्रेंस (प्रतिभागिता) | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| 1. | डॉ अरुण कुमार (2023)। मेथोडिस्टगर्ल्सपी.जी. द्वारा 24 से 25 फरवरी, 2023 तक "शिक्षा पर डिजिटल मीडिया का प्रभाव" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "शिक्षा में डिजिटल भारत का महत्व" विषय पर मुख्य भाषण। कॉलेज, रूड़की, उत्तराखंड | |
| 2. | डॉ अरुण कुमार (2023)। मेथोडिस्टगर्ल्सपी.जी. द्वारा 24 से 25 फरवरी, 2023 तक "शिक्षा पर डिजिटल मीडिया का प्रभाव" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में तकनीकी सत्र में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। कॉलेज, रूड़की, उत्तराखंड | |
| सेमिनार/ कान्फ्रेंस ( कान्फ्रेंस (शोध पत्र प्रसतुति) | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| 1 | रैना एवं दीपक सिंह (2022) वैकल्पिक चिकित्सा, आयुर्वेद एवं अध्यात्म से मानसिक स्वास्थ रक्षण पर आयोजित अन्तराष्ट्रिय संगोष्ठि में प्रस्तुत शोध पत्र "कर्मयोग एवं वेलबिंग एक समिक्षा अध्ययन"। आयोजक- देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार। 9 से 11 जुलाई 2022 | |
| 2 | सौरव उनियाल एवं दीपक सिंह (2023) वेदिक माइक्रोबाइलाजी एवं मार्डन बाइयोटेकनोलाजी विषय पर आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठि में प्रस्तुत शोध पत्र मनोवैज्ञानिक तनाव के लिए प्राचित वैदिक अभ्यास। संयोजक जीव विज्ञान संकाय, गुरूकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय) हरिद्वार (29-27 मार्च 2023) | |
| 3 | सौरव उनियाल एवं दीपक सिंह (2023) सकारात्मक मनोविज्ञान विषय पर आयोजित अन्तराष्ट्रिय संगोष्ठि में प्रस्तुत शोध पत्र "युवाओं मे संज्ञानात्मक विरूपण एवं फलोरिशिंग में स्व करूणा की मध्यस्था की भूमिका"। संयोजक- एन पी पी ए 2023 (3-4 मार्च 2023) | |
| 4 | दीपक सिंह एवं प्रज्ञा सिंह लोधी (2023) स्वतंत्रता संगा्रम में योगियों की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठि में प्रस्तुत शोध पत्र "राम चरित्र मानस में मनोरोग की अवधारणा"। संयोजक- गुरूकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय) हरिद्वार (27-28 फरवरी 2023) | |
| 5 | विपिन कुमार और राकेश कुमार (2023) त्रिगुण और सुझाव के बीच संबंध। 25-26 फरवरी 2023 वडोदरा में एकेडमी ऑफ हिप्नोसिस, भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया। सम्मोहन अकादमी, भारत द्वारा आयोजित। | |
| 6 | शिवि त्यागी और राकेश कुमार (2023) विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच आध्यात्मिकता और सुझावशीलता। 25-26 फरवरी 2023 वडोदरा में एकेडमी ऑफ हिप्नोसिस, भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया। सम्मोहन अकादमी, भारत द्वारा आयोजित। | |

| | | |
|---|---|---|
| 7 | संध्या वर्मा, प्रलभ वर्मा और राकेश कुमार (2023) हिप्नोटिक ट्रान्स के तहत संज्ञानात्मक ड्रिल थेरेपी का उपयोग करके सामाजिक चिंता का उपचार। 25-26 फरवरी 2023 वडोदरा में एकेडमी ऑफ हिप्नोसिस, भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया। सम्मोहन अकादमी, भारत द्वारा आयोजित। | |
| 8 | सम्पदा विजयवर्गीय और राकेश कुमार (2023) साइकोडर्मेटोलॉजी में सम्मोहन चिकित्सा का दायरा: एक अवधारणात्मक पेपर। 25-26 फरवरी 2023 वडोदरा में एकेडमी ऑफ हिप्नोसिस, भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया। सम्मोहन अकादमी, भारत द्वारा आयोजित। | |
| आयोजित कार्यक्रम | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| 01 | डॉ. अरुण कुमार (2023) ने डीएसडब्ल्यू के रूप में शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग के सहयोग से दयानंद स्टेडियम गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय) हरिद्वार में 14 मार्च 2023 से 20 अप्रैल 2023 तक एक महीने का खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। | |
| 02 | दीपक सिंह (2022) विद्यार्थी प्रस्तावना कार्यक्रम का आयोजन। मानविकी संकाय, गुरूकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय) हरिद्वार (7-12 नवम्बर, 2023) | |
| एफ0डी0पी0 (प्रतिभागिता) | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| | प्रो. राकेश कुमार (2023) 21-22 अप्रैल, 2023 के दौरान आईक्यूएसी, गुरुकुल कांगड़ी (सम विश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित परिणाम आधारित शिक्षा पर संकाय प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया। | |
| 2 | अरूण कुमार (2023) 21-22 अप्रैल, 2023 के दौरान आईक्यूएसी, गुरुकुल कांगड़ी (सम विश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित परिणाम आधारित शिक्षा पर संकाय प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया। | |
| 3 | दीपक सिंह (2023) 21-22 अप्रैल, 2023 के दौरान आईक्यूएसी, गुरुकुल कांगड़ी (सम विश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित परिणाम आधारित शिक्षा पर संकाय प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया। | |
| **अतिथि व्याख्यान** | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| **1.** | राकेश कुमार (2023) ने सम्मोहन के इतिहास पर बात की। सम्मोहन पर ऑनलाइन बुनियादी कार्यशाला, 24 जून 2023। सम्मोहन अकादमी, भारत द्वारा आयोजित | |
| **2.** | राकेश कुमार (2022)। इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हॉस्पिटल, आगरा द्वारा क्लिनिकल साइकोलॉजी में एम.फिल के छात्रों के लिए मनोचिकित्सा विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का | |

| | | |
|---|---|---|
| | आयोजन किया गया। | |
| **3.** | राकेश कुमार (2022)। माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित मनोविज्ञान विषय पर विद्यार्थियों के इंडक्शन प्रोग्राम में रिसोर्स पर्सन | |
| **4.** | राकेश कुमार (2022)। चारुसैट, वडोदरा द्वारा आयोजित पास्ट लाइफ रिग्रेशन विषय पर 17-12-2022 को पीजी डिप्लोमा इन क्लिनिकल हिप्नोसिस, चारुसैट, वडोदरा के छात्रों के लिए "पास्ट लाइफ रिग्रेशन' विषय पर रिसोर्स पर्सन के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान दिया। | |
| **5.** | राकेश कुमार (2022)। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस 10 सितंबर 2022 के अवसर पर एओएच क्लिनिकल मीट में आत्महत्या विषय पर व्याख्यान दिया। सम्मोहन अकादमी द्वारा आयोजित | |
| **6.** | राकेश कुमार (2022)। 5-12-2022 को पुरुष मेंटल हेल्थ फोरम द्वारा आयोजित पुरुष मेंटल हेल्थ फोरम विषय पर वर्चुअल मीट में रिसोर्स पर्सन के रूप में काम किया। | |
| 7. | राकेश कुमार (2022)। स्वामी राम हिमालयन इंस्टीट्यूट द्वारा ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर विषय पर सीआरई, एसआरएचआई में रिसोर्स पर्सन | |
| 8. | दीपक सिंह 2022 विद्यार्थी प्रेरणा कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ विषय पर अतिथि व्याख्यान। मानविकी संकाय, गुरुकुल कांगड़ी (सम विश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा आयोजित (7-12 नवम्बर 2022) | |
| **MOUS FROM FOREIGN OR OTHER UNIVERSITIES** | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| | राकेश कुमार (2022) ने उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के साथ एक MoU का समन्वय किया | |
| अन्य विभागीय गतिविधियां | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| 01 | 3 December 2022 अन्तराष्ट्रिय विकलांग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित | |
| 02 | 10 October 2022 विश्व मानसिक स्वास्थ दिवस पर कार्यक्रम आयोजित | |
| 03 | 10 September 2022 आत्महत्या रोकथाम दिवस पर कार्यक्रम आयोजित | |
| 04 | 05 September 2022 शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम आयोजित | |
| शिक्षकों के अन्य प्रशासनिक दायित्व एवं गतिविधियां | | |
| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
| 1. | प्रोफेसर राकेश कुमार — अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, जीकेडीयू, हरिद्वार | |
| 2. | प्रोफेसर राकेश कुमार — परीक्षा नियंत्रक, जीकेडीयू, हरिद्वार | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3. | डॉ0 अरूण कुमार | अधिष्ठाता, छात्र कल्याण | |
| 4. | डॉ0 अरूण कुमार | अध्यक्ष, समान अवसर सेल/छात्र परामर्श सेल | |
| 5. | डॉ0 अरूण कुमार | सदस्य, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए विश्वविद्यालय शिकायत निवारण समिति। | |
| 6. | डॉ0 अरूण कुमार | सदस्य, विश्वविद्यालय छात्र शिकायत निवारण समिति। | |
| 7. | डॉ0 अरूण कुमार | विश्वविद्यालय के एथलेटिक टीम चयन बोर्ड के अध्यक्षऔर विश्वविद्यालय के कब्बडी टीम चयन बोर्ड के सदस्यके रूप में कार्य किया। | |
| 8. | डॉ0 अरूण कुमार | अध्यक्ष, विश्वविद्यालय छात्रों के परिचय पत्र निर्माण समिति। | |
| 9. | डॉ0 अरूण कुमार | विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद के सदस्य | |
| 10. | डॉ0 दीपक सिंह | विभागीय समन्वयक, आई0क्यू0ए0सी0 मनोविज्ञान विभाग | |
| 11. | डॉ0 दीपक सिंह | सदस्य, कान्सलिंग एवं प्रवेश समीति, स्नातक कार्यक्रम, मानविकी संकाय | |
| 12. | डॉ0 दीपक सिंह | समन्वयक, विद्याथी प्रेरणा कार्यक्रम, मानविकी संकाय | |

शिक्षकों द्वारा अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियां

| क्र0 सं | विवरण | **Doc No.** |
|---|---|---|
| | सम्पदा विजयवर्गीय और राकेश कुमार (2023) ऑन्कोलॉजी और अन्य मनोदैहिक रोगों में सम्मोहन की भूमिका। सम्मोहन अकादमी, भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 25-26 फरवरी 2023 वडोदरा के अवसर पर जारी स्मारिका में प्रकाशित | |
| | राकेश कुमार (2023) भारत के सम्मोहन अकादमी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में स्मारिका संदेश 25-26 फरवरी 2023 वडोदरा | |
| | राकेश कुमार (2023) ने सम्मोहन अकादमी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, 25-26 फरवरी 2023 वडोदरा | |
| | राकेश कुमार (2023) ने भारत के सम्मोहन अकादमी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पास्ट लाइफ रिग्रेशन पर पूरे दिन की पोस्ट कॉन्फ्रेंस कार्यशाला का आयोजन किया, 27 फरवरी 2023 वडोदरा | |
| | राकेश कुमार (2023) ने सम्मोहन अकादमी, भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संज्ञानात्मक ड्रिल | |

| | | |
|---|---|---|
| | थेरेपी पर आधे दिन की प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला का आयोजन किया, 24 फरवरी 2023 वडोदरा | |
| | राकेश कुमार (2023) ने सम्मोहन अकादमी, भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय वक्ता के एक सत्र की अध्यक्षता की 25 फरवरी 2023 वडोदरा | |
| | राकेश कुमार (2023) को स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के क्लिनिकल साइकोलॉजी में अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया | |
| | राकेश कुमार (2022) ने 31-7-2022 को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में ऑनलाइन बीओएस मीटिंग, सीसीएस यूनिवर्सिटी, मेरठ में भाग लिया। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने 3 नवंबर 2022 को सचिवालय, देहरादून में मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण, उत्तराखंड की एक ऑफ़लाइन बैठक में भाग लिया। | |
| | राकेश कुमार (2022) सदस्य, जीके (डीटीबीयू) के एनईपी-2020 कार्यक्रमों के लिए परीक्षा और मूल्यांकन नियमों की समिति। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, ह्यूमैनिटीज एंड आर्ट्स द्वारा आयोजित मनोप्रभा - मनोविज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में समवर्ती सत्र की अध्यक्षता की। 2-3 दिसंबर, 2022 | |
| | राकेश कुमार (2022) ने 25-8-2022 को ई-अकादमी के अध्यक्ष के रूप में भारतीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान अकादमी की एक बैठक में भाग लिया। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने मानविकी संकाय में छात्रों के प्रेरण कार्यक्रम में बात की | |
| | राकेश कुमार (2023) ने 14-02-2023 को प्रील्यूड स्कूल, आगरा में हेमसम्पर्क क्विज़ पुरस्कार समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में कार्य किया। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय, देहरादून में सहायक प्रोफेसर की चयन समिति में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने 21 दिसंबर 2022 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में भारतीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान अकादमी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मोहन पर एक प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला का आयोजन किया। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने 18-8-2022, 28-11-2022 को आईक्यूएसी बैठक में भाग लिया। | |
| | | |
| | राकेश कुमार (2022) सदस्य, संपादकीय बोर्ड, चेतना जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने 19-11-2022 को स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी, क्लिनिकल साइकोलॉजी में अध्ययन बोर्ड की एक ऑफ़लाइन बैठक में भाग लिया। | |
| | राकेश कुमार (2022) 10-7-2022 को मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण से संबंधित कार्यों की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया | |
| | राकेश कुमार (2022) ने 23 सितंबर 2022 को मूल्यांकन चिंता के प्रबंधन के लिए संज्ञानात्मक ड्रिल तकनीक (सीडीटी) आधारित साइ-एड के प्रोटोटाइप के विकास के लिए रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान में एक विशेषज्ञ के रूप में एक ऑफ़लाइन बैठक में भाग लिया। | |

| | | |
|---|---|---|
| | राकेश कुमार (2022) ने उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय में एपीआई दस्तावेज़ मूल्यांकन में सदस्य के रूप में कार्य किया। | |
| | राकेश कुमार (2022) को आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया | |
| | राकेश कुमार (2022) ने राष्ट्रीय ध्वज पिन किया | |
| | राकेश कुमार (2022) ने विशेषज्ञ समिति, भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सदस्य के रूप में पुनर्वास में दो डिप्लोमा का मूल्यांकन किया। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने सदस्य, विशेषज्ञ समिति, भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के रूप में एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया | |
| | राकेश कुमार (2022) ने आगरा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के लिए सीएएस समिति में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया | |
| | राकेश कुमार (2023) ने 23-6-2023 को वार्षिक सम्मेलन 2023 के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ हेल्थ साइकोलॉजी की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया | |
| | अतिथि वक्ता, "शिक्षकों के लिए मूल्य शिक्षक कार्यशाला: वेबिनार श्रृंखला" का "समापन समारोह" दिनांक: 28 जून 2023 (बुधवार) | |
| | राकेश कुमार (2022) ने दिल्ली विश्वविद्यालय, भारथिअर विश्वविद्यालय, मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय, मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, एससीबी मेडिकल कॉलेज, कटक, रांची विश्वविद्यालय, दयालबाग शैक्षिक संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय, जीके (डीटीबीयू), मानसिक स्वास्थ्य संस्थान और अस्पताल, आगरा; देव संस्कृति विश्वविद्यालय, चेट्टीनाड अकादमी (डीम्ड विश्वविद्यालय), गुरु राम राय विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; में परीक्षक के रूप में कार्य किया। | |
| | राकेश कुमार (2023) को जून, 2023 में सीसीएस विश्वविद्यालय के बीओएस के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया, उन्होंने 29/6/23 को ऑनलाइन बैठक में भाग लिया। | |
| | राकेश कुमार (2023) ने 28-06-2023 को आयोजित आईक्यूएसी, जीके (डीटीबीयू), हरिद्वार की 12वीं बैठक में भाग लिया। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने 26-6-2023 को आईक्यूएसी, जीके (डीटीबीयू) द्वारा आयोजित 'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के कानूनी प्रावधानों' में भाग लिया। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने सम्मेलन के अध्यक्ष और सम्मोहन अकादमी, भारत के उपाध्यक्ष के रूप में अकादमी ऑफ हिप्नोसिस, भारत की 25 ऑनलाइन बैठकों में भाग लिया। | |
| | राकेश कुमार (2022) ने 3 नवंबर 2022 को सचिवालय, देहरादून में मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण, उत्तराखंड की एक ऑफ़लाइन बैठक में भाग लिया। | |
| | राकेश कुमार (2023) ने 23-6-2023 को वार्षिक सम्मेलन 2023 के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ हेल्थ साइकोलॉजी की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया | |

# मनोविज्ञान विभाग
# कन्या गुरुकुल, परिसर, हरिद्वार
# स्थापना वर्षः 1993

- मनोविज्ञान विभाग, कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार की स्थापना वर्ष 1993- में हुई थी।

डॉ. सुनीता रानी

कु.रूबी और एस.रानी, (2022) किशोरों के आत्मसम्मान पर स्कूल पर्यावरण का प्रभाव। एजुकेशन इंडिया: शिक्षा पर संवादों का एक त्रैमासिक रेफरीड जर्नल। आईएसएसएन- 2278-2435

3. एस.रानी और कु.रूबी (2022) शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर योग का प्रभाव, शोध समीक्षा शिक्षा और संस्कृत में एक राष्ट्रीय सहकर्मीसमीक्षित, रेफरीड शोध पत्रिका, आईएसएसएन- 2249-5045।

पुस्तक में अध्याय- 01

बबीता सरोहा, आनंद कुमार, और सुनीता रानी (2023) ने मानव स्वास्थ्य के लिए न्यूट्रास्यूटिकल फ्रूट्स, नामक पुस्तक में एक अध्याय, "इम्यून बूस्टिंग न्यूट्रास्यूटिकल फ्रूट्स एंड फ्रूट ड्रिंक्स" यह् पुस्तक, नोवा साइंस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित, की गयी, आईएसबीएन:979-8-88697-768-4, पेज.नं.- 67-92। डीओआई: https://doi.org/10.52305/GXTZ0581

डॉ. सुनीता रानी

पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्रस्तुत शोधपत्र (अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय 04

1. रानी.एस (2022) ने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा 10-11 जुलाई 2022 को आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "मानसिक स्वास्थ्य में न्यूट्रास्यूटिकल फलों और फलों के पेय की भूमिका" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। सम्मेलन का विषय था "मानव स्वास्थ्य की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियाँ: ए आई, फार्मास्यूटिकल्स और भारतीय दवाओं के साथ समाधान।" गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय)

रानी.एस (2022) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अनंत में "किशोरों के आत्मसम्मान पर स्कूल के माहौल का प्रभाव" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया: मानविकी और सामाजिक विज्ञान में रुझान और भविष्य की संभावनाओं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10 को आयोजित किया गया। -11 नवंबर 2022. देहरादून

3. रानी.एस (2023) मनोविज्ञान विभाग एस.एम. द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरण कीटाणुशोधन और मनोवैज्ञानिक कल्याण के लिए ग्रामीण अभ्यास" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। कॉलेज भागलपुर. 16-17 दिसंबर.

4. रानी.एस (2022) ने पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: वैश्विक विषय पर वनस्पति विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "याददाश्त पर पर्यावरणीय कारकों का प्रभावषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय) हरिद्वार।

आमंत्रित व्याख्यान-01

डॉ. सुनीता  रानी
उत्तरांचल पैरामेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट पथरी हरिद्वार (यू.के.) में “भारतीय जनसंख्या में मनोवैज्ञानिक विकारों की व्यापकता” विषय पर11 मई 2023 को 3 घंटेका व्याख्यान दिया ग या।
छात्रों और शोध विद्यार्थी का रिकॉर्ड- बी.ए.-65, एम.ए-11, पी.एच. डी-10
उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थी-
• रूपल चौहान- उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका गई।
, जॉली ग्रांट स्वामी राम नगर, देहरादून से पीएचडी कर रही हैं।
छात्रों का प्लेसमेंट
•
• शालिनी राज को आर्मी पब्लिक स्कूल, रूड़की में टीजीटी टीचर के पद पर नियुक्त किया गया।
विभाग की मुख्य विशेषताएं
• विभाग छात्रों को उच्च तकनीक, कौशल-आधारित ज्ञान प्रदान करने का प्रयास कर रहा है।
• विभाग प्रयोगशाला लगभग 250 मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और 25 उपकरणों से समृद्ध है।
• विभाग में छात्रों के लिए वाई-फाई सुविधाएं उपलब्ध हैं।
• विभाग के प्रत्येक छात्र को "गर्भस्थ परम्परा" के तहत मार्गदर्शन दिया जाता है।
• विभाग में द्विभाषी शिक्षण से छात्रों को विषय को बेहतर तरीके से सीखने में मदद मिलती है, जिससे ज्ञान की सामान्यीकरण क्षमता बढ़ती है।
Teacher’s day celebration- 05/09/2022

**मनोविज्ञान विभाग**
**कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून**

**प्राध्यापिका का नाम :**डॉऋचा सक्सेना.

| **क्रमांक** | **विवरण** | **संख्या** |
|---|---|---|
| १ | विशिष्टवार्ता /व्याख्यान /रेडियोT.Vकार्यक्रम | 32 (AIR) |
| 2 | सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान/एफडीपी/पाठ्यक्रम | 01 |
| 4 | आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान | 1 |
| 5 | सांस्कृतिक कार्यक्रम | 2 |
| 6 | ग्राम विकास कार्यक्रम | 1 |

**ऑल इंडिया रेडियो पर कार्यक्रम**

हर महीने में दो या तीन बार तुलना के रूप में ऑल इनाडिया रेडियो पर "महिला जगत" प्रस्तुत करें।

**एफडीपी का विवरण**

इग्नू से 'ए' ग्रेड के साथ 27-10-2022 से 5-11-22 तक 'विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए एनईपी-2020 के कार्यान्वयन' पर यूजीसी द्वारा अनुमोदित अल्पकालिक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरा किया

**ग्राम गोद लेने का कार्यक्रम**

यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार, मनोविज्ञान विभाग, कन्या गुरुकुल परिसर ने जमीनी स्तर पर मौजूद सामाजिक गतिशीलता में समस्याओं को समझने और सुविधाजनक कारकों को आत्मसात करने के लिए 2022-2023 में हैप्पी एन्क्लेव जाखननामकगाँवमेंतीन साल के लिए एक स्लम क्षेत्र को अपनाने की योजना बनाई थी। वंचित क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने के साथ कई अवसरों का उपयोग करके उन्हें प्रेरित करने, शिक्षित करने और विकसित करने में सक्षम बनाने के माध्यम से टिकाऊ और एकजुट समुदायों के निर्माण के लिए जिम्मेदारबनानाउद्देश्यरहा। इसके लिए हमने हैप्पी एन्क्लेव नामक स्लम क्षेत्र का दौरा किया और सामाजिक आर्थिक स्थिति की एक झलक देखी। ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास की भौतिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की भी। सभी सदस्यों ने प्रधान श्रीमती सुनीता से मिलकर उस क्षेत्र में उनके सहयोग से आयोजित की जाने वाली योजना एवं गतिविधियों पर चर्चा की तथा सहयोग मांगा।

**आयोजित कार्यक्रम**

1. 22-31 अगस्त, 2022 तक आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत "व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम" पर 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
2. दिनांक 14-02-2022 को केजीसी, देहरादून में "फागुन महोत्सव" का आयोजन किया गया।
3. दिनांक 13-10-2022 को करवाचौथ महोत्सव के अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

**विभागीयविवरण**

मनोविज्ञान विभाग की स्थापना 1856 में कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून में विद्यालंकार की डिग्री की पूर्ति के लिए पाठ्यक्रम के एक विषय के रूप में की गई थी। इसमें कई परीक्षणों और उपकरणों से युक्त एक प्रयोगशाला है। यह विभिन्न आउटरीच और इनडोर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास के लिए समर्पित है। यह लगातार छात्रों के व्यावहारिक परामर्श कौशल को बढ़ा रहा है और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में व्यक्तिगत सहायता प्रदान कर रहा है। पिछले वर्षों से विभाग में विद्यार्थियों की संख्या अच्छी हो गई है।वर्तमानमेंविभागमेंबीएतथाऑनर्सपाठ्यक्रमभीसंचालितकियेजारहेहैं।

# संगीत विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून

**शिक्षिका का नाम - डा0 सरिता नेगी (गायन),**

**डा0 ममता यादव (सितार)**

**डा0 सरिता नेगी -**

**प्रकाशित शोध पत्र की संख्या - 03**

- भैरवी, यू0जी0सी0 केयर, अंक-22, ISSN नं0 5217-2022, शीर्षक- ''हिमाचल से किन्नौर के विभिन्न पर्वों में गाए जाने वाले लोकगीत: एक अध्ययन''
- स्तोम, यू0जी0सी0 केयर, ISSN नं0 2231-1041 (2022) , शीर्षक- ''किन्नौर के विभिन्न लोक वाद्य: एक अध्ययन''
- शोध दिशा, यू0जी0सी0 केयर, ISSN नं0 0975-735X (2023) , शीर्षक- ''मीरा बाई के पदों में संगीत: एक अध्ययन''

**कान्फ्रेंन्स-1, सेमिनार-1**

- दिनांक 31.12.2022 से 01.01.2023 तक एस0एस0पी0पी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, मड़िहान, मिर्जापुर द्वारा आयोजित ''संगीत एवं मनोविज्ञान'' नामक शीर्षक पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता, प्रपत्र का शीर्षक- ''शिक्षा में विविध विषयों की प्रासंगिकता''।
- दिनांक 16.07.2022 को एन0सी0टी0ई0 तथा गुरू कांगड़ी डीम्ड विश्वविद्यालय, हरिद्वार के सहयोग द्वारा आयोजित कान्फ्रेंस ''Significance of Yoga Education for the Development of Teachers and Teacher Education'' में प्रतिभागिता।

**डा0 सरिता नेगी -**

**प्रकाशित शोध पत्र की संख्या - 03**

- साम भारती, संगीत और मंच कला पर आधारित अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, ISSN नं0 2347-2022, शीर्षक- ''सितार वादन में सौंदर्य तकनीक के सन्दर्भ में''
- स्तोम, यू0जी0सी0 केयर, ISSN नं0 2231-1041 (2022) , शीर्षक- ''तन्त्री वादिका विदुषी अन्नपूर्णा देवी का संगीत जगत में योगदान''
- शोध दिशा, यू0जी0सी0 केयर, ISSN नं0 0975-735X (2023) , शीर्षक- ''संगीत एवं योग का अन्तः सम्बन्ध''

- शोध दिशा, यू0जी0सी0 केयर, ISSN नं0 0975-735X (2022) , शीर्षक- ‘‘मैहर बैण्ड’’

**कान्फ्रेंन्स-1, सेमिनार-1**

- दिनांक 16.07.2022 को एन0सी0टी0ई0 तथा गुरू कांगड़ी डीम्ड विश्वविद्यालय, हरिद्वार के सहयोग द्वारा आयोजित कान्फ्रेंस ‘‘Significance of Yoga Education for the Development of Teachers and Teacher Education’’ में प्रतिभागिता।

# चित्रकला विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून

वार्षिक विस्तार सत्र रिपोर्ट

वर्ष 2022-2023 के लिए

विभाग का नाम :चित्रकला

विभाग के बारे में मौलिक जानकारी:

विभाग द्वारा चलाए गए पाठ्यक्रम :UG

1. प्रकाशनों का विवरण सेमिनार
2. प्रदर्शन गतिविधियाँ और छात्र भागीदारी:-

| क्रमांक | आयोजन का प्रकार | आयोजन/ लेबल | भागीदार (प्रतिभागी) | दिनांक | आयोजक आयोजित किया ) (गया | नाम | पेपर शीर्षक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | सेमिनार | राष्ट्रीय | पेपर प्रस्तुत किया | 12/10/2022 | एमपी.के., पीजी कॉलेज, स्नेहिल संस्था देहरादून | माटी के रंग | भारतीय लोककला की आधारभूत विशेषताएं |
| 2 | प्रदर्शनी | राष्ट्रीय | भाग लेना | 12/10/2022 | एमपी.के., पीजी कॉलेज, स्नेहिल संस्था देहरादून | माटी के रंग, देहरादून, उत्तराखंड / 2022 | - |
| 3 | प्रदर्शनी | राष्ट्रीय | 10 छात्रों | 12/10/2022 | एमपी.के., पीजी कॉलेज, स्नेहिल संस्था देहरादून | माटी के रंग, देहरादून, उत्तराखंड / 2022 | - |
| 4 | रंगोली प्रतियोगिता | राष्ट्रीय | 20 छात्रों | 2/03/2023 | कन्या गुरुकुल परिषर (देहरादून) | रंगावली, देहरादून, उत्तराखंड / 2023 | - |

**Paper Article**

**https://www.southasia24x7.com/archives/252**

# अर्थशास्त्र विभाग
# मुख्य परिसर

अर्थशास्त्र उन विषयों में से एक है जिसे हमारे तेजी से आगे बढ़ते विश्वविद्यालय में प्रगति में योगदान देने के अवसर से सम्मानित किया गया है। अर्थशास्त्र, मानविकी संकाय, गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा प्रगति के प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं।

**अनुसंधान विद्वानों और भावी अर्थशास्त्रियों का पोषण**

आर्थिक विचारकों की अगली पीढ़ी को तैयार करने के महत्व को पहचानते हुए, विभाग अनुसंधान विद्वानों के लिए एक पोषण वातावरण बनाने के लिए समर्पित है।

निम्नलिखित विद्वान विभाग में पीएचडी अनुसंधान करने में लगे हुए हैं:

(ए)- महिमा राणा (नेट)

(बी) -विभा पुंडीर (आरईटी)

(सी) -पूजा ध्यानी (नेट)

(डी) -नवांशु पांडे (नेट)

इसके अतिरिक्त, विभाग स्नातक स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर छात्रों के लिए अर्थशास्त्र के शिक्षण में भी सक्रिय रूप से शामिल है।

**तीव्र विकास और अनुसंधान कौशल:-**

सहयोग और मार्गदर्शन के माध्यम से, अर्थशास्त्र विभाग ज्ञान और शैक्षणिक उत्कृष्टता की खोज के लिए एक वातावरण तैयार करता है। निम्नलिखित विभाग के अनुसंधान आउटपुट का सारांश है।

| Type | Number |
|---|---|
| Publication of Research Papers | **05 (UGC Care)** |
| Peer reviewed / Referred Journal | **02** |
| Contribution to Book Chapters | **06** |
| Participation in Conference Proceedings | **04** |
| Publication of Edited Books | **02** |

अन्य जिम्मेदारियां-:

- प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य
- समान अवसर सेल के सदस्य
- उप. अधिष्ठाता छात्र कल्याण

# अर्थशास्त्र विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून

**संकाय सदस्य - डॉ. बबीता शर्मा**

**विभाग के बारे में**

कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून में 1997 से अर्थशास्त्र को एक विषय के रूप में पेश किया जा रहा है। अर्थशास्त्र का क्षेत्र बहुत व्यापक है, इस क्षेत्र से संबंधित कई पाठ्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं जैसे स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र, ऊर्जा अर्थशास्त्र आदि। विभाग स्नातकोत्तर विभाग शुरू करने की योजना बना रहा है। अर्थशास्त्र में और अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम संचालित है। विद्यार्थियों को उनके कैरियर निर्माण के लिए व्यक्तिगत मार्गदर्शन भी दिया जाता है।

**2022-23 मे विभागीय गतिविधिया**

| क्र . संख्या | गतिविधि का नाम | संख्या |
|---|---|---|
| 1 | संकाय विकास कार्यक्रम | 02 |
| 2 | अतिथि व्याख्यान (आयोजित ) | 02 |
| 3 | कुल प्रकाशन<br>यू जी सी केयर लिस्ट जर्नल<br>संपादित पुस्तक मे लेख | 03<br>01<br>02 |

# प्राच्य विद्या संकाय
# संस्कृत विभाग, मुख्य परिसर हरिद्वार

**विभाग का परिचय-**

**उपह्वरे गिरीणां सङ्गमे च नदीनाम्। धिया विप्रोऽजायत।।** (यजुर्वेद **26.15)** वेदमन्त्र की इस मूल-भावना को हृदयङ्गम कर अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी ने महर्षि दयानन्द के अमर उद्घोष "वेदों की ओर लौटो" सन्देश का अनुसरण करते हुए वैदिक ज्ञान-विज्ञान तथा संस्कृति एवं सभ्यता का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से गंगा के पावन तट पर हिमालय की उपत्यका में **4** मार्च**, 1902** में गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। **1962** में यू०जी०सी० ने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय को मानित विश्वविद्यालय की मान्यता प्रदान की। हमारा सम्पूर्ण प्राचीन ज्ञान-विज्ञान संस्कृत-भाषा में निबद्ध होने के कारण गुरुकुल की स्थापना काल से ही संस्कृत विभाग निरन्तर संस्कृत साहित्यगत ज्ञान-विज्ञानपरक शोध तथा सस्कृत-भाषा और भारतीय संस्कृति एवं जीवनमूल्यों के प्रचार-प्रसार में संलग्न है। यहाँ के अनेक पूर्वाचार्यों ने अपने वैदुष्य से विभाग के गौरव को राष्ट्रीय एवं अन्ताराष्ट्रिय स्तर पर स्थापित किया**,** जिनमें साहित्य एवं वेद के मर्मज्ञ पण्डित आचार्य रामनाथ वेदालङ्कार (राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित)**,** प्रो. वेदप्रकाश शास्त्री (राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित)**,** प्रो. मानसिंह (राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित)**,** प्रो. महावीर (राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित) पूर्व कुलपति**,** उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय**,** हरिद्वार आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। वर्तमान में विभाग में पी-एच०डी०, एम०ए०, बी०ए० आनर्स (विद्यालंकार) एवं बी०ए० पाठ्यक्रम सञ्चालित हैं।

**साम्प्रतिक विभागीय आचार्य-**

| | |
|---|---|
| विभागाध्यक्ष | प्रो० ब्रह्मदेव विद्यालंकार |
| विभागीय सदस्य | प्रो० सोमदेव शतांशु |
| | प्रो० विनय विद्यालंकार |
| | डॉ० मौहर सिंह |
| | डॉ० वेदव्रत |

1. प्रकाशन कार्य/शोधकार्य
   - (क) शोध पत्र 09
   - (ख) पुस्तक में प्रकाशित शोध पत्र/ आलेख 05
2. सेमिनार/कांफ्रेंस/ वेबीनार/वर्कशाप में पढे गए शोधपत्रों की संख्या 20
3. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम **(0**7**)**

**विस्तृत विवरण-**

**शोधपत्रिकाओं में प्रकाशित लेख-**

**प्रो० सोमदेव शतांशु**

1. शुक्ल यजुर्वेद का वैशिष्ट्य, गुरुकुल पत्रिका, ISSN 0976-8017, अंक 74/3, जनवरी **-** मार्च 202**3**

**प्रो० ब्रह्मदेव विद्यालंकार**

**2.** संस्कृत व्याकरण में लोकव्यवहार, गुरुकुल पत्रिका**,** ISSN 0976-8017, अङ्क 73/4- 74/1**,** अप्रैल-सितम्बर 2022

**प्रो० विनय कुमार**

**3.** शृङ्गार रस की शास्त्रीय समीक्षा**,** गुरुकुल पत्रिका**,** ISSN 0976-8017, अङ्क 73/4 एवं 74/1 (संयुक्तांक)**,** अप्रैल-सितम्बर**,** 2022

**डा० मौहर सिंह**

4. शृङ्गार रस की शास्त्रीय समीक्षा**,** गुरुकुल पत्रिका**,** ISSN 0976-8017, अङ्क 73/4 एवं 74/1 (संयुक्तांक)**,** अप्रैल-सितम्बर**,** 2022

**डा० वेदव्रत**

5. मन्त्रों के अर्थानुशीलन एवं सम्प्रयोग में ऋषि, देवता, तथा छन्दों की उपादेयता, गुरुकुल पत्रिका, **ISSN** 0976-8017, अंक 73/4-74/1, सित० 2022

6. भाषाविज्ञान का मूल निरुक्तशास्त्र**,** पावमानी पत्रिका, **ISSN** 0976-8017**,** अंक 38/1 मार्च 2023

7. यज्ञ के सन्दर्भ में संज्ञपन आदि शब्दों की मीमांसा**,** पावमानी पत्रिका, **ISSN** 2229-6328, अंक 38/2, जून 2023

8. वेद प्रतिपादित पारिवारिक मूल्य, गुरुकुल पत्रिका, **ISSN** 0976-8017**,** अंक 74/3, जनवरी - मार्च, 2023

9. वाल्मीकि रामायण में वर्णित नैतिक मूल्य, शोधप्रज्ञा, **, ISSN** 2347-9892, अंक 9/20, जून 2023

**पुस्तक में प्रकाशित शोधपत्र/आलेख-**

**प्रो० ब्रह्मदेव विद्यालंकार**

1. वाल्मीकि रामायणकालीन शिक्षाव्यवस्था**,** शिवालिक प्रकाशन**,** दिल्ली 4648/21**,** अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली 110002 ISBN 978-93- 91214-85- 2

**डा० वेदव्रत**

2. राष्ट्रियता का अजस्र स्रोत वैदिक वाङ्मय, संस्कृत वाङ्मय राष्ट्रिय अभ्युदय का अजस्र स्रोत (ISBN 978-81-956388-1-9), नेशनल बुक सेण्टर, नई दिल्ली, नवम्बर 2022

3. वाल्मीकि रामायण में वर्णित लोकतान्त्रिक मूल्य, भारत की लोकतान्त्रिक संस्कृति, (ISBN 978-93-95472-21-0), किताब वाले**,** नई दिल्ली 2023

4. वाल्मीकि की रामायण में लोकतांत्रिक सिद्धांत**-** भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति (ISBN 978-93-95472-29-6), किताब वाले, नई दिल्ली 2023

5. श्रीमद्वाल्मीकि-रामायण में प्रतिपादित जल का महत्त्व, सुमङ्गली सुजलाम्, म०पा०सं०वे०वि०वि०, उज्जैन**,** म.प्र., 2022

**सेमिनार/कान्फ्रेंस/ वेबीनार/ वर्कशाप में दिए गए व्याख्यान**

**प्रो० सोमदेव शतांशु**

1. वैदिक सृष्टि विज्ञान, द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक शोधसंगोष्ठी**,** विषय- वेदों के वैज्ञानिक सिद्धान्त, गुरुकुल प्रभाताश्रम**,** टीकरी**,** भोलाझाल**,** मेरठ**,** भारत (07-08 अगस्त**,** 2022)
2. वेद प्रतिपादित पर्यावरण संरक्षण के उपाय, अन्तर्राष्ट्रीय विचार संगोष्ठी गुरुकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय)**,** हरिद्वार एवं आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका 28 दिसम्बर 2022

**प्रो० ब्रह्मदेव विद्यालंकार**

3. वाल्मीकि रामायणकालीन शिक्षा व्यवस्था, अन्तर्राष्ट्रीय शोध सम्मेलन**,** विषय:- भारतीय ज्ञान परम्परा में वाल्मीकिरामायण, संस्कृत पालि प्राकृत विभाग एवं श्रीमद्वाल्मीकि शोधपीठ का संयुक्त तत्त्वावधान**,** महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय**,** रोहतक (हरियाणा) 22-23 जून**,** 2023
4. वैदिक अध्यात्मविज्ञान, द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक शोधसंगोष्ठी**,** विषय- वेदों के वैज्ञानिक सिद्धान्त, गुरुकुल प्रभात आश्रम**,** टीकरी**,** भोलाझाल**,** मेरठ (उ०प्र०) 07-08 अगस्त**,** 2022

**प्रो० विनय कुमार**

5. भारतीय दार्शनिक मूल्यों की प्रासंगिकता, चमन लाल महाविद्यालय, लण्ढौरा, हरिद्वार 29 जुलाई 2022
6. दयानन्द दर्शन के विविध आयाम, राष्ट्रीय संगोष्ठी, जगदीश शरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरोहा, 05-06 नवम्बर 2022
7. वेद प्रतिपादित जल संरक्षण के उपाय, अन्तर्राष्ट्रीय विचार संगोष्ठी, गुरुकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय)**,** हरिद्वार एवं आर्य प्रतिनिधि सभा**,** अमेरिका 28 दिसम्बर 2022

**8.** अष्ट विकृति का स्वरूप एवं महत्त्व, त्रिदिवसीया राष्ट्रीया कार्यशाला, प्राच्य विद्या संकाय, गुरुकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

**डा० मौहर सिंह**

**9.** भारतीय पारंपरिक योग प्रणाली सिद्धांत और अभ्यास, गुरुकुल कांगड़ी (मानित विश्वविद्यालय), हरिद्वार, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष द्वारा प्रायोजित

**10.** एन.एस.एस. सामाजिक जीवन की आवश्यकता, छात्र प्रेरणा कार्यक्रम, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग, गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

**11.** वैदिक जल विज्ञान, अन्तर्राष्ट्रीय वेदसम्मेलन, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ (उ०प्र०) 7 एवं 8 अगस्त 2022

**12.** राष्ट्रीय एवं एन.एस.एस. छात्र प्रेरणा कार्यक्रम संस्कृत विभाग, गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

**डा० वेदव्रत**

**13.** वेदों में भाषावैज्ञानिक सिद्धान्त, अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक शोध संगोष्ठी, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध-संस्थान, मेरठ (उ०प्र०) 7 एवं 8 अगस्त 2022

**14.** विश्वविद्यालय की स्थापना, दृष्टि दर्शन, उद्देश्य एवं संस्कृति, छात्र प्रेरणा कार्यक्रम, मानविकी संकाय, गुरुकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार 07 नवम्बर 2022

**15.** गुरुकुल कांगड़ी का ऐतिह्य, छात्र प्रेरणा कार्यक्रम विज्ञान संकाय, गुरुकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार 14 नवम्बर 2022

**16.** वर्तमानकालीन समस्याओं का मनुस्मृति की दृष्टि से समाधान, अन्तर्राष्ट्रीय विचार संगोष्ठी, गुरुकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार एवं आर्य प्रतिनिधि सभा, अमेरिका 28 दिसम्बर2022

**17.** यज्ञीय हिंसा एवं मीमांसा दर्शनः एक विवेचन, अखिल भारतीय वैदिक- शोधसङ्गोष्ठी स्वा० स०वै०शो०संस्थान, मेरठ 13 जनवरी 2023

**18.** भारतीय ज्ञान परम्परा एवं संस्कृत, भारत की ज्ञान परम्पराएँ एवं प्रथाएँ गुरुकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार भारत 29-31 मार्च 2023

**19.** वैदिक माइक्रोबाइलोजी की वर्तमान में उपादेयता, वैदिक माइक्रोबाइलोजी एवं मोडर्न बाइटेक्नोलोजी, गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार भारत 27-29 मार्च 2023

**20.** वाल्मीकि रामायण में लोकाचार, अन्तर्राष्ट्रीय शोध सम्मेलन, विषय:- भारतीय ज्ञानपरम्परा में वाल्मीकि रामायण, संस्कृत पालि प्राकृत विभाग एवं श्रीमद्वाल्मीकि शोधपीठ का संयुक्त तत्त्वावधान, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा) 22-23 जून, 2023

**विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम**

**वर्कशाप 03**

(**i**) 05 से 07 दिसम्बर 2022 को **तर्कसंग्रह** विषय पर आनलाईन माध्यम से **त्रिदिवसीय कार्यशाला** का आयोजन किया गया।

(**ii**) 27 एवं 28 जनवरी 2023 **अनुसन्धान प्रस्ताव लेखन** विषय पर भारतीय ज्ञान परम्परा प्रभाग, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्त्वाधान में **द्विदिवसीय कार्यशाला** का आयोजन किया गया।

(**iii**) 23 से 25 मार्च 2023 को **वैदिक स्वर विज्ञान परिज्ञान** विषय पर त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

**परिसंवाद 01**

15 सितम्बर 2023 को **संस्कृत साहित्य में निहित नैतिक मूल्य** विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया।

**कार्यक्रम 03**

**(i)** 05.09.2022 को शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

**(ii)** 16 सितम्बर 2022 को स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षा के छात्रों के लिए संस्कृत प्रश्न मञ्च प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

**(iii)** नवम्बर 2022 में नव प्रविष्ट विभागीय छात्रों हेतु प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

# संस्कृत विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर हरिद्वार

कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार, की स्थापना सन 1992-1993 सत्र से प्राच्य विद्या संकाय के विषयों - संस्कृत हिंदी व इतिहास आदि स्नातकोत्तर कक्षाओं के साथ प्रारंभ हुई । शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञानविज्ञान-, प्राचीन एवं आधुनिक विषयों के साथ चारित्रिक उन्नयन भी था। दो साल के पश्चात विज्ञानरसायन -, भौतिकी, जीवविज्ञान-, वनस्पतिविज्ञान-, सांख्यिकी एवं गणित, कंप्यूटर आदि विषयों का भी अध्ययन अध्यापन प्रारंभ हुआ। सन 1992 से लेकर आजतक कन्या गुरुकुल परिसर निरंतर प्रगति की ओर उन्मुख है। नित्य प्रति दैनिक यज्ञ द्वारा परिसर में अध्ययन का प्रारंभ इसकी प्रमुख विशेषता रही है। अपने स्थापना काल से ही संस्कृत विभाग में दो स्थाई शिक्षिकाएं रही हैं तथा अतिथि व्याख्याता द्वारा अतिरिक्त कार्यभार का निर्वहन किया जाता रहा है। संस्कृत विभाग में वर्तमान में मात्र एक स्थाई शिक्षिका प्रो. (डॉ.) संगीता सिंह विद्यालंकार । दो असिस्टेंट प्रोफेसर अनुबन्ध)) डॉ अशु राधा एवं डॉ कीर्तिका भट्टाचार्य अध्यापन कार्य कर रही हैं। प्रोफेसर संगीता विद्यालंकार जी ने सन 2005 नवंबर से प्राचार्य एवं संस्कृत अध्यापन का कार्य संभाला था । उनके लगभग पचास शोधपत्र - प्रकाशित हो चुके हैं अनेक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है तथा4 पुस्तकें भी प्रकाशित हैं।

**कार्यक्रम आयोजित :-**

1. सत्र प्रारम्भ कार्यक्रम (16-अगस्त-2022)
2. शिक्षक दिवस कार्यक्रम (5-सितम्बर-2022)
3. स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का योगदान (6-सितम्बर-2022)
4. अतिथि व्याख्यान (7-सितम्बर-2022)
5. निबन्धमाला प्रतियोगिता (8-सितम्बर-2022)
6. संस्कृत श्लोक अंत्याक्षरी श्लोक गायन व प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन (9-सितम्बर-2022)
7. शिक्षाप्रद फिल्म प्रदर्शन (9-सितम्बर-2022)
8. आयुर्वेद दिवस (11-अक्टूबर-2022) (हर दिन हर घर आयुर्वेद विषय पर अतिथि व्याख्यान)
9. महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती (15-अक्टूबर-2022)
10. राष्ट्रीय एकता दिवस (रन फॉर यूनिटी) (31-अक्टूबर-2022)
11. गर्भस्थ परम्परा (15 नवम्बर-2022)
12. शिक्षक अभिभावक मीटिंग (19 नवम्बर-2022)
13. एड्स दिवस (1-दिसम्बर-2022)

14. रामदेव दिवस (9-दिसम्बर-2022)
15. महर्षि दयानंद सरस्वती जी व स्वामी श्रद्धानंद जी की जयंती (16-फरवरी-2023)
16. एलुमनाई मीट

**National /International Seminars, Workshops and Conferences**

**Dr. Ashu Radha**

1. Seven Days National Workshop On Gender & Society (01 January 2023 to 07 January 2023)
2. International Conference On Vishva ki Vartman Chunautiyan evam Sanskrit(28 December 2022)
3. Two days Workshop On Anusandhan Prastav Lekhan (27 January 2023 to 28 January 2023)
4. Three Days Workshop On Vedic Swar-Vigyan Parigyan (23 March 2023 to 25 March 2023)

**Dr. Keertika Bhattacharya**

1. International Conference On Vishva ki Vartman Chunautiyan evam Sanskrit(28 December 2022)
2. Two days Workshop On Anusandhan Prastav Lekhan (27 January 2023 to 28 January 2023)
3. Three Days Workshop On Vedic Swar-Vigyan Parigyan (23 March 2023 to 25 March 2023)

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर, कन्या गुरुकुल, हरिद्वार में 16-अगस्त से 2022-2023 सत्र का शुभारम्भ दैनिक यज्ञ के साथ किया गया। यज्ञ में कुलपति व कुलसचिव जी मुख्य अतिथि के रूप में हमारे मध्य उपस्थित हुए। यज्ञ में सभी शिक्षिकाओ, छात्राओं व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति रही व कुलपति के आशीर्वचन के साथ यज्ञ संपन्न किया गया।

यज्ञ के अनन्तर संस्कृत विभाग में विभागीय शिक्षिकाओं के साथ एक गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें सत्र 2022-2023 के लिए होने वाले विभागीय कार्यक्रमों की रूपरेखा पर मन्थन हुआ और वर्षभर चलने वाले कार्यक्रमों के लिए एक कैलेण्डर तैयार किया गया। जिसकी रूपरेखा निम्न प्रकार रही-

- गर्भस्थ परम्परा से तात्पर्य सभी शिक्षिकाओं के साथ छात्राओं को वर्गीकृत किया जाता है। शिक्षिकाओं के संरक्षण में रहते हुए छात्राओं के घरपरिवार और हॉस्टल से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया - जाता है। इसी नियमानुसार छात्राओं की समस्याओं विभागीय प्रभारी प्रोसंगीता . विद्यालंकार व दो

असिस्टेंट प्रोफेसर बन्धअनु)) डॉ अशु राधा एवं डॉ कीर्तिका भट्टाचार्य द्वारा सुना गया व उनका निराकरण किया गया। शोधार्थी पल्लवी सिंह व राधा आर्या भी उपस्थित रहीं।

- कोरोना काल के कारण शिक्षक अभिभावक मीटिंग का ऑनलाइन आयोजन हुआ जिसमें अभिभावकों की समस्याओं को सुनते हुए उनसे वार्तालय किया गया व छात्राओं की प्रकृति से भी अवगत कराया गया।
- विभाग में प्रतिवर्ष एक संस्कृत दिवस का भी आयोजन किया जाता है व विश्वविद्यालय में इसे संस्कृत महोत्सव के रूप में मनाया गया, जिसमें संस्कृत की महत्ता, मूल्य व आधुनिक युग में उसकी प्रासांगिकता पर प्रकाश डाला गया। विभागीय शिक्षिकाओं व छात्राओं ने भी सहभागिता की।
- 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर परिसर में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी का आयोजन हुआ, जिसमें परिसर की समस्त छात्राएँ उपस्थित रहीं।
- 9 दिसम्बर को आचार्य रामदेव दिवस मनाया गया, जिनकी गुरुकुल कांगड़ी व कन्या गुरुकुल की स्थापना में मुख्य भूमिका रही। उनके लिए व्याख्यान माला का आयोजन हुआ व उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला गया।
- विभाग में समयसमय पर श्लोक अंत्याक्षरी-, श्लोक गायन व प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का मुख्य विषय आर्यसमाज के स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान-, स्वामी श्रद्धानंद जी व महर्षि दयानन्द जी के जीवनी पर आधारित था। छात्राओं ने इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। विभाग में शिक्षिकाओं के निर्देशन में एक अलुमिनाई मीट का आयोजन हुआ जिसका संचालन शोधार्थी राधा आर्या व पल्लवी सिंह ने किया। जिसमें पूर्व छात्रछात्राओं की प्रकृति-, अनुभवों व उनके कार्यों की जानकारी ली गयी। सभी ने अपने विचार साझा किए ।
- 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया

# ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकांड विभाग

## विभागीय प्रगति विवरण 2022–2023

- विभाग में एम. ए. का पाठ्यक्रम चल रहा है।
- 2022–2023 वर्श में परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा है।
- विभाग में दो छात्रों ने लघुशोध का कार्य पूर्ण किया है।
- विभाग के अध्यापक डॉ. भगवान दास के यू.जी.सी. की मान्यता प्राप्त पत्रिकाओं में तीन शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं।

    1. वेद निर्दिष्ट शिक्षा का प्रयोजन
    2. ग्रहों का वैज्ञानिक स्वरूपा
    3. महाभारत के काल निर्णय में ज्योतिष का योगदान

- ज्योतिष विज्ञान से सम्बन्धित चार कार्यशालाओं में भाग लिया गया है।
- ज्योतिष विज्ञान से सम्बन्धित तीन सेमिनार में प्रतिभाग कर शोध पत्रों का वाचन किया गया।
- उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय में बी.ओ.एस. की बैठक में विद्यावारिधि मण्डल में विषय विशेषज्ञ के रूपा में सम्मिलित हुए।
- प्री–पी.एच.डी. कोर्स पाठ्यक्रम समिति में संयोजक के रूपा में भाग लिया।
- स्वामी श्रद्धानन्द वैदिक शोध विभाग में बी.ओ.एस. की बैठक में उपस्थित रहें।

# श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान
# प्राच्य विद्या संकाय

गुरुकुल कांगडी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार की स्थापना सन् १९०२ में कांगडी पार हरिद्वार में हुई। उसकी स्थापना से पूर्व ही विश्वविद्यालय के संस्थापक महात्मा मुंशीराम ने लाहौर में आर्य समाज, वेद तथा महर्षि दयानन्द सरस्वती के सिद्धान्तों को देश-विदेश में प्रचारित और प्रसारित, प्रकाशित तथा अन्वेषण करने के लिये शोध विभाग की स्थापना सन् १८९४ में की थी। प्रारम्भ में महात्मा मुंशीराम जी ने ही लेखन आदि के माध्यम से इस विभाग को बढ़ाया। गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय की स्थापना होने के उपरान्त सन् १९२० में यह विभाग इस विश्वविद्यालय में स्थानान्तरित हो गया। आचार्य रामदेव जी, पं इन्द्र विद्यावाचस्पति जी, पं भगवदत्त जी, आचार्य प्रियव्रत वेदवाचस्पति जी, आचार्य रामनाथ वेदालंकार जी, आचार्य रामप्रसाद वेदालंकार जी आदि आर्य समाज के महान् विद्वानों, उपदेशकों, लेखकों और निष्ठावान् कार्यकर्ताओं के द्वारा इस विभाग को निर्देशन प्राप्त होता रहा। सन् १९९१ में इस विभाग को वैदिक शोध संस्थान का नाम दिया गया और प्रो. भारतभूषण विद्यालंकार को प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया, जिनकी देखरेख में यह विभाग उन्नति करता रहा। सन् १९९४ में डा. महावीर अग्रवाल विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के रीडर पद से इस विभाग में रीडर पद पर नियुक्त हो गये, जोकि कुछ काल के उपरान्त ही वापस भी लौट गये। इसी प्रकार प्रो. भारतभूषण वेदालंकार भी वापस वेद विभाग में चले गये।

मार्च २००२ को इस विभाग का नाम विश्वविद्यालय के संस्थापक स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज के नाम से 'श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान विभाग' रखा गया और विश्वविद्यालय के तत्कालीन मान्य कुलपति प्रो. स्वतन्त्रकुमार जी के प्रयत्नों से विश्वविद्यालय के विज्ञापनानुसार प्रो. ज्ञानप्रकाश शास्त्री जी को प्रोफेसर के पद पर और प्रो. सत्यदेव निगमालंकार को रीडर के पद पर नियुक्त किया गया। दोनों ही विद्वानों की शोध में रुचि तथा गति होने के कारण विशालकाय, लघुकाय, समाजोपयोगी, शोधोपयोगी ग्रन्थ लिखने तथा प्रकाशित करने का अवसर मिला, जिससे विभाग की छवि उज्ज्वल होने के साथ-साथ विश्वविद्यालय में समागत नैक टीम के द्वारा भी आदर के पात्र बनाये गये। विभाग से सन् २००३ से ही प्रो. ज्ञानप्रकाश शास्त्री ने 'गुरुकुल-शोध-भारती' नामक शोधपत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया, जो निरन्तर गतिशील है। वर्तमान में इसके सम्पादक प्रो. सत्यदेव निगमालंकार हैं, जिस पत्रिका को यूजीसी की केयरलिस्ट में कराने के प्रयत्न जारी हैं। प्रो. श्री ज्ञानप्रकाश शास्त्री ने जहाँ अनेकों ग्रन्थों का निर्माण किया वहीं सम्पादन भी किया। अब वे सेवानिवृत्त हो चुके हैं, किन्तु विभाग उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से सदा ऋणी रहेगा। अब भी जब विभाग को उनकी आवश्यकता होती है, वे सहर्ष आशीर्वाद देने चले आते हैं। उनके स्थान पर सम्प्रति व्याकरणशास्त्र के विद्वान् प्रो. रामप्रकाश वर्णी प्रोफेसर के पद पर नियुक्त हुए हैं, जिन्हें दो वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। वे शोधरत रहने के साथ-साथ विभाग की उन्नति के विषय में विचारते रहते हैं और ग्रन्थ लिखते रहते हैं। प्रो. सत्यदेव निगमालंकार वेद के विद्वान् होने के साथ ही आर्यसमाज और महर्षि दयानन्द सरस्वती के सिद्धान्तों को लेखनी तथा भाषण के माध्यम से प्रकाशित करते हैं और प्राणियों की सेवा में भी निष्ठावान् कार्यकर्त्ता की तरह लगे रहते हैं। विभाग में अनेक शोधच्छात्र शोधकार्य कर चुके हैं और सम्प्रति भी सोलह शोधच्छात्र शोध कर रहे हैं। ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विभाग की स्नातकोत्तर कक्षाओं को भी विभागीय प्राध्यापक अध्यापित करते रहे हैं।

श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान विभाग के अध्यक्ष:प्रो. रामप्रकाश वर्णी

**विभागीय प्राध्यापक: -**

१. प्रो. रामप्रकाशवर्णी

२. प्रो सत्यदेव निगामालंकर

१-प्रकाशन कार्य/शोधकार्य

(क)शोधपत्र-१०,

(ख)पुस्तकें-२

२-सेमिनार/कांफ्रेंस/वेबीनार/वर्कशाप में पठित शोधपत्र-संख्या-३,

३-विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम-३,

**विस्तृत विवरण** (शोधपत्रिकाओं में प्रकाशित शोधलेख)

**१-प्रो. रामप्रकाश वर्णी**

१-हरिप्रभा, वर्ष-२०, अंक-१, २०२३, आईएसएसएन.२२७८-०४१६, श्रौतपशुयागविमर्श-पृष्ठ-१६-२२ तक,

२-वेदवाणी, वर्ष-७५, अंक-०७, आईएसएसएन२४५७-०१४१, पृष्ठ-२१-२६, सांख्यषडध्यायामात्मस्वरूपनिरुपणम्,

३-संस्कृतमञ्जरी, वर्ष-२१, अंक-१/२०२२ (जुलाई-सितम्बर २०२२, माधवीयधातुवृत्तिस्थविरुद्धस्थलानीविमर्शः, पृष्ठ-४०-५०,

४-वैदिक-वाग्-ज्योतिः, वर्ष-११, अंक-२०, जनवरी-जून २०२३, वेदार्थ-वीथिका, पृष्ठ-७४-७९,

**२-प्रो. सत्यदेव निगमालंकारः-**

१-शोध-प्रभा, अंक-४७, वर्ष-३, जुलाई-सितम्बर २०२२, आईएसएसएन-०९७४-८९४६, योगवाशिष्ठ में विवेक की अवधारणा, पृष्ठ-१२८-१३१,

२-पुराणम्, अंक-१, क्रमांक-९, २०२२, दयानन्दीयावैदिकशिक्षापद्धतिसन्महत्त्वञ्च, आईएसएसएन-०५५५-७८६०, पृष्ठ-२०-२४,

३-शोध-प्रभा, अंक-४७, क्रमांक-३, जुलाई-सितम्बर, २०२२, महाभारते धर्मरक्षकस्य विदुरमहात्मनः महत्त्वम्, आईएसएसएन-०९७४-८९४६, पृष्ठ३९-४२,

४-शोधसंहिता, अंक-९, क्रमांक—७(वी), जुलाई-दिसम्बर-२०२२, वैदिकनिघण्टु के पदों का यास्कीय दृष्टि में अर्थचिन्तन, आईएसएसएन-२२७७-७०६७, पृष्ठ-१६८-१७३,

५-शोधसंहिता, अंक-९, क्रमांक-८, जुलाई-दिसम्बर-२०२२, देव अथवा देवताः आचार्यों की दृष्टि में एक समीक्षा,आईएसएसएन-२२७७-७०६७,

६-शोध संहिता, अंक-९, क्रमांक-८, जुलाई-दिसम्बर-२०२२,कर्मव्यवस्थायाः व्यवहारविद्यायाश्च ईशोपनिषदि दिग्दर्शनम्,आईएसएसएन-२२७७-७०६७, पृष्ठ-१-४,

**विस्तृत विवरण** (पुस्तकों का,)

**१-प्रो. रामप्रकाश वर्णीः-**

१-व्याकरणशास्त्रीय श्लोकवार्तिकार्थपारिजातः, प्रकाशक-परिमल पब्लिकेशन, २७/२८ शक्तिनगर, दिल्ली-११०००७, आईएसबीएन-९७८-८१-७११०-८२२-०, २०२२ ई.,

२-निरुक्तहृदयम्, यन्त्रस्थ,

**२-प्रो. सत्यदेव निगमालंकारः-**

१-वैदिकनामपदमीमांसा, प्रतिभा-प्रकाशन, ७२५९/२०, अजेन्द्र मार्केट, प्रेमनगर, दिल्ली-११०००७, में आईएसएसएन-९७८-८१-७७०२-५०२-६,

२-अथर्ववेदभाष्यम्, भाष्यकार-प्रो. विश्वनाथ विद्यालंकार विद्यामार्तण्ड, चार भागों में सम्पादन करके प्रकाशनार्थ तैयार, कुलपृष्ठ-२७३८,

३-श्रीमद्दयानन्दप्रकाश, श्रीस्वामी सत्यानन्द जी महाराज द्वारा प्रणीत, सम्पादन पूर्ण हुआ, कुल पृष्ठ-६२८, प्रतिभा-प्रकाशन, ७२५९/२०, अजेन्द्र मार्केट, प्रेमनगर, दिल्ली-११०००७, में यन्त्रस्थ,

४-वेद का राष्ट्रीय गीत, वेदमार्तण्ड आचार्य प्रियव्रत वेदवाचस्पति द्वारा विरचित, सम्पादन पूर्ण हुआ, प्रकाशनार्थ तैयार, कुलपृष्ठ-२९०,

**सम्मानः-**

**१-प्रो. सत्यदेवनिगमालंकारः-**

१-आर्य मार्तण्ड सम्मान, आर्य समाज फाजिल्का, २०२२,

२-विशिष्ट अतिथि सम्मान, आर्य समाज फाजिल्का, २०२२,

३-ससम्मान स्मृति चिन्ह, बाबा अमीर गिरि धाम, हरिपुर कलाँ, देहरादून, २०२२,

४-शिक्षक सम्मान, मदरहुड विश्वविद्यालय, रुडकी-२०२३,

५-ससम्मान स्मृति चिन्ह, योगविज्ञान विभाग, गुरुकुल कांगडी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार, २०२२,

६-विशिष्ट अतिथि सम्मान, आर्य समाज एवं आर्य स्त्री समाज फाजिल्का, ८ एवं ९ अक्टूबर २०२२,

**सम्मेलनः-**

१-वैदिक साहित्य में स्वराज्य की अवधारणा, योग विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सम्मेलन, गुरुकुल कांगडी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार, फरवरी २०२३,

२-भारत की ज्ञान सांस्कृतिक परम्पराएं एवं प्रथाएं, राष्ट्रीय सम्मेलन, गुरुकुल कांगडी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार, २९-३१ मार्च, २०२३,

**विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमः-**

१-श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान विभाग में प्रो. मनुदेव बन्धु के दो, तथा प्रो. ज्ञानप्रकाश शास्त्री जी का एक इस प्रकार कुल तीन विशेष व्याख्यान कराये गये।

# वेद विभाग
# स्थापना वर्ष – 1902

## प्रगतिविवरण 2022-23

| क्रम. सं. | विवरण | संख्या |
|---|---|---|
| 01 | **वेदविभागपरिचय-**स्वामी श्रद्धानन्द ने गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय के स्थापना काल (02 मार्च, 1902) से ही वेद विभाग के माध्यम से स्वतन्त्र रूप में वैदिक ग्रन्थों के पठन-पाठन की व्यवस्था की थी। इसके प्रथम उपाध्याय जगत विख्यात संस्कृत के ऐतिहासिक उपन्यास कारपं) अमिबका दत्त व्यास के शिष्य पं0 शिव शंकर शर्मा काव्यतीर्थ थे जिन्होंने 'वैदिक इतिहासार्थ निर्णय आदि अनेक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों की रचना की थी। जगत प्रसिद्ध अन्य वैदिक विद्वानों ने भी इस विभाग में अध्यापन किया है, जिनमें कुछ इस प्रकार हैं जैसे – पं0 नरदेव शास्त्री वेदतीर्थ ,पं0 विश्व नाथ विधालंकार, चन्द्र मणि विधालंकार, भगवद दत्त वेदालंकार, पं0 धर्मदेवविधामार्तण्ड, पं0 प्रियव्रतवेदवाचस्पति , पं0 राम प्रसाद वेदालंकार, डा0 सत्यव्रत राजेश, डा0 भारत भूषण विधालंकार, स्वामी ब्रह्ममुनि आदि। 1963 मेंडीम्ड विश्वविधालय का दर्जा प्राप्त होने पर भी यह महत्त्वपूर्ण विभाग है।पूरी दुनिया में यही एक मात्र ऐसा विभाग है जिसमें स्वामी दयानन्द सरस्वती की मान्यताओं के अनुसार पूर्णरूप से वेदोंका पठन-पाठन होताहै, अन्यत्र नहीं।विभाग में अनुसंधान कराते समय यह ध्यान रखा जाता है कि वर्तमान में वैदिक ज्ञान की क्या प्रासंगिकता सम सामयिकता है।छात्रों को आधुनिकता से जोड़ते हुए वेदों का अध्ययन-अध्यापन एवं अनुसंधान किया जाताहै।वेदों के अर्थों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। | |
| 02 | **विभागीयकार्यरतअध्यापक-**<br>**1. प्रो. दिनेशचन्द्रशास्त्री( वर्तमानकुलपतिउत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयहरिद्वार)**<br>**2. डॉ. मनुदेवबन्धु (प्रोफेसर)**<br>**3. डॉ. दीनदयाल (असिस्टेंटप्रोफेसर)**<br>**4. डॉ. रामचन्द्रमेघवाल(असिस्टेंटप्रोफेसर)** | 04 |
| 07 | **राष्ट्रीय/ अन्तर्राष्ट्रीयशोधपत्रिकाओंमेंप्रकाशितलेखोंकीसंख्या** | 07 |
| 08 | **पुरस्कार** | 03 |
| 12 | **शोधकार्यनिर्देशन**<br>**1. प्रो. दिनेशचन्द्रशास्त्री( वर्तमानकुलपतिउत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयहरिद्वार)= 08**<br>**2. डॉ. मनुदेवबन्धु (प्रोफेसर)= 07**<br>**3. डॉ. दीनदयाल (असिस्टेंटप्रोफेसर) =04** | 19 |

# प्राच्यविद्या संकाय
# दर्शनशास्त्र विभाग

## 1. स्थापना वर्ष

दर्शनशास्त्र विभाग गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार के प्राच्यविद्या संकाय के अन्तर्गत सञ्चालित एक महत्त्वपूर्ण विभाग है, जो सन् 1962 ई. में स्थापित हो चुका था, किन्तु विभाग में विधिवत् शैक्षणिक कार्य सन् 1964 ई. से प्रारम्भ हुआ।

## 2. विभाग द्वारा सञ्चालित पाठ्यक्रम

सत्र – 2022-23 में विभाग के अन्तर्गत NEP-2020 के अनुरूप बी.ए. सामान्य,बी.ए. ऑनर्स के पाठ्यक्रमों को लागू किया गया। NEP-2020 के अनुरूप निर्मित बी.ए. सामान्य,बी.ए. ऑनर्स के पाठ्यक्रमों के साथ विभाग द्वारा सञ्चालित किये गये पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है -

| क्र.सं. | पाठ्यक्रम | पाठ्यक्रम की अवधि | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | बी.ए. सामान्य | सर्टिफिकेट हेतु – 1 वर्ष (2 सत्र) | 48 |
| | | डिप्लोमा हेतु - 2 वर्ष (4 सत्र) | 96 |
| | | बी.ए. की डिग्री हेतु, 3 वर्ष (6 सत्र) | 144 |
| | | दर्शन में बी.ए. ऑनर्स डिग्री हेतु - 4 वर्ष ( 8 सत्र) | 196 |
| 2 | बी.ए. ऑनर्स | सर्टिफिकेट हेतु – 1 वर्ष (2 सत्र) | 44 |
| | | डिप्लोमा हेतु - 2 वर्ष (4 सत्र) | 96 |
| | | दर्शन में बी.ए. ऑनर्स की डिग्री हेतु, 3 वर्ष (6 सत्र) | 152 |
| | | शोध अनुभव के बी.ए. ऑनर्स डिग्री हेतु - 4 वर्ष ( 8 सत्र) | 212 |
| 3 | एम.ए. दर्शन | 2 वर्ष (4 सत्र) | 96 |
| 4 | प्री.पीएच.डी. पाठ्यक्रम | 6 माह (1 सत्र) | 12 |
| 5 | पीएच.डी. | 5 वर्ष | … |

## 3. दृष्टिकोण एवं लक्ष्य-

दर्शनशास्त्र विभाग अपने स्थापना काल से ही ऐसे स्नातक, परास्नातक एवं शोधार्थी तैयार करने की दृष्टि से सञ्चालित है, जो भारतीय ऋषियों के दिव्य दार्शनिक अन्वेषणों को विश्व पटल पर सशक्त ढंग से प्रस्तुत कर सकें एवं दार्शनिक दृष्टिकोण की सहायता से व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में उत्पन्न होने वाले सम्यक् ज्ञान, परमतत्त्व एवं नैतिक मूल्यों से सम्बन्धित समस्याओं का कुशलतापूर्वक समाधान कर सकें।

## 4. शिक्षक सदस्य

- डॉ. बबलू वेदालंकार ( सहायक आचार्य)
- डॉ. भारत वेदालंकार ( सहायक आचार्य)
- डॉ. विपिन बालियान(सहा.प्रा. - तदर्थ)
- डॉ. आशीष कुमार (सहा. प्रा. - गेस्टफैकल्टी)

## 5. प्रकाशन कार्य = 05

- **यूजीसीकेयरलिस्टेड पत्रिका में प्रकाशन = 04**

*i.* वेदालंकार, बबलू,"**जैन दर्शन में नीति तत्त्व",***आश्वस्त* , वर्ष – 24 अंक 226, अगस्त 2022. पृ. 23 आई.एस.एस.एन. - 2456-8856**.**

*ii.* वेदालंकार,भारत, **"वर्तमान में वैश्विक शान्ति के लिए बौद्ध धर्म के सिद्धान्तों की प्रासंगिकता",***गुरुकुल-पत्रिका*, अंक – 74/2 अक्तूबर – दिसम्बर 2022. पृ. 53-61. आई.एस.एस.एन. - 0976-8017

*iii.* बालियान, विपिन, **"एतरेय ब्राह्मण की शिक्षाएँ"***,गुरुकुल-पत्रिका*, अंक – 74/2 अक्तूबर – दिसम्बर 2022. पृ. 73-80.आई.एस.एस.एन. - 0976-8017

*iv.* कुमार, आशीष,"**नैतिक दुविधा के समाधान हेतु श्रीमद्भगवद्गीता में प्रयुक्त दार्शनिक प्रविधियाँ – एक विश्लेषणात्मक अध्ययन"***,गुरुकुल-पत्रिका*, अंक – 74/4 अप्रैल – जून 2023 (स्वीकृत).आई.एस.एस.एन. - 0976-8017

- **अध्याय/ पुस्तक प्रकाशन = 1**

v. विकास एवं वेदालंकार, बबलू(2023).**भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन में स्वामी दयानन्द सरस्वती का योगदान:स्वराज की अवधारणा के परिप्रेक्ष्य में**, *भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनों में योगियों की भूमिका*,सत्यमपब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली.पृ. 161-174.आई.एस.बी.एन. - 978-93-91993-87-0

## 6. शोध पत्रिका का सम्पादन/मूल्यांकन = 2

i. डॉ. बबलूवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ. (समवि.), हरिद्वार ने गुरुकुल पत्रिका के सह-संपादक के रूप में कार्य किया, जो कि गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्याल), हरिद्वार द्वारा प्रकाशित एक यूजीसीकेयरलिस्टेड और मूल्यांकित शोध पत्रिका है।

ii. डॉ. बबलूवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ. (समवि.), हरिद्वार ने शोध-प्रज्ञा पत्रिका के मूल्यांकन समिति के सदस्य के रुप में कार्य किया जो कि उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा प्रकाशित एक यूजीसीकेयरलिस्टेड और मूल्यांकित शोध पत्रिका है।

## 7. आयोजितसेमिनार/ वेबीनार/ कार्यशाला/ व्याख्यान = 06

i. विभाग द्वारा7 सितंबर, 2022 को **"महात्मा हंसराज का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान"** परएक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता प्रो. विनय विद्यालंकार, संस्कृत विभाग, गु.का.(समवि.), हरिद्वार रहे। इस व्याख्यान में कुल 50+ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ii. विभाग द्वारा 9 सितंबर, 2022 को आयोजित **"वर्तमान समय में दर्शन की प्रासंगिकता"** पर एक परिसंवाद का आयोजन किया। इसमें कुल 30+ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

iii. विभाग ने 11 नवंबर, 2022 को डॉ. स्वामी विदेह योगी, स्वस्थ पंथ ट्रस्ट, कुरुक्षेत्र द्वारा **"वेदों में अध्यात्म"** पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। इसमें कुल 50+ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

iv. विभाग ने 26 नवंबर, 2022 को डॉ. सोहनपाल सिंह आर्य, पूर्व प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ (समवि.), हरिद्वार द्वारा **"महर्षि विरजानन्द जी का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्व"** विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया, इसमें कुल 50+ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

v. विभाग ने 29 नवंबर, 2022 को **"भारत: लोकतंत्र की जननी"** विषय के तहत डॉ. करम तेज एस. सराव द्वारा **"प्राचीन भारतीय बौद्ध धर्म के रूप में जाना जाने वाला लोकतंत्र"** पर यू.जी.सी.प्रायोजित ऑनलाइन विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। इसमें कुल 85+ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

vi. विभाग ने 21 फरवरी, 2023 को स्वामी ब्रह्ममूर्तियोगतीर्थ जी महाराज, योग और आयुर्वेद संस्थान, सोलन, हिमांचल प्रदेश द्वारा **"योग की जीवन में उपयोगिता"** पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया है। इसमें कुल 150+ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

8. **सेमिनार/ वेबीनार/ कॉन्फ्रेंस/कार्यशाला/ में प्रतिभाग एवं पत्र वाचन= 09**

i. डॉ. बबलूवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ. (समवि.), हरिद्वार ने योग विज्ञान विभाग, गु.काँ (समवि.) हरिद्वार द्वारा 27-28 फरवरी, 2023 को आयोजिततथा आई.सी.एच.आर. एवंआई.सी.एस.एस.आर., शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित सेमिनार में***"भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन में स्वामी दयानंद सरस्वती का योगदान : स्वराज की अवधारणा के परिप्रेक्ष्य में"*** नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ii. डॉ. भारतवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने योग विज्ञान विभाग, गु.काँ (समवि.) हरिद्वार द्वारा 27-28 फरवरी, 2023 को आयोजित तथा आई.सी.एच.आर. एवंआई.सी.एस.एस.आर., शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित सेमिनार में***"स्वामी श्रद्धानन्द की स्वतंत्रता आन्दोलन में भूमिका ; शुद्धि आन्दोलन के परिप्रेक्ष्य में"***नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

iii. डॉ. बबलूवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 10-11 मार्च, 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग, सीएलएम,लंढौरा, हरिद्वार द्वारा आयोजित एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में***"आचार्य विनोबाभावे के दर्शन की आधुनिक भारतीय समाज में प्रासंगिक"***नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

iv. डॉ. भारतवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 10-11 मार्च, 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग, सीएलएम,लंढौरा, हरिद्वार द्वारा आयोजित एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में*"आचार्य विनोबाभावे का शिक्षा दर्शन"*नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

v. डॉ. बबलूवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 19 मार्च, 2023 को रसायन विज्ञान विभाग, भौतिकी विभाग और प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा "सभी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "**विज्ञान का स्वरूप - भौतिक एवं आध्यात्मिक परिप्रेक्ष्य में"**नामक शीर्षकपर एक पोस्टर पेपर प्रस्तुत किया।

vi. डॉ. बबलूवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 26 मार्च, 2023 को श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार द्वारा "संस्कृतसाहित्येवसुधैवकुटुम्बकमितिविमर्शः" विषय आयोजित पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ***"भारतीय दार्शनिक प्रणाली में वसुधैवकुटुम्बकम्विमर्श"***नामक शीर्षक पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

*vii.* डॉ. बबलू वेदालंकार,असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 29-31 मार्च, 2023 कोआजादी का अमृत महोत्सव के 75 वें वर्ष और महर्षि दयानंद सरस्वती की 200 वीं जयंती समारोह के शुभ अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तथा गुरुकुल काँगड़ी (समवि.), हरिद्वार द्वारा "भारत की ज्ञान, सांस्कृतिक, परम्पराएं और प्रथाएं"शीर्षक परआयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में **"वैदिक विज्ञान का स्वरूप – भौतिक एवं आध्यात्मिकता"** नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

*viii.* आशीष कुमार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 29-31 मार्च, 2023 कोआजादी का अमृत महोत्सव के 75वें वर्ष और महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती समारोह के शुभ अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तथा गुरुकुल काँगड़ी (समवि.), हरिद्वार द्वारा "भारत की ज्ञान, सांस्कृतिक, परम्पराएं और प्रथाएं"शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ***"वैदिक जीवन प्रबन्धन का सार्वभौमिक महत्त्व"*** नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

*ix.* डॉ. बबलूवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 19 मई, 2023 को श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार द्वारा"एनईपी -2020 में **भारतीय संस्कृति और भारतीय भाषा का संवर्धन"**विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "एनईपी -2020 में भारतीय संस्कृति" नामक शीर्षक पर एकशोध-पत्र प्रस्तुत किया।

9. **कार्यशाला/ एफ.डी.पी./ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आदिप्रशिक्षण सम्बन्धी कार्यक्रमोंमें प्रतिभाग= 13**

i. डॉ. बबलूवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 12 से 27 अगस्त, 2022 तक मानव संसाधन विकास केंद्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड, भारत द्वारा आयोजित **"पर्यावरण विज्ञान"** पर यूजीसीप्रायोजितपुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया एवं"ए – ग्रेड" प्राप्त किया

ii. डॉ. भारत वेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 17-08-2022 से 13-09-2022 तक नैनीताल, मानव संसाधन विकास केंद्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर (एमपी) द्वारा **"गुरु दक्षता"**विषय परआयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) में भाग लिया और ग्रेड "ए" प्राप्त किया।

*iii.* डॉ. भारतवेदालंकार, असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 5 से 8 दिसंबर, 2022 तक संस्कृत विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा **"तर्कसंग्रह"** पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया।

*iv.* डॉ. बबलूवेदालंकार,असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 27-28 जनवरी, 2023 को आयोजित आई.के.एस., शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली और गुरुकुल कांगड़ी (समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित **"अनुसंधान प्रस्ताव लेखन"**पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

*v.* डॉ. भारतवेदालंकार,असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 27-28 जनवरी, 2023 को आयोजित आई.के.एस., शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली और गुरुकुल कांगड़ी (समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित **"अनुसंधान प्रस्ताव लेखन"**पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

*vi.* डॉ. विपिन बालियान,असि.प्रो.,दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 27-28 जनवरी, 2023 को आयोजित आई.के.एस., शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली और गुरुकुल कांगड़ी (समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित **"अनुसंधान प्रस्ताव लेखन"** पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

*vii.* आशीष कुमार, असि. प्रो., दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 27-28 जनवरी, 2023 को आयोजित आई.के.एस., शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली और गुरुकुल कांगड़ी (समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित **"अनुसंधान प्रस्ताव लेखन"** पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

*viii.* डॉ. भारत वेदालंकार, असि. प्रो., दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 23-25 मार्च 2023 को वेद और संस्कृत विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित **"वैदिक स्वर-विज्ञान परिज्ञान"** पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

*ix.* डॉ. बबलू वेदालंकारअसि. प्रो., दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 23-25 मार्च 2023 को वेद और संस्कृत विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित **"वैदिक स्वर-विज्ञान परिज्ञान"** पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

*x.* डॉ. विपिन बालियान,असि. प्रो., दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 23-25 मार्च 2023 को वेद और संस्कृत विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित **"वैदिक स्वर-विज्ञान परिज्ञान"** पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

*xi. डॉ.बबलूवेदलंकार, असि. प्रो., दर्शनशास्त्र विभाग,* गु.काँ.(समवि.), *हरिद्वार ने 21 से 22 अप्रैल, 2023 तक* गु.काँ.(समवि.), *हरिद्वार के आई.क्यू.ए.सीप्रकोष्ट द्वारा* ***"परिणाम आधारित शिक्षा"*** *विषय पर आयोजित एफ.डी.पी. प्रोग्राम में भाग लिया।*

*xii. डॉ.भारत वेदालंकार, असि. प्रो., दर्शनशास्त्र विभाग,* गु.काँ.(समवि.), *हरिद्वार ने 21 से 22 अप्रैल, 2023 तक* गु.काँ.(समवि.), *हरिद्वार के आई.क्यू.ए.सीप्रकोष्ट द्वारा* ***"परिणाम आधारित शिक्षा"*** *विषय पर आयोजित एफ.डी.पी. प्रोग्राम में भाग लिया।*

*xiii. डॉ. भारत वेदालंकार,असि. प्रो., दर्शनशास्त्र विभाग,* गु.काँ.(समवि.), *हरिद्वार ने 26 जून, 2023 को* गु.काँ.(समवि.), *द्वारा आयोजित* ***"कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के कानून प्रावधान"***पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रममें भाग लिया।

## 10. विशिष्टव्याख्यान मालाओं एवं सम्मेलनों में मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग एवं व्याख्यान = 11

i. डॉ. बबलू वेदालंकार, *असि. प्रो.,*, दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 09 सितंबर, 2022 को मानविकी संकाय, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित "छात्र प्रेरण कार्यक्रम" में मुख्य वक्ता के रूप में "वैदिक जीवन प्रबन्धन" विषय पर व्याख्यान दिया।

ii. डॉ. बबलू वेदालंकार, *असि. प्रो.,* दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 07-12नवम्बर, 2022 को मानविकी संकाय, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित "छात्र प्रेरण कार्यक्रम" में मुख्य वक्ता के रूप प्रतिभाग किया।

iii. डॉ. बबलू वेदालंकार, *असि. प्रो.,*, दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 14 से 15 नवंबर, 2022 तक गणित और सांख्यिकी विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार में विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित "स्टूडेंट्सइंडक्शन प्रोग्राम" में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।

iv. डॉ. बबलू वेदालंकार, *असि. प्रो.,* दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 21 नवंबर, 2022 को प्राच्यविद्या संकाय, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित "स्टूडेंट्सइंडक्शन प्रोग्राम" में मुख्य वक्ता के रूप में "वैदिक जीवन मूल्य और उनकी प्रासंगिकता" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

v. डॉ. बबलू वेदालंकार, *असि. प्रो.,* दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 21 नवंबर, 2022 को प्राच्यविद्या संकाय, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित "स्टूडेंट्सइंडक्शन प्रोग्राम" में मुख्य वक्ता के रूप में "गुरुकुल काँगड़ी का ऐतिह्य"विषय पर एक व्याख्यान दिया।

vi. डॉ. भारत वेदालंकार, *असि. प्रो.,* दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 15 फरवरी, 2023 को चमन लाला महाविद्यालय, लंधूरा, हरिद्वार द्वारा आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में "स्वामी दयानन्द सरस्वती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर व्याख्यान दिया।

vii. डॉ. भारतवेदालंकार, *असि. प्रो.,* दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने10-11 मार्च, 2023 कोराजनीति विज्ञान विभाग, चमन लाल महाविद्यालय,लंढौरा, हरिद्वार द्वारा आयोजिततथा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक मुख्य वक्ता के रूप में "आचार्य विनोबाभावे के दर्शन की आधुनिक भारतीय समाज में प्रासंगिकता"विषय पर व्याख्यान दिया।

viii. डॉ. बबलूवेदालंकार, *असि. प्रो.,* दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 16 मार्च, 2023 को चमन लाल महाविद्यालय,लंढौरा, हरिद्वार द्वारा"आजादी का अमृत महोत्सव" के शुभ अवसर पर"भारतीय संविधान में गाँधी दर्शन की प्रासंगिकता" विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

ix. डॉ. भारतवेदालंकार, *असि. प्रो.,* दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 16 मार्च, 2023 को चमन लाल महाविद्यालय,लंढौरा, हरिद्वार द्वारा"आजादी का अमृत महोत्सव" के शुभ अवसर पर "भारतीय संविधान में गाँधी दर्शन की प्रासंगिकता" विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

x. डॉ. भारत वेदालंकार, *असि. प्रो.,* दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने1 फरवरी से 30 अप्रैल, 2023 के मध्यफार्मास्युटिकल विभाग, फार्मास्युटिकल संकाय, गु.काँ.(समवि.), द्वारा आयोजित "भारतीय ज्ञान परंपरा"विषय पर 10 निमंत्रित व्याख्यान दिये । 1. वैदिक साहित्य, 2. आर्ष साहित्य 3. वैदिक प्रार्थना, 4. संगठननसुक्त, 5. शिव संकल्प सूक्त, 6. वैदिक शिक्षा व्यवस्था, 7. पुरुषार्थ चतुष्टय8. वैदिक त्रैतवाद, 9. मानव जीवन में संस्कार की महत्ता, 10. योग की मानव जीवन में उपयोगिता)

xi. डॉ. बबलूवेदालंकार, *असि. प्रो.,* दर्शनशास्त्र विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने22 जून, 2023 को आजादी का अमृत महोत्सव और जी -20 शिखर सम्मेलन के 75वें समारोह के अवसर पर शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग, गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा "आधुनिक समाज पर ड्रग्स के परिणाम"विषय परआयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया और "एंटीड्रग्सअवेयरनेस" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

## 11. **सेमिनार/ वेबीनार/ कॉन्फ्रेंस/कार्यशालाआदि में सत्रसंचालन अथवासत्र की अध्यक्षता= 01**

i. डॉ. बबलूवेदालंकार,*असि. प्रो.,*दर्शनशास्त्र विभाग, , गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार ने 1 जून, 2023 को योग विज्ञान विभाग, , गु.काँ.(समवि.), हरिद्वार द्वारा"श्रीमद्भगवद्गीता में योग परम्परा" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र में समन्वयक के रूप में भाग लिया।

**12. पी-एच.डी. उपाधि प्रदानकिये गये= 3**

| क्रमांक | शोधार्थी का नाम | पीएच.डी. का शीर्षक | शोध निर्देशक | पं. एवं शोध उपाधि का दिनांक |
|---|---|---|---|---|
| **1** | **रंजना देवी** | *वैदिक शिक्षा दर्शन का विश्लेषणात्मक अध्ययन* | प्रो. सोहन पाल सिंह आर्य | 13054<br>11, जुलाई, 2022 |
| **2** | **आशीष कुमार** | *नैतिक संज्ञानवाद का समीक्षात्मक सर्वेक्षण* | डॉ. बबीता शर्मा | 14068<br>27 अप्रैल, 2023 |
| **3** | **सुनील कुमार** | *आचार्य सायण एवं महर्षि दयानन्दकृतवेदभाष्यों में प्रतिपादित प्रमुख दार्शनिक तत्त्व :एक समीक्षात्मक अध्ययन* | डॉ. बबीता शर्मा | 14067<br>19, मई, 2023 |

**13. भाग के विद्यार्थियों की विशिष्ट उपलब्धियाँ = 06**

**i. पुरस्कार = 02**

अ). ऋचा सिंह – 16-18 अक्टूबर, 2022 को आयोजित अखिल भारतीय दर्शन-संघ के 66 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में धर्म दर्शन के खंड में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति के लिए डॉ. विजयश्री स्मृति पुरस्कार।

ब). विकास – 27-28 फरवरी, 2023 को आयोजित योग विज्ञान विभाग, गुरुकुल कांगड़ी (समवि.), हरिद्वार द्वारा आयोजित आई.सी.एच.आर. और आई.सी.एस.एस.आर., शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित"योगिक भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की भूमिका पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति पुरस्कार।

**ii. यूजीसी - नेट/ जे.आ.एफ./ गेट = 04**

अ). साधना – नेट- जे.आ.एफ, ( रेफे. सं. - 220510213065 )

ब). परमवीरराणा – नेट- जे.आ.एफ, ( रेफे. सं. - 220520511577,)

स). अकांक्षापंवारजे.आर.एफ. – आई. सी.पी.आर. (एफ. सं.. 1-66/2022-23/P&R/ICPR)

द). स्वामी मोहनानन्द –गेट ( पंजि. सं. XH23S38006020)

14. **अन्य कार्यक्रम**

i. विभाग द्वारा विश्व दर्शन दिवस, 17-11-2022 के शुभ अवसर पर 'तुरीय-दर्शनिकोत्सव' नामक एक दार्शनिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया।

ii. विभाग द्वारा 8-3-2023 को होली के शुभ अवसर पर "भारतीय संस्कृति और सांस्कृतिक त्योहारों के मूल रूप के पुनरुद्धार के लिएवैदिक यज्ञ" शीर्षक सेवाह्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

iii. विभाग द्वारा दिनांक 6-5-2023 को आर.एस. पब्लिक स्कूल, सराय, हरिद्वार में "चरित्र विकास कार्यक्रम" पर एक वाह्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

# दर्शनशास्त्र विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार

1. **सामान्य परिचय** –कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार के अन्तर्गत दर्शनशास्त्र विभाग की स्थापना सन् 1993 ई. में हुई। स्थापना काल से विभाग द्वारा स्नातकोत्तर (एम.ए. दर्शन) एवं पी-एच.डी. की उपाधि से सम्बन्धित पाठ्यक्रम सञ्चालित कराये जाते हैं । सन् 2020 से यहाँ स्नातक की उपाधि से सम्बन्धित पाठ्यक्रम भी सञ्चालित किये जा रहे हैं। ध्यातव्य है कि विभाग में स्थापना काल से सन् 2014-15 तक का शिक्षण कार्य वार्षिक पद्धति के अनुसार किया जाता था, किन्तु सन् 2015-16 के वार्षिक सत्र से यहाँ CBCS के अनुरूप सेमेस्टर व्यवस्था लागू किया गया तथा सत्र 2022-23 में स्नातक के पाठ्यक्रम कोNEP-2020 के अनुरूप अद्यतन किया गया।

**2. शिक्षक सदस्य–02**

- **डॉ. बबीता शर्मा – सहायक प्राध्यापिका**
- **डॉ. मीरा त्यागी - सहायक प्राध्यापिका(तदर्थ)**

**3. प्रकाशन कार्य - 03**

**I.** शोधपत्र प्रकाशन**(**यूजीसी केयर लिस्टेड**)** - 02

**1.** आशीष कुमार**,** बबिता शर्मा, ***नीतिशास्त्र में नैतिक भाषा के विश्लेषण का महत्त्व***,दार्शनिकी, वार्षिक अंक – 18, 2022. पृ. – 288-300. ISBN-2230-7435

**2.** मीरा त्यागी, *वैदिक साहित्य में नारी,* आश्वस्त, वर्ष 25, अंक 228, अक्तूबर 2022.ISBN-2456-8856

**II** - पुस्तक/अध्याय प्रकाशन –01

| क्रम सं. | लेखक का नाम | अध्याय का शीर्षक | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशक का नाम | स्थान | वर्ष | **ISBN** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **1** | डॉ. मीरा त्यागी | आधुनिक शिक्षा में योग की उपयोगिता | दर्शन की उपयोगिता एवं शिक्षा में बदलाव | इंकलाब पब्लिकेशन | पश्चिम मुम्बई | जनवरी 2023 | 978-93-91834-83-8 |

**सेमिनार/ वेबीनार/ कॉन्फ्रेंस/कार्यशाला/ में प्रतिभाग एवं पत्र वाचन- 05**

| क्र.सं. | प्रतिभागी का नाम | शोधपत्र का शीर्षक | संगोष्ठी/अधिवेशन/ कार्यशाला का शीर्षक | आयोजक | दिनांक |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. बबीता शर्मा | भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में कर्म सिद्धान्त | भारत की ज्ञान, सांस्कृतिक परम्पराएँ एवं प्रथाएँ | गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार। | 29-31 मार्च, 2023 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 2. | डॉ. बबीता शर्मा | महर्षि दयानन्द का स्वतन्त्रता आन्दोलन में योगदान | भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में योगियों की भूमिका | योग विज्ञान विभाग, गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार। | 27-28 फरवरी, 2023 |
| 3 | डॉ. मीरा त्यागी | स्वामी श्रद्धानन्द जी का स्वतंत्रता आन्दोलन में योगदान | भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में योगियों की भूमिका | योग विज्ञान विभाग, गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार। | 27-28 फरवरी, 2023 |
| 4. | डॉ. बबीता शर्मा | गीता का कर्मयोग एवं इसकी उपयोगिता | श्रीमद्भगवद्गीता में योग परम्परा | योग विज्ञान विभाग , गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार। | 1 जून, 2023 |
| 5. | डॉ. मीरा त्यागी | श्रीमद्भगवद्गीता में योग की विभिन्न परम्परायें | श्रीमद्भगवद्गीता में योग परम्परा | योग विज्ञान विभाग ,गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार। | 1 जून, 2023 |

**5. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम - 08**

| **क्रम सं.** | **कार्यक्रम का नाम** | **दिनांक** |
|---|---|---|
| 1 | शिक्षक सम्मान कार्यक्रम | 5 सितम्बर, 2022 |
| 2 | स्वामी श्रद्धानंद जी के जीवन पर आधारित चलचित्र का प्रदर्शन | 7 सितम्बर, 2022 |
| 3 | 'दर्शन विषय की प्रासंगिकता' पर संवाद कार्यक्रम | 8 सितम्बर,2022 |
| 4. | पुस्तक-पठन कार्यक्रम | 9 सितम्बर 2022 |
| 5. | हिन्दी-दिवस कार्यक्रम | 14सितम्बर, 2022 |
| 6 | विद्यार्थियों की समस्या समाधान हेतु कक्षा कार्यक्रम | 11नवम्बर, 2022 |
| 7 | सशस्त्र सेना झण्डा दिवस कार्यक्रम | 7 दिसम्बर, 2022 |
| 8 | महर्षि दयानन्द एवं स्वामी श्रद्धानंद जयन्ती कार्यक्रम | 12. फरवरी, 2022 |

**6. पी-एच.डी. उपाधि प्रदानकिये गये**

| क्र. सं. | शोधार्थी का नाम | शोध ग्रंथ का शीर्षक | निर्देशक | पञ्जीकरण संख्या एवं शोधोपाधि प्रादन किये जाने की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | आशीष कुमार | *नैतिक संज्ञानवाद का समीक्षात्मक सर्वेक्षण* | डॉ. बबीता शर्मा | 14068, 27 अप्रैल, 2023 |
| 2 | सुनील कुमार | *आचार्य सायण एवं महर्षि दयानन्दकृत वेदभाष्यों में प्रतिपादित प्रमुख दार्शनिक तत्त्व :एक समीक्षात्मक अध्ययन* | डॉ. बबीता शर्मा | 14067, 19मई, 2023 |

**7. NET/GATE/ SLET उत्तीर्ण शोधार्थी - 05**

| क्रम. सं. | शोधार्थी का नाम | NET/ GATE/ SLET | अनुक्रमांक या रेफे.न. |
|---|---|---|---|
| 1 | अंशू | UGC NET | 84006544 |
| 2 | अरविंद कुमार यादव | UGC NET | 86007352 |
| 3 | गुरमीत | UGC NET | 200510583696 |
| 4 | आशीष कुमार | UGC NET | 190520807596 |
| 5 | सुनील कुमार | UGC NET | 2105106313881 |

**7.JRF प्राप्त शोधार्थी - 05**

| क्र. सं. | शोधार्थी का नाम | JRF प्रदान करने वाली संस्था | फाइल संख्या अथवा रेफे. सं. |
|---|---|---|---|
| 1 | आशीष कुमार | ICPR, NEW DELHI | 1-1/2017-18/P&R/ICPR |
| 2 | सुनील कुमार | ICPR, NEW DELHI | 1-63/2018/P&R/ICPR |
| 3 | गुरमीत | UGC | 200510583696 |
| 4 | अरविन्द कुमार यादव | UGC | 190520807596 |
| 5 | अंशू | UGC | 2105106313881 |

# प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग
# पुरातत्त्व संग्रहालय

**वार्षिक प्रगति विवरण 2022-2023**

विभागाध्यक्ष : प्रो प्रभात कुमार

संकाय सदस्य : प्रो देवेन्द्र कुमार गुप्ता
डॉ दिलीप कुशवाहा
श्री मनोज कुमार, क्यूरेटर
डॉ सत्येन्द्र सिंह, असिस्टेंट क्यूरेटर
डॉ दीपक घोष, असिस्टेंट आर्चिविस्ट

1. प्रकाशन कार्य/ शोध कार्य-

(क) शोध पत्र- 17

**प्रकाशन कार्य/ शोध कार्य-**

**शोध पत्र- 17**

| S.No. | Name | Name of Journal | Title of Paper | Year |
|---|---|---|---|---|
| 01 | Prof. Prabhat Kumar | Gurukul-patrika, VOL 73/4 & 74/1, ISSN-0976-8017 (UGC CARE Listed) | Uttar bhartiya pramukh chamunda pratimao ka kla me nirupan ek adhyayan | APRIL-SEP 2022 |
| 02 | Prof. Prabhat Kumar | Shodh disha, VOL 59/3, ISSN-0975-735X (UGC CARE Listed) | Osiya mandir samuh me pradarshit krishna ke balroop ka kalatmak vaishishtya | JULY-SEP 2022 |
| 03 | Prof. Prabhat Kumar | Adhunik sahitya, YEAR 11, VOL44, ISSN-2277-7083 (UGC CARE Listed) | Murtikla me chamunda ke vibhinn rupo ka ankan uttar bharat ke vishesh sandarbh men | OCT-DEC 2022 |
| 04 | Prof. Prabhat Kumar | Shodh disha, VOL 61/3, ISSN-0975-735X (UGC CARE Listed) | Uttarkashi janpad ke seemant kshetra bangaan ke mukhya lokdevta pabasik mahasu | JAN-MARCH 2023 |
| 05 | Prof. Prabhat Kumar | Vaidik vaag jyoti,, VOL 11/20, ISSN-2277-4351 (UGC CARE Listed) | Prachin bhartiya murtikla me ankit devta vishnu ke vaidik ewm pauranik swaroopo ka vivechanatmak | JAN-JUN 2023 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | adhyayan | |
| 06 | Prof. Prabhat Kumar | Purvadeva, YEAR 29, VOL 113, ISSN-0974-1100 (UGC CARE Listed) | Himalaya kshetr me shaiv dharm | APRIL-Jun, 2023 |
| 07 | Prof.Devendra Kumar Gupta | Purapravah, Vol-7, ISSN-*2454-8014* (UGC CARE Listed) | Chamoli Janapad ke Haat gaon se prapt Garhwali bhasha ka prachintam abhilekh | 2022 |
| 08 | Prof.Devendra Kumar Gupta | Indian Journal of Archaeology, Vol-7, N0-2, ISSN-2440-2452 (UGC CARE Listed) | Management perspective of site Museum at world Heritage site in India | April-July-2022 |
| 09 | Prof.Devendra Kumar Gupta | Shodha Samhita, Vol-9, Issue-9, ISSN-2277-7067 (UGC CARE Listed) | Problems Regarding the Chronology of the Mitras of Panchala | July-December 2022 |
| 10 | Prof.Devendra Kumar Gupta | Kanpur Philosophers, Vol-9, Issue-10, ISSN-2348-8301 (UGC CARE Listed) | New light on some terracotta figurines and stone sculptures of the Mitra of Panchala period | October-2022 |
| 11 | Prof.Devendra Kumar Gupta | Purvadeva, Vol-112, ISSN-*0974-1100* (UGC CARE Listed) | Garhwal Himalaya ki Kartikeya pratimaon ki prathmikta: Ek vishleshan | January-March 2023 |
| 12 | Prof.Devendra Kumar Gupta | Shodh Disha, Vol-61/3, ISSN-*0975-735X* (UGC CARE Listed) | Hastinapur puratatvik sthal ka prabandhan evom chunautiyan | January-March, 2023 |
| 13 | Prof.Devendra Kumar Gupta | Purvadeva, Year-29, Issue113, ISSN-0974-1100 (UGC CARE Listed) | Impact of Covid-19 Pandemic on Cultural heritage with special reference to museum | April-June, 2023 |
| 14 | Dr. Dilip Kumar Kushwaha | Shodh Disha, Vol. 59, (pp 213-219), ISSN-0975-735X, (UGC-CARE listed) | Cultural importance of Saraswati as described in Ancient Indian literature | July-Sept. 2022 |
| 15 | Dr. Dilip Kumar Kushwaha | Puravadeva, Vol. 111, (pp 143-151), ISSN- | Prachi Ranga, Study of late Harappan Craft Industry and | October-December , |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 0974-1100, (UGC-CARE listed) | Skill development in Saraswati Basin | 2022 |
| 16 | Dr. Dilip Kumar Kushwaha | Shodh Disha, Vol. 60, (pp 282-288), ISSN-0975-735X, (UGC-CARE listed) | Darbar Sahib Guru Ram Rai Ki Sthapatya Evm Chitrakala Ka Vishleshnatmak Adhyayan | October-December-2022 |
| 17 | Dr. Dilip Kumar Kushwaha | Gurukul-Patrika, Vol.-74/2, (62-67), ISSN- 0976-8017 | Dharmasutron Mein Varnit Brahmanon Ke Visheshadhikaron Ka AAlochnatmak Parikshan | October-December-2022 |

अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम- 01

- इस सत्र में प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के द्वारा मार्च 2023 में 08 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान राज्य के पुरातात्त्विक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों का भ्रमण किया गया।

# प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग
# कन्या गुरुकुल परिसर हरिद्वार

**विभागीय सदस्य: 1 डॉ०दीपा गुप्ता [एसोसिएट प्रोफेसर ]**

**2. डॉ० रेखा सिंह [असिस्टेन्ट प्रोफेसर तदर्थ]**

कन्या गुरुकुल परिसर हरिद्वार के अन्तर्गत प्राचीन भारतीय इतिहाससंस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, एम० ए० की कक्षाएं संचालित करन हेतू 1993 में स्थापित किया गया। 1993 से 2014 तक अध्यापन कार्य वार्षिक पद्धति के अनुसार संचालित किया गया था। तत्पश्चात 2015 से आज तक अध्ययन-अध्यापन कार्य CBCS पद्धति के अनुसार संचालित किया जा रहा है। विभाग में 2020 से स्नातक [बी०ए०] की भी कक्षाएं प्रारंभ हो चुकी है।

विभाग में शिक्षण कार्य डॉ० दीपा गुप्ता एवं डॉ० रेखासिंह द्वारा सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

विभाग में बी०ए०/एम० ए० की कक्षाएं एवं प्री० पी० एचडी० कोर्स वर्क तथा शोध कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। सत्र 2022-23 में डॉ० दीपा गुप्ता के तीन शोध-पत्र प्रकाशित हुएतथा एक शोध-पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

डॉ० गुप्ता के निर्देशन में पांच शोध छात्र एवं छात्राएँ शोध-कार्य में संलग्न है।

सत्र 2022-23 में डॉ० रेखा सिंह का एक शोध-पत्र प्रकाशित हुआ तथा एक शोध-पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

**प्रकाशन**

1. डा0 दीपा गुप्ता
2. रेखा सिंह

| संख्या | शोध-पत्र शीर्षक | शोध पत्रिका/जर्नल | अंक, वर्ष, पेज न० | ISSN न० | लेखक | यूजीसी केयर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | महात्मा बुद्ध के दीर्घ एवं स्वस्थ्य जीवन का रहस्य : आम्र वनस्पति | शोध दिशा | 59/3, जौलाई-सितम्बर 2022, 340-45 | 0975-735x | डॉ०दीपागुप्ताएवं सत्य नारायण शर्मा [शोध-छात्र] | 41387 |
| 2. | गुप्त काल में आर्थिक संस्थानों का विकास | शोध दिशा | 60/3 अक्तूबर-दिसम्बर 2022, 122-24 | 0975-735x | डॉ० दीपा गुप्ता | 41387 |
| 3. | योग और स्वास्थ्य | शोध दिशा | 61/3 जनवरी | 0975- | डॉ० दीपा गुप्ता | 41387 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | मार्च 2023, 258-63 | 735x | | |
| 4. | प्रागेतिहासिक गुहा चित्रकला एक अध्ययन | गुरुकुलपत्रिका | 72/2 अक्तूबर-दिसम्बर 2022, 68-75 | 0976-8017 | डॉ०रेखासिंह | 111 |

**संगोष्ठी : डॉ० दीपा गुप्ता एवं डॉ० रेखा सिंह**

1. डॉ० दीपा गुप्ता ने गुरुकुल काँगड़ी विश्व विद्यालय में 29-31 मार्च 2023 में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपना शोध-पत्रप्रस्तुत किया। जिसका शीर्षक –"वेदों में नारी शिक्षा"था।
2. डा0 रेखा सिंह द्वारा भी गुरुकुल काँगड़ी विश्व विद्यालय में 29-31 मार्च 2023 मेंआयोजित संगोष्ठी में अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया। जिसका शीर्षक था – "मांगलिक प्रतीक पूर्ण कलश :प्राचीन एवं वर्तमान के परिप्रेक्ष्य में सांकृतिक महत्व" था।

**विभागीय कार्यक्रम**

1. विभाग में 5, 6, 7, 8 सितम्बर 2022 में शिक्षक दिवस विभिन्न स्वरूपों में आयोजित किया गया। उदाहरणार्थ – पुस्तक अध्ययन/शैक्षिक फिल्म/वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये।
2. बी०ए० तथा एम०ए० की कक्षाओं हेतु "छात्र प्रेरणा कार्यक्रम" 22-24 नवम्बर/13-17 सितम्बर, 2022 में आयोजित किया गया।

गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय) में आई० क्यू० ए० सी० के तत्त्वावधान में 21 एवं 22 अप्रैल 2023 में दो दिवसीय OBE (out-comeBased Education) पर आधारित एक वर्कशॉप आयोजित की गई। जिसमें विभागीय शिक्षिकाओं ने प्रतिभागिता की।

**प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग**
**कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून उत्तराखंड**

संकाय सदस्य:

- रेनू शुक्ला- प्रोफेसर
- अर्चना डिमरी- सहायक प्रोफेसर (तदर्थ)
- रेखा राजपूत –आमंत्रित व्याख्ता
- अंजू लता श्रीवास्तव - आमंत्रित व्याख्ता

ए.आई.एच.सी.ए. (कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून) विभाग वर्तमान में स्नातक कार्यक्रम चला रहा है। इतिहास विभाग स्नातक, स्नातकोतरएवं पीएच.डी. छात्रों को उपाधि प्रदान करते हुएअपनी नियमित गतिविधियों के अतिरिक्त विभाग ने छात्रों के लिए व्याख्यान, कार्यशालाएँ और चर्चाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

**विभिन्न गतिविधियों/प्रकाशनों और सम्मेलनों का विवरण:-**

**आमंत्रित व्याख्यान वार्ता:-**

| क्रम.सं. | शोध पत्र प्रकाशन सूची/ | संख्या |
|---|---|---|
| 1. | प्रकाशन कार्य शोध कार्य /<br>शोध पत्र03-<br>पुस्तकें03/01-पुस्तकों में अध्याय/ | **07** |
| 2. | सेमिनारसंकाय /कार्यशालाएं/वेबिनार/सम्मेलन/<br>प्रेरणा कार्यक्रम/विकास कार्यक्रम | **17** |
| 3. | कार्यक्रम संचालन | **05** |
| 4. | विशेष वार्तावार्ता .वी.टी/रेडियो/व्याख्यान/ | **15** |
| 5. | पुरस्कारसामाजिक या सरकारी पुरस्कार/ | **03** |
| 6. | विभाग द्वारा आयोजित<br>सम्मेलनवेबिनार।/कार्यशाला/सेमिनार/ | **05** |

# शिक्षा एवं प्रशिक्षण संकाय

## आजीवन शिक्षा विभाग

**संकायाध्यक्ष : प्रो विनय कुमार विद्यालंकार**

**"अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन"**

28 दिसंबर 2022 को शिक्षा प्रशिक्षण संकाय गुरुकुल कांगड़ी (सम विश्वविद्यालय) हरिद्वार एवं आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय था 'विश्व की वर्तमान चुनौतियां एवं संस्कृत साहित्य' उक्त गोष्ठी का उद्घाटन गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ सत्यपाल सिंह जी ने किया अमेरिका आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से सभा के महामंत्री श्री विश्रुत आर्य ने माननीय कुलाधिपति जी का स्वागत किया, साथ ही गोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर विचार रखते हुए कहा आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका एवं गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के शिक्षा प्रशिक्षण संकाय द्वारा आयोजित यह गोष्ठी गुरुकुल के ही पूर्व स्नातक प्रोफेसर सुभाष वेदालंकार जी की जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित की जा रही है इस गोष्ठी के आयोजन हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षा प्रशिक्षण संकाय के हम आभारी हैं।

शिक्षा प्रशिक्षण संकाय के संकायाध्यक्ष प्रोo विनय कुमार विद्यालंकार ने अमेरिका आर्य प्रतिनिधि सभा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस गोष्ठी का समस्त व्यय सभा द्वारा वहन किया गया है इस हेतु विश्वविद्यालय उनका आभारी है। गोष्ठी के प्रमुख वक्ता के रूप में वेदों के प्रसिद्ध विद्वान् डॉ ज्वलन्त कुमार शास्त्री (अमेठी) रहे सारस्वत अतिथि डॉक्टर प्रियंवदा वेद भारती, विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल के सदस्य श्री विनय आर्य जी एवं राज्यपाल गुजरात के ओएसडी प्रोo राजेंद्र विद्यालंकार ने अपने विचार व्यक्त किए । विशिष्ट वक्ता के रूप में जयपुर से पधारे दैनिक भास्कर समूह के प्रबंध संस्थापक श्री जगदीश शर्मा का स्वागत गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोo सुनील कुमार ने किया । विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोo सोमदेव शतांशु ने गोष्ठी के स्वागताध्यक्ष के रूप में सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागतीय उद्बोधन प्रस्तुत किया, साथ ही गोष्ठी के विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। विश्वविद्यालय के अनेक वरिष्ठ आचार्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे जिनमें प्राच्य विद्या संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर ब्रह्मदेव विद्यालंकार, प्रोo देवेंद्र मलिक, प्रोo रामप्रकाश वर्णी, डॉ अरुण कुमार ,डॉ वेदव्रत, डॉ मोहर सिंह मीणा, प्रोo संगीता विद्यालंकार , प्रोo श्यामलता जुयाल आदि अनेक आचार्यगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्कृत गीत प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को नकद राशि से पुरस्कृत किया गया, Let's समस्त व्यय आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका द्वारा किया गया।

**"शिक्षणेत्तर कर्मचारियों हेतु प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन"**

शिक्षा प्रशिक्षण संकाय के अंतर्गत गुरुकुल कांगड़ी(सम विश्वविद्यालय) के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों हेतु एक विशेष कार्यशाला का आयोजन दिनांक 12 अक्टूबर 2022 से 22 अक्टूबर 2022 तक किया गया जिसमें 31 शिक्षणेत्तर कर्मियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें सेक्शन ऑफिसर,यूडीसी एवं एलडीसी कर्मी थे, जिन्हें गुरुकुल, वैदिक सिद्धांत, आर्य समाज की परंपरा के साथ-साथ तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा विभागीय कार्यों का प्रशिक्षण भी

दिया गया। इस कार्यक्रम के आयोजक अध्यक्ष शिक्षा प्रशिक्षण संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो० विनय कुमार विद्यालंकर रहे, संयोजक उपकुलसचिव श्री राजेश कुमार पांडे एवं सह संयोजक डॉ ऊधम सिंह रहे। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो० सुनील कुमार ने विभागीय विषयों पर व्याख्यान दिया एवं बाह्य विषय विशेषज्ञों द्वारा अनेक विषयों पर व्याख्यान दिए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो० रूप किशोर शास्त्री जी ने किया एवं अध्यक्षता प्रोफेसर विनय विद्यालंकार ने की।

# स्वामी श्रद्धानन्द स्वास्थ्य केन्द्र

गुरूकुल कांगडी समविश्वविद्यालय द्वारा परिसर में संचालित स्वामी श्रद्धानन्द स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना वर्ष 01 सितम्बर 2021 में की गयी। तभी से स्वास्थ्य केन्द्र निरन्तर चिकित्सा सेवा के कार्य में डा0 नवनीत एवं डा0 मुकेश कुमार के निर्देशन में तथा डा0 समीर श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में स्वास्थ सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। स्वास्थ्य केन्द्र में आपातकालीन चिकित्सा सेवा के साथ-साथ फिजीयोथेरेपी सेन्टर का भी संचालन किया जा रहा है। जिसमें फिजीयोथेरेपी दलजीत सिंह द्वारा चिकित्सा केन्द्र पर आने वाले लोगो को फिजीयोथेरेपी की सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। इसके साथ ही विभाग में श्री दीपक कुमार एम0टी0एस0 पद पर सेवाएं दे रहे हैं।

स्वामी श्रद्धानन्द स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा समविश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिये एम्बुलेन्स की सेवा भी उपलब्ध करायी जा रही है। सत्र 2022-2023 में विभाग में लगभग 1570 लोगों को चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध करायी गयी।

समय-समय पर समविश्वविद्यालय में स्वामी श्रद्धानन्द स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा समविश्वविद्यालय के कर्मचारियों के स्वास्थ्य परिक्षण हेतु विभागों में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें विभाग के कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच करायी गयी।

# Teaching and Non-Teaching List

## Teaching

| S.N. | MN | NAME | POST | FACULTY | DEPT | MOBILE |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | DR. | VIVEK GOEL | Asstt. Prof. | FET | Applied Scince (Mathematics and Statistics) | 9760066198 |
| 2 | DR. | TANUJ GARG | Asstt. Prof. | FET | ECE | 8439100102 |
| 3 | DR. | VIPUL SHARMA | Professor | FET | ECE | 9760758291 |
| 4 | DR. | MAYANK AGGARWAL | Professor | FET | CSE | 9719004462 |
| 5 | DR. | MURALI MANOHAR TIWARI | Assosiate Professor | FET | Applied Science (Chemistry) | 9411755444 |
| 6 | DR. | SUNIL PANWAR | Associate Prof. | FET | Applied Scieence (Physics) | 9897048445 |
| 7 | Sh. | RISHI KUMAR PRAJAPATI | Assistant Professor | FET | ME | 9675114166 |
| 8 | DR. | SUYASH BHARDWAJ | Assistant Professor | FET | CSE | 9719580167 |
| 9 | Sh. | NISHANT KUMAR | Asstt. Prof. | FET | CSE | 8979798008 |
| 10 | Sh. | ANUJ KUMAR SHARMA | Assistant Professor | FET | ECE | 9027487036 |
| 11 | Sh. | NAMIT KHANDUJA | Asstt. Prof. | FET | CSE | 9719242914 |
| 12 | Sh. | PRAVEEN KUMAR PANDEY | Assistant Professor | FET | ME | 9760006131 |
| 13 | Sh. | GAJENDRA SINGH RAWAT | Assistant Professor | FET | EE | 9528290299 |
| 14 | Sh. | SHIV KUMAR SINGH | Asstt. Prof. | FET | ECE | 9897108173 |
| 15 | SH. | SANJEEV KUMAR LAMBHA | Asstt. Prof. | FET | ME | 9897058062 |
| 16 | DR. | DEVENDRA SINGH | Asstt. Prof. | FET | Applied Scieence (Physics) | 9219721765 |
| 17 | DR. | AJAY KUMAR | Asstt. Prof. | FET | Applied Science (Chemistry) | 9927242988 |
| 18 | DR. | LOKESH KUMAR JOSHI | Asstt. Prof. | FET | Applied Scince (Mathematics and Statistics) | 9410907993 |
| 19 | Dr | ARUN KUMAR | Assosiate Professor | Faculty of Humanities | Psychology | 7500902047 |
| 20 | Dr. | AJEET SINGH TOMAR | Assistant Professor | Faculty of Humanities | Hindi | 9997019933 |
| 21 | Dr. | DEEPAK SINGH | Assistant Professor | Faculty of Humanities | Psychology | 9258360628 |
| 22 | DR | SUNIL KUMAR | Assistant Professor | Faculty of Humanities | Hindi | 9050072171 |
| 23 | DR | RAKESH KUMAR | Professor | Faculty of Humanities | Psychology | 9219770137 |
| 24 | DR | ARUN SINGH AWANA | Assistant Professor | Faculty of Humanities | English | 9718727240 |
| 25 | DR | VAROON BAKSHI | Assistant Professor | Faculty of Humanities | English | 9999646064 |
| 26 | DR. | SHRAWAN KUMAR SHARMA | Professor | Faculty of Humanities | English | 9412074666 |
| 27 | DR. | AMBUJ KUMAR SHARMA | Professor | Faculty of Humanities | English | 9319023424 |
| 28 | DR. | VIPUL BHATT | Asstt. Prof. | Faculty of Humanities | Economics | 8449714510 |
| 29 | DR. | VINOD KUMAR | Asstt. Prof. | Faculty of Life Science | Zoology and Env. Sci. | 9897189197 |
| 30 | DR. | GAGAN MATTA | Asstt. Prof. | Faculty of Life Science | Zoology and Env. Sci. | 9897161345 |
| 31 | DR. | KARTIKEY KUMAR GUPTA | Asstt. Prof. | Faculty of Life Science | Botany and Microbiology | 7895741529 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 32 | DR. | RAMESH CHAND DUBEY | Professor | Faculty of Life Science | Botany and Microbiology | 9412157616 |
| 33 | DR. | NAVNEET | Professor | Faculty of Life Science | Botany and Microbiology | 7300761327 |
| 34 | DR. | DAVENDRA SINGH MALIK | Professor | Faculty of Life Science | Zoology and Env. Sci. | 9897887165 |
| 35 | DR. | RAKESH BHUTIANI | Associate Prof. | Faculty of Life Science | Zoology and Env. Sci. | 9412072917 |
| 36 | Dr. | NITIN KAMBOJ | Assosiate Professor | Faculty of Life Science | Zoology and Env. Sci. | 9358574711 |
| 37 | DR | MUKESH KUMAR | Professor | Faculty of Life Science | Botany and Microbiology | 9412518789 |
| 38 | Dr. | SANDEEP KUMAR | Assistant Professor | Faculty of Life Science | Botany and Microbiology | 9002526634 |
| 39 | Dr. | NITIN BHARDHAWJ | Assistant Professor | Faculty of Life Science | Zoology and Env. Sci. | 9927031937 |
| 40 | Dr. | CHIRANJIB BANERJEE | Assistant Professor | Faculty of Life Science | Botany and Microbiology | 8918061496 |
| 41 | Dr. | VINEET KUMAR | Assistant Professor | Faculty of Life Science | Botany and Microbiology | 9412420409 |
| 42 | Dr. | HARISH CHANDRA | Assistant Professor | Faculty of Life Science | Botany and Microbiology | 9456567555 |
| 43 | DR. | VINOD KUMAR SINGH | Professor | Faculty of Management Studies | Management | 7500133344 |
| 44 | DR. | PANKAJ MADAN | Professor | Faculty of Management Studies | Management | 7500622221 |
| 45 | DR. | MAUHAR SINGH MEENA | Asstt. Prof. | Faculty of Oriental Studies | Sanskrit | 9808489795 |
| 46 | DR | KUSHWAHA DILIP KUMAR | Associate Prof. | Faculty of Oriental Studies | A.I.H.,C.& Arch. | |
| 47 | DR. | MANUDEV BANDHU | Professor | Faculty of Oriental Studies | Ved | 9837631882 |
| 48 | DR. | DINESH CHANDRA SHASTRI | Professor | Faculty of Oriental Studies | Ved | 9410192541 |
| 49 | DR. | SOMDEV SHATANSHU | Vice-Chancellor (Officiating) | Faculty of Oriental Studies | Sanskrit | 9837647427 |
| 50 | DR. | BRAHMADEV | Professor | Faculty of Oriental Studies | Sanskrit | 9412307123 |
| 51 | DR. | PRABHAT KUMAR | Professor | Faculty of Oriental Studies | A.I.H.,C.& Arch. | 9319022000 |
| 52 | DR. | DEVENDRA KUMAR GUPTA | Professor | Faculty of Oriental Studies | A.I.H.,C.& Arch. | 9897902653 |
| 53 | DR. | SATYA DEV NIGMALANKAR | Professor | Faculty of Oriental Studies | Shradhanand Vedic Shodh Sansthan | 7453914055 |
| 54 | DR | BHARAT VEDALANKAR | Assistant Professor | Faculty of Oriental Studies | Philosphy | 8057543707 |
| 55 | Dr. | VEDVRAT | Assistant Professor | Faculty of Oriental Studies | Sanskrit | 9411425614 |
| 56 | Dr. | DEEN DAYAL | Assistant Professor | Faculty of Oriental Studies | Ved | 9997295959 |
| 57 | Dr. | BABLU | Assistant Professor | Faculty of Oriental Studies | Philosphy | 7500008505 |
| 58 | DR | RAM CHANDRA MEGHWAL | Assistant Professor | Faculty of Oriental Studies | Ved | 8287767610 |
| 59 | DR | VINAY KUMAR | Professor | Faculty of Oriental Studies | Sanskrit | 7906725688 |
| 60 | Dr. | BHAGWAN DAS JOSHI | Assistant Professor | Faculty of Oriental Studies | Jyotish and Karamkand | 8077469353 |
| 61 | DR | RAM PRAKASHVARNI | Professor | Faculty of Oriental Studies | Shradhanand Vedic Shodh Sansthan | 9457055342 |
| 62 | Dr | VIPIN KUMAR | Asstt. Prof. | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 9759331509 |
| 63 | SH. | KAPIL KUMAR GOEL | Asstt. Prof. | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 8449714600 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 64 | DR. | VINOD NAUTIYAL | Asstt. Prof. | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 9870986917 |
| 65 | DR | ASHWANI KUMAR | Assistant Professor | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 7983550483 |
| 66 | DR. | RAJDEEP MALIK | Assistant Professor | Faculty of Science | Chemistry | 7500353095 |
| 67 | DR. | HIMANSHU GUPTA | Asstt. Prof. | Faculty of Science | Physics | 9410322675 |
| 68 | Dr. | SUHAS | Assistant Professor | Faculty of Science | Chemistry | 8791563015 |
| 69 | DR. | PAWAN KUMAR | Assoc.Prof. | Faculty of Sci. | Physics | 9410560660 |
| 70 | DR. | RISHI KUMAR SHUKLA | Assoc.Prof. | Faculty of Science | Chemistry | 9897700557 |
| 71 | DR. | PRASHANT TEVATIA | Asstt. Prof. | Faculty of Science | Chemistry | 9897263344 |
| 72 | DR. | JASPAL SINGH | Associate Prof. | Faculty of Science | Chemistry | 9719250405 |
| 73 | DR. | KARAM JIT BHATIA | Professor | Faculty of Science | MCA | 9412058541 |
| 74 | DR. | VIVEK KUMAR | Professor | Faculty of Science | MCA | 9837202304 |
| 75 | DR. | RAJ KUMAR | Associate Prof. | Faculty of Science | MCA | 8218463648 |
| 76 | DR. | SHWETANK | Asstt. Prof. | Faculty of Science | MCA | 9760076668 |
| 77 | DR. | KRISHAN KUMAR | Asstt. Prof. | Faculty of Science | MCA | 9319777952 |
| 78 | DR. | HARENDRA KUMAR | Asstt. Prof. | Faculty of Science | Maths and Stat. | 8899625057 |
| 79 | DR. | SAG RAM VERMA | Asstt. Prof. | Faculty of Science | Maths and Stat. | 9675318349 |
| 80 | DR. | HEMWATI NANDAN | Asstt. Prof. | Faculty of Science | Physics | 8909916277 |
| 81 | DR. | LAKSHAMI PRASAD PUROHIT | Professor | Faculty of Science | Physics | 7300761217 |
| 82 | Dr. | RAVINDER KUMAR | Asstt. Prof. | Faculty of Science | Chemistry | 9868077342 |
| 83 | Dr | MANOJ KUMAR | Associate Prof. | Faculty of Science | Maths and Stat. | 8755386009 |
| 84 | Dr. | JAGRAM MEENA | Asstt. Prof. | Faculty of Science | Chemistry | 9555881703 |
| 85 | DR. | MAHENDRA SINGH | Asstt. Prof. | Faculty of Science | MCA | 9719004480 |
| 86 | DR. | AJENDRA KUMAR | Asstt. Prof. | Faculty of Science | Maths and Stat. | 9639077778 |
| 87 | Dr. | AJAY MALIK | Asstt. Prof. | Faculty of Yoga and Physical Education | Physical Education | 9897238225 |
| 88 | DR. | SURENDRA KUMAR | Professor | Faculty of Yoga and Physical Education | Yogic Sc. | 9897173154 |
| 89 | DR. | UDHAM SINGH | Asstt. Prof. | Faculty of Yoga and Physical Education | Yogic Sc. | 8439353407 |
| 90 | DR. | HEMALATHA. K | Professor | KGC, Dehradun | English | 9897258202 |
| 91 | DR. | NIPUR SINGH | Professor | KGC, Dehradun | Computer Sc. | 9412941025 |
| 92 | DR. | RENU SHUKLA | Professor | KGC, Dehradun | A.I.H.,C.& Arch. | 9412174170 |
| 93 | DR. | PRAVEENA CHATURVEDI | Professor | KGC, Dehradun | Computer Sc. | 9412940187 |
| 94 | DR. | HEMAN PATHAK | Professor | KGC, Dehradun | Computer Sc. | 9412992380 |
| 95 | DR. | NEENA GUPTA | Associate Prof. | KGC, Dehradun | Computer Sc. | 9358106299 |
| 96 | Dr. | NISHA YADAV | Asstt. Prof. | KGC, Dehradun | Hindi | 9917750501 |
| 97 | Dr. | MAMTA YADAV | Asstt. Prof. | KGC, Dehradun | MUSIC | 8687064760 |
| 98 | Dr. | SARITA NEGI | Asstt. Prof. | KGC, Dehradun | MUSIC | 9810658250 |
| 99 | DR | SUNEETI AARYA | Asstt. Prof. | KGC, Dehradun | Sanskrit | 8059048908 |
| 100 | Dr. | SAVITA | Asstt. Prof. | KGC, Dehradun | Computer Sc. | 9410436383 |
| 101 | DR | REENA VERMA | Asstt. Prof. | KGC, Dehradun | English | 9627013831 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 102 | DR | KALPNA SAGAR | Asstt. Prof. | KGC, Haridwar | Microbiology | 9711019035 |
| 103 | Dr. | NISHA SHARMA | Asstt. Prof. | KGC, Haridwar | Hindi | 9451989362 |
| 104 | DR. | SANGEETA SINGH | Professor | KGC, Haridwar | Sanskrit | 9411100359 |
| 105 | DR. | NAMITA JOSHI | Professor | KGC, Haridwar | Environmental Sc. | 9410559821 |
| 106 | DR. | SHYAMLATA JUYAL | Professor | KGC, Haridwar | Psychology | 7830211022 |
| 107 | DR. | SUCHITRA MALIK | Professor | KGC, Haridwar | Hindi | 9411731310 |
| 108 | DR. | ANJALI GOEL | Professor | KGC, Haridwar | Chemistry | 9412942338 |
| 109 | DR. | MUDITA AGNIHOTRI | Professor | KGC, Haridwar | English | 9411175724 |
| 110 | DR. | SEEMA SHARMA | Professor | KGC, Haridwar | Maths and Stat. | 7895210820 |
| 111 | DR. | MRIDULA JOSHI | Professor | KGC, Haridwar | Hindi | 9897458445 |
| 112 | DR. | NIDHI HANDA | Associate Prof. | KGC, Haridwar | Maths and Stat. | 9411788474 |
| 113 | DR. | DEEPA GUPTA | Assosiate Professor | KGC, Haridwar | A.I.H.,C.& Arch. | 9412556962 |
| 114 | DR. | MANJUSHA KAUSHIK | Assosiate Professor | KGC, Haridwar | English | 9897795140 |
| 115 | DR. | ABHA SHUKLA | Associate Prof. | KGC, Haridwar | Chemistry | 9219855406 |
| 116 | DR. | BABITA SHARMA | Asstt. Prof. | KGC, Haridwar | Philosphy | 9410763200 |
| 117 | DR. | SANGEETA MADAN | Assoc. Prof. | KGC, Haridwar | Environmental Sc. | 9997402720 |
| 118 | DR. | SUNITA RANI | Asstt. Prof. | KGC, Haridwar | Psychology | 9897340612 |
| 119 | DR. | SUREKHA RANA | Professor | KGC, Haridwar | Management | 9412173165 |
| 120 | DR. | BINDU ARORA | Professor | KGC, Haridwar | Management | 9412173247 |
| 121 | Dr | POONAM PAINULY | Asstt. Prof. | KGC, Haridwar | Management | 7579047692 |
| 122 | DR. | RICHA SAINI | Asstt. Prof. | KGC, Haridwar | Physics | 9412072017 |
| 123 | DR. | RITU ARORA | Asstt. Prof. | KGC, Haridwar | Maths and Stat. | 9760099090 |
| 124 | DR. | MANILA | Asstt. Prof. | KGC, Haridwar | Chemistry | 9358289589 |
| 125 | DR. | VERINDER VIRK | Asstt. Prof. | KGC, Haridwar | Microbiology | 9758188132 |

## NON TEACHING

| S.N. | MN | NAME | POST | FACULTY | DEPT | MOBILE |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | DR. | GANDHARVA SEN | Horticulturist | Administration | Administration | 9411373686 |
| 2 | SH. | ARVIND KUMAR | Section Officer | Administration | Account Section | 9927751456 |
| 3 | SH. | PRAKASH CHANDRA TIWARI | Assistant | Administration | Administration-Evaluation | 9837781284 |
| 4 | SH. | PRAMOD KUMAR | UDC | Administration | Administration-Evaluation | 9456131125 |
| 5 | SH. | MADAN MOHAN SINGH | UDC | Administration | Establishment | 9837453116 |
| 6 | SH. | MAHESH CHAND JOSHI | UDC | Administration | Establishment | 7351018043 |
| 7 | SH. | DINESH KUMAR | MTS | Administration | Account Section | 9639999285 |
| 8 | SH. | MAHENDER SINGH | UDC | Administration | Library | 7300761204 |
| 9 | SH. | KAILASH CHANDER BHATT | Electrician | Administration | Administration | 8449714511 |
| 10 | SH. | GIRISH CHANDRA JOSHI | Plumber | Administration | Administration | 9897887221 |
| 11 | SH. | SHASHI KANT | PS to VC | Administration | Administration | 9410194280 |
| 12 | SH. | MANGE RAM | Driver | Administration | Administration | 9758034426 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 13 | SH. | RAM AJOR | MTS | Administration | Physics | 9758075996 |
| 14 | SH. | BRIJPAL | MTS | Administration | Administration | 9759303218 |
| 15 | SH. | RISHI PAL SINGH | MTS | Administration | Administration | 7300761288 |
| 16 | SH. | KULBHUSHAN SHARMA | LDC | Administration | Public Relation Office | 9837291181 |
| 17 | SH. | SUDHAKAR SINGH | MTS | Administration | Establishment | 9758265136 |
| 18 | SH. | RAMASHANKAR SHARMA | UDC | Administration | Oriental Studies | 8979797969 |
| 19 | SH. | NEERAJ | MTS | Administration | Administration | 7500479975 |
| 20 | SH. | KRISHAN KUMAR | UDC | Administration | Establishment | 9012802144 |
| 21 | SH. | JAICHAND | MTS | Administration | Examination Section | 9627549669 |
| 22 | SH. | HEMANT SINGH NEGI | UDC | Administration | Education Section | 9897263158 |
| 23 | SH. | VED PRAKASH THAPA | LDC | Administration | V.C. Office | 7895555067 |
| 24 | SH. | OMVEER | MTS | Administration | Humanities | 8445781103 |
| 25 | SH. | NAVEEN KUMAR | Sr. Technical Assistant (IT) | Administration | SC/ST CELL | 9997355742 |
| 26 | Dr. | SACHIN PATHAK | Res. cum Stat. Officer | Administration | SC/ST CELL | 9412377799 |
| 27 | SH. | RANJIT KUMAR | Junior Engineer | Administration | Administration | 9634410374 |
| 28 | SH. | PRAVESH KUMAR | MTS | Administration | Administration | 9639492531 |
| 29 | SH. | AMIT KUMAR DHIMAN | UDC | Administration | Administration-Accounts | 9756211132 |
| 30 | SH. | SANJAY SHARMA | UDC | Administration | Examination Section | 9917516563 |
| 31 | SH. | MAHESH KUMAR SHARMA | Carpenter | Administration | Administration | 9897983408 |
| 32 | Sh. | DEVENDRA KUMAR | Joint. Registrar | Administration | Administration | |
| 33 | SH. | SUSHIL KUMAR | MTS | Administration | Administration | 9412904606 |
| 34 | SH. | HEMENT KUMAR | MTS | Administration | Administration | 9997302776 |
| 35 | SH. | PARVEEN KUMAR | MTS | Administration | Administration | 9690573040 |
| 36 | SH. | ABHISHEK BHATT | MTS | Administration | Administration | 7536862724 |
| 37 | SH. | NARESH KUMAR | Electrician | Administration | Administration | 9050917006 |
| 38 | SH. | ASHISH THAPLIYAL | MTS | Administration | Administration | 7535880954 |
| 39 | DR | SUNIL KUMAR | Registrar | Administration | Admisistration | 9997074003 |
| 40 | SH. | YASH PAL SINGH TOMAR | System Analyst | Computer Centre | Computer Centre | 8909384805 |
| 41 | SH. | PREM NIWAS GUPTA | Sr. Technical Assistant (IT) | Computer Centre | Computer Centre | 9719582917 |
| 42 | SH. | MANOJ KUMAR | Sr. Technical Assistant (IT) | Computer Centre | Computer Centre | 9719134924 |
| 43 | SH. | MANOJ KUMAR | Lab Attendant | Computer Centre | Computer Centre | 9927560023 |
| 44 | SH. | RAVINDER KUMAR | MTS | Computer Centre | Computer Centre | 9719271501 |
| 45 | SH. | BHARAT SINGH | MTS | FET | FET | 7500197117 |
| 46 | SH. | DILAWAR SINGH | MTS | FET | FET | 7500814364 |
| 47 | SH. | ARJUN SINGH | MTS | FET | FET | 9627549656 |
| 48 | SH. | VIKAS KUMAR DESWAL | Lab Technician | FET | ME,FET | 9557827050 |
| 49 | SH. | SHYAM KUMAR | Technical | FET | Computer | 9719004481 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | KASHYAP | Assistant | | Centre,FET | |
| 50 | SH. | SANJAY PARE | Semi Professional Assistant | FET | FET | 9997323770 |
| 51 | SH. | DHARMENDAR KUMAR | LDC (Sports) | FET | FET | 7351726000 |
| 52 | SH. | RAJIV GUPTA | Data Entry Operator | FET | FET | 9719004458 |
| 53 | SH. | RAJMAL RANA | Drivers | FET | FET | 8057156170 |
| 54 | SH. | DEEPAK NEGI | LAB ATTENDANT | FET | Chemistry | 9837756928 |
| 55 | SH. | SANJAY KUMAR | MTS | FET | FET | 8393917258 |
| 56 | SH. | UMA SHANKAR | LDC | FET | FET OFFICE | 7300761245 |
| 57 | SH. | NARENDRA MALIK | MTS | FET | FET OFFICE | 9759224903 |
| 58 | SH. | KAVINDER KUMAR | LAB ATTENDANT | FET | FET | 9045339812 |
| 59 | SH. | OMVEER SINGH | Computer Attendent | FET | FET | 9012122936 |
| 60 | SH. | HEMANT KUMAR | Attendant | FET | FET | 9837343309 |
| 61 | SH. | BIRENDRA SINGH | LAB TECHNICIAN | FET | Chemistry,FET | 7300761255 |
| 62 | SH. | SURENDER KUMAR | MTS | FET | FET | 8958600228 |
| 63 | Sh. | ANIRUDDH KUMAR YADAV | LAB TECHNICIAN | FET | ME | 9917004528 |
| 64 | SH. | ASHOK KUMAR BHATT | Lab Technician | FET | ECE | 7060188359 |
| 65 | SH. | DEEPAK VERMA | Lab Technician | FET | EE | 7017679741 |
| 66 | SH. | ASHOK KUMAR | Lab Technician | FET | EE | 9027653199 |
| 67 | SH. | SANJAY KUMAR | Lab Assistant | FET | Physics,FET | 7300761168 |
| 68 | SH. | SANJAY KUMAR | Lab Technician | FET | ECE | 9027323263 |
| 69 | SH. | DEVANAND JOSHI | Computer Operator | FET | Computer Sc. | 9412379169 |
| 70 | SH. | LALIT SINGH NEGI | LDC | FET | FET | 9897924558 |
| 71 | SH. | TARUN RISHI | LDC | FET | FET | 7500675365 |
| 72 | SH. | ASWANI KUMAR BAKSHI | Lab Assistant | FET | FET | 9997682453 |
| 73 | SH. | DHANPAL SINGH | Supervisor | FET | FET | 9720348448 |
| 74 | SH. | CHARANJEET SINGH | LAB ATTENDANT | FET | FET | 9690165515 |
| 75 | SH. | CHANDER PAL | Lab Attendant | FET | Physics | 9012274617 |
| 76 | SH. | AJAY KUMAR | Lab Attendant | FET | ECE | 7248477914 |
| 77 | SH. | PRAVEEN KUMAR | MTS | FET | FET OFFICE | 9758104612 |
| 78 | SH. | TARUN KUMAR | MTS | FET | FET | 9917270438 |
| 79 | SH. | NEERAJ KUMAR | MTS | FET | FET | 9837700627 |
| 80 | DR | SANJIL KUMAR | LDC | FET | B.Tech. hostel | 9412941529 |
| 81 | Sh. | APOORV KAUSHIK | System Analyst | FET | FET OFFICE | 9719305227 |
| 82 | Dr. | VIKRAM SINGH | Lab Assistant | Faculty of Humanities | Psychology | 9917270454 |
| 83 | SH. | RAJKUMAR | LDC | Faculty of Humanities | Humanities | 9719713021 |
| 84 | SH. | JITENDRA SINGH NEGI | MTS | Faculty of Humanities | Philosphy | 8057517864 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 85 | SH. | JASBIR SINGH | MTS | Faculty of Humanities | Administration | 9411578344 |
| 86 | SH. | CHAMAN LAL | MTS | Faculty of Life Science | Zoology and Env. Sci. | 8449394390 |
| 87 | SH. | VIRENDRA SINGH | MTS | Faculty of Life Science | Botany and Microbiology | 9720983684 |
| 88 | SH. | RAMSUMAT | MTS | Faculty of Life Science | Zoology and Env. Sci. | 9759913382 |
| 89 | SH. | SUSHIL KUMAR | Lab Assistant | Faculty of Life Science | Zoology and Env. Sci. | 9759009555 |
| 90 | SH. | ARUN KUMAR | Lab Assistant | Faculty of Life Science | Zoology and Env. Sci. | 7500210611 |
| 91 | SH. | AMRISH KUMAR | LAB ATTENDANT | Faculty of Life Science | Administration | 9720037660 |
| 92 | Sh. | SHIV KUMAR MAURYA | Library Attendent | Faculty of Life Science | Botany and Microbiology | 9639620365 |
| 93 | SH. | RAJESH KUMAR | Lab Attendant | Management Faculty | Management | 9411100942 |
| 94 | SH. | MOHAN SINGH | LAB ATTENDANT | Management Faculty | Management | 9639650440 |
| 95 | SH. | SUNIL KUMAR | MTS | Management Faculty | Management | 9927950610 |
| 96 | SH. | BIRENDRA SINGH BISHT | MTS | Faculty of Oriental Studies | Oriental Studies | 9319101056 |
| 97 | SH. | RAMESH CHANDRA | LDC | Faculty of Oriental Studies | Philosphy | 8979798072 |
| 98 | SH. | RAJNEESH BHARDWAJ | Lab Assistant | Faculty of Oriental Studies | Zoology and Botany | 9411776255 |
| 99 | SH. | SATYA DEV | MTS | Faculty of Oriental Studies | Administration | 7300990703 |
| 100 | SH. | SANDEEP KUMAR | MTS | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 7455895151 |
| 101 | SH. | GAURAV DEEP SINGH BHINDER | Computer Operator | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 9997028080 |
| 102 | SH. | ANUJ KUMAR | Lab Technician | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 9411151920 |
| 103 | SH. | SATISH KUMAR | Lab Assistant | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 9410508173 |
| 104 | SH. | ROSHAN LAL | Lab Assistant | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 9410933345 |
| 105 | SH. | NITIN KUMAR | Lab Assistant | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 9719347003 |
| 106 | SH. | MANOJ KUMAR | LDC | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 7217564069 |
| 107 | SH. | SANTOSH KUMAR | Lab Attendant | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 9758212121 |
| 108 | SH. | MANJEET SINGH | Lab Attendant | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 8430808209 |
| 109 | SH. | RAJVEER SINGH | MTS | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 6398881940 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 110 | SH. | SANJEEV MISHRA | MTS | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 9045523933 |
| 111 | SH. | SURAJ | MTS | Faculty of Pharmaceutical Sciences | Pharmaceutical Sciences | 9045596318 |
| 112 | SH. | PURSHOTTAM KUMAR | Technical Assistant (Lab) | Faculty of Sci. | Physics | 9012719816 |
| 113 | SH. | SANJAY KUMAR | Technical Assistant (IT) | Faculty of Science | Computer Sc. | 9719004482 |
| 114 | SH. | MUNESH | MTS | Faculty of Sci. | B. Pharma | 7037470524 |
| 115 | SH. | BALWANT SINGH | Lab Attendant | Faculty of Sci. | Chemistry | 7300761237 |
| 116 | SH. | KAMAL SINGH | LDC | Faculty of Sci. | Applied Physics | 8923048647 |
| 117 | SH. | MANOJ KUMAR | Library Attendent | Faculty of Sci. | Faculty of Science | 9756737795 |
| 118 | SH. | JITENDRA SINGH | Lab Attendant | Faculty of Sci. | Chemistry | 9917533945 |
| 119 | SH. | RAJPAL SINGH | MTS | Faculty of Sci. | Faculty of Science | 9627439220 |
| 120 | SH. | AJAY KUMAR | UDC | Faculty of Sci. | Faculty of Science | 9837088907 |
| 121 | SH. | NARESH KUMAR TYAGI | Lab Assistant | Faculty of Sci. | Chemistry | 9837807789 |
| 122 | SH. | BABADIN GUPTA | Lab Assistant | Faculty of Sci. | Physics | 9412942282 |
| 123 | SH. | ARUN KUMAR PAL | LAB ATTENDANT | Faculty of Sci. | Chemistry | 9690979599 |
| 124 | Sh. | VIRENDRA KUMAR | Lab Attendant | Faculty of Sci. | Physics | 9719152670 |
| 125 | Sh. | ARUN KUMAR | Lab Assistant | Faculty of Sci. | Chemistry | 9756252925 |
| 126 | Sh. | GOPAL SINGH RANA | Technical Assistant (IT) | Faculty of Sci. | Computer Sc. | 9756947478 |
| 127 | DR. | MAHENDRA SINGH RANA | Lab Assistant | Faculty of Sci. | Physics | 9456490018 |
| 128 | Sh. | MANISH AGARWAL | System Analyst | Faculty of Sci. | Computer Sc. | 9568995591 |
| 129 | SH. | MOHIT KUMAR | MTS | Faculty of Sci. | Administration | 9927077882 |
| 130 | SH. | SANDEEP KUMAR SAHU | MTS | Faculty of Sci. | Administration | 8006642418 |
| 131 | SH. | DEVESH UNIYAL | MTS | Faculty of Sci. | Administration | 9634860185 |
| 132 | SH. | ASHWANI KUMAR | MTS | Faculty of Yoga and Physical Education | Administration | 9012900305 |
| 133 | Sh. | KULDEEP KUMAR | LDC | Faculty of Yoga and Physical Education | B.PEd | 9897188829 |
| 134 | SH. | RAVINDRA SINGH | Lab Assistant | Faculty of Yoga and Physical Education | Physics | 7300761289 |
| 135 | SH. | DEEPAK ANAND | Sr. Technical Assistant (IT) | Faculty of Yoga and Physical Education | Human Resources and Yogic Sc. | 6396130488 |
| 136 | SH. | UDIT KUMAR | Lab Assistant | Faculty of Yoga and Physical Education | Human Resources and Yogic Sc. | 9758945401 |
| 137 | SH. | BRIJMOHAN SHARMA | Library Attendent | Faculty of Yoga and Physical Education | Library | 7579085949 |
| 138 | SH. | BIJENDRA SINGH | LDC | Faculty of Yoga and Physical Education | Museum | 9997986363 |
| 139 | SH. | JATINDER MOHAN | LDC | Faculty of Yoga | Oriental Studies | 7417284882 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | and Physical Education | | |
| 140 | SH. | GURPREET SINGH | Lab Attendant | Faculty of Yoga and Physical Education | Microbiology | 7060690070 |
| 141 | DR. | RAJEEV KUMAR SHARMA | Yoga Instructor | Faculty of Yoga and Physical Education | Manav Chetna and Yogic Sc. | 9927076055 |
| 142 | SH. | MUNNA LAL | MTS | KGC, Dehradun | KGC, Dehradun | 9927228366 |
| 143 | SH. | SURAT SINGH RANA | MTS | KGC, Dehradun | KGC, Dehradun | 7579089094 |
| 144 | SH. | VEER BAHADUR | MTS | KGC, Dehradun | Computer Sc. | 9760149832 |
| 145 | SH. | AYODHYA PRASAD NAWANI | MTS | KGC, Dehradun | Computer Sc. | 9012959131 |
| 146 | MRS | SWATI SINGHAL | Technical Assistant (IT) | KGC, Dehradun | Computer Sc. | 7078003716 |
| 147 | SMT | RASHNA | Semi Prof.Assistant | KGC, Dehradun | Administration | 9997628213 |
| 148 | SH. | PRAVEEN KUMAR | Lab Assistant | KGC, Haridwar | Chemistry | 9359107363 |
| 149 | Sh. | MADAN LAL JAT | Assist. Librarian | KGC, Haridwar | Library | 8791335026 |
| 150 | SMT | REETA SAHARAWAT | UDC | KGC, Haridwar | Administration | 9045339811 |
| 151 | SMT | SHANTA | LDC | KGC, Haridwar | Management | 8126884252 |
| 152 | KM. | PARUL SINGH | LDC | KGC, Haridwar | Management | 8791698536 |
| 153 | SMT | SHAKUNTLA | Lab Attendant | KGC, Haridwar | Management | 9410325444 |
| 154 | SMT. | MANJU NEGI | MTS | KGC, Haridwar | Management | 9634196358 |
| 155 | SMT | PRAMILA DEVI | MTS | KGC, Haridwar | Management | 9997210713 |
| 156 | SMT | CHANDRAKALA PANDEY | Semi Professional Assistant | KGC, Haridwar | Library | 9411755893 |
| 157 | SMT | MANJU DEVI W/O LT SH. BALESHWAR KUMAR | MTS | KGC, Haridwar | KGC, Haridwar | 9761900179 |
| 158 | SMT | SUNEET RAJPUT | LDC | KGC, Haridwar | Management | 8476002257 |
| 159 | SMT | PADMA DEVI | MTS | KGC, Haridwar | KGC, Haridwar | 9937700627 |
| 160 | SMT | MANJU RAI | MTS | KGC, Haridwar | KGC, Haridwar | 9412160016 |
| 161 | SMT | LILAWATI | MTS | KGC, Haridwar | KGC, Haridwar | 9897299649 |
| 162 | SH. | RAJESH KUMAR | MTS | KGC, Haridwar | Zoology and Env. Sci. | 9997146217 |
| 163 | SH. | NARENDRA SINGH | MTS | Library | Library | 7060830513 |
| 164 | SH. | SAMIR | Semi Professional Assistant | Library | Zoology and Env. Sci. | 9456026775 |
| 165 | SH. | SHASHIKANT | MTS | Library | Library | 9012679654 |
| 166 | SH. | ANAND BALLABH JOSHI | Semi Professional Assistant | Library | Library | 9410165793 |
| 167 | DR. | ANIL KUMAR DHIMAN | Information Scientist | Library | Library | 9411153340 |
| 168 | SH. | RAMESH CHAND | Assistant | Library | Library | 9758948737 |
| 169 | SH. | ISAM SINGH SAINI | MTS | Library | Administration | 9837382259 |
| 170 | SH. | SANJAY KUMAR | Semi Professional Assistant | Library | Administration | 7404557003 |
| 171 | Sh. | KULDEEP CHANDRA | Library | Library | Library | 8171104132 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | RATURI | Attendent | | | |
| 172 | Sh. | RAJ KISHORE RATHOR | Library Assistant | Library | Library | 8938886170 |
| 173 | Sh. | NARAYAN SINGH | Semi Professional Assistant | Library | Library | 6398669563 |
| 174 | DR. | SACHIN KUMAR KAUSHIK | Professional Assistant | Library | Library | 9927884477 |
| 175 | SH. | BIJENDRA SINGH | UDC | Life Long Learning | B. Pharma | |
| 176 | SH. | VIJAY PAL SINGH | MTS | Museum | Archaeological Museum | 8394024995 |
| 177 | Dr. | SATYENDRA SINGH | Assistant Curator | Museum | Archaeological Museum | 9412978173 |
| 178 | Sh. | VIPAN KUMAR | Gallary Atten. | Museum | Museum | 9627549661 |
| 179 | SH. | GURU PRASAD | MTS | Museum | Archaeological Museum | 9411374005 |
| 180 | DR. | MANOJ KUMAR | Curator | Museum | Archaeological Museum | 9897114481 |
| 181 | DR. | DEEPAK GHOSH | Assistant Archivist | Museum | Archaeological Museum | 8941917369 |
| 182 | SH. | DINESH KUMAR | Gallary Attendent | Museum | Archaeological Museum | 8449116999 |

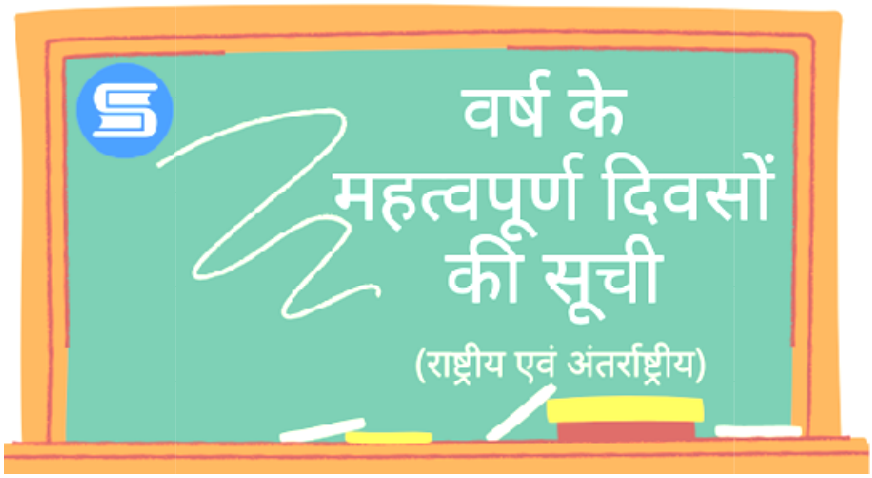


| दिनांक | दिवस |
|---|---|
| 1 जनवरी | अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस |
| 9 जनवरी | प्रवासी भारतीय दिवस |
| 10 जनवरी | विश्व हिन्दी दिवस, विश्व हास्य दिवस |
| 12 जनवरी | राष्ट्रीय युवा दिवस |
| 15 जनवरी | थल सेना दिवस |
| 23 जनवरी | पराक्रम दिवस |
| 24 जनवरी | राष्ट्रीय बालिका दिवस |
| 25 जनवरी | राष्ट्रीय पर्यटन दिवस , राष्ट्रीय मतदाता दिवस |
| 26 जनवरी | गणतंत्र दिवस |
| 27 जनवरी | अंतर्राष्ट्रीय प्रलय दिवस |
| 28 जनवरी | लाला लाजपत राय जयंती |
| 29 जनवरी | डेटा संरक्षण दिवस |
| 30 जनवरी | शहीद दिवस |
| 2 फरवरी | विश्व आद्रभूमि दिवस |
| 4 फरवरी | विश्व कैंसर दिवस |
| 12 फरवरी | डार्विन दिवस |
| 13 फरवरी | सरोजिनी नायडू जयंती |
| 14 फरवरी | वेलेंटाइन दिवस |
| 20 फरवरी | विश्व सामाजिक न्याय दिवस |
| 21 फरवरी | अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस |
| 24 फरवरी | केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिवस |
| 28 फरवरी | राष्ट्रीय विज्ञान दिवस |
| 4 मार्च | राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस |

| दिनांक | दिवस |
|---|---|
| 8 मार्च | अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस |
| 15 मार्च | विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस |
| 21 मार्च | विश्व वन दिवस |
| 22 मार्च | विश्व जल दिवस |
| 23 मार्च | विश्व मौसम विज्ञान दिवस |
| 24 मार्च | विश्व तापेदिक क्षयरोग दिवस / |
| 27 मार्च | विश्व रंगमंच दिवस |
| 2 अप्रैल | विश्व आटिज्म जागरूकता दिवस |
| 5 अप्रैल | राष्ट्रीय मेरीटाइम दिवस |
| 6 अप्रैल | अंतराष्ट्रीय खेल दिवस |
| 7 अप्रैल | विश्व स्वास्थ्य दिवस |
| 18 अप्रैल | विश्व विरासत दिवस |
| 22 अप्रैल | विश्व पृथ्वी दिवस |
| 23 अप्रैल | विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस |
| 25 अप्रैल | विश्व मलेरिया दिवस |
| 29 अप्रैल | अन्तर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस |
| 1 मई | अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस |
| 3 मई | विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस, विश्व सूर्य दिवस |
| 8 मई | विश्व रेडक्रॉस दिवस |
| 9 मई | विजय दिवस |
| 11 मई | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस |
| 12 मई | अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस |
| 14 मई | विश्व प्रवासी दिवस |

| दिनांक | दिवस |
|---|---|
| **17 मई** | विश्व दूरसंचार दिवस |
| **21 मई** | आतंकवाद विरोधी दिवस |
| **24 मई** | राष्ट्रमंडल दिवस |
| **31 मई** | विश्व तम्बाकू निषेध दिवस |
| **1 जून** | विश्व दुग्ध दिवस |
| **5 जून** | विश्व पर्यावरण दिवस |
| **8 जून** | विश्व महासागर दिवस |
| **14 जून** | विश्व रक्तदान दिवस |
| **20 जून** | विश्व शरणार्थी दिवस |
| **21 जून** | विश्व योग दिवस, विश्व संगीत दिवस |
| **23 जून** | संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस |
| **29 जून** | राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस |
| **30 जून** | अंतर्राष्ट्रीय संसदीय दिवस या संसदवाद / संसदीयता का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (International Day of Parliamentarism) |
| **1 जुलाई** | राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस |
| **11 जुलाई** | विश्व जनसंख्या दिवस |
| **12 जुलाई** | मलाला दिवस |
| **18 जुलाई** | नेल्सन मंडेला अंतराष्ट्रीय दिवस |
| **22 जुलाई** | राष्ट्रीय आम दिवस |
| **23 जुलाई** | राष्ट्रीय प्रसारण दिवस |
| **26 जुलाई** | कारगिल विजय दिवस |
| **28 जुलाई** | विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस |
| **29 जुलाई** | विश्व टाइगर दिवस |
| **6 अगस्त** | हिरोशिमा दिवस |
| **9 अगस्त** | भारत छोड़ो दिवस, नागासाकी दिवस |
| **12 अगस्त** | विश्व हाथी दिवस, अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस |
| **15 अगस्त** | स्वतंत्रता दिवस |
| **29 अगस्त** | राष्ट्रीय खेल दिवस |
| **5 सितम्बर** | शिक्षक दिवस |
| **8 सितम्बर** | विश्व साक्षरता दिवस |
| **14 सितम्बर** | राष्ट्रीय हिंदी दिवस |
| **16 सितम्बर** | विश्व ओजोन दिवस |
| **21 सितम्बर** | अंतर्राष्ट्रीय शान्ति दिवस |
| **27 सितम्बर** | विश्व पर्यटन दिवस |

| दिनांक | दिवस |
|---|---|
| **1 अक्टूबर** | अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस |
| **2 अक्टूबर** | गाँधी जयंती, शास्त्री जयंती, अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस |
| **5 अक्टूबर** | अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस |
| **8 अक्टूबर** | भारतीय वायुसेना दिवस |
| **9 अक्टूबर** | विश्व डाक दिवस |
| **10 अक्टूबर** | राष्ट्रीय डाक दिवस |
| **16 अक्टूबर** | विश्व खाद्य दिवस |
| **24 अक्टूबर** | संयुक्त राष्ट्र दिवस |
| **31 अक्टूबर** | राष्ट्रीय एकता दिवस |
| **11 नवम्बर** | राष्ट्रीय शिक्षा दिवस |
| **12 नवम्बर** | राष्ट्रीय पक्षी दिवस |
| **14 नवम्बर** | बाल दिवस |
| **17 नवम्बर** | राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस |
| **18 नवम्बर** | विश्व वयस्क दिवस |
| **19 नवम्बर** | राष्ट्रीय एकीकरण दिवस, विश्व नागरिक दिवस |
| **26 नवम्बर** | संविधान दिवस, राष्ट्रीय विधि दिवस, विश्व पर्यावरण सरंक्षण दिवस |
| **1 दिसम्बर** | विश्व एड्स दिवस |
| **5 दिसम्बर** | विश्व मृदा दिवस (World Soil Day), वाल्ट डिज्नी दिवस |
| **4 दिसम्बर** | नौसेना दिवस |
| **7 दिसम्बर** | सशस्त्र सेना झंडा दिवस |
| **10 दिसम्बर** | विश्व मानवाधिकार दिवस |
| **16 दिसम्बर** | विजय दिवस |
| **18 दिसम्बर** | अल्पसंख्यक अधिकार दिवस |
| **23 दिसम्बर** | किसान दिवस |
| **24 दिसम्बर** | राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस |
| **25 दिसम्बर** | सुशासन दिवस, क्रिसमस डे |
| **26 दिसम्बर** | बॉक्सिंग दिवस |